TANTRAKULAM

तंत्रकुलज्योतिषम्

कुण्डली पुस्तक

Devadutt

स्थान	तिथि
Dehradun	**2026-08-22**
समय	अक्षांश / देशान्तर
06:15 IST	**30.3165° N · 78.0322° E**

सूर्यसिद्धान्त · निरयण

तंत्रकुलज्योतिषम्

आचार्य राजेश बेञ्जवाल · Drik-API License 1.0 · SSP-API License 1.0

विषय सूची

01 मांगलिक श्लोक
02 पञ्चाङ्ग
03 जन्म विवरण
04 अवकहड़ा
05 ग्रह स्थिति
06 लग्न कुण्डली
07 चन्द्र कुण्डली
08 सूर्य कुण्डली
09 भाव चलित
10 षोडश वर्ग कुण्डली
11 D1 · राशि कुण्डली
12 D2 · होरा कुण्डली
13 D3 · द्रेष्काण कुण्डली
14 D4 · चतुर्थांश कुण्डली
15 D7 · सप्तांश कुण्डली
16 D9 · नवांश कुण्डली
17 D10 · दशांश कुण्डली
18 D12 · द्वादशांश कुण्डली
19 D16 · षोडशांश कुण्डली
20 D20 · विंशांश कुण्डली
21 D24 · चतुर्विंशांश कुण्डली
22 D27 · भांश (नक्षत्रांश) कुण्डली
23 D30 · त्रिंशांश कुण्डली
24 D40 · खवेदांश कुण्डली
25 D45 · अक्षवेदांश कुण्डली
26 D60 · षष्ट्यांश कुण्डली
27 विम्शोत्तरी दशा
28 विम्शोत्तरी फल
29 योगिनी दशा
30 योगिनी फल
31 मैत्री
32 ग्रह दृष्टि
33 जैमिनी
34 अष्टकवर्ग
35 ग्रह गरिमा
36 वर्ग तुलना
37 ग्रह सारांश
38 भाव सारांश
39 बल
40 साढ़े साती
41 आयुर्दाय
42 भाव फल
43 कर्म
44 धन
45 विवाह
46 स्वास्थ्य
47 शिक्षा
48 रत्न निर्णय
49 अरिष्ट खण्ड
50 ग्रहशान्ति

तंत्रकुलज्योतिषम्

51 सन्तान

52 दशा टाइमलाइन

53 वर्षफल

54 गोचर

55 मांगलिक

56 योग

57 गुण मिलान

तंत्रकुलज्योतिषम्

मांगलिक श्लोक

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

> कल्याणं कमलासनः स भगवान् विष्णुः सजिष्णुः
> स्वयं प्रालेयाद्रिसुतापतिः सतनयो ज्ञानं च निर्विघ्नताम् ।
> चन्द्रजास्फुजिदर्कभौमधिषणच्छायासुतैरन्वितं
> ज्योतिश्चक्रमिदं सदैव भवतामायुश्चिरं यच्छतु ॥

> सूर्यः शौर्यमथेन्द्रुरुच्चपदवीं सन्मङ्गलं मङ्गलः
> सद्बुद्धिं च बुधो गुरुश्च गुरुतां शुक्रः सुखं शं शनिः ।
> राहुर्वाहुबलं करोतु विपुलं केतुः कुलस्योन्नतिं
> नित्यं प्रीतिकरा भवन्तु भवतां सर्वे प्रसन्ना ग्रहाः ॥

॥ श्री ॥

> स्वस्तिश्रीसौख्यधात्री सुतजयजननी तुष्टिपुष्टिप्रदात्री
> माङ्गल्योत्साहकर्त्री गतभवसदसत्कर्मणां व्यञ्जयित्री ।
> नाना सम्पद्विधात्री धनकुलयशसामायुषां वर्द्धयित्री
> दुष्टाऽऽपद्विघ्नहर्त्री गुणगणवसतिर्लिख्यते जन्मपत्री ॥१॥
>
> कल्याण, सम्पत्ति और सुख को देनेवाली, सन्तान और विजयदात्री, सन्तोष और पुण्यदायिनी, मंगल और उत्साह को बढ़ाने वाली, पूर्व और अग्रिम जन्मकृत कर्मफल को बतानेवाली, विविध सम्पत्ति, धन, कुल और यश को बढ़ानेवाली, दुष्टापत्ति और विघ्न को हटानेवाली और गुणगणों का भण्डाररूप जन्मपत्रिका को लिखता हूँ ॥१॥

> दशावतारो भुवनैकमल्लो गोपाङ्गनासेवितपादपद्मः ।
> श्रीकृष्णचन्द्रः पुरुषोत्तमोऽयं ददातु मे सर्वसमीहितानि ॥३॥
>
> दस अवतार वाले, समस्त विश्व में विजयी वीर, गोपीजनों से पूजित चरणकमलवाले भगवान् श्रीकृष्णचन्द्र सब अभीष्ट की पूर्ति करें ॥३॥

> सूर्यः शौर्यमथेन्दुरुच्चपदवीं सन्मङ्गलं मङ्गलः
> सद्बुद्धिं च बुधो गुरुश्च गुरुतां शुक्रः सुखं शं शनिः ।
> राहुर्बाहुबलं करोतु विपुलं केतुः कुलस्योन्नतिं नित्यं
> प्रीतिकरा भवन्तु भवतां सर्वे प्रसन्ना ग्रहाः ॥५॥
>
> सूर्य शौर्य, चन्द्रमा उच्च पदवी, मंगल कल्याण, बुध सुमति, गुरु गौरव, शुक्र सुख, शनि कुशल, राहु भुजबल, केतु कुलोन्नति करते हुए ये सब ग्रह सदा प्रसन्नरूप होकर प्रीतिकारक होवें ॥५॥

कल्याणं कमलासनः स भगवान् विष्णुः सजिष्णुः
स्वयं प्रालेयाद्रिसुतापतिः सतनयो ज्ञानं च निर्विघ्नताम् ।
चन्द्रज्ञास्फुजिदर्कभौमधिषणच्छायासुतैरन्वितं
ज्योतिश्चक्रमिदं सदैव भवतामायुश्चिरं यच्छतु ॥६॥

भगवान् ब्रह्मा, विष्णु, इन्द्र, अपने प्रिय पुत्र गणेशजी के सहित श्री शिवजी, सदैव आपको कल्याण, ज्ञान और निर्विघ्नता प्रदान करें । तथा चन्द्र, बुध, शुक्र, सूर्य, मंगल, गुरु और शनि सहित सब राशि और नक्षत्रमण्डल आपकी आयु की वृद्धि करें ॥६॥

सूर्यो यच्छतु भूपतां द्विजपतिः प्रीतिं परां तन्वतां
माङ्गल्यं विदधातु भूमितनयो बुद्धिं विधत्तां बुधः ।
गौरं गौरवमातनोतु च गुरुः शुक्रः सशुक्रार्थदः
सौरिररिविनाशनं वितनुते रोगक्षयं सैंहिकः ॥७॥

सूर्य पृथ्वीपतित्व, चन्द्रमा उत्तम प्रेम, मंगल मांगल्य, बुध सुबुद्धि, बृहस्पति शुद्ध गौरव, शुक्र वीर्य (बल) और धन, शनि शत्रुओं का नाश और राहु (सैंहिक) जातक के रोगों का नाश करें ॥७॥

श्रीमान् पङ्कजिनीपतिः कुमुदिनीप्राणेश्वरो भूमिभूः
शाशाङ्किः सुरराजवन्दितपदो दैत्येन्द्रमन्त्री शनिः ।
स्वर्भानुः शिखिनां गणो गणपतिर्ब्रह्मेशलक्ष्मीश्वराः
तं रक्षन्तु सदैव यस्य विमला पत्री त्वियं लिख्यते ॥८॥

कमलिनीपति (सूर्य), कुमुदिनीप्रिय (चन्द्रमा), भूमिपुत्र (मंगल), शशाङ्कसुत (बुध), देवेन्द्रपूज्यचरण (बृहस्पति), दैत्येन्द्रपूज्य (शुक्र), शनि, स्वर्भानु (राहु), केतु-गण, गणेश, ब्रह्मा, रुद्र और श्रीविष्णु भगवान् जातक की रक्षा करें, जिसकी यह जन्मपत्रिका लिखी जाती है ॥८॥

तंत्रकुलज्योतिषम्

कृतं मया नोदकयन्त्रसाधनं न भेक्षणं चापि न शङ्कुधारणम् ।
परोपदेशात्समयावबोधकं विलिख्यते जन्मफलं नराणाम् ॥९॥

मैंने जलयन्त्र (घड़ीबोधक यन्त्र) के द्वारा अथवा नक्षत्रों को देखकर अथवा शंकु की छाया से जन्मकाल का ज्ञान नहीं किया, दूसरों के बताये हुए समय के आधार पर मैं जातक के जन्म फल को लिखता हूँ ॥९॥

यावन्मेरुर्धरापीठे यावच्चन्द्रदिवाकरौ ।
तावन्नन्दतु बालोऽयं यदीया जन्मपत्रिका ॥

जब तक पृथ्वी पर सुमेरु, आकाश में सूर्य और चन्द्रमा हैं तब तक यह बालक आनन्द से रहे, जिसका यह जन्मपत्र है ॥

पञ्चाङ्ग

NORTH INDIAN

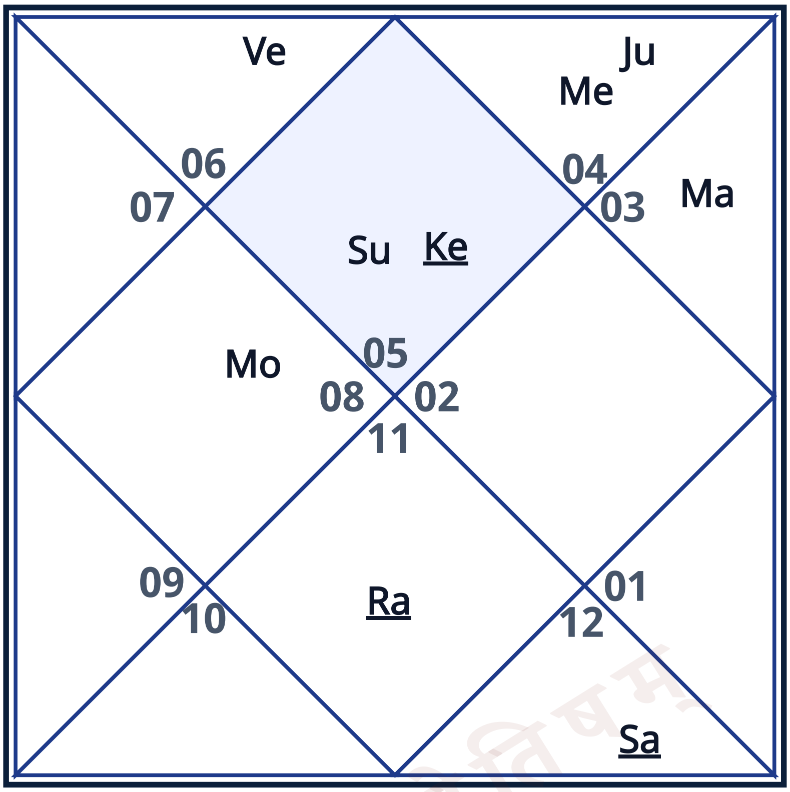

तंत्रकुलज्योतिषम्

TITHI
दशमी
शुक्ल · 27.2%

NAKSHATRA
ज्येष्ठा
Pada 3 · 65.5%

YOGA
वैधृति
96.4%

KARANA
तैतिल
54.5%

Field	Value
Samvatsara	रौद्र
Vikram	2083
Śaka	1948
Amanta month	श्रावण
Purnimanta month	श्रावण
Sun rise / set	05:41 / 18:41

Field	Value
Moon rise / set	14:51 / 23:58

तंत्रकुलज्योतिषम्

जन्म विवरण

NORTH INDIAN

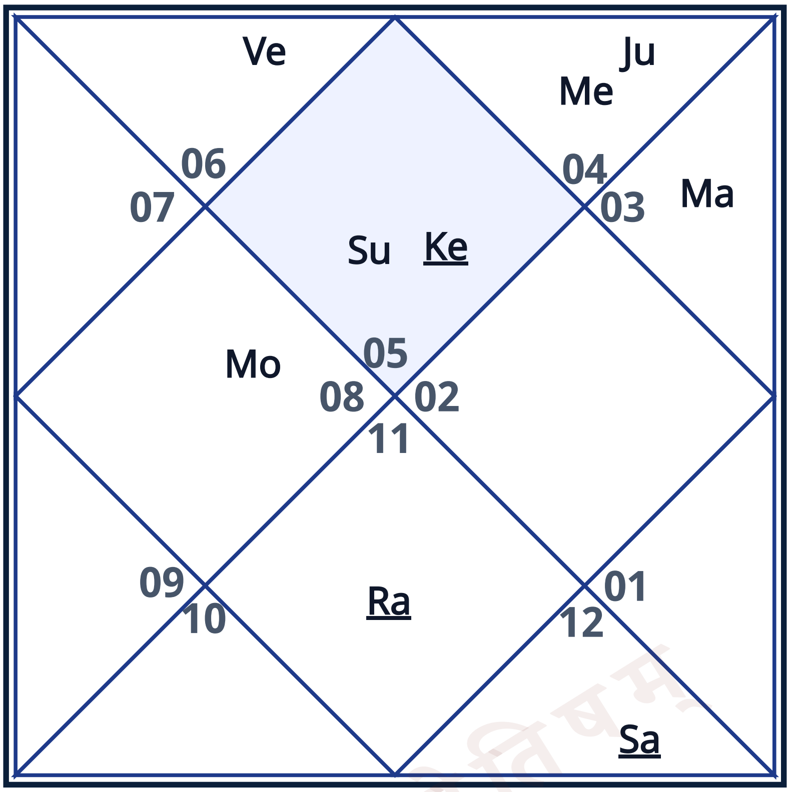

तंत्रकुलज्योतिषम्

NAKSHATRA
ज्येष्ठा
Pada 3

LAGNA
सिंह
Leo

MOON
वृश्चिक
Scorpio

BIRTH DASHA
Mercury
2026-08-22 – 2032-07-04

Field	Value	Sanskrit
Samvatsara	रौद्र	संवत्सर
Vikram Samvat	2083	विक्रम संवत्
Śaka Samvat	1948	शक संवत्
Gata Kali	5127	गत कलि संवत्
Purnimanta month	श्रावण	पूर्णिमान्त मास
Amanta month	श्रावण	अमान्त मास

Field	Value	Sanskrit
Solar month	भाद्रपद	सौर मास
Weekday	शनि	वार
Tithi	शुक्ल दशमी	तिथि
Yoga	वैधृति	योग
Karana	तैतिल	करण
Birth nakshatra	ज्येष्ठा (3)	जन्म नक्षत्र
Lagna	सिंह	लग्न
Moon sign	वृश्चिक	चन्द्र राशि
Sun sign	सिंह	सूर्य राशि
Birth mahadasha	बुध (2026-08-22 – 2032-07-04)	जन्म महादशा
Sunrise	05:41	सूर्योदय
Sunset	18:41	सूर्यास्त
Ayanamsa	Surya-siddhanta (nirayana)	अयनांश
Latitude	30.3165	अक्षांश
Longitude	78.0322	देशांतर
Place	देहरादून	स्थान

तंत्रकुलज्योतिषम्

Janma vivaraṇ is the birth panchanga at the given place and time: samvatsara, lunar month, vāra, tithi, yoga, karaṇa, janma nakshatra, lagna, and the birth mahādaśā from the same Moon.

अवकहड़ा

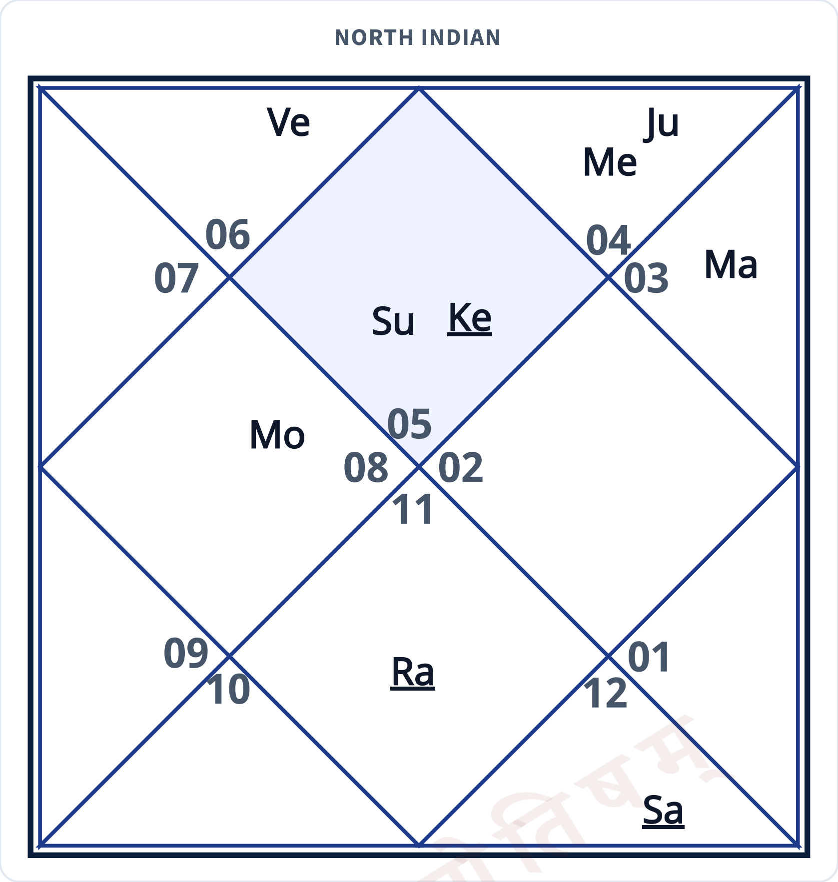

तंत्रकुलज्योतिषम्

NADI
आदि
Adi

GANA
राक्षस
Rakshasa

PAYA
ताँबा
Copper

PADA
3
ज्येष्ठा

Item	Value	English
Varna	वैश्य	Vaishya
Vashya	कीट	Keeta
Yoni	मृग	Mriga
Gana	राक्षस	Rakshasa
Nadi	आदि	Adi
Rashi	वृश्चिक	Scorpio

Item	Value	English
Rashi lord	मंगल	Mars
Nakshatra	ज्येष्ठा	Jyeshtha
Nakshatra lord	बुध	Mercury
Pada	3	—
Tattva	जल तत्त्व	Jala
Paya	ताँबा	Copper
Lagna	सिंह	Leo
Lagnesh	सूर्य	Sun
Day birth	Yes	05:41 / 18:41

Nāma akṣara. Birth pada marked.

Pada	Charana	Letter	—
1	पहला चरण	नो (No)	—
2	दूसरा चरण	या (Ya)	—
3	तीसरा चरण	यी (Yi)	birth
4	चौथा चरण	यू (Yu)	—

Avakahada is read from the natal Moon nakshatra and pada, Moon rāśi, Lagna, and whether birth is in the daytime (sunrise to sunset) for pāya.

तंत्रकुलज्योतिषम्

ग्रह स्थिति

NORTH INDIAN

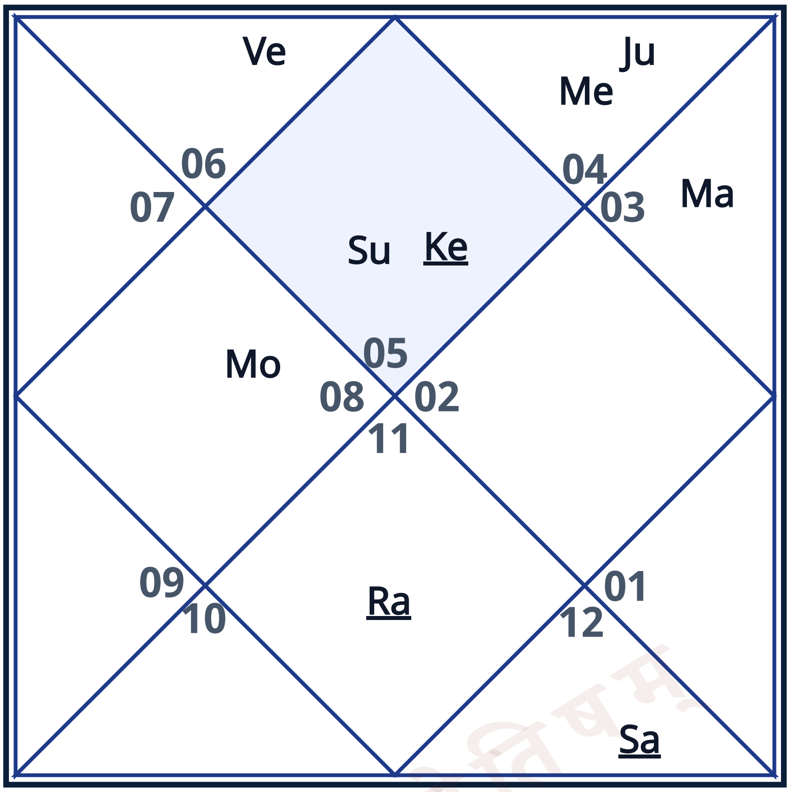

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
लग्न	सिंह	11° 21' 03"	मघा · 4	1	कुमार	—
सूर्य	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	1	बाल	मार्गी
चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	4	बाल	मार्गी
मंगल	मिथुन	11° 18' 06"	आर्द्रा · 2	11	कुमार	मार्गी
बुध	कर्क	29° 57' 51"	आश्लेषा · 4	12	बाल	मार्गी
बृहस्पति	कर्क	21° 02' 14"	आश्लेषा · 2	12	कुमार	मार्गी
शुक्र	कन्या	18° 13' 27"	हस्त · 3	2	कुमार	मार्गी
शनि	मीन	11° 50' 21"	उत्तर भाद्रपद · 3	8	वृद्ध	वक्री
राहु	कुम्भ	9° 33' 12"	शतभिषा · 1	7	कुमार	वक्री
केतु	सिंह	—	मघा · 3	1	बाल	वक्री

बालादि अवस्था from rāśi-aṃśa — same rule on Drik and Sūrya-siddhānta.

तंत्र कुलज्योतिषम्

लग्न कुण्डली

NORTH INDIAN

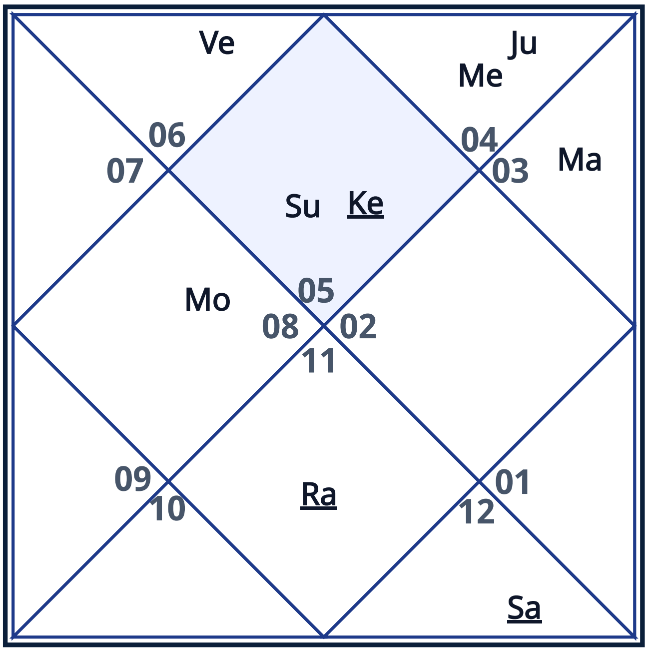

SOUTH INDIAN

तंत्रकुलज्योतिषम्

LAGNA
सिंह
Magha · pada 4

MOON
वृश्चिक
ज्येष्ठा

SUN
सिंह
मघा

METHOD
Whole-sign
D1 from Lagna

Lagna kundali. Whole-sign bhāva from D1 from Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
लग्न	सिंह	11° 21' 03"	मघा · 4	1	कुमार	—
सूर्य	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	1	बाल	मार्गी
चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	4	बाल	मार्गी
मंगल	मिथुन	11° 18' 06"	आर्द्रा · 2	11	कुमार	मार्गी
बुध	कर्क	29° 57' 51"	आश्लेषा · 4	12	बाल	मार्गी
बृहस्पति	कर्क	21° 02' 14"	आश्लेषा · 2	12	कुमार	मार्गी

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
शुक्र	कन्या	18° 13' 27"	हस्त · 3	2	कुमार	मार्गी
शनि	मीन	11° 50' 21"	उत्तर भाद्रपद · 3	8	वृद्ध	वक्री
राहु	कुम्भ	9° 33' 12"	शतभिषा · 1	7	कुमार	वक्री
केतु	सिंह	—	मघा · 3	1	बाल	वक्री

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Sun, Ketu
2	Venus
3	—
4	Moon
5	—
6	—
7	Rahu
8	Saturn
9	—
10	—
11	Mars
12	Mercury, Jupiter

तंत्रकुलज्योतिषम्

Lagna kundali uses whole-sign (pūrṇa rāśi) bhāvas from the ascendant. Bhāva-chalit (Sripati sandhi) is a separate house count.

चन्द्र कुण्डली

NORTH INDIAN

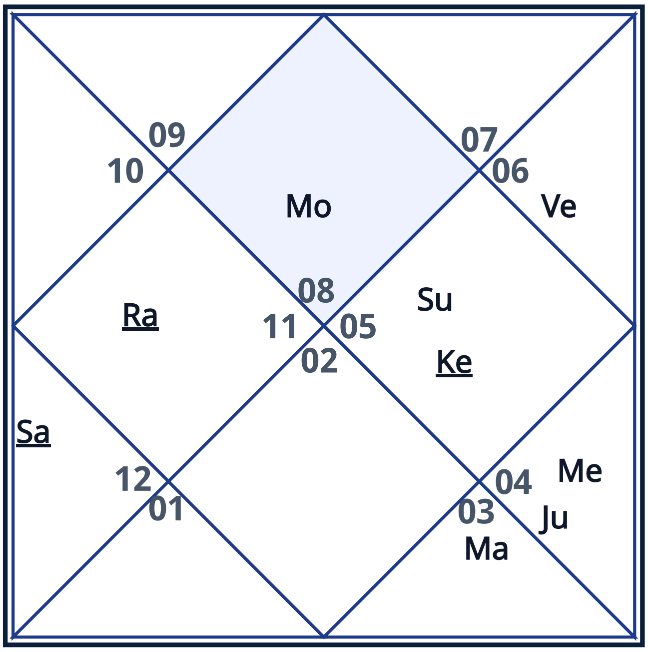

SOUTH INDIAN

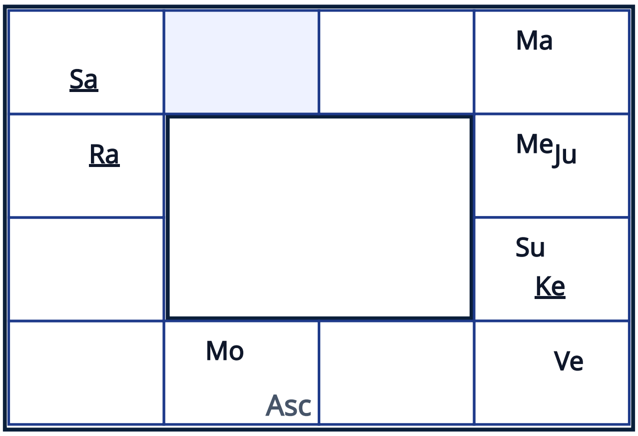

LAGNA
वृश्चिक
Jyeshtha · pada 3

MOON
वृश्चिक
ज्येष्ठा

SUN
सिंह
मघा

METHOD
Whole-sign
Moon-lagna

तंत्रकुलज्योतिषम्

Chandra kundali. Whole-sign bhāva from Moon-lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
लग्न	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	1	बाल	—
सूर्य	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	10	बाल	मार्गी
चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	1	बाल	मार्गी
मंगल	मिथुन	11° 18' 06"	आर्द्रा · 2	8	कुमार	मार्गी
बुध	कर्क	29° 57' 51"	आश्लेषा · 4	9	बाल	मार्गी
बृहस्पति	कर्क	21° 02' 14"	आश्लेषा · 2	9	कुमार	मार्गी

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
शुक्र	कन्या	18° 13' 27"	हस्त · 3	11	कुमार	मार्गी
शनि	मीन	11° 50' 21"	उत्तर भाद्रपद · 3	5	वृद्ध	वक्री
राहु	कुम्भ	9° 33' 12"	शतभिषा · 1	4	कुमार	वक्री
केतु	सिंह	—	मघा · 3	10	बाल	वक्री

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Moon
2	—
3	—
4	Rahu
5	Saturn
6	—
7	—
8	Mars
9	Mercury, Jupiter
10	Sun, Ketu
11	Venus
12	—

Chandra kundali uses whole-sign bhāvas from the natal Moon. The Moon's rāśi is Lagna of this chart.

तंत्रकुलज्योतिषम्

सूर्य कुण्डली

NORTH INDIAN

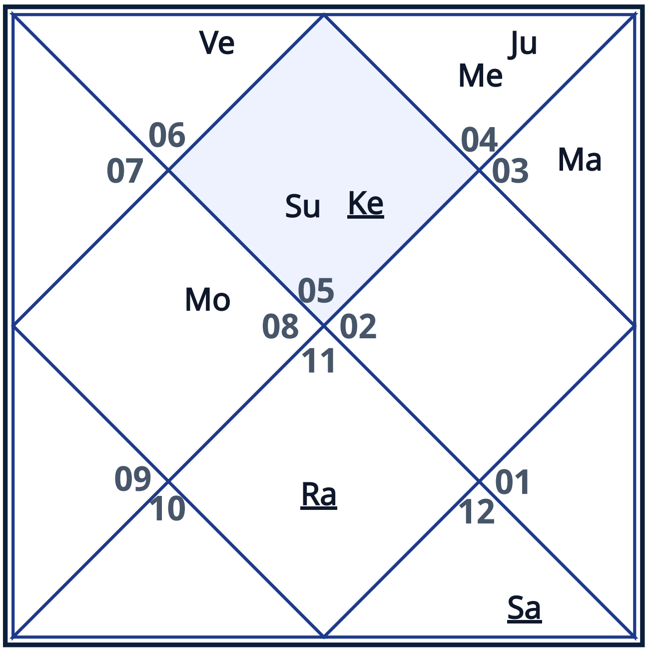

SOUTH INDIAN

तंत्रकुलज्योतिषम्

LAGNA
सिंह
Magha · pada 2

MOON
वृश्चिक
ज्येष्ठा

SUN
सिंह
मघा

METHOD
Whole-sign
Sun-lagna

Sūrya kundali. Whole-sign bhāva from Sun-lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
लग्न	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	1	बाल	—
सूर्य	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	1	बाल	मार्गी
चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	4	बाल	मार्गी
मंगल	मिथुन	11° 18' 06"	आर्द्रा · 2	11	कुमार	मार्गी
बुध	कर्क	29° 57' 51"	आश्लेषा · 4	12	बाल	मार्गी
बृहस्पति	कर्क	21° 02' 14"	आश्लेषा · 2	12	कुमार	मार्गी

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva	Avasthā	Gati
शुक्र	कन्या	18° 13' 27"	हस्त · 3	2	कुमार	मार्गी
शनि	मीन	11° 50' 21"	उत्तर भाद्रपद · 3	8	वृद्ध	वक्री
राहु	कुम्भ	9° 33' 12"	शतभिषा · 1	7	कुमार	वक्री
केतु	सिंह	—	मघा · 3	1	बाल	वक्री

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Sun, Ketu
2	Venus
3	—
4	Moon
5	—
6	—
7	Rahu
8	Saturn
9	—
10	—
11	Mars
12	Mercury, Jupiter

Sūrya kundali uses whole-sign bhāvas from the natal Sun. The Sun's rāśi is Lagna of this chart.

तंत्रकुलज्योतिषम्

भाव चलित

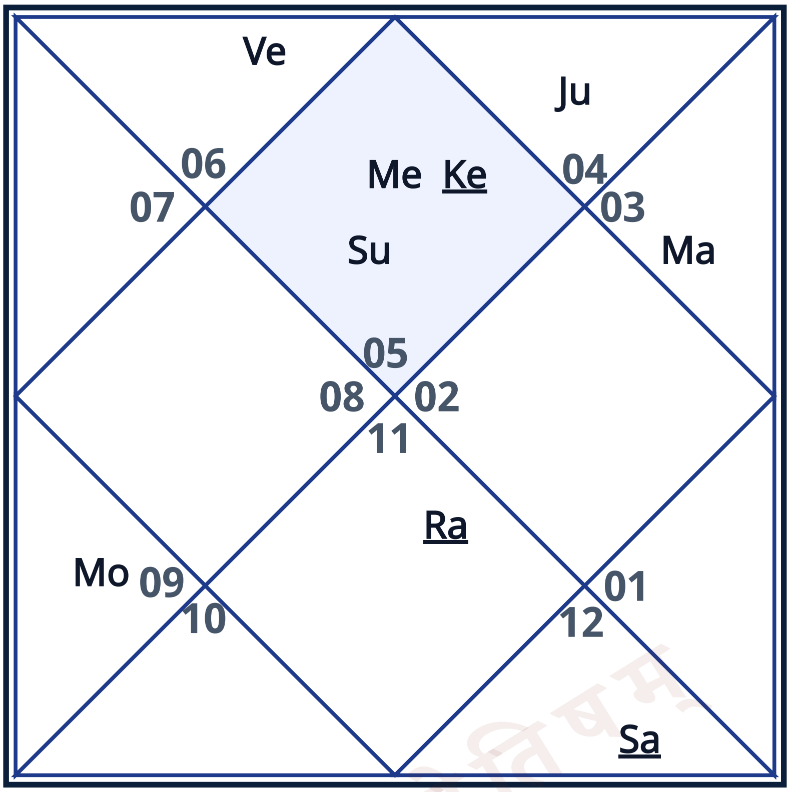

तंत्रकुलज्योतिषम्

SYSTEM
Sripati
surya_siddhanta

DAŚAMA
39.4929
ss_ramc

LAGNA
131.351

HOUSES
12
Sandhi-bounded

Bhāva	Start rāśi	Aṃśa	Bhāva-madhya	Grahas
1	कर्क	26° 02' 29"	11° 21' 04"	सूर्य (53%), बुध (26%), केतु (88%)
2	सिंह	26° 02' 29"	10° 43' 54"	शुक्र (49%)
3	कन्या	25° 25' 19"	10° 06' 44"	—
4	तुला	24° 48' 09"	9° 29' 34"	—
5	वृश्चिक	24° 48' 09"	10° 06' 44"	चन्द्र (4%)
6	धनु	25° 25' 19"	10° 43' 54"	—

Bhāva	Start rāśi	Aṃśa	Bhāva-madhya	Grahas
7	मकर	26° 02' 29"	11° 21' 04"	राहु (88%)
8	कुम्भ	26° 02' 29"	10° 43' 54"	शनि (92%)
9	मीन	25° 25' 19"	10° 06' 44"	—
10	मेष	24° 48' 09"	9° 29' 34"	—
11	वृषभ	24° 48' 09"	10° 06' 44"	मंगल (92%)
12	मिथुन	25° 25' 19"	10° 43' 54"	बृहस्पति (33%)

Sripati bhāva-sandhi. Sūrya-siddhānta daśama from RAMC and 24° obliquity; not the whole-sign tenth.

तंत्रकुलज्योतिषम्

षोडश वर्ग कुण्डली

- D1 · राशि कुण्डली
- D2 · होरा कुण्डली
- D3 · द्रेष्काण कुण्डली
- D4 · चतुर्थांश कुण्डली
- D7 · सप्तांश कुण्डली
- D9 · नवांश कुण्डली
- D10 · दशांश कुण्डली
- D12 · द्वादशांश कुण्डली
- D16 · षोडशांश कुण्डली
- D20 · विंशांश कुण्डली
- D24 · चतुर्विंशांश कुण्डली
- D27 · भांश (नक्षत्रांश) कुण्डली
- D30 · त्रिंशांश कुण्डली
- D40 · खवेदांश कुण्डली
- D45 · अक्षवेदांश कुण्डली
- D60 · षष्ट्यांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

D1 · राशि कुण्डली

NORTH INDIAN

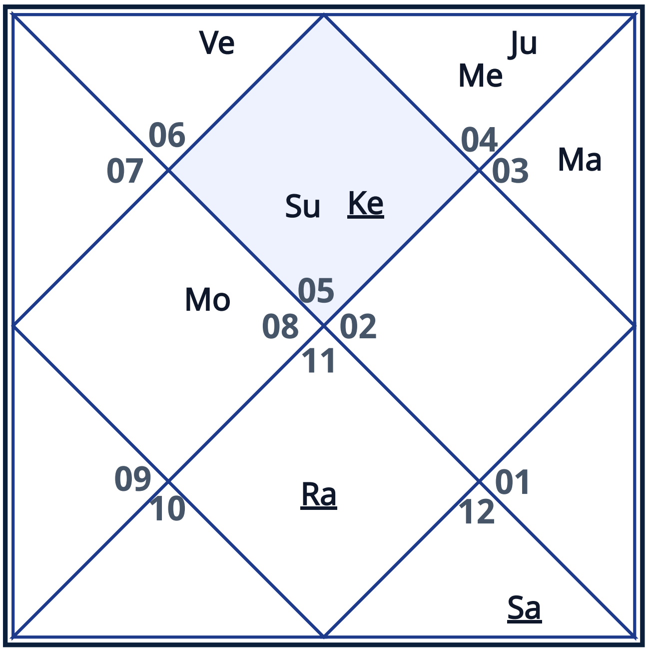

SOUTH INDIAN

CHART
D1
Rashi

LAGNA
सिंह
11° 21' 03"

NAKṢATRA
मघा
Pada 4

METHOD
Whole-sign
राशि कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

राशि कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	सिंह	11° 21' 03"	मघा · 4	1
सूर्य	सिंह	4° 07' 41"	मघा · 2	1
चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"	ज्येष्ठा · 3	4
मंगल	मिथुन	11° 18' 06"	आर्द्रा · 2	11
बुध	कर्क	29° 57' 51"	आश्लेषा · 4	12
बृहस्पति	कर्क	21° 02' 13"	आश्लेषा · 2	12

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	कन्या	18° 13' 27"	हस्त · 3	2
शनि	मीन	11° 50' 21"	उत्तर भाद्रपद · 3	8
राहु	कुम्भ	9° 33' 12"	शतभिषा · 1	7
केतु	सिंह	9° 33' 12"	मघा · 3	1

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Sun, Ketu
2	Venus
3	—
4	Moon
5	—
6	—
7	Rahu
8	Saturn
9	—
10	—
11	Mars
12	Mercury, Jupiter

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D2 · होरा कुण्डली

NORTH INDIAN

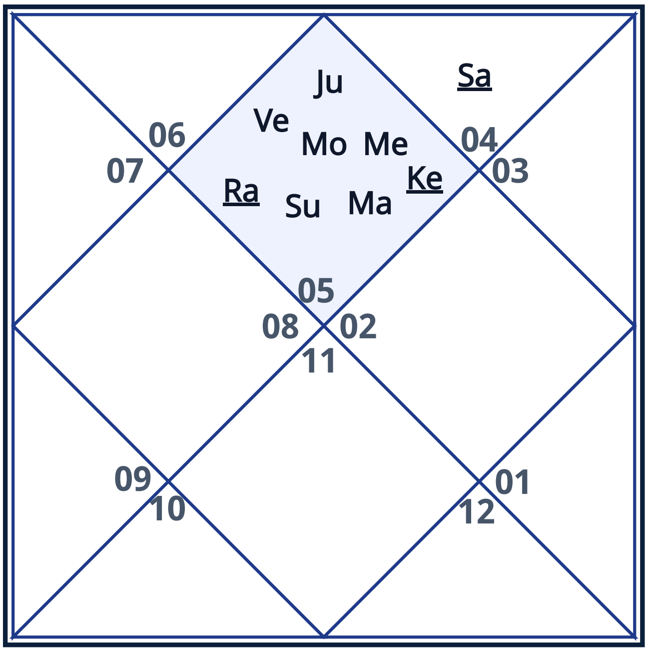

SOUTH INDIAN

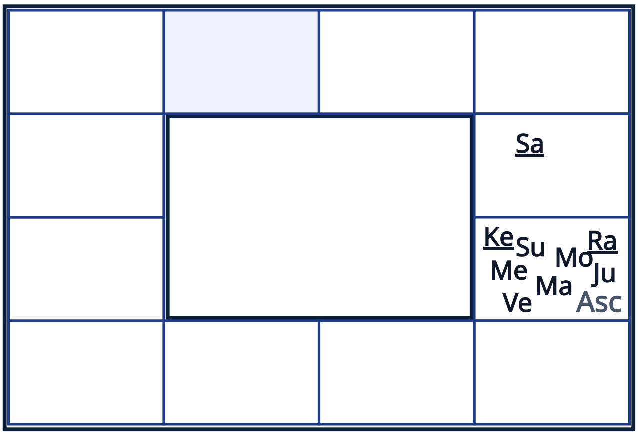

तंत्रकुलज्योतिषम्

CHART
D2
Hora

LAGNA
सिंह
22° 42' 07"

NAKṢATRA
पूर्व फाल्गुनी
Pada 3

METHOD
Whole-sign
होरा कुण्डली

होरा कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	सिंह	22° 42' 07"	पूर्व फाल्गुनी · 3	1
सूर्य	सिंह	8° 15' 22"	मघा · 3	1
चन्द्र	सिंह	20° 47' 38"	पूर्व फाल्गुनी · 3	1
मंगल	सिंह	22° 36' 13"	पूर्व फाल्गुनी · 3	1
बुध	सिंह	29° 55' 43"	उत्तर फाल्गुनी · 1	1
बृहस्पति	सिंह	12° 04' 27"	मघा · 4	1

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	सिंह	6° 26' 54"	मघा · 2	1
शनि	कर्क	23° 40' 43"	आश्लेषा · 3	12
राहु	सिंह	19° 06' 25"	पूर्व फाल्गुनी · 2	1
केतु	सिंह	19° 06' 25"	पूर्व फाल्गुनी · 2	1

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Sun, Moon, Mars, Mercury, Jupiter, Venus, Rahu, Ketu
2	—
3	—
4	—
5	—
6	—
7	—
8	—
9	—
10	—
11	—
12	Saturn

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D3 · द्रेष्काण कुण्डली

NORTH INDIAN

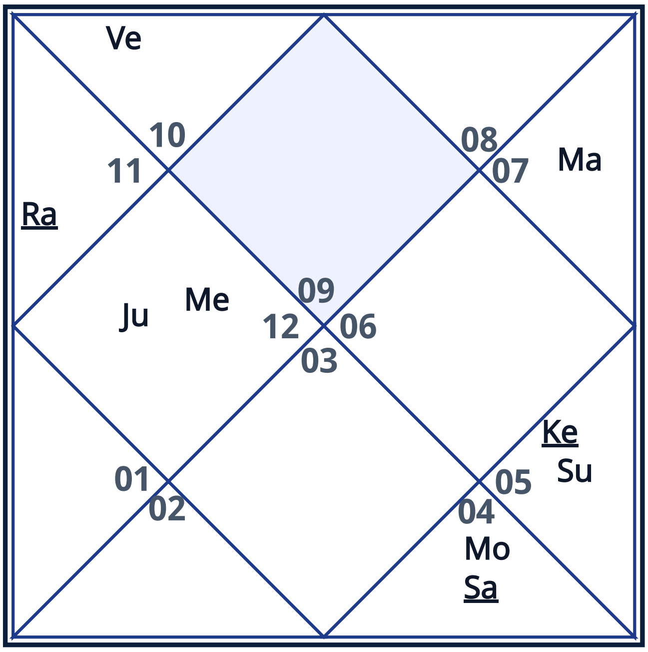

SOUTH INDIAN

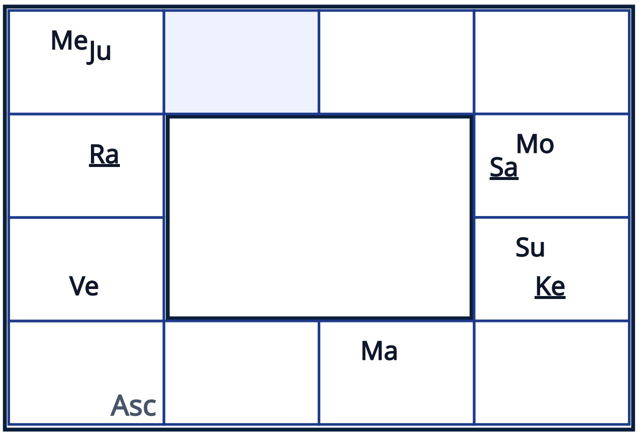

CHART
D3
Drekkana

LAGNA
धनु
4° 03' 10"

NAKṢATRA
मूल
Pada 2

METHOD
Whole-sign
द्रेष्काण कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

द्रेष्काण कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	धनु	4° 03' 10"	मूल · 2	1
सूर्य	सिंह	12° 23' 03"	मघा · 4	9
चन्द्र	कर्क	16° 11' 27"	पुष्य · 4	8
मंगल	तुला	3° 54' 20"	चित्रा · 4	11
बुध	मीन	29° 53' 35"	रेवती · 4	4
बृहस्पति	मीन	3° 06' 41"	पूर्व भाद्रपद · 4	4

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मकर	24° 40' 21"	धनिष्ठा · 1	2
शनि	कर्क	5° 31' 05"	पुष्य · 1	8
राहु	कुम्भ	28° 39' 37"	पूर्व भाद्रपद · 3	3
केतु	सिंह	28° 39' 37"	उत्तर फाल्गुनी · 1	9

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	Venus
3	Rahu
4	Mercury, Jupiter
5	—
6	—
7	—
8	Moon, Saturn
9	Sun, Ketu
10	—
11	Mars
12	—

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D4 · चतुर्थांश कुण्डली

NORTH INDIAN

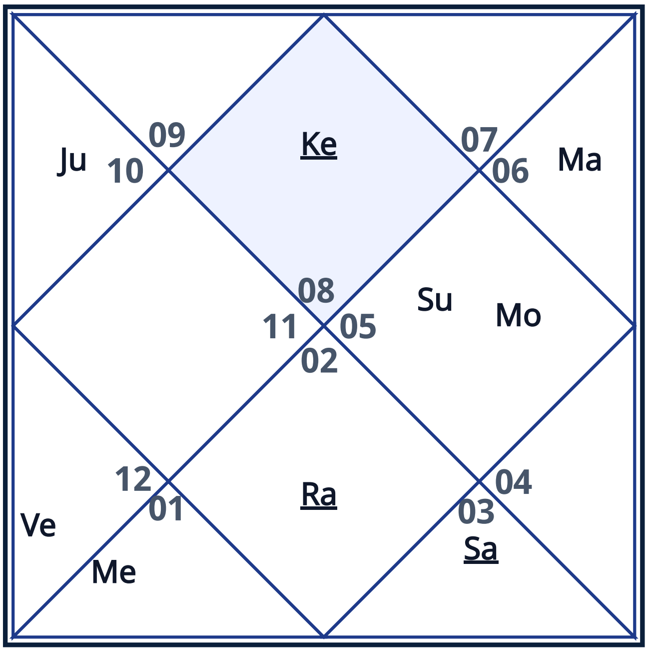

SOUTH INDIAN

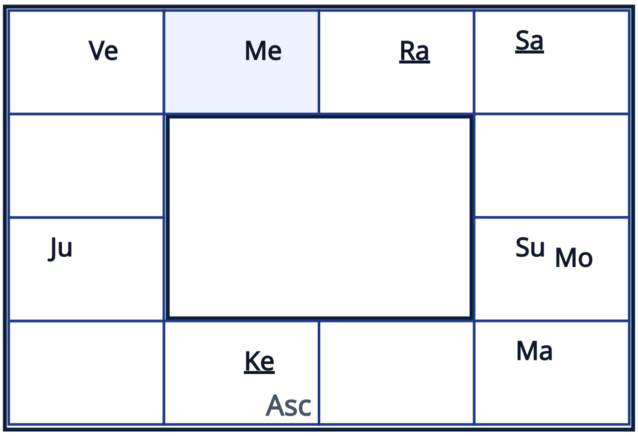

CHART
D4
Chaturthamsha

LAGNA
वृश्चिक
15° 24' 14"

NAKṢATRA
अनुराधा
Pada 4

METHOD
Whole-sign
चतुर्थांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

चतुर्थांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	वृश्चिक	15° 24' 14"	अनुराधा · 4	1
सूर्य	सिंह	16° 30' 44"	पूर्व फाल्गुनी · 1	10
चन्द्र	सिंह	11° 35' 16"	मघा · 4	10
मंगल	कन्या	15° 12' 27"	हस्त · 2	11
बुध	मेष	29° 51' 27"	कृत्तिका · 1	6
बृहस्पति	मकर	24° 08' 55"	धनिष्ठा · 1	3

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मीन	12° 53' 48"	उत्तर भाद्रपद · 3	5
शनि	मिथुन	17° 21' 27"	आर्द्रा · 4	8
राहु	वृषभ	8° 12' 50"	कृत्तिका · 4	7
केतु	वृश्चिक	8° 12' 50"	अनुराधा · 2	1

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Ketu
2	—
3	Jupiter
4	—
5	Venus
6	Mercury
7	Rahu
8	Saturn
9	—
10	Sun, Moon
11	Mars
12	—

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D7 · सप्तांश कुण्डली

NORTH INDIAN

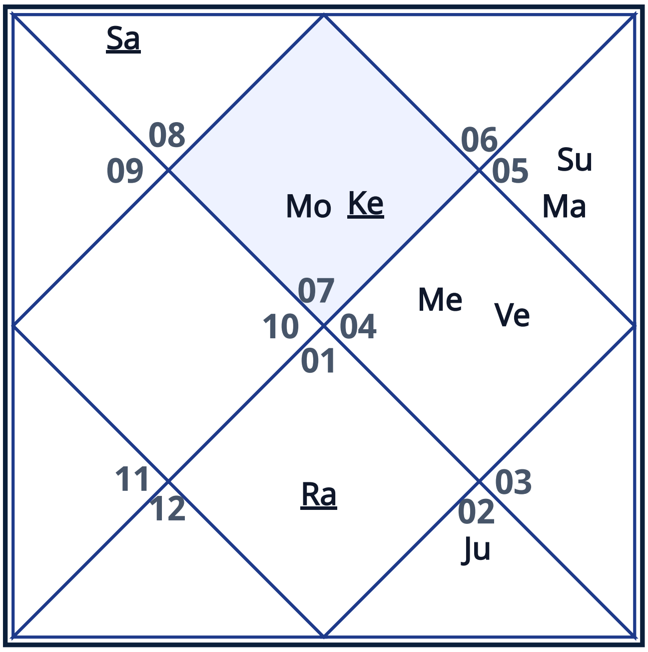

SOUTH INDIAN

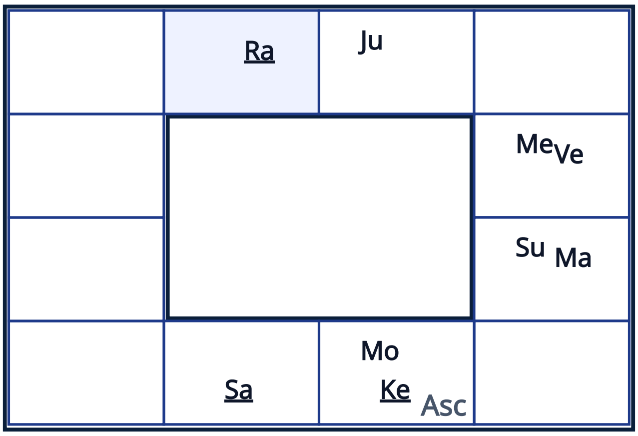

CHART

D7

Saptamsha

LAGNA

तुला

19° 27' 25"

NAKṢATRA

स्वाति

Pada 4

METHOD

Whole-sign

सप्तांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

सप्तांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	तुला	19° 27' 25"	स्वाति · 4	1
सूर्य	सिंह	28° 53' 48"	उत्तर फाल्गुनी · 1	11
चन्द्र	तुला	27° 46' 44"	विशाखा · 3	1
मंगल	सिंह	19° 06' 47"	पूर्व फाल्गुनी · 2	11
बुध	कर्क	29° 45' 02"	आश्लेषा · 4	10
बृहस्पति	वृषभ	27° 15' 37"	मृगशिरा · 2	8

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	कर्क	7° 34' 09"	पुष्य · 2	10
शनि	वृश्चिक	22° 52' 32"	ज्येष्ठा · 2	2
राहु	मेष	6° 52' 28"	अश्विनी · 3	7
केतु	तुला	6° 52' 28"	स्वाति · 1	1

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Moon, Ketu
2	Saturn
3	—
4	—
5	—
6	—
7	Rahu
8	Jupiter
9	—
10	Mercury, Venus
11	Sun, Mars
12	—

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D9 · नवांश कुण्डली

NORTH INDIAN

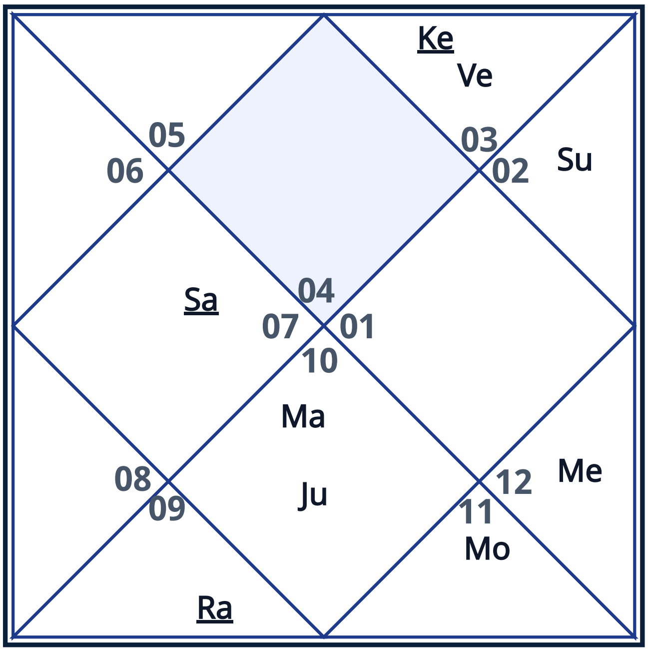

SOUTH INDIAN

CHART
D9
Navamsha

LAGNA
कर्क
12° 09' 32"

NAKṢATRA
पुष्य
Pada 3

METHOD
Whole-sign
नवांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

नवांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कर्क	12° 09' 32"	पुष्य · 3	1
सूर्य	वृषभ	7° 09' 10"	कृत्तिका · 4	11
चन्द्र	कुम्भ	18° 34' 22"	शतभिषा · 4	8
मंगल	मकर	11° 43' 01"	श्रवण · 1	7
बुध	मीन	29° 40' 46"	रेवती · 4	9
बृहस्पति	मकर	9° 20' 05"	उत्तराषाढा · 4	7

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मिथुन	14° 01' 04"	आर्द्रा · 3	12
शनि	तुला	16° 33' 16"	स्वाति · 3	4
राहु	धनु	25° 58' 53"	पूर्वाषाढा · 4	6
केतु	मिथुन	25° 58' 53"	पुनर्वसु · 2	12

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	—
3	—
4	Saturn
5	—
6	Rahu
7	Mars, Jupiter
8	Moon
9	Mercury
10	—
11	Sun
12	Venus, Ketu

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D10 · दशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

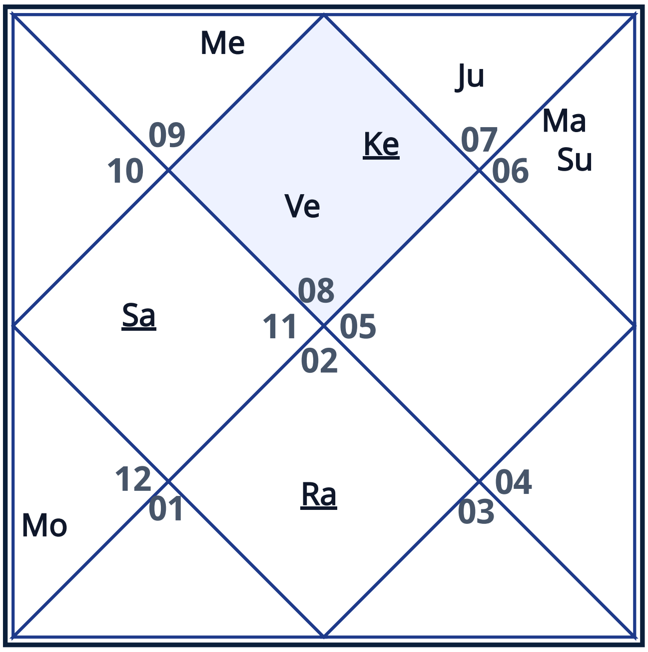

SOUTH INDIAN

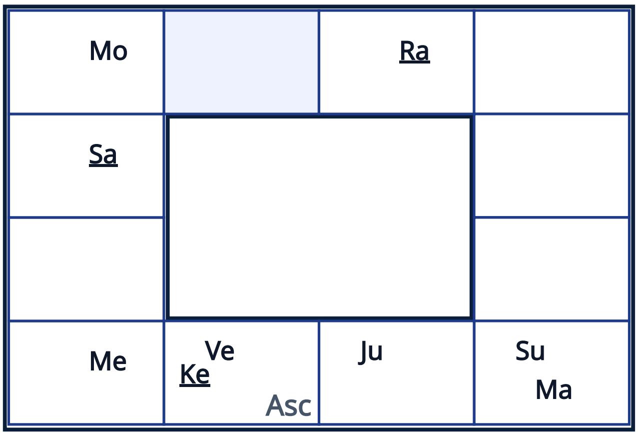

CHART
D10
Dashamsha

LAGNA
वृश्चिक
23° 30' 35"

NAKṢATRA
ज्येष्ठा
Pada 3

METHOD
Whole-sign
दशांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

दशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	वृश्चिक	23° 30' 35"	ज्येष्ठा · 3	1
सूर्य	कन्या	11° 16' 51"	हस्त · 1	11
चन्द्र	मीन	13° 58' 11"	उत्तर भाद्रपद · 4	5
मंगल	कन्या	23° 01' 08"	हस्त · 4	11
बुध	धनु	29° 38' 38"	उत्तराषाढा · 1	2
बृहस्पति	तुला	0° 22' 19"	चित्रा · 3	12

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	वृश्चिक	2° 14' 31"	विशाखा · 4	1
शनि	कुम्भ	28° 23' 38"	पूर्व भाद्रपद · 3	4
राहु	वृषभ	5° 32' 05"	कृत्तिका · 3	7
केतु	वृश्चिक	5° 32' 06"	अनुराधा · 1	1

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Venus, Ketu
2	Mercury
3	—
4	Saturn
5	Moon
6	—
7	Rahu
8	—
9	—
10	—
11	Sun, Mars
12	Jupiter

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D12 · द्वादशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

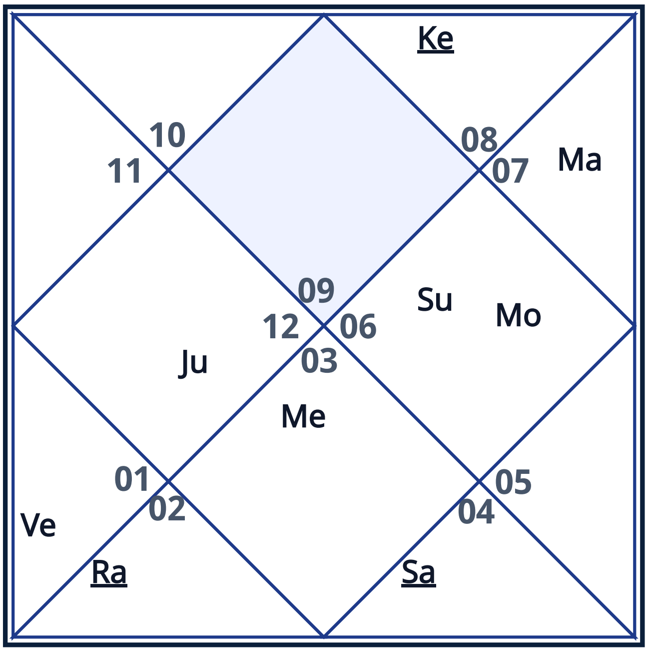

SOUTH INDIAN

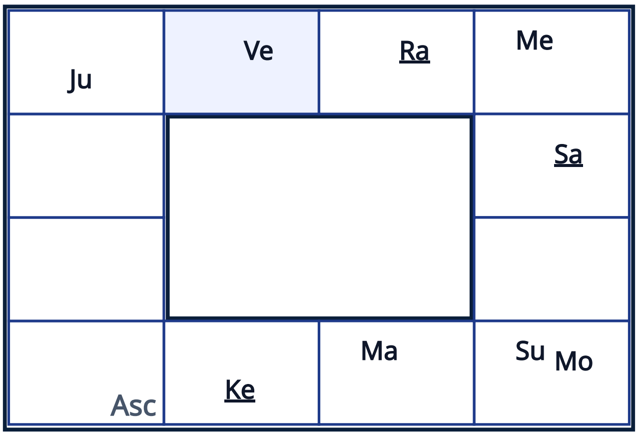

CHART

D12

Dwadashamsha

LAGNA

धनु

16° 12' 43"

NAKṢATRA

पूर्वाषाढा

Pada 1

METHOD

Whole-sign

द्वादशांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

द्वादशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	धनु	16° 12' 43"	पूर्वाषाढा · 1	1
सूर्य	कन्या	19° 32' 13"	हस्त · 3	10
चन्द्र	कन्या	4° 45' 50"	उत्तर फाल्गुनी · 3	10
मंगल	तुला	15° 37' 22"	स्वाति · 3	11
बुध	मिथुन	29° 34' 22"	पुनर्वसु · 3	7
बृहस्पति	मीन	12° 26' 47"	उत्तर भाद्रपद · 3	4

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मेष	8° 41' 25"	अश्विनी · 3	5
शनि	कर्क	22° 04' 22"	आश्लेषा · 2	8
राहु	वृषभ	24° 38' 31"	मृगशिरा · 1	6
केतु	वृश्चिक	24° 38' 31"	ज्येष्ठा · 3	12

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	—
3	—
4	Jupiter
5	Venus
6	Rahu
7	Mercury
8	Saturn
9	—
10	Sun, Moon
11	Mars
12	Ketu

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D16 · षोडशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

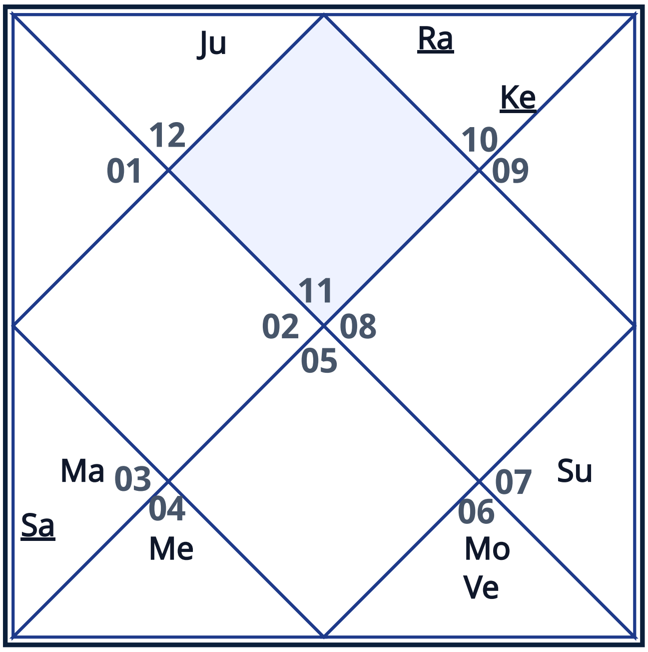

SOUTH INDIAN

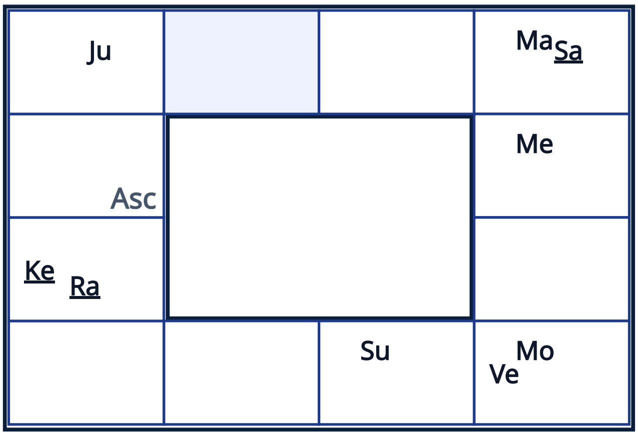

CHART
D16
Shodashamsha

LAGNA
कुम्भ
1° 36' 57"

NAKṢATRA
धनिष्ठा
Pada 3

METHOD
Whole-sign
षोडशांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

षोडशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कुम्भ	1° 36' 57"	धनिष्ठा · 3	1
सूर्य	तुला	6° 02' 58"	चित्रा · 4	9
चन्द्र	कन्या	16° 21' 07"	हस्त · 2	8
मंगल	मिथुन	0° 49' 49"	मृगशिरा · 3	5
बुध	कर्क	29° 25' 49"	आश्लेषा · 4	6
बृहस्पति	मीन	6° 35' 42"	उत्तर भाद्रपद · 1	2

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	कन्या	21° 35' 13"	हस्त · 4	8
शनि	मिथुन	9° 25' 49"	आर्द्रा · 1	5
राहु	मकर	2° 51' 21"	उत्तराषाढा · 2	12
केतु	मकर	2° 51' 21"	उत्तराषाढा · 2	12

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	Jupiter
3	—
4	—
5	Mars, Saturn
6	Mercury
7	—
8	Moon, Venus
9	Sun
10	—
11	—
12	Rahu, Ketu

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D20 · विंशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

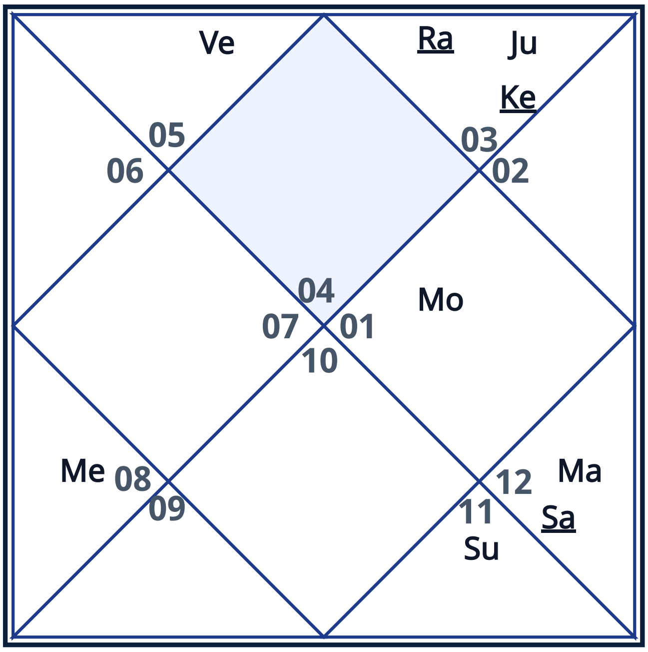

SOUTH INDIAN

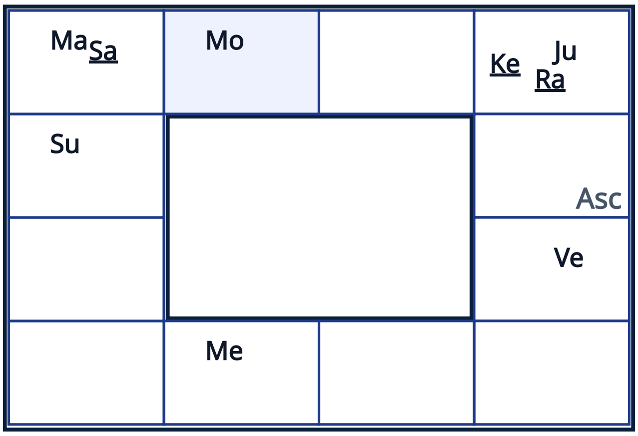

CHART
D20
Vimshamsha

LAGNA
कर्क
17° 01' 11"

NAKṢATRA
आश्लेषा
Pada 1

METHOD
Whole-sign
विंशांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

विंशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कर्क	17° 01' 11"	आश्लेषा · 1	1
सूर्य	कुम्भ	22° 33' 43"	पूर्व भाद्रपद · 1	8
चन्द्र	मेष	27° 56' 23"	कृत्तिका · 1	10
मंगल	मीन	16° 02' 16"	उत्तर भाद्रपद · 4	9
बुध	वृश्चिक	29° 17' 16"	ज्येष्ठा · 4	5
बृहस्पति	मिथुन	0° 44' 38"	मृगशिरा · 3	12

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	सिंह	4° 29' 02"	मघा · 2	2
शनि	मीन	26° 47' 16"	रेवती · 4	9
राहु	मिथुन	11° 04' 11"	आर्द्रा · 2	12
केतु	मिथुन	11° 04' 12"	आर्द्रा · 2	12

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	Venus
3	—
4	—
5	Mercury
6	—
7	—
8	Sun
9	Mars, Saturn
10	Moon
11	—
12	Jupiter, Rahu, Ketu

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D24 · चतुर्विंशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

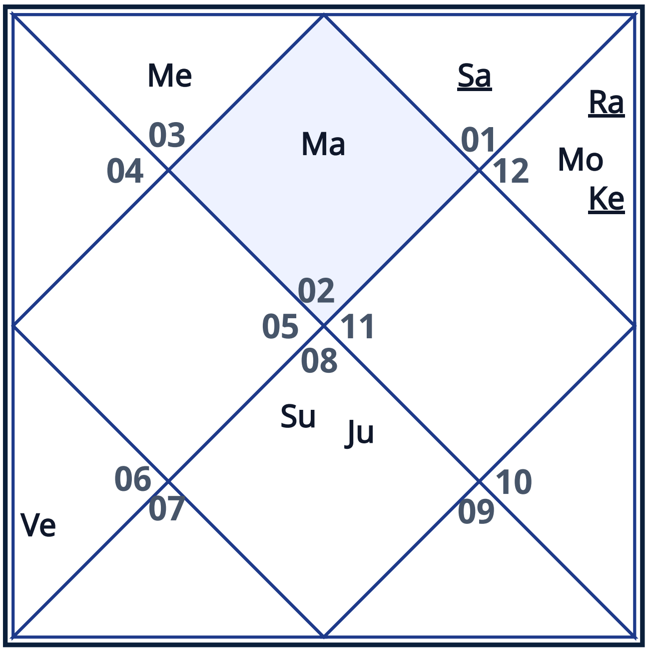

SOUTH INDIAN

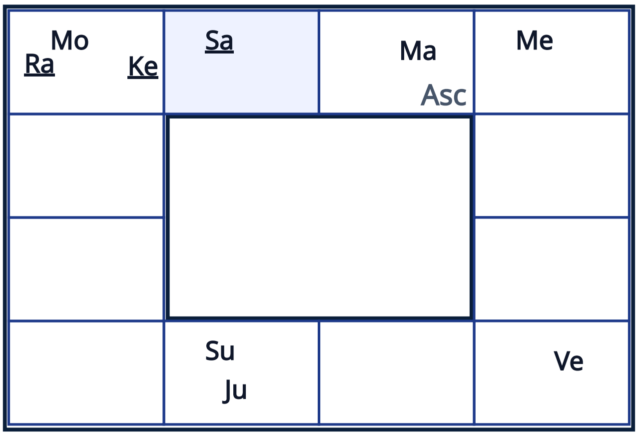

तंत्रकुलज्योतिषम्

CHART
D24
Chaturvimshamsha

LAGNA
वृषभ
2° 25' 26"

NAKṢATRA
कृत्तिका
Pada 2

METHOD
Whole-sign
चतुर्विंशांश कुण्डली

चतुर्विंशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	वृषभ	2° 25' 26"	कृत्तिका · 2	1
सूर्य	वृश्चिक	9° 04' 27"	अनुराधा · 2	7
चन्द्र	मीन	9° 31' 40"	उत्तर भाद्रपद · 2	11
मंगल	वृषभ	1° 14' 44"	कृत्तिका · 2	1
बुध	मिथुन	29° 08' 44"	पुनर्वसु · 3	2
बृहस्पति	वृश्चिक	24° 53' 34"	ज्येष्ठा · 3	7

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	कन्या	17° 22' 50"	हस्त · 3	5
शनि	मेष	14° 08' 44"	भरणी · 1	12
राहु	मीन	19° 17' 02"	रेवती · 1	11
केतु	मीन	19° 17' 02"	रेवती · 1	11

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Mars
2	Mercury
3	—
4	—
5	Venus
6	—
7	Sun, Jupiter
8	—
9	—
10	—
11	Moon, Rahu, Ketu
12	Saturn

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D27 · भांश (नक्षत्रांश) कुण्डली

NORTH INDIAN

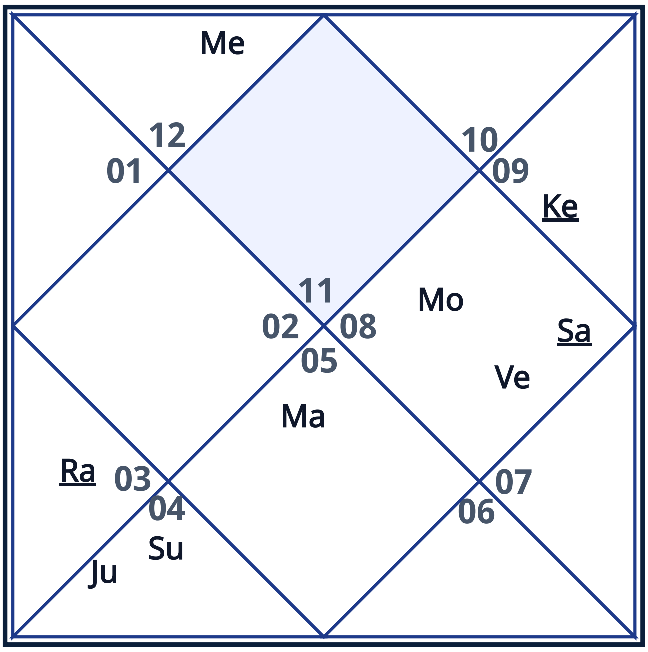

SOUTH INDIAN

तंत्रकुलज्योतिषम्

CHART
D27
Bhamsha

LAGNA
कुम्भ
6° 28' 37"

NAKṢATRA
धनिष्ठा
Pada 4

METHOD
Whole-sign
भांश (नक्षत्रांश) कुण्डली

भांश (नक्षत्रांश) कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कुम्भ	6° 28' 37"	धनिष्ठा · 4	1
सूर्य	कर्क	21° 27' 31"	आश्लेषा · 2	6
चन्द्र	वृश्चिक	25° 43' 08"	ज्येष्ठा · 3	10
मंगल	सिंह	5° 09' 04"	मघा · 2	7
बुध	मीन	29° 02' 19"	रेवती · 4	2
बृहस्पति	कर्क	28° 00' 15"	आश्लेषा · 4	6

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	वृश्चिक	12° 03' 12"	अनुराधा · 3	10
शनि	वृश्चिक	19° 39' 49"	ज्येष्ठा · 1	10
राहु	मिथुन	17° 56' 40"	आर्द्रा · 4	5
केतु	धनु	17° 56' 40"	पूर्वाषाढा · 2	11

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	Mercury
3	—
4	—
5	Rahu
6	Sun, Jupiter
7	Mars
8	—
9	—
10	Moon, Venus, Saturn
11	Ketu
12	—

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D30 · त्रिंशांश कुण्डली

NORTH INDIAN

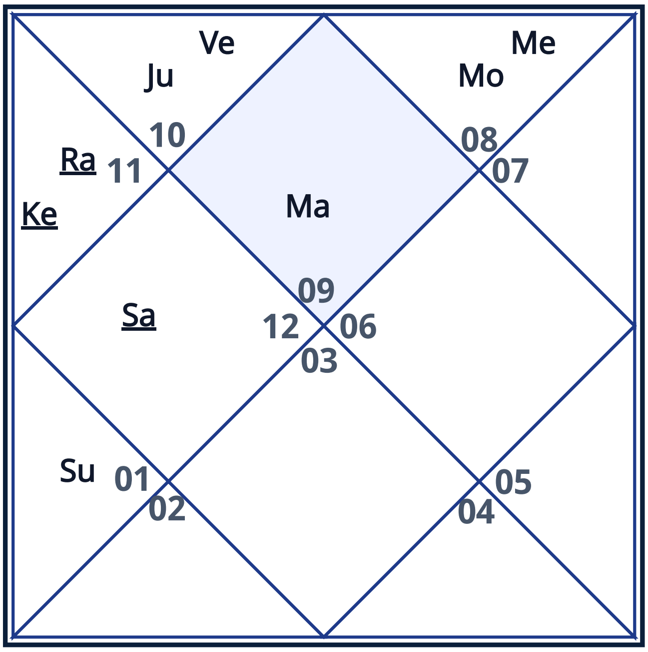

SOUTH INDIAN

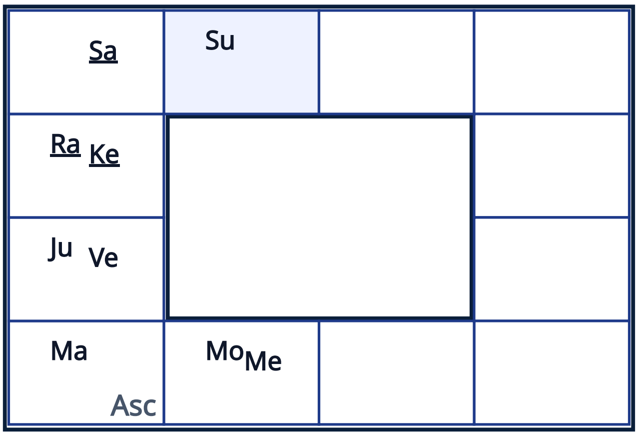

CHART
D30
Trimshamsha

LAGNA
धनु
5° 03' 58"

NAKṢATRA
मूल
Pada 2

METHOD
Whole-sign
त्रिंशांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

त्रिंशांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	धनु	5° 03' 58"	मूल · 2	1
सूर्य	मेष	24° 46' 06"	भरणी · 4	5
चन्द्र	वृश्चिक	2° 22' 55"	विशाखा · 4	12
मंगल	धनु	4° 52' 55"	मूल · 2	1
बुध	वृश्चिक	29° 47' 11"	ज्येष्ठा · 4	12
बृहस्पति	मकर	13° 00' 59"	श्रवण · 1	2

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मकर	0° 57' 39"	उत्तराषाढा · 2	2
शनि	मीन	6° 53' 51"	उत्तर भाद्रपद · 2	4
राहु	कुम्भ	27° 19' 15"	पूर्व भाद्रपद · 3	3
केतु	कुम्भ	27° 19' 15"	पूर्व भाद्रपद · 3	3

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Mars
2	Jupiter, Venus
3	Rahu, Ketu
4	Saturn
5	Sun
6	—
7	—
8	—
9	—
10	—
11	—
12	Moon, Mercury

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D40 · खवेदांश कुण्डली

NORTH INDIAN

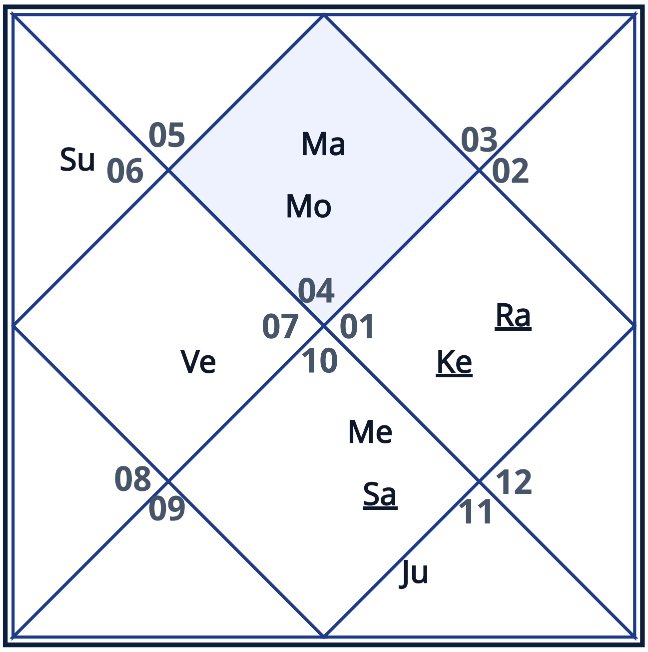

SOUTH INDIAN

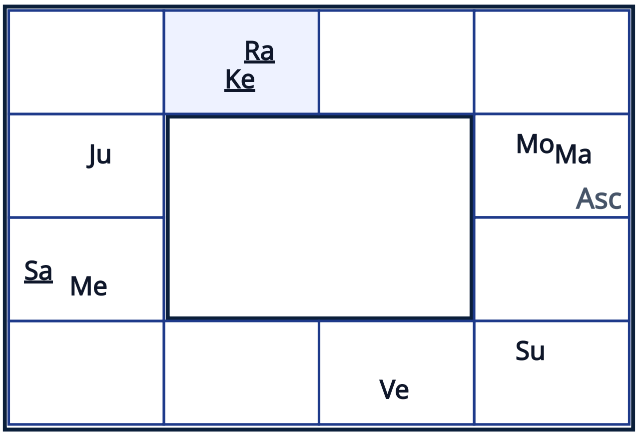

CHART
D40
Khavedamsha

LAGNA
कर्क
4° 02' 23"

NAKṢATRA
पुष्य
Pada 1

METHOD
Whole-sign
खवेदांश कुण्डली

तंत्रकुलज्योतिषम्

खवेदांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कर्क	4° 02' 23"	पुष्य · 1	1
सूर्य	कन्या	15° 07' 26"	हस्त · 2	3
चन्द्र	कर्क	25° 52' 47"	आश्लेषा · 3	1
मंगल	कर्क	2° 04' 33"	पुनर्वसु · 4	1
बुध	मकर	28° 34' 33"	धनिष्ठा · 2	7
बृहस्पति	कुम्भ	1° 29' 16"	धनिष्ठा · 3	8

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	तुला	8° 58' 04"	स्वाति · 1	4
शनि	मकर	23° 34' 33"	धनिष्ठा · 1	7
राहु	मेष	22° 08' 23"	भरणी · 3	10
केतु	मेष	22° 08' 24"	भरणी · 3	10

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Moon, Mars
2	—
3	Sun
4	Venus
5	—
6	—
7	Mercury, Saturn
8	Jupiter
9	—
10	Rahu, Ketu
11	—
12	—

तंत्रकुलज्योतिषम्

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

D45 · अक्षवेदांश कुण्डली

NORTH INDIAN

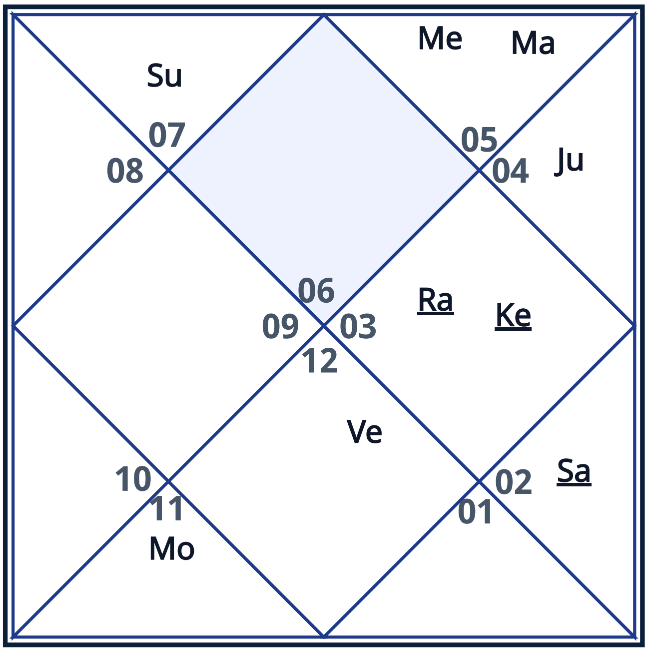

SOUTH INDIAN

CHART
D45
Akshavedamsha

LAGNA
कन्या
0° 47' 42"

NAKṢATRA
उत्तर फाल्गुनी
Pada 2

METHOD
Whole-sign
अक्षवेदांश कुण्डली

अक्षवेदांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कन्या	0° 47' 42"	उत्तर फाल्गुनी · 2	1
सूर्य	तुला	5° 45' 52"	चित्रा · 4	2
चन्द्र	कुम्भ	2° 51' 53"	धनिष्ठा · 3	6
मंगल	सिंह	28° 35' 07"	उत्तर फाल्गुनी · 1	12
बुध	सिंह	28° 23' 52"	उत्तर फाल्गुनी · 1	12
बृहस्पति	कर्क	16° 40' 26"	आश्लेषा · 1	11

तंत्रकुलज्योतिषम्

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	मीन	10° 05' 20"	उत्तर भाद्रपद · 3	7
शनि	वृषभ	22° 46' 22"	रोहिणी · 4	9
राहु	मिथुन	9° 54' 26"	आर्द्रा · 1	10
केतु	मिथुन	9° 54' 27"	आर्द्रा · 1	10

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	—
2	Sun
3	—
4	—
5	—
6	Moon
7	Venus
8	—
9	Saturn
10	Rahu, Ketu
11	Jupiter
12	Mars, Mercury

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

D60 · षष्ट्यांश कुण्डली

NORTH INDIAN

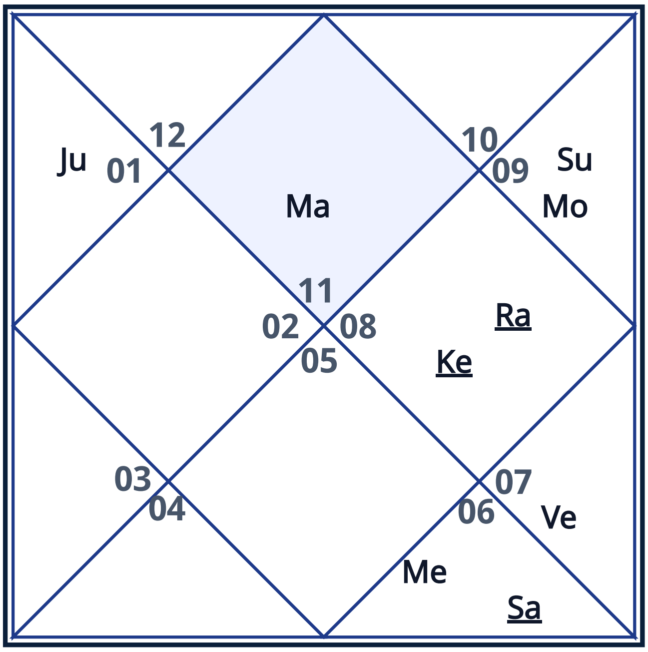

SOUTH INDIAN

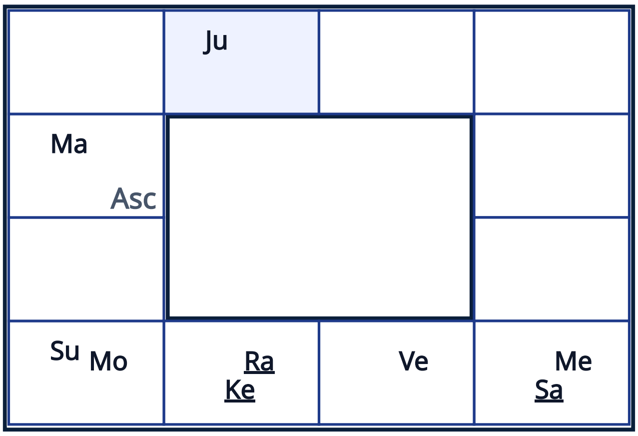

CHART
D60
Shashtiamsha

LAGNA
कुम्भ
21° 03' 35"

तंत्रकुलज्योतिषम्

NAKṢATRA
पूर्व भाद्रपद
Pada 1

METHOD
Whole-sign
षष्ट्यांश कुण्डली

षष्ट्यांश कुण्डली. Whole-sign bhāva from the varga Lagna.

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
लग्न	कुम्भ	21° 03' 35"	पूर्व भाद्रपद · 1	1
सूर्य	धनु	7° 41' 09"	मूल · 3	11
चन्द्र	धनु	23° 49' 11"	पूर्वाषाढा · 4	11
मंगल	कुम्भ	18° 06' 50"	शतभिषा · 4	1
बुध	कन्या	27° 51' 50"	चित्रा · 2	8
बृहस्पति	मेष	2° 13' 55"	अश्विनी · 1	3

Graha	Rāśi	Aṃśa	Nakṣatra	Bhāva
शुक्र	तुला	13° 27' 07"	स्वाति · 3	9
शनि	कन्या	20° 21' 50"	हस्त · 4	8
राहु	वृश्चिक	3° 12' 35"	विशाखा · 4	10
केतु	वृश्चिक	3° 12' 36"	विशाखा · 4	10

Occupants.

Bhāva	Grahas
1	Mars
2	—
3	Jupiter
4	—
5	—
6	—
7	—
8	Mercury, Saturn
9	Venus
10	Rahu, Ketu
11	Sun, Moon
12	—

Parāśari varga. Whole-sign bhāvas from the varga Lagna. Sign mapping follows BPHS as used on the Tantrakul printer.

तंत्रकुलज्योतिषम्

विम्शोत्तरी दशा

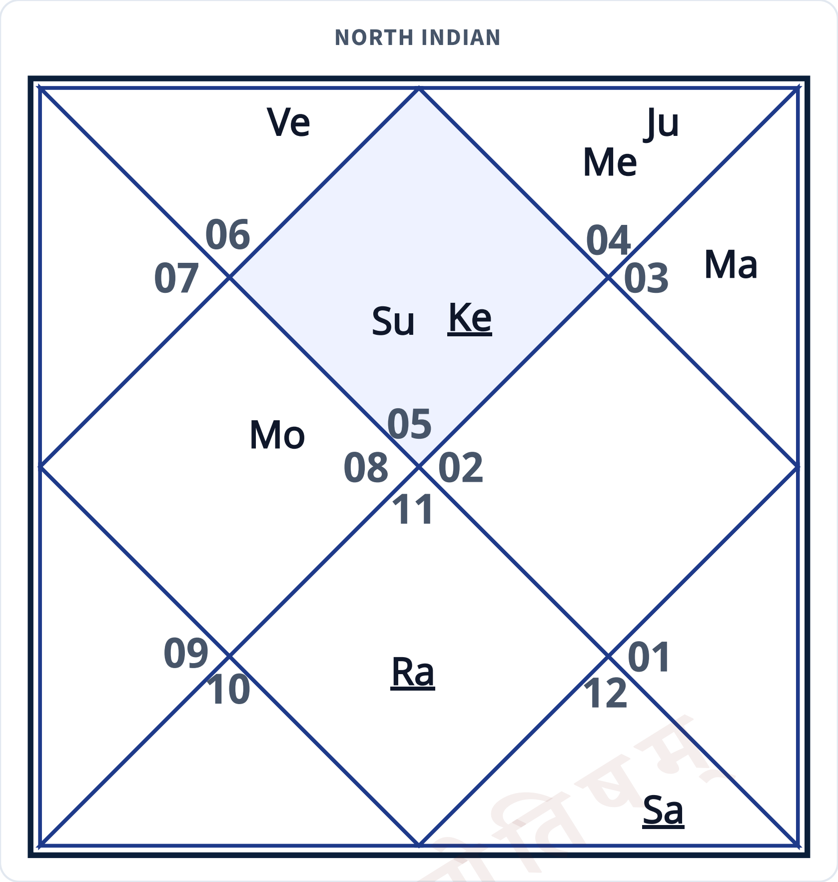

तंत्रकुलज्योतिषम्

महादशा
बुध
2026-08-22 – 2032-07-04

अन्तर्दशा
बुध
2026-08-22 – 2027-06-21

प्रत्यन्तर
बुध
2026-08-22 – 2026-10-04

जन्म नक्षत्र
ज्येष्ठा
बुध

★ जन्म महादशा · → वर्तमान महादशा · पूर्ण 120 वर्षीय विम्शोत्तरी चक्र

विम्शोत्तरी दशा टाइमलाइन

★ **बुध** 5.87yr · 2026-08-22 – 2032-07-04 **केतु** 7yr · 2032-07-04 – 2039-07-05 **शुक्र** 20yr · 2039-07-05 – 2059-07-05 **सूर्य** 6yr · 2059-07-05 – 2065-07-04 **चन्द्र** 10yr · 2065-07-04 – 2075-07-05 **मंगल** 7yr · 2075-07-05 – 2082-07-04 **राहु** 18yr · 2082-07-04 – 2100-07-05 **बृहस्पति** 16yr · 2100-07-05 – 2116-07-05 **शनि** 19yr · 2116-07-05 – 2135-07-05

महादशा अवधि (वर्ष)

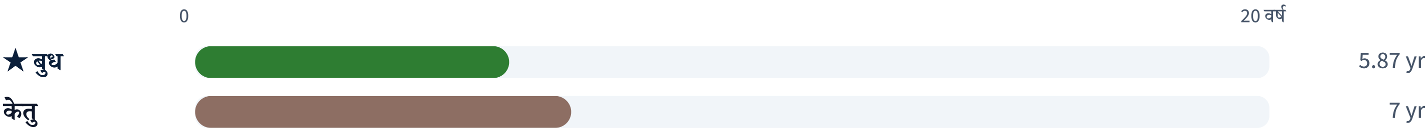

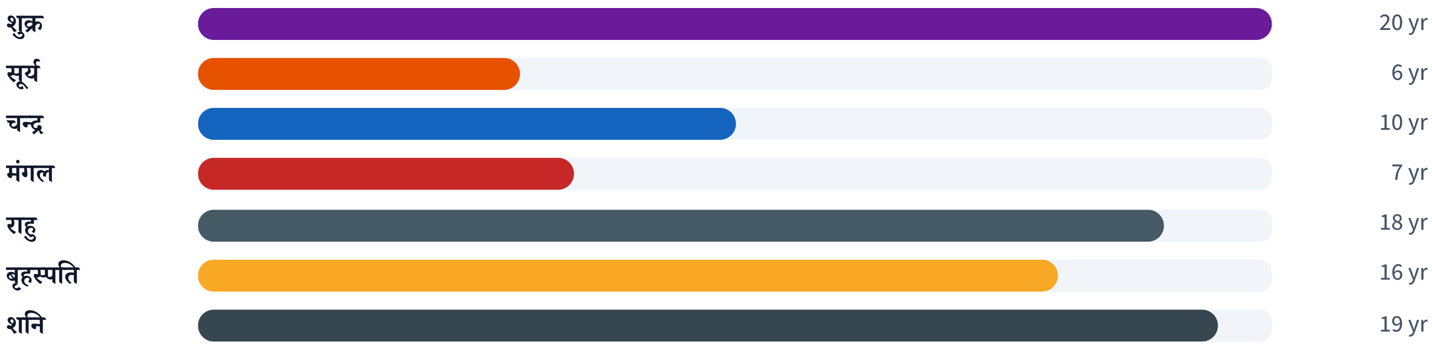

विम्शोत्तरी महादशा

महादशा	आरंभ	समाप्ति	वर्ष	स्थिति
★ बुध	**2026-08-22**	**2032-07-04**	**5.87**	**वर्तमान**
केतु	2032-07-04	2039-07-05	7	आगामी
शुक्र	2039-07-05	2059-07-05	20	आगामी
सूर्य	2059-07-05	2065-07-04	6	आगामी
चन्द्र	2065-07-04	2075-07-05	10	आगामी
मंगल	2075-07-05	2082-07-04	7	आगामी
राहु	2082-07-04	2100-07-05	18	आगामी
बृहस्पति	2100-07-05	2116-07-05	16	आगामी
शनि	2116-07-05	2135-07-05	19	आगामी

तंत्रकुल ज्योतिषम्

बुध महादशा — अन्तर्दशा

2026-08-22 – 2032-07-04

बुध
2026-08-22 – 2027-06-21
0.83 वर्ष
वर्तमान

केतु
2027-06-21 – 2027-10-24
0.34 वर्ष
आगामी

शुक्र
2027-10-24 – 2028-10-16
0.98 वर्ष
आगामी

सूर्य
2028-10-16 – 2029-01-31
0.29 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2029-01-31 – 2029-07-29
0.49 वर्ष
आगामी

मंगल
2029-07-29 – 2029-12-01
0.34 वर्ष
आगामी

राहु
2029-12-01 – 2030-10-18
0.88 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2030-10-18 – 2031-07-31
0.78 वर्ष
आगामी

शनि
2031-07-31 – 2032-07-04
0.93 वर्ष
आगामी

केतु महादशा — अन्तर्दशा

2032-07-04 – 2039-07-05

केतु
2032-07-04 – 2032-11-30
0.41 वर्ष
आगामी

शुक्र
2032-11-30 – 2034-01-31
1.17 वर्ष
आगामी

सूर्य
2034-01-31 – 2034-06-07
0.35 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2034-06-07 – 2035-01-06
0.58 वर्ष
आगामी

मंगल
2035-01-06 – 2035-06-05
0.41 वर्ष
आगामी

राहु
2035-06-05 – 2036-06-22
1.05 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2036-06-22 – 2037-05-29
0.93 वर्ष
आगामी

शनि
2037-05-29 – 2038-07-08
1.11 वर्ष
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

बुध
2038-07-08 – 2039-07-05
0.99 वर्ष
आगामी

शुक्र महादशा — अन्तर्दशा

2039-07-05 – 2059-07-05

शुक्र
2039-07-05 – 2042-11-03
3.33 वर्ष
आगामी

सूर्य
2042-11-03 – 2043-11-04
1 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2043-11-04 – 2045-07-04
1.67 वर्ष
आगामी

मंगल
2045-07-04 – 2046-09-04
1.17 वर्ष
आगामी

राहु
2046-09-04 – 2049-09-03
3 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2049-09-03 – 2052-05-04
2.67 वर्ष
आगामी

शनि
2052-05-04 – 2055-07-05
3.17 वर्ष
आगामी

बुध
2055-07-05 – 2058-05-05
2.83 वर्ष
आगामी

केतु
2058-05-05 – 2059-07-05
1.17 वर्ष
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

सूर्य महादशा — अन्तर्दशा

2059-07-05 – 2065-07-04

सूर्य
2059-07-05 – 2059-10-22
0.30 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2059-10-22 – 2060-04-22
0.50 वर्ष
आगामी

मंगल
2060-04-22 – 2060-08-28
0.35 वर्ष
आगामी

राहु
2060-08-28 – 2061-07-23
0.90 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2061-07-23 – 2062-05-11
0.80 वर्ष
आगामी

शनि
2062-05-11 – 2063-04-23
0.95 वर्ष
आगामी

बुध
2063-04-23 – 2064-02-27
0.85 वर्ष
आगामी

केतु
2064-02-27 – 2064-07-04
0.35 वर्ष
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम

शुक्र
2064-07-04 – 2065-07-04
1 वर्ष
आगामी

चन्द्र महादशा — अन्तर्दशा

2065-07-04 – 2075-07-05

चन्द्र
2065-07-04 – 2066-05-05
0.83 वर्ष
आगामी

मंगल
2066-05-05 – 2066-12-04
0.58 वर्ष
आगामी

राहु
2066-12-04 – 2068-06-04
1.50 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2068-06-04 – 2069-10-04
1.33 वर्ष
आगामी

शनि

2069-10-04 – 2071-05-05

1.58 वर्ष

आगामी

बुध

2071-05-05 – 2072-10-03

1.42 वर्ष

आगामी

केतु

2072-10-03 – 2073-05-04

0.58 वर्ष

आगामी

शुक्र

2073-05-04 – 2075-01-03

1.67 वर्ष

आगामी

सूर्य

2075-01-03 – 2075-07-05

0.50 वर्ष

आगामी

मंगल महादशा — अन्तर्दशा

2075-07-05 – 2082-07-04

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगल

2075-07-05 – 2075-12-01

0.41 वर्ष

आगामी

राहु

2075-12-01 – 2076-12-18

1.05 वर्ष

आगामी

बृहस्पति

2076-12-18 – 2077-11-24

0.93 वर्ष

आगामी

शनि

2077-11-24 – 2079-01-03

1.11 वर्ष

आगामी

बुध

2079-01-03 – 2079-12-31

0.99 वर्ष

आगामी

केतु

2079-12-31 – 2080-05-28

0.41 वर्ष

आगामी

शुक्र

2080-05-28 – 2081-07-29

1.17 वर्ष

आगामी

सूर्य

2081-07-29 – 2081-12-03

0.35 वर्ष

आगामी

चन्द्र
2081-12-03 – 2082-07-04
0.58 वर्ष
आगामी

राहु महादशा — अन्तर्दशा

2082-07-04 – 2100-07-05

राहु
2082-07-04 – 2085-03-17
2.70 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2085-03-17 – 2087-08-10
2.40 वर्ष
आगामी

शनि
2087-08-10 – 2090-06-16
2.85 वर्ष
आगामी

बुध
2090-06-16 – 2093-01-02
2.55 वर्ष
आगामी

केतु
2093-01-02 – 2094-01-21
1.05 वर्ष
आगामी

शुक्र
2094-01-21 – 2097-01-21
3 वर्ष
आगामी

सूर्य
2097-01-21 – 2097-12-15
0.90 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2097-12-15 – 2099-06-16
1.50 वर्ष
आगामी

मंगल
2099-06-16 – 2100-07-05
1.05 वर्ष
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

बृहस्पति महादशा — अन्तर्दशा

2100-07-05 – 2116-07-05

बृहस्पति

2100-07-05 – 2102-08-23

2.13 वर्ष

आगामी

शनि

2102-08-23 – 2105-03-05

2.53 वर्ष

आगामी

बुध

2105-03-05 – 2107-06-11

2.27 वर्ष

आगामी

केतु

2107-06-11 – 2108-05-17

0.93 वर्ष

आगामी

शुक्र

2108-05-17 – 2111-01-16

2.67 वर्ष

आगामी

सूर्य

2111-01-16 – 2111-11-04

0.80 वर्ष

आगामी

चन्द्र

2111-11-04 – 2113-03-05

1.33 वर्ष

आगामी

मंगल

2113-03-05 – 2114-02-09

0.93 वर्ष

आगामी

राहु

2114-02-09 – 2116-07-05

2.40 वर्ष

आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम

शनि महादशा — अन्तर्दशा

2116-07-05 – 2135-07-05

शनि

2116-07-05 – 2119-07-08

3.01 वर्ष

आगामी

बुध

2119-07-08 – 2122-03-18

2.69 वर्ष

आगामी

केतु

2122-03-18 – 2123-04-26

1.11 वर्ष

आगामी

शुक्र

2123-04-26 – 2126-06-26

3.17 वर्ष

आगामी

सूर्य
2126-06-26 – 2127-06-08
0.95 वर्ष
आगामी

चन्द्र
2127-06-08 – 2129-01-06
1.58 वर्ष
आगामी

मंगल
2129-01-06 – 2130-02-15
1.11 वर्ष
आगामी

राहु
2130-02-15 – 2132-12-22
2.85 वर्ष
आगामी

बृहस्पति
2132-12-22 – 2135-07-05
2.53 वर्ष
आगामी

प्रत्यन्तर दशा

पूर्ण चक्र — हर अन्तर्दशा की नौ प्रत्यन्तर। वर्तमान चिह्नित।

तंत्रकुलज्योतिषम्

बुध महादशा — प्रत्यन्तर

बुध

प्रत्यन्तर	अवधि	स्थिति
बुध	22.08.26 – 04.10.26	वर्तमान
केतु	04.10.26 – 21.10.26	आगामी
शुक्र	21.10.26 – 11.12.26	आगामी
सूर्य	11.12.26 – 26.12.26	आगामी
चन्द्र	26.12.26 – 21.01.27	आगामी
मंगल	21.01.27 – 07.02.27	आगामी
राहु	07.02.27 – 25.03.27	आगामी
बृहस्पति	25.03.27 – 04.05.27	आगामी
शनि	04.05.27 – 21.06.27	आगामी

केतु

प्रत्यन्तर	अवधि	स्थिति
केतु	21.06.27 – 29.06.27	आगामी
शुक्र	29.06.27 – 20.07.27	आगामी
सूर्य	20.07.27 – 26.07.27	आगामी
चन्द्र	26.07.27 – 05.08.27	आगामी
मंगल	05.08.27 – 13.08.27	आगामी
राहु	13.08.27 – 31.08.27	आगामी
बृहस्पति	31.08.27 – 17.09.27	आगामी
शनि	17.09.27 – 07.10.27	आगामी
बुध	07.10.27 – 24.10.27	आगामी

शुक्र

शुक्र	24.10.27 – 23.12.27	आगामी
सूर्य	23.12.27 – 10.01.28	आगामी
चन्द्र	10.01.28 – 09.02.28	आगामी
मंगल	09.02.28 – 29.02.28	आगामी
राहु	29.02.28 – 23.04.28	आगामी
बृहस्पति	23.04.28 – 10.06.28	आगामी
शनि	10.06.28 – 05.08.28	आगामी
बुध	05.08.28 – 25.09.28	आगामी
केतु	25.09.28 – 16.10.28	आगामी

सूर्य

सूर्य	16.10.28 – 21.10.28	आगामी
चन्द्र	21.10.28 – 30.10.28	आगामी
मंगल	30.10.28 – 05.11.28	आगामी
राहु	05.11.28 – 21.11.28	आगामी
बृहस्पति	21.11.28 – 06.12.28	आगामी
शनि	06.12.28 – 23.12.28	आगामी
बुध	23.12.28 – 07.01.29	आगामी
केतु	07.01.29 – 13.01.29	आगामी
शुक्र	13.01.29 – 31.01.29	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

चन्द्र

चन्द्र	31.01.29 – 15.02.29	आगामी
मंगल	15.02.29 – 25.02.29	आगामी
राहु	25.02.29 – 24.03.29	आगामी
बृहस्पति	24.03.29 – 17.04.29	आगामी
शनि	17.04.29 – 15.05.29	आगामी
बुध	15.05.29 – 09.06.29	आगामी
केतु	09.06.29 – 20.06.29	आगामी
शुक्र	20.06.29 – 20.07.29	आगामी
सूर्य	20.07.29 – 29.07.29	आगामी

मंगल

मंगल	29.07.29 – 05.08.29	आगामी
राहु	05.08.29 – 24.08.29	आगामी
बृहस्पति	24.08.29 – 09.09.29	आगामी
शनि	09.09.29 – 29.09.29	आगामी
बुध	29.09.29 – 17.10.29	आगामी
केतु	17.10.29 – 24.10.29	आगामी
शुक्र	24.10.29 – 14.11.29	आगामी
सूर्य	14.11.29 – 20.11.29	आगामी
चन्द्र	20.11.29 – 01.12.29	आगामी

राहु	राहु 01.12.29 – 18.01.30 आगामी	बृहस्पति 18.01.30 – 02.03.30 आगामी	शनि 02.03.30 – 22.04.30 आगामी	बुध 22.04.30 – 06.06.30 आगामी
	केतु 06.06.30 – 25.06.30 आगामी	शुक्र 25.06.30 – 17.08.30 आगामी	सूर्य 17.08.30 – 03.09.30 आगामी	चन्द्र 03.09.30 – 29.09.30 आगामी
	मंगल 29.09.30 – 18.10.30 आगामी			
बृहस्पति	बृहस्पति 18.10.30 – 25.11.30 आगामी	शनि 25.11.30 – 09.01.31 आगामी	बुध 09.01.31 – 19.02.31 आगामी	केतु 19.02.31 – 08.03.31 आगामी
	शुक्र 08.03.31 – 24.04.31 आगामी	सूर्य 24.04.31 – 09.05.31 आगामी	चन्द्र 09.05.31 – 01.06.31 आगामी	मंगल 01.06.31 – 18.06.31 आगामी
	राहु 18.06.31 – 31.07.31 आगामी			
शनि	शनि 31.07.31 – 23.09.31 आगामी	बुध 23.09.31 – 10.11.31 आगामी	केतु 10.11.31 – 30.11.31 आगामी	शुक्र 30.11.31 – 25.01.32 आगामी
	सूर्य 25.01.32 – 11.02.32 आगामी	चन्द्र 11.02.32 – 10.03.32 आगामी	मंगल 10.03.32 – 30.03.32 आगामी	राहु 30.03.32 – 20.05.32 आगामी
	बृहस्पति 20.05.32 – 04.07.32 आगामी			

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु महादशा — प्रत्यन्तर

केतु	केतु 04.07.32 – 13.07.32 आगामी	शुक्र 13.07.32 – 07.08.32 आगामी	सूर्य 07.08.32 – 14.08.32 आगामी	चन्द्र 14.08.32 – 27.08.32 आगामी
	मंगल 27.08.32 – 04.09.32 आगामी	राहु 04.09.32 – 27.09.32 आगामी	बृहस्पति 27.09.32 – 17.10.32 आगामी	शनि 17.10.32 – 09.11.32 आगामी
	बुध 09.11.32 – 30.11.32 आगामी			

शुक्र	शुक्र	30.11.32 – 09.02.33	आगामी
	सूर्य	09.02.33 – 03.03.33	आगामी
	चन्द्र	03.03.33 – 07.04.33	आगामी
	मंगल	07.04.33 – 02.05.33	आगामी
	राहु	02.05.33 – 05.07.33	आगामी
	बृहस्पति	05.07.33 – 31.08.33	आगामी
	शनि	31.08.33 – 06.11.33	आगामी
	बुध	06.11.33 – 06.01.34	आगामी
	केतु	06.01.34 – 31.01.34	आगामी
सूर्य	सूर्य	31.01.34 – 06.02.34	आगामी
	चन्द्र	06.02.34 – 17.02.34	आगामी
	मंगल	17.02.34 – 24.02.34	आगामी
	राहु	24.02.34 – 15.03.34	आगामी
	बृहस्पति	15.03.34 – 01.04.34	आगामी
	शनि	01.04.34 – 22.04.34	आगामी
	बुध	22.04.34 – 10.05.34	आगामी
	केतु	10.05.34 – 17.05.34	आगामी
	शुक्र	17.05.34 – 07.06.34	आगामी
चन्द्र	चन्द्र	07.06.34 – 25.06.34	आगामी
	मंगल	25.06.34 – 08.07.34	आगामी
	राहु	08.07.34 – 09.08.34	आगामी
	बृहस्पति	09.08.34 – 06.09.34	आगामी
	शनि	06.09.34 – 10.10.34	आगामी
	बुध	10.10.34 – 09.11.34	आगामी
	केतु	09.11.34 – 21.11.34	आगामी
	शुक्र	21.11.34 – 27.12.34	आगामी
	सूर्य	27.12.34 – 06.01.35	आगामी
मंगल	मंगल	06.01.35 – 15.01.35	आगामी
	राहु	15.01.35 – 07.02.35	आगामी
	बृहस्पति	07.02.35 – 26.02.35	आगामी
	शनि	26.02.35 – 22.03.35	आगामी
	बुध	22.03.35 – 12.04.35	आगामी
	केतु	12.04.35 – 21.04.35	आगामी
	शुक्र	21.04.35 – 16.05.35	आगामी
	सूर्य	16.05.35 – 23.05.35	आगामी
	चन्द्र	23.05.35 – 05.06.35	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

राहु	राहु	05.06.35 – 01.08.35	आगामी
	बृहस्पति	01.08.35 – 21.09.35	आगामी
	शनि	21.09.35 – 21.11.35	आगामी
	बुध	21.11.35 – 14.01.36	आगामी
	केतु	14.01.36 – 06.02.36	आगामी
	शुक्र	06.02.36 – 10.04.36	आगामी
	सूर्य	10.04.36 – 29.04.36	आगामी
	चन्द्र	29.04.36 – 31.05.36	आगामी
	मंगल	31.05.36 – 22.06.36	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	22.06.36 – 07.08.36	आगामी
	शनि	07.08.36 – 30.09.36	आगामी
	बुध	30.09.36 – 17.11.36	आगामी
	केतु	17.11.36 – 07.12.36	आगामी
	शुक्र	07.12.36 – 02.02.37	आगामी
	सूर्य	02.02.37 – 19.02.37	आगामी
	चन्द्र	19.02.37 – 19.03.37	आगामी
	मंगल	19.03.37 – 08.04.37	आगामी
	राहु	08.04.37 – 29.05.37	आगामी
शनि	शनि	29.05.37 – 01.08.37	आगामी
	बुध	01.08.37 – 27.09.37	आगामी
	केतु	27.09.37 – 21.10.37	आगामी
	शुक्र	21.10.37 – 28.12.37	आगामी
	सूर्य	28.12.37 – 17.01.38	आगामी
	चन्द्र	17.01.38 – 19.02.38	आगामी
	मंगल	19.02.38 – 15.03.38	आगामी
	राहु	15.03.38 – 15.05.38	आगामी
	बृहस्पति	15.05.38 – 08.07.38	आगामी
बुध	बुध	08.07.38 – 28.08.38	आगामी
	केतु	28.08.38 – 18.09.38	आगामी
	शुक्र	18.09.38 – 18.11.38	आगामी
	सूर्य	18.11.38 – 06.12.38	आगामी
	चन्द्र	06.12.38 – 05.01.39	आगामी
	मंगल	05.01.39 – 26.01.39	आगामी
	राहु	26.01.39 – 21.03.39	आगामी
	बृहस्पति	21.03.39 – 09.05.39	आगामी
	शनि	09.05.39 – 05.07.39	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

शुक्र महादशा — प्रत्यन्तर

शुक्र	शुक्र	05.07.39 – 24.01.40	आगामी
	सूर्य	24.01.40 – 25.03.40	आगामी
	चन्द्र	25.03.40 – 04.07.40	आगामी
	मंगल	04.07.40 – 13.09.40	आगामी
	राहु	13.09.40 – 15.03.41	आगामी
	बृहस्पति	15.03.41 – 24.08.41	आगामी
	शनि	24.08.41 – 05.03.42	आगामी
	बुध	05.03.42 – 24.08.42	आगामी
	केतु	24.08.42 – 03.11.42	आगामी
सूर्य	सूर्य	03.11.42 – 22.11.42	आगामी
	चन्द्र	22.11.42 – 22.12.42	आगामी
	मंगल	22.12.42 – 12.01.43	आगामी
	राहु	12.01.43 – 08.03.43	आगामी
	बृहस्पति	08.03.43 – 26.04.43	आगामी
	शनि	26.04.43 – 23.06.43	आगामी
	बुध	23.06.43 – 14.08.43	आगामी
	केतु	14.08.43 – 04.09.43	आगामी
	शुक्र	04.09.43 – 04.11.43	आगामी
चन्द्र	चन्द्र	04.11.43 – 24.12.43	आगामी
	मंगल	24.12.43 – 29.01.44	आगामी
	राहु	29.01.44 – 29.04.44	आगामी
	बृहस्पति	29.04.44 – 19.07.44	आगामी
	शनि	19.07.44 – 24.10.44	आगामी
	बुध	24.10.44 – 18.01.45	आगामी
	केतु	18.01.45 – 23.02.45	आगामी
	शुक्र	23.02.45 – 04.06.45	आगामी
	सूर्य	04.06.45 – 04.07.45	आगामी
मंगल	मंगल	04.07.45 – 29.07.45	आगामी
	राहु	29.07.45 – 01.10.45	आगामी
	बृहस्पति	01.10.45 – 27.11.45	आगामी
	शनि	27.11.45 – 03.02.46	आगामी
	बुध	03.02.46 – 04.04.46	आगामी
	केतु	04.04.46 – 29.04.46	आगामी
	शुक्र	29.04.46 – 09.07.46	आगामी
	सूर्य	09.07.46 – 30.07.46	आगामी
	चन्द्र	30.07.46 – 04.09.46	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

राहु	राहु	04.09.46 – 15.02.47	आगामी
	बृहस्पति	15.02.47 – 11.07.47	आगामी
	शनि	11.07.47 – 01.01.48	आगामी
	बुध	01.01.48 – 04.06.48	आगामी
	केतु	04.06.48 – 07.08.48	आगामी
	शुक्र	07.08.48 – 05.02.49	आगामी
	सूर्य	05.02.49 – 01.04.49	आगामी
	चन्द्र	01.04.49 – 01.07.49	आगामी
	मंगल	01.07.49 – 03.09.49	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	03.09.49 – 11.01.50	आगामी
	शनि	11.01.50 – 14.06.50	आगामी
	बुध	14.06.50 – 30.10.50	आगामी
	केतु	30.10.50 – 26.12.50	आगामी
	शुक्र	26.12.50 – 07.06.51	आगामी
	सूर्य	07.06.51 – 25.07.51	आगामी
	चन्द्र	25.07.51 – 14.10.51	आगामी
	मंगल	14.10.51 – 10.12.51	आगामी
	राहु	10.12.51 – 04.05.52	आगामी
शनि	शनि	04.05.52 – 03.11.52	आगामी
	बुध	03.11.52 – 16.04.53	आगामी
	केतु	16.04.53 – 23.06.53	आगामी
	शुक्र	23.06.53 – 01.01.54	आगामी
	सूर्य	01.01.54 – 28.02.54	आगामी
	चन्द्र	28.02.54 – 05.06.54	आगामी
	मंगल	05.06.54 – 11.08.54	आगामी
	राहु	11.08.54 – 01.02.55	आगामी
	बृहस्पति	01.02.55 – 05.07.55	आगामी
बुध	बुध	05.07.55 – 28.11.55	आगामी
	केतु	28.11.55 – 28.01.56	आगामी
	शुक्र	28.01.56 – 18.07.56	आगामी
	सूर्य	18.07.56 – 08.09.56	आगामी
	चन्द्र	08.09.56 – 03.12.56	आगामी
	मंगल	03.12.56 – 02.02.57	आगामी
	राहु	02.02.57 – 07.07.57	आगामी
	बृहस्पति	07.07.57 – 22.11.57	आगामी
	शनि	22.11.57 – 05.05.58	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु

केतु 05.05.58 – 30.05.58 आगामी	**शुक्र** 30.05.58 – 09.08.58 आगामी	**सूर्य** 09.08.58 – 30.08.58 आगामी	**चन्द्र** 30.08.58 – 04.10.58 आगामी
मंगल 04.10.58 – 29.10.58 आगामी	**राहु** 29.10.58 – 01.01.59 आगामी	**बृहस्पति** 01.01.59 – 27.02.59 आगामी	**शनि** 27.02.59 – 05.05.59 आगामी
बुध 05.05.59 – 05.07.59 आगामी			

सूर्य महादशा — प्रत्यन्तर

सूर्य

सूर्य 05.07.59 – 10.07.59 आगामी	**चन्द्र** 10.07.59 – 19.07.59 आगामी	**मंगल** 19.07.59 – 26.07.59 आगामी	**राहु** 26.07.59 – 11.08.59 आगामी
बृहस्पति 11.08.59 – 26.08.59 आगामी	**शनि** 26.08.59 – 12.09.59 आगामी	**बुध** 12.09.59 – 28.09.59 आगामी	**केतु** 28.09.59 – 04.10.59 आगामी
शुक्र 04.10.59 – 22.10.59 आगामी			

चन्द्र

चन्द्र 22.10.59 – 07.11.59 आगामी	**मंगल** 07.11.59 – 17.11.59 आगामी	**राहु** 17.11.59 – 15.12.59 आगामी	**बृहस्पति** 15.12.59 – 08.01.60 आगामी
शनि 08.01.60 – 06.02.60 आगामी	**बुध** 06.02.60 – 03.03.60 आगामी	**केतु** 03.03.60 – 13.03.60 आगामी	**शुक्र** 13.03.60 – 13.04.60 आगामी
सूर्य 13.04.60 – 22.04.60 आगामी			

मंगल

मंगल 22.04.60 – 30.04.60 आगामी	**राहु** 30.04.60 – 19.05.60 आगामी	**बृहस्पति** 19.05.60 – 05.06.60 आगामी	**शनि** 05.06.60 – 25.06.60 आगामी
बुध 25.06.60 – 13.07.60 आगामी	**केतु** 13.07.60 – 21.07.60 आगामी	**शुक्र** 21.07.60 – 11.08.60 आगामी	**सूर्य** 11.08.60 – 17.08.60 आगामी
चन्द्र 17.08.60 – 28.08.60 आगामी			

तन्त्रकुलज्योतिषम्

राहु	राहु	28.08.60 – 16.10.60	आगामी
	बृहस्पति	16.10.60 – 29.11.60	आगामी
	शनि	29.11.60 – 20.01.61	आगामी
	बुध	20.01.61 – 08.03.61	आगामी
	केतु	08.03.61 – 27.03.61	आगामी
	शुक्र	27.03.61 – 21.05.61	आगामी
	सूर्य	21.05.61 – 06.06.61	आगामी
	चन्द्र	06.06.61 – 03.07.61	आगामी
	मंगल	03.07.61 – 23.07.61	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	23.07.61 – 31.08.61	आगामी
	शनि	31.08.61 – 16.10.61	आगामी
	बुध	16.10.61 – 26.11.61	आगामी
	केतु	26.11.61 – 13.12.61	आगामी
	शुक्र	13.12.61 – 31.01.62	आगामी
	सूर्य	31.01.62 – 15.02.62	आगामी
	चन्द्र	15.02.62 – 11.03.62	आगामी
	मंगल	11.03.62 – 28.03.62	आगामी
	राहु	28.03.62 – 11.05.62	आगामी
शनि	शनि	11.05.62 – 05.07.62	आगामी
	बुध	05.07.62 – 23.08.62	आगामी
	केतु	23.08.62 – 12.09.62	आगामी
	शुक्र	12.09.62 – 09.11.62	आगामी
	सूर्य	09.11.62 – 26.11.62	आगामी
	चन्द्र	26.11.62 – 25.12.62	आगामी
	मंगल	25.12.62 – 14.01.63	आगामी
	राहु	14.01.63 – 08.03.63	आगामी
	बृहस्पति	08.03.63 – 23.04.63	आगामी
बुध	बुध	23.04.63 – 06.06.63	आगामी
	केतु	06.06.63 – 24.06.63	आगामी
	शुक्र	24.06.63 – 15.08.63	आगामी
	सूर्य	15.08.63 – 30.08.63	आगामी
	चन्द्र	30.08.63 – 25.09.63	आगामी
	मंगल	25.09.63 – 13.10.63	आगामी
	राहु	13.10.63 – 29.11.63	आगामी
	बृहस्पति	29.11.63 – 09.01.64	आगामी
	शनि	09.01.64 – 27.02.64	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु

केतु	27.02.64 – 06.03.64	आगामी
शुक्र	06.03.64 – 27.03.64	आगामी
सूर्य	27.03.64 – 02.04.64	आगामी
चन्द्र	02.04.64 – 13.04.64	आगामी
मंगल	13.04.64 – 20.04.64	आगामी
राहु	20.04.64 – 10.05.64	आगामी
बृहस्पति	10.05.64 – 27.05.64	आगामी
शनि	27.05.64 – 16.06.64	आगामी
बुध	16.06.64 – 04.07.64	आगामी

शुक्र

शुक्र	04.07.64 – 03.09.64	आगामी
सूर्य	03.09.64 – 21.09.64	आगामी
चन्द्र	21.09.64 – 22.10.64	आगामी
मंगल	22.10.64 – 12.11.64	आगामी
राहु	12.11.64 – 06.01.65	आगामी
बृहस्पति	06.01.65 – 23.02.65	आगामी
शनि	23.02.65 – 22.04.65	आगामी
बुध	22.04.65 – 13.06.65	आगामी
केतु	13.06.65 – 04.07.65	आगामी

तन्त्रकुलज्योतिषम्

चन्द्र महादशा — प्रत्यन्तर

चन्द्र

चन्द्र	04.07.65 – 30.07.65	आगामी
मंगल	30.07.65 – 16.08.65	आगामी
राहु	16.08.65 – 01.10.65	आगामी
बृहस्पति	01.10.65 – 11.11.65	आगामी
शनि	11.11.65 – 29.12.65	आगामी
बुध	29.12.65 – 10.02.66	आगामी
केतु	10.02.66 – 28.02.66	आगामी
शुक्र	28.02.66 – 19.04.66	आगामी
सूर्य	19.04.66 – 05.05.66	आगामी

मंगल

मंगल	05.05.66 – 17.05.66	आगामी
राहु	17.05.66 – 18.06.66	आगामी
बृहस्पति	18.06.66 – 16.07.66	आगामी
शनि	16.07.66 – 19.08.66	आगामी
बुध	19.08.66 – 18.09.66	आगामी
केतु	18.09.66 – 01.10.66	आगामी
शुक्र	01.10.66 – 05.11.66	आगामी
सूर्य	05.11.66 – 16.11.66	आगामी
चन्द्र	16.11.66 – 04.12.66	आगामी

राहु	राहु	04.12.66 – 24.02.67	आगामी
	बृहस्पति	24.02.67 – 08.05.67	आगामी
	शनि	08.05.67 – 03.08.67	आगामी
	बुध	03.08.67 – 19.10.67	आगामी
	केतु	19.10.67 – 20.11.67	आगामी
	शुक्र	20.11.67 – 20.02.68	आगामी
	सूर्य	20.02.68 – 18.03.68	आगामी
	चन्द्र	18.03.68 – 03.05.68	आगामी
	मंगल	03.05.68 – 04.06.68	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	04.06.68 – 08.08.68	आगामी
	शनि	08.08.68 – 24.10.68	आगामी
	बुध	24.10.68 – 01.01.69	आगामी
	केतु	01.01.69 – 29.01.69	आगामी
	शुक्र	29.01.69 – 20.04.69	आगामी
	सूर्य	20.04.69 – 15.05.69	आगामी
	चन्द्र	15.05.69 – 24.06.69	आगामी
	मंगल	24.06.69 – 23.07.69	आगामी
	राहु	23.07.69 – 04.10.69	आगामी
शनि	शनि	04.10.69 – 03.01.70	आगामी
	बुध	03.01.70 – 26.03.70	आगामी
	केतु	26.03.70 – 29.04.70	आगामी
	शुक्र	29.04.70 – 03.08.70	आगामी
	सूर्य	03.08.70 – 01.09.70	आगामी
	चन्द्र	01.09.70 – 19.10.70	आगामी
	मंगल	19.10.70 – 22.11.70	आगामी
	राहु	22.11.70 – 17.02.71	आगामी
	बृहस्पति	17.02.71 – 05.05.71	आगामी
बुध	बुध	05.05.71 – 17.07.71	आगामी
	केतु	17.07.71 – 16.08.71	आगामी
	शुक्र	16.08.71 – 11.11.71	आगामी
	सूर्य	11.11.71 – 06.12.71	आगामी
	चन्द्र	06.12.71 – 19.01.72	आगामी
	मंगल	19.01.72 – 18.02.72	आगामी
	राहु	18.02.72 – 05.05.72	आगामी
	बृहस्पति	05.05.72 – 13.07.72	आगामी
	शनि	13.07.72 – 03.10.72	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु	केतु 03.10.72 – 16.10.72 आगामी	शुक्र 16.10.72 – 20.11.72 आगामी	सूर्य 20.11.72 – 01.12.72 आगामी
	चन्द्र 01.12.72 – 19.12.72 आगामी	मंगल 19.12.72 – 31.12.72 आगामी	राहु 31.12.72 – 01.02.73 आगामी
	बृहस्पति 01.02.73 – 01.03.73 आगामी	शनि 01.03.73 – 04.04.73 आगामी	बुध 04.04.73 – 04.05.73 आगामी
शुक्र	शुक्र 04.05.73 – 14.08.73 आगामी	सूर्य 14.08.73 – 13.09.73 आगामी	चन्द्र 13.09.73 – 03.11.73 आगामी
	मंगल 03.11.73 – 09.12.73 आगामी	राहु 09.12.73 – 10.03.74 आगामी	बृहस्पति 10.03.74 – 30.05.74 आगामी
	शनि 30.05.74 – 03.09.74 आगामी	बुध 03.09.74 – 29.11.74 आगामी	केतु 29.11.74 – 03.01.75 आगामी
सूर्य	सूर्य 03.01.75 – 12.01.75 आगामी	चन्द्र 12.01.75 – 27.01.75 आगामी	मंगल 27.01.75 – 07.02.75 आगामी
	राहु 07.02.75 – 07.03.75 आगामी	बृहस्पति 07.03.75 – 31.03.75 आगामी	शनि 31.03.75 – 29.04.75 आगामी
	बुध 29.04.75 – 25.05.75 आगामी	केतु 25.05.75 – 04.06.75 आगामी	शुक्र 04.06.75 – 05.07.75 आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगल महादशा — प्रत्यन्तर

मंगल	मंगल 05.07.75 – 13.07.75 आगामी	राहु 13.07.75 – 05.08.75 आगामी	बृहस्पति 05.08.75 – 25.08.75 आगामी
	शनि 25.08.75 – 17.09.75 आगामी	बुध 17.09.75 – 08.10.75 आगामी	केतु 08.10.75 – 17.10.75 आगामी
	शुक्र 17.10.75 – 11.11.75 आगामी	सूर्य 11.11.75 – 18.11.75 आगामी	चन्द्र 18.11.75 – 01.12.75 आगामी

राहु	राहु	01.12.75 – 27.01.76	आगामी
	बृहस्पति	27.01.76 – 19.03.76	आगामी
	शनि	19.03.76 – 18.05.76	आगामी
	बुध	18.05.76 – 12.07.76	आगामी
	केतु	12.07.76 – 03.08.76	आगामी
	शुक्र	03.08.76 – 06.10.76	आगामी
	सूर्य	06.10.76 – 25.10.76	आगामी
	चन्द्र	25.10.76 – 26.11.76	आगामी
	मंगल	26.11.76 – 18.12.76	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	18.12.76 – 02.02.77	आगामी
	शनि	02.02.77 – 28.03.77	आगामी
	बुध	28.03.77 – 15.05.77	आगामी
	केतु	15.05.77 – 04.06.77	आगामी
	शुक्र	04.06.77 – 31.07.77	आगामी
	सूर्य	31.07.77 – 17.08.77	आगामी
	चन्द्र	17.08.77 – 14.09.77	आगामी
	मंगल	14.09.77 – 04.10.77	आगामी
	राहु	04.10.77 – 24.11.77	आगामी
शनि	शनि	24.11.77 – 27.01.78	आगामी
	बुध	27.01.78 – 26.03.78	आगामी
	केतु	26.03.78 – 18.04.78	आगामी
	शुक्र	18.04.78 – 25.06.78	आगामी
	सूर्य	25.06.78 – 15.07.78	आगामी
	चन्द्र	15.07.78 – 18.08.78	आगामी
	मंगल	18.08.78 – 10.09.78	आगामी
	राहु	10.09.78 – 10.11.78	आगामी
	बृहस्पति	10.11.78 – 03.01.79	आगामी
बुध	बुध	03.01.79 – 23.02.79	आगामी
	केतु	23.02.79 – 17.03.79	आगामी
	शुक्र	17.03.79 – 16.05.79	आगामी
	सूर्य	16.05.79 – 03.06.79	आगामी
	चन्द्र	03.06.79 – 03.07.79	आगामी
	मंगल	03.07.79 – 24.07.79	आगामी
	राहु	24.07.79 – 17.09.79	आगामी
	बृहस्पति	17.09.79 – 04.11.79	आगामी
	शनि	04.11.79 – 31.12.79	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु	केतु	31.12.79 – 09.01.80	आगामी
	शुक्र	09.01.80 – 03.02.80	आगामी
	सूर्य	03.02.80 – 10.02.80	आगामी
	चन्द्र	10.02.80 – 23.02.80	आगामी
	मंगल	23.02.80 – 02.03.80	आगामी
	राहु	02.03.80 – 25.03.80	आगामी
	बृहस्पति	25.03.80 – 14.04.80	आगामी
	शनि	14.04.80 – 07.05.80	आगामी
	बुध	07.05.80 – 28.05.80	आगामी
शुक्र	शुक्र	28.05.80 – 07.08.80	आगामी
	सूर्य	07.08.80 – 29.08.80	आगामी
	चन्द्र	29.08.80 – 03.10.80	आगामी
	मंगल	03.10.80 – 28.10.80	आगामी
	राहु	28.10.80 – 31.12.80	आगामी
	बृहस्पति	31.12.80 – 26.02.81	आगामी
	शनि	26.02.81 – 04.05.81	आगामी
	बुध	04.05.81 – 04.07.81	आगामी
	केतु	04.07.81 – 29.07.81	आगामी
सूर्य	सूर्य	29.07.81 – 04.08.81	आगामी
	चन्द्र	04.08.81 – 15.08.81	आगामी
	मंगल	15.08.81 – 22.08.81	आगामी
	राहु	22.08.81 – 10.09.81	आगामी
	बृहस्पति	10.09.81 – 27.09.81	आगामी
	शनि	27.09.81 – 17.10.81	आगामी
	बुध	17.10.81 – 05.11.81	आगामी
	केतु	05.11.81 – 12.11.81	आगामी
	शुक्र	12.11.81 – 03.12.81	आगामी
चन्द्र	चन्द्र	03.12.81 – 21.12.81	आगामी
	मंगल	21.12.81 – 03.01.82	आगामी
	राहु	03.01.82 – 04.02.82	आगामी
	बृहस्पति	04.02.82 – 04.03.82	आगामी
	शनि	04.03.82 – 07.04.82	आगामी
	बुध	07.04.82 – 07.05.82	आगामी
	केतु	07.05.82 – 19.05.82	आगामी
	शुक्र	19.05.82 – 24.06.82	आगामी
	सूर्य	24.06.82 – 04.07.82	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

राहु महादशा — प्रत्यन्तर

महादशा	अन्तर्दशा	अवधि	स्थिति
राहु	राहु	04.07.82 – 29.11.82	आगामी
	बृहस्पति	29.11.82 – 10.04.83	आगामी
	शनि	10.04.83 – 13.09.83	आगामी
	बुध	13.09.83 – 31.01.84	आगामी
	केतु	31.01.84 – 28.03.84	आगामी
	शुक्र	28.03.84 – 09.09.84	आगामी
	सूर्य	09.09.84 – 28.10.84	आगामी
	चन्द्र	28.10.84 – 18.01.85	आगामी
	मंगल	18.01.85 – 17.03.85	आगामी
बृहस्पति	बृहस्पति	17.03.85 – 11.07.85	आगामी
	शनि	11.07.85 – 27.11.85	आगामी
	बुध	27.11.85 – 31.03.86	आगामी
	केतु	31.03.86 – 22.05.86	आगामी
	शुक्र	22.05.86 – 15.10.86	आगामी
	सूर्य	15.10.86 – 27.11.86	आगामी
	चन्द्र	27.11.86 – 09.02.87	आगामी
	मंगल	09.02.87 – 01.04.87	आगामी
	राहु	01.04.87 – 10.08.87	आगामी
शनि	शनि	10.08.87 – 22.01.88	आगामी
	बुध	22.01.88 – 17.06.88	आगामी
	केतु	17.06.88 – 17.08.88	आगामी
	शुक्र	17.08.88 – 07.02.89	आगामी
	सूर्य	07.02.89 – 31.03.89	आगामी
	चन्द्र	31.03.89 – 25.06.89	आगामी
	मंगल	25.06.89 – 25.08.89	आगामी
	राहु	25.08.89 – 28.01.90	आगामी
	बृहस्पति	28.01.90 – 16.06.90	आगामी
बुध	बुध	16.06.90 – 26.10.90	आगामी
	केतु	26.10.90 – 19.12.90	आगामी
	शुक्र	19.12.90 – 24.05.91	आगामी
	सूर्य	24.05.91 – 09.07.91	आगामी
	चन्द्र	09.07.91 – 25.09.91	आगामी
	मंगल	25.09.91 – 18.11.91	आगामी
	राहु	18.11.91 – 06.04.92	आगामी
	बृहस्पति	06.04.92 – 08.08.92	आगामी
	शनि	08.08.92 – 02.01.93	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

केतु	**केतु** 02.01.93 – 25.01.93 आगामी	**शुक्र** 25.01.93 – 30.03.93 आगामी	**सूर्य** 30.03.93 – 18.04.93 आगामी	**चन्द्र** 18.04.93 – 20.05.93 आगामी
	मंगल 20.05.93 – 11.06.93 आगामी	**राहु** 11.06.93 – 08.08.93 आगामी	**बृहस्पति** 08.08.93 – 28.09.93 आगामी	**शनि** 28.09.93 – 28.11.93 आगामी
	बुध 28.11.93 – 21.01.94 आगामी			
शुक्र	**शुक्र** 21.01.94 – 23.07.94 आगामी	**सूर्य** 23.07.94 – 15.09.94 आगामी	**चन्द्र** 15.09.94 – 16.12.94 आगामी	**मंगल** 16.12.94 – 18.02.95 आगामी
	राहु 18.02.95 – 01.08.95 आगामी	**बृहस्पति** 01.08.95 – 25.12.95 आगामी	**शनि** 25.12.95 – 16.06.96 आगामी	**बुध** 16.06.96 – 18.11.96 आगामी
	केतु 18.11.96 – 21.01.97 आगामी			
सूर्य	**सूर्य** 21.01.97 – 06.02.97 आगामी	**चन्द्र** 06.02.97 – 06.03.97 आगामी	**मंगल** 06.03.97 – 25.03.97 आगामी	**राहु** 25.03.97 – 13.05.97 आगामी
	बृहस्पति 13.05.97 – 26.06.97 आगामी	**शनि** 26.06.97 – 17.08.97 आगामी	**बुध** 17.08.97 – 02.10.97 आगामी	**केतु** 02.10.97 – 22.10.97 आगामी
	शुक्र 22.10.97 – 15.12.97 आगामी			
चन्द्र	**चन्द्र** 15.12.97 – 30.01.98 आगामी	**मंगल** 30.01.98 – 03.03.98 आगामी	**राहु** 03.03.98 – 24.05.98 आगामी	**बृहस्पति** 24.05.98 – 05.08.98 आगामी
	शनि 05.08.98 – 31.10.98 आगामी	**बुध** 31.10.98 – 17.01.99 आगामी	**केतु** 17.01.99 – 18.02.99 आगामी	**शुक्र** 18.02.99 – 20.05.99 आगामी
	सूर्य 20.05.99 – 16.06.99 आगामी			

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगल	मंगल	16.06.99 – 09.07.99	आगामी
	राहु	09.07.99 – 04.09.99	आगामी
	बृहस्पति	04.09.99 – 25.10.99	आगामी
	शनि	25.10.99 – 25.12.99	आगामी
	बुध	25.12.99 – 17.02.00	आगामी
	केतु	17.02.00 – 12.03.00	आगामी
	शुक्र	12.03.00 – 15.05.00	आगामी
	सूर्य	15.05.00 – 03.06.00	आगामी
	चन्द्र	03.06.00 – 05.07.00	आगामी

बृहस्पति महादशा — प्रत्यन्तर

बृहस्पति	बृहस्पति	05.07.00 – 17.10.00	आगामी
	शनि	17.10.00 – 17.02.01	आगामी
	बुध	17.02.01 – 07.06.01	आगामी
	केतु	07.06.01 – 23.07.01	आगामी
	शुक्र	23.07.01 – 30.11.01	आगामी
	सूर्य	30.11.01 – 08.01.02	आगामी
	चन्द्र	08.01.02 – 14.03.02	आगामी
	मंगल	14.03.02 – 28.04.02	आगामी
	राहु	28.04.02 – 23.08.02	आगामी
शनि	शनि	23.08.02 – 16.01.03	आगामी
	बुध	16.01.03 – 28.05.03	आगामी
	केतु	28.05.03 – 21.07.03	आगामी
	शुक्र	21.07.03 – 22.12.03	आगामी
	सूर्य	22.12.03 – 06.02.04	आगामी
	चन्द्र	06.02.04 – 23.04.04	आगामी
	मंगल	23.04.04 – 16.06.04	आगामी
	राहु	16.06.04 – 02.11.04	आगामी
	बृहस्पति	02.11.04 – 05.03.05	आगामी
बुध	बुध	05.03.05 – 01.07.05	आगामी
	केतु	01.07.05 – 18.08.05	आगामी
	शुक्र	18.08.05 – 03.01.06	आगामी
	सूर्य	03.01.06 – 13.02.06	आगामी
	चन्द्र	13.02.06 – 23.04.06	आगामी
	मंगल	23.04.06 – 10.06.06	आगामी
	राहु	10.06.06 – 13.10.06	आगामी
	बृहस्पति	13.10.06 – 31.01.07	आगामी
	शनि	31.01.07 – 11.06.07	आगामी

तन्त्रकुलज्योतिषम्

केतु	केतु	11.06.07 – 01.07.07	आगामी
	शुक्र	01.07.07 – 27.08.07	आगामी
	सूर्य	27.08.07 – 13.09.07	आगामी
	चन्द्र	13.09.07 – 11.10.07	आगामी
	मंगल	11.10.07 – 31.10.07	आगामी
	राहु	31.10.07 – 21.12.07	आगामी
	बृहस्पति	21.12.07 – 05.02.08	आगामी
	शनि	05.02.08 – 30.03.08	आगामी
	बुध	30.03.08 – 17.05.08	आगामी
शुक्र	शुक्र	17.05.08 – 26.10.08	आगामी
	सूर्य	26.10.08 – 14.12.08	आगामी
	चन्द्र	14.12.08 – 05.03.09	आगामी
	मंगल	05.03.09 – 01.05.09	आगामी
	राहु	01.05.09 – 24.09.09	आगामी
	बृहस्पति	24.09.09 – 01.02.10	आगामी
	शनि	01.02.10 – 05.07.10	आगामी
	बुध	05.07.10 – 20.11.10	आगामी
	केतु	20.11.10 – 16.01.11	आगामी
सूर्य	सूर्य	16.01.11 – 31.01.11	आगामी
	चन्द्र	31.01.11 – 24.02.11	आगामी
	मंगल	24.02.11 – 13.03.11	आगामी
	राहु	13.03.11 – 26.04.11	आगामी
	बृहस्पति	26.04.11 – 04.06.11	आगामी
	शनि	04.06.11 – 20.07.11	आगामी
	बुध	20.07.11 – 30.08.11	आगामी
	केतु	30.08.11 – 17.09.11	आगामी
	शुक्र	17.09.11 – 04.11.11	आगामी
चन्द्र	चन्द्र	04.11.11 – 15.12.11	आगामी
	मंगल	15.12.11 – 12.01.12	आगामी
	राहु	12.01.12 – 25.03.12	आगामी
	बृहस्पति	25.03.12 – 29.05.12	आगामी
	शनि	29.05.12 – 14.08.12	आगामी
	बुध	14.08.12 – 22.10.12	आगामी
	केतु	22.10.12 – 20.11.12	आगामी
	शुक्र	20.11.12 – 09.02.13	आगामी
	सूर्य	09.02.13 – 05.03.13	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगल

मंगल 05.03.13 – 25.03.13 आगामी	**राहु** 25.03.13 – 15.05.13 आगामी	**बृहस्पति** 15.05.13 – 30.06.13 आगामी	**शनि** 30.06.13 – 23.08.13 आगामी
बुध 23.08.13 – 10.10.13 आगामी	**केतु** 10.10.13 – 30.10.13 आगामी	**शुक्र** 30.10.13 – 26.12.13 आगामी	**सूर्य** 26.12.13 – 12.01.14 आगामी
चन्द्र 12.01.14 – 09.02.14 आगामी			

राहु

राहु 09.02.14 – 21.06.14 आगामी	**बृहस्पति** 21.06.14 – 15.10.14 आगामी	**शनि** 15.10.14 – 03.03.15 आगामी	**बुध** 03.03.15 – 05.07.15 आगामी
केतु 05.07.15 – 26.08.15 आगामी	**शुक्र** 26.08.15 – 19.01.16 आगामी	**सूर्य** 19.01.16 – 02.03.16 आगामी	**चन्द्र** 02.03.16 – 15.05.16 आगामी
मंगल 15.05.16 – 05.07.16 आगामी			

तन्त्रकुलज्योतिषम्

शनि महादशा — प्रत्यन्तर

शनि

शनि 05.07.16 – 26.12.16 आगामी	**बुध** 26.12.16 – 30.05.17 आगामी	**केतु** 30.05.17 – 02.08.17 आगामी	**शुक्र** 02.08.17 – 02.02.18 आगामी
सूर्य 02.02.18 – 28.03.18 आगामी	**चन्द्र** 28.03.18 – 28.06.18 आगामी	**मंगल** 28.06.18 – 31.08.18 आगामी	**राहु** 31.08.18 – 12.02.19 आगामी
बृहस्पति 12.02.19 – 08.07.19 आगामी			

बुध

बुध 08.07.19 – 25.11.19 आगामी	**केतु** 25.11.19 – 21.01.20 आगामी	**शुक्र** 21.01.20 – 03.07.20 आगामी	**सूर्य** 03.07.20 – 21.08.20 आगामी
चन्द्र 21.08.20 – 11.11.20 आगामी	**मंगल** 11.11.20 – 07.01.21 आगामी	**राहु** 07.01.21 – 04.06.21 आगामी	**बृहस्पति** 04.06.21 – 13.10.21 आगामी
शनि 13.10.21 – 18.03.22 आगामी			

केतु	केतु	18.03.22 – 10.04.22	आगामी
	शुक्र	10.04.22 – 17.06.22	आगामी
	सूर्य	17.06.22 – 07.07.22	आगामी
	चन्द्र	07.07.22 – 10.08.22	आगामी
	मंगल	10.08.22 – 02.09.22	आगामी
	राहु	02.09.22 – 02.11.22	आगामी
	बृहस्पति	02.11.22 – 26.12.22	आगामी
	शनि	26.12.22 – 28.02.23	आगामी
	बुध	28.02.23 – 26.04.23	आगामी
शुक्र	शुक्र	26.04.23 – 05.11.23	आगामी
	सूर्य	05.11.23 – 02.01.24	आगामी
	चन्द्र	02.01.24 – 07.04.24	आगामी
	मंगल	07.04.24 – 14.06.24	आगामी
	राहु	14.06.24 – 04.12.24	आगामी
	बृहस्पति	04.12.24 – 08.05.25	आगामी
	शनि	08.05.25 – 07.11.25	आगामी
	बुध	07.11.25 – 20.04.26	आगामी
	केतु	20.04.26 – 26.06.26	आगामी
सूर्य	सूर्य	26.06.26 – 13.07.26	आगामी
	चन्द्र	13.07.26 – 11.08.26	आगामी
	मंगल	11.08.26 – 31.08.26	आगामी
	राहु	31.08.26 – 23.10.26	आगामी
	बृहस्पति	23.10.26 – 08.12.26	आगामी
	शनि	08.12.26 – 01.02.27	आगामी
	बुध	01.02.27 – 22.03.27	आगामी
	केतु	22.03.27 – 11.04.27	आगामी
	शुक्र	11.04.27 – 08.06.27	आगामी
चन्द्र	चन्द्र	08.06.27 – 26.07.27	आगामी
	मंगल	26.07.27 – 29.08.27	आगामी
	राहु	29.08.27 – 24.11.27	आगामी
	बृहस्पति	24.11.27 – 09.02.28	आगामी
	शनि	09.02.28 – 10.05.28	आगामी
	बुध	10.05.28 – 31.07.28	आगामी
	केतु	31.07.28 – 03.09.28	आगामी
	शुक्र	03.09.28 – 08.12.28	आगामी
	सूर्य	08.12.28 – 06.01.29	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगल		
मंगल	06.01.29 – 30.01.29	आगामी
राहु	30.01.29 – 01.04.29	आगामी
बृहस्पति	01.04.29 – 25.05.29	आगामी
शनि	25.05.29 – 28.07.29	आगामी
बुध	28.07.29 – 23.09.29	आगामी
केतु	23.09.29 – 17.10.29	आगामी
शुक्र	17.10.29 – 23.12.29	आगामी
सूर्य	23.12.29 – 12.01.30	आगामी
चन्द्र	12.01.30 – 15.02.30	आगामी

राहु		
राहु	15.02.30 – 21.07.30	आगामी
बृहस्पति	21.07.30 – 07.12.30	आगामी
शनि	07.12.30 – 21.05.31	आगामी
बुध	21.05.31 – 15.10.31	आगामी
केतु	15.10.31 – 15.12.31	आगामी
शुक्र	15.12.31 – 05.06.32	आगामी
सूर्य	05.06.32 – 28.07.32	आगामी
चन्द्र	28.07.32 – 22.10.32	आगामी
मंगल	22.10.32 – 22.12.32	आगामी

बृहस्पति		
बृहस्पति	22.12.32 – 24.04.33	आगामी
शनि	24.04.33 – 18.09.33	आगामी
बुध	18.09.33 – 27.01.34	आगामी
केतु	27.01.34 – 22.03.34	आगामी
शुक्र	22.03.34 – 23.08.34	आगामी
सूर्य	23.08.34 – 08.10.34	आगामी
चन्द्र	08.10.34 – 25.12.34	आगामी
मंगल	25.12.34 – 16.02.35	आगामी
राहु	16.02.35 – 05.07.35	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

विम्शोत्तरी फल

NORTH INDIAN

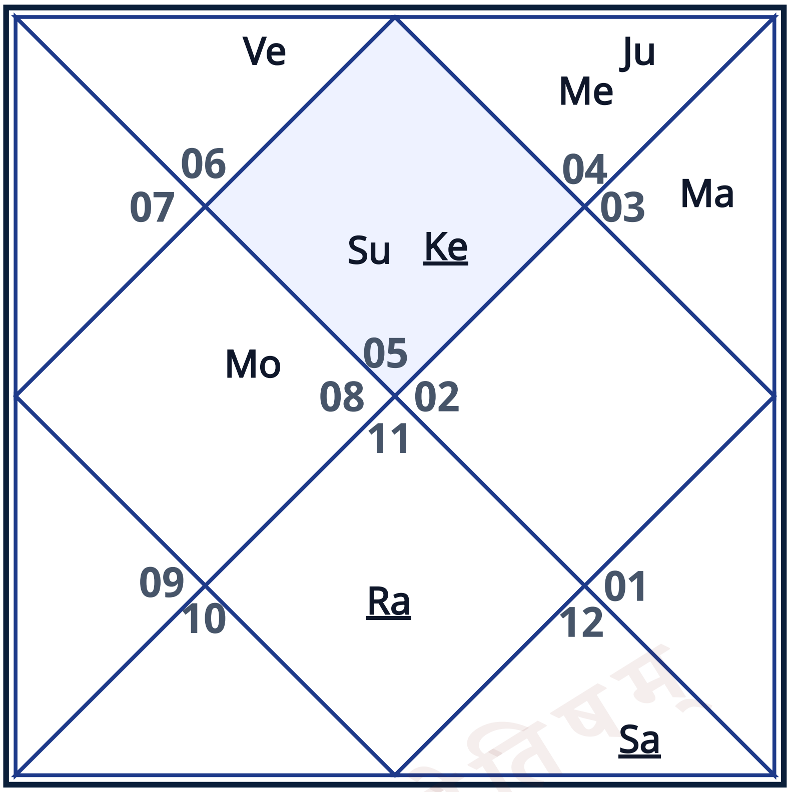

तंत्रकुलज्योतिषम्

दशा–अन्तर्दशा फल

वर्तमान

बुध–बुध

महा / अन्तर

क्षितिज

10 वर्ष

2026-08-26 → 2036-08-26

अवधियाँ

16

महा × अन्तर

स्रोत

बृहत्पाराशर

अन्तर्दशा-फल · फलदीपिका बल

बुध–बुध · दुर्बल

बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–बुध · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2026-08-22 – 2027-06-21

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**
मैत्री **स्व अन्तर्दशा**	सक्रिय भाव **धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल **—**	चुनौती **धन, व्यय, अरि**

बुध–केतु · तनाव

केतु अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वैराग्य, विच्छेद, आध्यात्म क्षेत्र जगाती है। केतु भाव 1 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में विच्छेद, एकाकीपन, दिशा-भ्रम। भार: व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–केतु · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-06-21 – 2027-10-24

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —**
मैत्री **—**	सक्रिय भाव **तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल **—**	चुनौती **व्यय, अरि**

बुध–शुक्र · दुर्बल

शुक्र अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में कलत्र, सुख, वाहन, कला क्षेत्र जगाती है। शुक्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। शुक्र सहज (3), कर्म (10) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। महा–अन्तर मैत्री (अति मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में कलत्र-कलह, भोग-व्यय, कला में रुकावट। भार: रन्ध्र, व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–शुक्र · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-10-24 – 2028-10-16

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **शुक्र · भाव 2 · नीच · स्वामी 3,10**
मैत्री **अति मित्र**	सक्रिय भाव **सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल **—**	चुनौती **रन्ध्र, व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी**

बुध–सूर्य · बलवान

सूर्य अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में आत्म, पिता, राजसम्मान क्षेत्र जगाती है। सूर्य मूलत्रिकोण है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। सूर्य तनु (1) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। महा–अन्तर मैत्री (अति मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में सम्मान और पितृ-सुख में सहयोग। सहयोग: तनु, जाया, लाभ।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–सूर्य · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2028-10-16 – 2029-01-31

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण · स्वामी 1**
मैत्री **अति मित्र**	सक्रिय भाव **तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल **तनु, जाया, लाभ**	चुनौती **व्यय, अरि**

बुध–चन्द्र · दुर्बल

चन्द्र अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में मन, माता, यात्रा, लोक क्षेत्र जगाती है। चन्द्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। चन्द्र व्यय (12) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), धन (2), लाभ (11), अरि (6)। महा–अन्तर शत्रुता (अति शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में चञ्चल मन, मातृ-चिन्ता। भार: व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–चन्द्र · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2029-01-31 – 2029-07-29

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **चन्द्र · भाव 4 · नीच · स्वामी 12**
मैत्री **अति शत्रु**	सक्रिय भाव **व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), धन (2), लाभ (11), अरि (6)**
अनुकूल **—**	चुनौती **व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता**

बुध–मंगल · तनाव

मंगल अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में साहस, भूमि, सहोदर क्षेत्र जगाती है। मंगल अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। मंगल बन्धु (4), धर्म (9) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), व्यय (12)। महा–अन्तर मैत्री (मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में कलह, रक्त-पित्त, सहोदर-विवाद। भार: अरि, व्यय। योगकारक स्वामित्व कर्म/भाग्य को सहारा दे सकता है।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–मंगल · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2029-07-29 – 2029-12-01

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **मंगल · भाव 11 · अरि · स्वामी 4,9**
मैत्री **मित्र**	सक्रिय भाव **बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), व्यय (12)**
अनुकूल **कर्म, भाग्य**	चुनौती **अरि, व्यय**

बुध–राहु · तनाव

राहु अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में विदेश, अकस्मात्, अपूर्व मार्ग क्षेत्र जगाती है। राहु भाव 7 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव जाया (7), तनु (1), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में भ्रम, अचानक विघ्न, अस्थिरता। भार: व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–राहु · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2029-12-01 – 2030-10-18

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **राहु · भाव 7 · सम · स्वामी —**
मैत्री **—**	सक्रिय भाव **जाया (7), तनु (1), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल **—**	चुनौती **व्यय, अरि**

बुध–बृहस्पति · तनाव

बृहस्पति अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में धर्म, सन्तान, गुरु, धन क्षेत्र जगाती है। बृहस्पति उच्च है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। बृहस्पति पुत्र (5), रन्ध्र (8) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), धन (2), लाभ (11)। महा–अन्तर शत्रुता (शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में गुरु-विरोध, सन्तान-चिन्ता, धर्म में शिथिलता। भार: रन्ध्र, व्यय, अरि, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–बृहस्पति · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2030-10-18 – 2031-07-31

महादशा **बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11**	अन्तर्दशा **बृहस्पति · भाव 12 · उच्च · स्वामी 5,8**
मैत्री **शत्रु**	सक्रिय भाव **पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), धन (2), लाभ (11)**
अनुकूल **—**	चुनौती **रन्ध्र, व्यय, अरि, महा–अन्तर शत्रुता**

बुध–शनि · दुर्बल

शनि अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में श्रम, सेवा, आयु, विलम्ब क्षेत्र जगाती है। शनि भाव 8 में, सम। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। शनि अरि (6), जाया (7) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5), लाभ (11), व्यय (12)। महा–अन्तर शत्रुता (शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में विलम्ब, श्रम-भार, शोक। भार: अरि, जाया, रन्ध्र, धन, व्यय, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–शनि · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि

2031-07-31 – 2032-07-04

महादशा	अन्तर्दशा
बुध · भाव 12 · अरि · स्वामी 2,11	**शनि · भाव 8 · सम · स्वामी 6,7**

मैत्री	सक्रिय भाव
शत्रु	**अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5), लाभ (11), व्यय (12)**

अनुकूल	चुनौती
—	**अरि, जाया, रन्ध्र, धन, व्यय, महा–अन्तर शत्रुता**

केतु–केतु · बलवान

केतु अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में वैराग्य, विच्छेद, आध्यात्म क्षेत्र जगाती है। केतु भाव 1 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वैराग्य, तीर्थ, सूक्ष्म ज्ञान। सहयोग: तनु, जाया।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–केतु · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि

2032-07-04 – 2032-11-30

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —**

मैत्री	सक्रिय भाव
स्व अन्तर्दशा	**तनु (1), जाया (7)**

अनुकूल	चुनौती
तनु, जाया	**—**

केतु–शुक्र · दुर्बल

शुक्र अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में कलत्र, सुख, वाहन, कला क्षेत्र जगाती है। शुक्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। शुक्र सहज (3), कर्म (10) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), तनु (1), जाया (7)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में कलत्र-कलह, भोग-व्यय, कला में रुकावट। भार: रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–शुक्र · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि

2032-11-30 – 2034-01-31

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**शुक्र · भाव 2 · नीच · स्वामी 3,10**

मैत्री	सक्रिय भाव
—	**सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), तनु (1), जाया (7)**

अनुकूल	चुनौती
—	**रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी**

केतु–सूर्य · बलवान

सूर्य अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में आत्म, पिता, राजसम्मान क्षेत्र जगाती है। सूर्य मूलत्रिकोण है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। सूर्य तनु (1) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में सम्मान और पितृ-सुख में सहयोग। सहयोग: तनु, जाया।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–सूर्य · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि

2034-01-31 – 2034-06-07

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण · स्वामी 1**

मैत्री	सक्रिय भाव
—	**तनु (1), जाया (7)**

अनुकूल	चुनौती
तनु, जाया	**—**

केतु–चन्द्र · दुर्बल

चन्द्र अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में मन, माता, यात्रा, लोक क्षेत्र जगाती है। चन्द्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। चन्द्र व्यय (12) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), तनु (1), जाया (7)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में चञ्चल मन, मातृ-चिन्ता। भार: व्यय, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–चन्द्र · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2034-06-07 – 2035-01-06

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**चन्द्र · भाव 4 · नीच · स्वामी 12**
मैत्री	सक्रिय भाव
—	**व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), तनु (1), जाया (7)**
अनुकूल	चुनौती
—	**व्यय, नीच दशा-स्वामी**

केतु–मंगल · बलवान

मंगल अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में साहस, भूमि, सहोदर क्षेत्र जगाती है। मंगल अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। मंगल बन्धु (4), धर्म (9) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), तनु (1), जाया (7)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में भूमि, पराक्रम, सहोदर-सुख। सहयोग: बन्धु, धर्म, लाभ, पुत्र, तनु, जाया, कर्म, भाग्य। योगकारक स्वामित्व कर्म/भाग्य को सहारा दे सकता है।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–मंगल · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2035-01-06 – 2035-06-05

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**मंगल · भाव 11 · अरि · स्वामी 4,9**
मैत्री	सक्रिय भाव
—	**बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), तनु (1), जाया (7)**
अनुकूल	चुनौती
बन्धु, धर्म, लाभ, पुत्र, तनु, जाया, कर्म, भाग्य	**अरि**

केतु–राहु · बलवान

राहु अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में विदेश, अकस्मात्, अपूर्व मार्ग क्षेत्र जगाती है। राहु भाव 7 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव जाया (7), तनु (1)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में विदेश/अपूर्व लाभ, नया मार्ग। सहयोग: जाया, तनु।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–राहु · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2035-06-05 – 2036-06-22

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**राहु · भाव 7 · सम · स्वामी —**
मैत्री	सक्रिय भाव
—	**जाया (7), तनु (1)**
अनुकूल	चुनौती
जाया, तनु	**—**

केतु–बृहस्पति · बलवान

बृहस्पति अन्तर्दशा केतु महादशा (मोक्ष/विच्छेद-क्षेत्र) में धर्म, सन्तान, गुरु, धन क्षेत्र जगाती है। बृहस्पति उच्च है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। बृहस्पति पुत्र (5), रन्ध्र (8) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), तनु (1), जाया (7)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में गुरु-कृपा, सन्तान, धर्माय धन। सहयोग: पुत्र, बन्धु, तनु, जाया।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · केतु–बृहस्पति · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2036-06-22 – 2037-05-29

महादशा	अन्तर्दशा
केतु · भाव 1 · सम · स्वामी —	**बृहस्पति · भाव 12 · उच्च · स्वामी 5,8**
मैत्री	सक्रिय भाव
—	**पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), तनु (1), जाया (7)**
अनुकूल	चुनौती
पुत्र, बन्धु, तनु, जाया	**रन्ध्र, व्यय, अरि**

शास्त्र — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

BPHS first teaches Vimśottarī calculation, then general daśā-phala, then a chapter of antardaśā results inside each mahādaśā (Sun through Venus). Those antar chapters judge the sub-lord by dignity and placement — uccha, own sign, kendra or trikoṇa versus nīca, enemy sign, or dusthāna — not by a single stock sentence for the pair.

BPHS Vimśottarī / daśā-phala / antardaśā-phala adhyāyas (English paraphrase of the method; chapter numbers vary by edition)

The daśā of a bhāva-lord activates that bhāva. Results also arise from the house the period lord occupies and the houses it aspects.

BPHS daśā of bhāva-lords (often printed near ch. 48; English paraphrase)

Sthira kārakas colour the same period: Sun—self/father; Moon—mind/mother; Mars—siblings/courage; Mercury—speech; Jupiter—children/dharma; Venus—spouse; Saturn—longevity/labour.

BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

Phaladeepika: a graha in exaltation, own sign, or a friend's sign gives a supportive daśā; in debilitation or an enemy's sign the daśā is strained. This is a dignity check on the BPHS antar method, not a second verse-database.

Phaladeepika daśā-phala (English paraphrase of the dignity rule)

Functional lordship for the Lagna (yogakāraka, trikoṇa, dusthāna, māraka) turns the same natural graha śubha or pāpa for that chart.

BPHS yogakāraka / functional lordship (Santhanam ch. 34 class; English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

योगिनी दशा

NORTH INDIAN

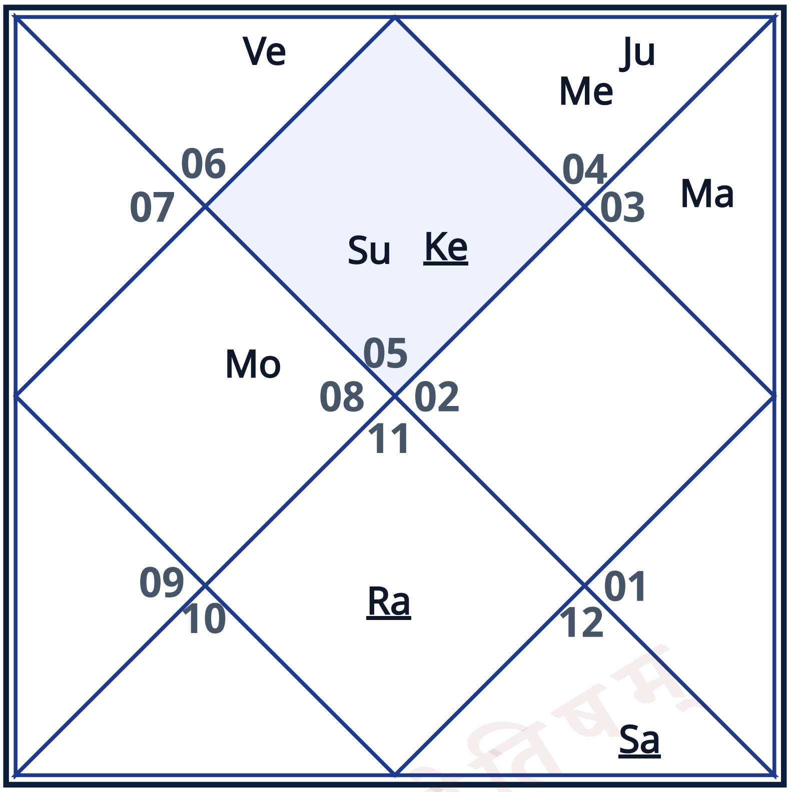

तंत्रकुलज्योतिषम्

योगिनी महादशा	योगिनी अन्तर्दशा
भद्रिका	**भद्रिका**
2026-08-22 – 2028-05-13	2026-08-22 – 2026-11-17

स्वामी	जन्म नक्षत्र
बुध	**ज्येष्ठा**
बुध	भद्रिका

Birth Yogini is (janma nakṣatra number from Ashwini + 3) mod 8; remainder 0 is Sankata. First period is the unelapsed fraction of that Yogini. Antardaśā years = mahā years × sub years / 36. BPHS Yogini daśā chapter; Jataka Parijata treats the same 36-year wheel.

योगिनी दशा टाइमलाइन

★ **भद्रिका** 1.73yr · 2026-08-22 – 2028-05-13 **उल्का** 6yr · 2028-05-13 – 2034-05-14 **सिद्धा** 7yr · 2034-05-14 – 2041-05-13 **संकटा** 8yr · 2041-05-13 – 2049-05-13

मंगला 1yr · 2049-05-13 – 2050-05-14 **पिंगला** 2yr · 2050-05-14 – 2052-05-13 **धन्या** 3yr · 2052-05-13 – 2055-05-14 **भ्रामरी** 4yr · 2055-05-14 – 2059-05-14

भद्रिका 5yr · 2059-05-14 – 2064-05-13 **उल्का** 6yr · 2064-05-13 – 2070-05-13 **सिद्धा** 7yr · 2070-05-13 – 2077-05-13 **संकटा** 8yr · 2077-05-13 – 2085-05-13

मंगला 1yr · 2085-05-13 – 2086-05-13 **पिंगला** 2yr · 2086-05-13 – 2088-05-13 **धन्या** 3yr · 2088-05-13 – 2091-05-13 **भ्रामरी** 4yr · 2091-05-13 – 2095-05-13

भद्रिका 5yr · 2095-05-13 – 2100-05-14 **उल्का** 6yr · 2100-05-14 – 2106-05-14 **सिद्धा** 7yr · 2106-05-14 – 2113-05-14 **संकटा** 8yr · 2113-05-14 – 2121-05-14

मंगला 1yr · 2121-05-14 – 2122-05-14 **पिंगला** 2yr · 2122-05-14 – 2124-05-13 **धन्या** 3yr · 2124-05-13 – 2127-05-14 **भ्रामरी** 4yr · 2127-05-14 – 2131-05-14

भद्रिका 5yr · 2131-05-14 – 2136-05-13

योगिनी अवधि (वर्ष)

योगिनी महादशा

योगिनी	आरंभ	समाप्ति	वर्ष	चक्र	स्थिति
★ भद्रिका (बुध)	**2026-08-22**	**2028-05-13**	**1.73**	**1**	**वर्तमान**
उल्का (शनि)	2028-05-13	2034-05-14	6	1	आगामी
सिद्धा (शुक्र)	2034-05-14	2041-05-13	7	1	आगामी
संकटा (राहु)	2041-05-13	2049-05-13	8	1	आगामी
मंगला (चन्द्र)	2049-05-13	2050-05-14	1	2	आगामी

योगिनी	आरंभ	समाप्ति	वर्ष	चक्र	स्थिति
पिंगला (सूर्य)	2050-05-14	2052-05-13	2	2	आगामी
धन्या (बृहस्पति)	2052-05-13	2055-05-14	3	2	आगामी
भ्रामरी (मंगल)	2055-05-14	2059-05-14	4	2	आगामी
भद्रिका (बुध)	2059-05-14	2064-05-13	5	2	आगामी
उल्का (शनि)	2064-05-13	2070-05-13	6	2	आगामी
सिद्धा (शुक्र)	2070-05-13	2077-05-13	7	2	आगामी
संकटा (राहु)	2077-05-13	2085-05-13	8	2	आगामी
मंगला (चन्द्र)	2085-05-13	2086-05-13	1	3	आगामी
पिंगला (सूर्य)	2086-05-13	2088-05-13	2	3	आगामी
धन्या (बृहस्पति)	2088-05-13	2091-05-13	3	3	आगामी
भ्रामरी (मंगल)	2091-05-13	2095-05-13	4	3	आगामी
भद्रिका (बुध)	2095-05-13	2100-05-14	5	3	आगामी
उल्का (शनि)	2100-05-14	2106-05-14	6	3	आगामी
सिद्धा (शुक्र)	2106-05-14	2113-05-14	7	3	आगामी
संकटा (राहु)	2113-05-14	2121-05-14	8	3	आगामी
मंगला (चन्द्र)	2121-05-14	2122-05-14	1	4	आगामी
पिंगला (सूर्य)	2122-05-14	2124-05-13	2	4	आगामी
धन्या (बृहस्पति)	2124-05-13	2127-05-14	3	4	आगामी
भ्रामरी (मंगल)	2127-05-14	2131-05-14	4	4	आगामी
भद्रिका (बुध)	2131-05-14	2136-05-13	5	4	आगामी

योगिनी अन्तर्दशा

→ भद्रिका (बुध)

2026-08-22 – 2028-05-13

तत्कुलज्योतिषम्

भद्रिका

2026-08-22 – 2026-11-17

0.24 वर्ष · बुध

वर्तमान

उल्का

2026-11-17 – 2027-03-02

0.29 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2027-03-02 – 2027-07-03

0.34 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2027-07-03 – 2027-11-20

0.38 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2027-11-20 – 2027-12-08

0.05 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2027-12-08 – 2028-01-12

0.10 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2028-01-12 – 2028-03-04

0.14 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2028-03-04 – 2028-05-13

0.19 वर्ष · मंगल

आगामी

उल्का (शनि)

2028-05-13 – 2034-05-14

उल्का

2028-05-13 – 2029-05-13

1 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2029-05-13 – 2030-07-14

1.17 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2030-07-14 – 2031-11-13

1.33 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2031-11-13 – 2032-01-12

0.17 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2032-01-12 – 2032-05-13

0.33 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2032-05-13 – 2032-11-12

0.50 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम

भ्रामरी
2032-11-12 – 2033-07-13
0.67 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2033-07-13 – 2034-05-14
0.83 वर्ष · बुध
आगामी

सिद्धा (शुक्र)

2034-05-14 – 2041-05-13

सिद्धा
2034-05-14 – 2035-09-23
1.36 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2035-09-23 – 2037-04-13
1.56 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2037-04-13 – 2037-06-23
0.19 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2037-06-23 – 2037-11-12
0.39 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2037-11-12 – 2038-06-13
0.58 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2038-06-13 – 2039-03-24
0.78 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2039-03-24 – 2040-03-13
0.97 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2040-03-13 – 2041-05-13
1.17 वर्ष · शनि
आगामी

संकटा (राहु)

2041-05-13 – 2049-05-13

संकटा
2041-05-13 – 2043-02-22
1.78 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2043-02-22 – 2043-05-14
0.22 वर्ष · चन्द्र
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

पिंगला

2043-05-14 – 2043-10-23

0.44 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2043-10-23 – 2044-06-23

0.67 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2044-06-23 – 2045-05-13

0.89 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2045-05-13 – 2046-06-23

1.11 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2046-06-23 – 2047-10-23

1.33 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2047-10-23 – 2049-05-13

1.56 वर्ष · शुक्र

आगामी

मंगला (चन्द्र)

तंत्रकुलज्योतिषम्

2049-05-13 – 2050-05-14

मंगला

2049-05-13 – 2049-05-23

0.03 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2049-05-23 – 2049-06-13

0.06 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2049-06-13 – 2049-07-13

0.08 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2049-07-13 – 2049-08-23

0.11 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2049-08-23 – 2049-10-12

0.14 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2049-10-12 – 2049-12-12

0.17 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2049-12-12 – 2050-02-21

0.19 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2050-02-21 – 2050-05-14

0.22 वर्ष · राहु

आगामी

पिंगला (सूर्य)

2050-05-14 – 2052-05-13

पिंगला
2050-05-14 – 2050-06-23
0.11 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2050-06-23 – 2050-08-23
0.17 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2050-08-23 – 2050-11-12
0.22 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2050-11-12 – 2051-02-22
0.28 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2051-02-22 – 2051-06-23
0.33 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2051-06-23 – 2051-11-12
0.39 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2051-11-12 – 2052-04-23
0.44 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2052-04-23 – 2052-05-13
0.06 वर्ष · चन्द्र
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

धन्या (बृहस्पति)

2052-05-13 – 2055-05-14

धन्या
2052-05-13 – 2052-08-12
0.25 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2052-08-12 – 2052-12-12
0.33 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2052-12-12 – 2053-05-13
0.42 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2053-05-13 – 2053-11-12
0.50 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2053-11-12 – 2054-06-13
0.58 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2054-06-13 – 2055-02-11
0.67 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2055-02-11 – 2055-03-14
0.08 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2055-03-14 – 2055-05-14
0.17 वर्ष · सूर्य
आगामी

भ्रामरी (मंगल)

2055-05-14 – 2059-05-14

भ्रामरी
2055-05-14 – 2055-10-23
0.44 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2055-10-23 – 2056-05-13
0.56 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2056-05-13 – 2057-01-11
0.67 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2057-01-11 – 2057-10-23
0.78 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2057-10-23 – 2058-09-12
0.89 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2058-09-12 – 2058-10-23
0.11 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2058-10-23 – 2059-01-12
0.22 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2059-01-12 – 2059-05-14
0.33 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भद्रिका (बुध)

2059-05-14 – 2064-05-13

भद्रिका
2059-05-14 – 2060-01-22
0.69 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2060-01-22 – 2060-11-22
0.83 वर्ष · शनि
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

सिद्धा
2060-11-22 – 2061-11-12
0.97 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2061-11-12 – 2062-12-23
1.11 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2062-12-23 – 2063-02-11
0.14 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2063-02-11 – 2063-05-24
0.28 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2063-05-24 – 2063-10-23
0.42 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2063-10-23 – 2064-05-13
0.56 वर्ष · मंगल
आगामी

उल्का (शनि)

2064-05-13 – 2070-05-13

उल्का
2064-05-13 – 2065-05-13
1 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2065-05-13 – 2066-07-13
1.17 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2066-07-13 – 2067-11-12
1.33 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2067-11-12 – 2068-01-12
0.17 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2068-01-12 – 2068-05-13
0.33 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2068-05-13 – 2068-11-12
0.50 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2068-11-12 – 2069-07-13
0.67 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2069-07-13 – 2070-05-13
0.83 वर्ष · बुध
आगामी

सिद्धा (शुक्र)

तंत्रकुलज्योतिषम्

2070-05-13 – 2077-05-13

सिद्धा
2070-05-13 – 2071-09-23
1.36 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2071-09-23 – 2073-04-13
1.56 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2073-04-13 – 2073-06-23
0.19 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2073-06-23 – 2073-11-12
0.39 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2073-11-12 – 2074-06-13
0.58 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2074-06-13 – 2075-03-24
0.78 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2075-03-24 – 2076-03-13
0.97 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2076-03-13 – 2077-05-13
1.17 वर्ष · शनि
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

संकटा (राहु)

2077-05-13 – 2085-05-13

संकटा
2077-05-13 – 2079-02-21
1.78 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2079-02-21 – 2079-05-14
0.22 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2079-05-14 – 2079-10-23
0.44 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2079-10-23 – 2080-06-22
0.67 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2080-06-22 – 2081-05-13
0.89 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2081-05-13 – 2082-06-23
1.11 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का

2082-06-23 – 2083-10-23

1.33 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2083-10-23 – 2085-05-13

1.56 वर्ष · शुक्र

आगामी

मंगला (चन्द्र)

2085-05-13 – 2086-05-13

मंगला

2085-05-13 – 2085-05-23

0.03 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2085-05-23 – 2085-06-12

0.06 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2085-06-12 – 2085-07-13

0.08 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2085-07-13 – 2085-08-22

0.11 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2085-08-22 – 2085-10-12

0.14 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2085-10-12 – 2085-12-12

0.17 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2085-12-12 – 2086-02-21

0.19 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2086-02-21 – 2086-05-13

0.22 वर्ष · राहु

आगामी

पिंगला (सूर्य)

2086-05-13 – 2088-05-13

पिंगला

2086-05-13 – 2086-06-23

0.11 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2086-06-23 – 2086-08-23

0.17 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

भ्रामरी
2086-08-23 – 2086-11-12
0.22 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2086-11-12 – 2087-02-21
0.28 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2087-02-21 – 2087-06-23
0.33 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2087-06-23 – 2087-11-12
0.39 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2087-11-12 – 2088-04-22
0.44 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2088-04-22 – 2088-05-13
0.06 वर्ष · चन्द्र
आगामी

धन्या (बृहस्पति)

2088-05-13 – 2091-05-13

धन्या
2088-05-13 – 2088-08-12
0.25 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2088-08-12 – 2088-12-12
0.33 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2088-12-12 – 2089-05-13
0.42 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2089-05-13 – 2089-11-12
0.50 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2089-11-12 – 2090-06-13
0.58 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2090-06-13 – 2091-02-11
0.67 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2091-02-11 – 2091-03-14
0.08 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2091-03-14 – 2091-05-13
0.17 वर्ष · सूर्य
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

भ्रामरी (मंगल)

2091-05-13 – 2095-05-13

भ्रामरी
2091-05-13 – 2091-10-23
0.44 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2091-10-23 – 2092-05-13
0.56 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2092-05-13 – 2093-01-11
0.67 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2093-01-11 – 2093-10-22
0.78 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2093-10-22 – 2094-09-12
0.89 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2094-09-12 – 2094-10-23
0.11 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2094-10-23 – 2095-01-12
0.22 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2095-01-12 – 2095-05-13
0.33 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

भद्रिका (बुध)

2095-05-13 – 2100-05-14

भद्रिका
2095-05-13 – 2096-01-22
0.69 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2096-01-22 – 2096-11-21
0.83 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2096-11-21 – 2097-11-12
0.97 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2097-11-12 – 2098-12-22
1.11 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2098-12-22 – 2099-02-11
0.14 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2099-02-11 – 2099-05-24
0.28 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2099-05-24 – 2099-10-23
0.42 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2099-10-23 – 2100-05-14
0.56 वर्ष · मंगल
आगामी

उल्का (शनि)

2100-05-14 – 2106-05-14

उल्का
2100-05-14 – 2101-05-14
1 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2101-05-14 – 2102-07-14
1.17 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2102-07-14 – 2103-11-13
1.33 वर्ष · राहु
आगामी

मंगला
2103-11-13 – 2104-01-13
0.17 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2104-01-13 – 2104-05-14
0.33 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2104-05-14 – 2104-11-12
0.50 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2104-11-12 – 2105-07-14
0.67 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2105-07-14 – 2106-05-14
0.83 वर्ष · बुध
आगामी

सिद्धा (शुक्र)

2106-05-14 – 2113-05-14

सिद्धा
2106-05-14 – 2107-09-23
1.36 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2107-09-23 – 2109-04-13
1.56 वर्ष · राहु
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

मंगला

2109-04-13 – 2109-06-23

0.19 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2109-06-23 – 2109-11-12

0.39 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2109-11-12 – 2110-06-14

0.58 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2110-06-14 – 2111-03-25

0.78 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2111-03-25 – 2112-03-14

0.97 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2112-03-14 – 2113-05-14

1.17 वर्ष · शनि

आगामी

संकटा (राहु)

2113-05-14 – 2121-05-14

तंत्रकुलज्योतिषम्

संकटा

2113-05-14 – 2115-02-22

1.78 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2115-02-22 – 2115-05-14

0.22 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2115-05-14 – 2115-10-24

0.44 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2115-10-24 – 2116-06-23

0.67 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2116-06-23 – 2117-05-14

0.89 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2117-05-14 – 2118-06-24

1.11 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2118-06-24 – 2119-10-24

1.33 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2119-10-24 – 2121-05-14

1.56 वर्ष · शुक्र

आगामी

मंगला (चन्द्र)

2121-05-14 – 2122-05-14

मंगला
2121-05-14 – 2121-05-24
0.03 वर्ष · चन्द्र
आगामी

पिंगला
2121-05-24 – 2121-06-13
0.06 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2121-06-13 – 2121-07-14
0.08 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2121-07-14 – 2121-08-23
0.11 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2121-08-23 – 2121-10-13
0.14 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2121-10-13 – 2121-12-13
0.17 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2121-12-13 – 2122-02-22
0.19 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा
2122-02-22 – 2122-05-14
0.22 वर्ष · राहु
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

पिंगला (सूर्य)

2122-05-14 – 2124-05-13

पिंगला
2122-05-14 – 2122-06-24
0.11 वर्ष · सूर्य
आगामी

धन्या
2122-06-24 – 2122-08-23
0.17 वर्ष · बृहस्पति
आगामी

भ्रामरी
2122-08-23 – 2122-11-13
0.22 वर्ष · मंगल
आगामी

भद्रिका
2122-11-13 – 2123-02-22
0.28 वर्ष · बुध
आगामी

उल्का
2123-02-22 – 2123-06-24
0.33 वर्ष · शनि
आगामी

सिद्धा
2123-06-24 – 2123-11-13
0.39 वर्ष · शुक्र
आगामी

संकटा

2123-11-13 – 2124-04-23

0.44 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2124-04-23 – 2124-05-13

0.06 वर्ष · चन्द्र

आगामी

धन्या (बृहस्पति)

2124-05-13 – 2127-05-14

धन्या

2124-05-13 – 2124-08-13

0.25 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2124-08-13 – 2124-12-13

0.33 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2124-12-13 – 2125-05-14

0.42 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2125-05-14 – 2125-11-12

0.50 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2125-11-12 – 2126-06-13

0.58 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2126-06-13 – 2127-02-12

0.67 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2127-02-12 – 2127-03-14

0.08 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2127-03-14 – 2127-05-14

0.17 वर्ष · सूर्य

आगामी

भ्रामरी (मंगल)

2127-05-14 – 2131-05-14

भ्रामरी

2127-05-14 – 2127-10-24

0.44 वर्ष · मंगल

आगामी

भद्रिका

2127-10-24 – 2128-05-13

0.56 वर्ष · बुध

आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

उल्का

2128-05-13 – 2129-01-12

0.67 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2129-01-12 – 2129-10-23

0.78 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2129-10-23 – 2130-09-13

0.89 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2130-09-13 – 2130-10-23

0.11 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2130-10-23 – 2131-01-12

0.22 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2131-01-12 – 2131-05-14

0.33 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भद्रिका (बुध)

2131-05-14 – 2136-05-13

तंत्रकुलज्योतिषम्

भद्रिका

2131-05-14 – 2132-01-23

0.69 वर्ष · बुध

आगामी

उल्का

2132-01-23 – 2132-11-22

0.83 वर्ष · शनि

आगामी

सिद्धा

2132-11-22 – 2133-11-12

0.97 वर्ष · शुक्र

आगामी

संकटा

2133-11-12 – 2134-12-23

1.11 वर्ष · राहु

आगामी

मंगला

2134-12-23 – 2135-02-12

0.14 वर्ष · चन्द्र

आगामी

पिंगला

2135-02-12 – 2135-05-24

0.28 वर्ष · सूर्य

आगामी

धन्या

2135-05-24 – 2135-10-23

0.42 वर्ष · बृहस्पति

आगामी

भ्रामरी

2135-10-23 – 2136-05-13

0.56 वर्ष · मंगल

आगामी

योगिनी फल

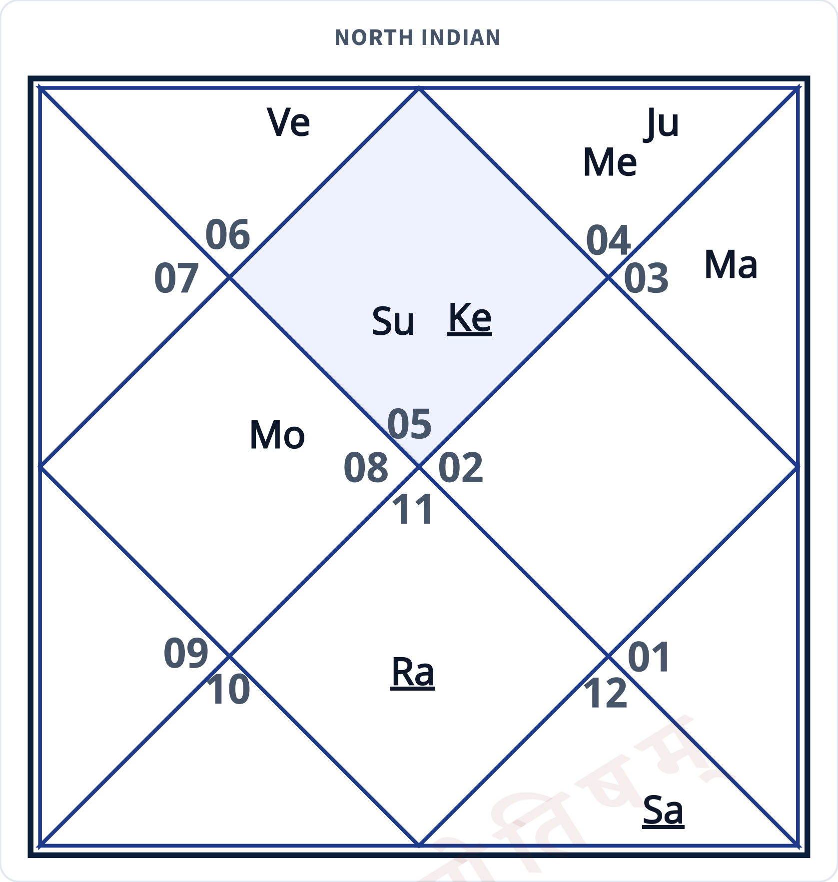

योगिनी दशा फल

वर्तमान **भद्रिका–भद्रिका** महा / अन्तर	क्षितिज **10 वर्ष** 2026-08-26 → 2036-08-26
अवधियाँ **18** योगिनी × अन्तर	स्रोत **बृहत्पाराशर** योगिनी दशा · जातकपारिजात

तंत्रकुलज्योतिषम्

भद्रिका–भद्रिका · दुर्बल

भद्रिका अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में मंगल वाणी, विद्या, व्यापार जगाती है। स्वामी बुध — वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–भद्रिका · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2026-08-22 – 2026-11-17

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि**

मैत्री	सक्रिय भाव
स्व अन्तर्दशा	**धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**

अनुकूल	चुनौती
—	**धन, व्यय, अरि**

भद्रिका–उल्का · दुर्बल

उल्का अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब जगाती है। स्वामी शनि — श्रम, सेवा, आयु, विलम्ब। शनि भाव 8 में, सम। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। शनि अरि (6), जाया (7) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5), लाभ (11), व्यय (12)। महा–अन्तर शत्रुता (शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में अकस्मात् विघ्न, श्रम-भार, विलम्ब। भार: अरि, जाया, रन्ध्र, धन, व्यय, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–उल्का · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2026-11-17 – 2027-03-02

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**

मैत्री	सक्रिय भाव
शत्रु	**अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5), लाभ (11), व्यय (12)**

अनुकूल	चुनौती
—	**अरि, जाया, रन्ध्र, धन, व्यय, महा–अन्तर शत्रुता**

भद्रिका–सिद्धा · दुर्बल

सिद्धा अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में सिद्धि, कलत्र, सुख-भोग जगाती है। स्वामी शुक्र — कलत्र, सुख, वाहन, कला। शुक्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। शुक्र सहज (3), कर्म (10) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। महा–अन्तर मैत्री (अति मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में कलत्र-कलह, भोग-व्यय। भार: रन्ध्र, व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–सिद्धा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-03-02 – 2027-07-03

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**सिद्धा · स्वामी शुक्र · भाव 2 · नीच**

मैत्री	सक्रिय भाव
अति मित्र	**सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**

अनुकूल	चुनौती
—	**रन्ध्र, व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी**

भद्रिका–संकटा · तनाव

संकटा अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में संकट, विघ्न, छाया-मार्ग जगाती है। स्वामी राहु — विदेश, अकस्मात्, अपूर्व मार्ग। राहु भाव 7 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव जाया (7), तनु (1), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में संकट, भ्रम, अचानक रुकावट। भार: व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–संकटा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-07-03 – 2027-11-20

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**संकटा · स्वामी राहु · भाव 7 · सम**

मैत्री	सक्रिय भाव
—	**जाया (7), तनु (1), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**

अनुकूल	चुनौती
—	**व्यय, अरि**

भद्रिका–मंगला · दुर्बल

मंगला अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में शुभ आरम्भ, मन, मातृ-सुख जगाती है। स्वामी चन्द्र — मन, माता, यात्रा, लोक। चन्द्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। चन्द्र व्यय (12) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), धन (2), लाभ (11), अरि (6)। महा–अन्तर शत्रुता (अति शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में चञ्चल मन, मातृ-चिन्ता। भार: व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–मंगला · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-11-20 – 2027-12-08

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**मंगला · स्वामी चन्द्र · भाव 4 · नीच**
मैत्री	सक्रिय भाव
अति शत्रु	**व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), धन (2), लाभ (11), अरि (6)**
अनुकूल	चुनौती
—	**व्यय, अरि, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता**

भद्रिका–पिंगला · बलवान

पिंगला अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में तेज, पिता, राजकार्य जगाती है। स्वामी सूर्य — आत्म, पिता, राजसम्मान। सूर्य मूलत्रिकोण है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। सूर्य तनु (1) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। महा–अन्तर मैत्री (अति मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में सम्मान, पितृ-सुख, राजकार्य। सहयोग: तनु, जाया, लाभ।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–पिंगला · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2027-12-08 – 2028-01-12

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**पिंगला · स्वामी सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण**
मैत्री	सक्रिय भाव
अति मित्र	**तनु (1), जाया (7), धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)**
अनुकूल	चुनौती
तनु, जाया, लाभ	**व्यय, अरि**

भद्रिका–धन्या · तनाव

धन्या अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में धन, धर्म, गुरु जगाती है। स्वामी बृहस्पति — धर्म, सन्तान, गुरु, धन। बृहस्पति उच्च है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। बृहस्पति पुत्र (5), रन्ध्र (8) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), धन (2), लाभ (11)। महा–अन्तर शत्रुता (शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में धन-चिन्ता, गुरु-विरोध। भार: रन्ध्र, व्यय, अरि, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–धन्या · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2028-01-12 – 2028-03-04

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**धन्या · स्वामी बृहस्पति · भाव 12 · उच्च**
मैत्री	सक्रिय भाव
शत्रु	**पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), धन (2), लाभ (11)**
अनुकूल	चुनौती
—	**रन्ध्र, व्यय, अरि, महा–अन्तर शत्रुता**

भद्रिका–भ्रामरी · तनाव

भ्रामरी अन्तर्दशा भद्रिका महादशा (मंगल वाणी, विद्या, व्यापार) में भ्रमण, भूमि, सहोदर जगाती है। स्वामी मंगल — साहस, भूमि, सहोदर। मंगल अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। मंगल बन्धु (4), धर्म (9) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), व्यय (12)। महा–अन्तर मैत्री (मित्र) फल को सहारा देती है। इस अवधि में भ्रमण-कष्ट, कलह, सहोदर-विवाद। भार: अरि, व्यय।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · भद्रिका–भ्रामरी · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2028-03-04 – 2028-05-13

महायोगिनी	अन्तयोगिनी
भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि	**भ्रामरी · स्वामी मंगल · भाव 11 · अरि**
मैत्री	सक्रिय भाव
मित्र	**बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), व्यय (12)**
अनुकूल	चुनौती
कर्म, भाग्य	**अरि, व्यय**

गणकुल ज्योतिषम्

उल्का–उल्का · दुर्बल

उल्का अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब जगाती है। स्वामी शनि — श्रम, सेवा, आयु, विलम्ब। शनि भाव 8 में, सम। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। शनि अरि (6), जाया (7) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में अकस्मात् विघ्न, श्रम-भार, विलम्ब। भार: अरि, जाया, रन्ध्र, धन।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का–उल्का · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2028-05-13 – 2029-05-13

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**
मैत्री **स्व अन्तर्दशा**	सक्रिय भाव **अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)**
अनुकूल —	चुनौती **अरि, जाया, रन्ध्र, धन**

उल्का–सिद्धा · दुर्बल

सिद्धा अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में सिद्धि, कलत्र, सुख-भोग जगाती है। स्वामी शुक्र — कलत्र, सुख, वाहन, कला। शुक्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। शुक्र सहज (3), कर्म (10) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), अरि (6), जाया (7), पुत्र (5)। महा–अन्तर सम्बन्ध सम। इस अवधि में कलत्र-कलह, भोग-व्यय। भार: रन्ध्र, अरि, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का–सिद्धा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2029-05-13 – 2030-07-14

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **सिद्धा · स्वामी शुक्र · भाव 2 · नीच**
मैत्री **सम**	सक्रिय भाव **सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8), अरि (6), जाया (7), पुत्र (5)**
अनुकूल —	चुनौती **रन्ध्र, अरि, नीच दशा-स्वामी**

उल्का–संकटा · मिश्र

संकटा अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में संकट, विघ्न, छाया-मार्ग जगाती है। स्वामी राहु — विदेश, अकस्मात्, अपूर्व मार्ग। राहु भाव 7 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव जाया (7), तनु (1), अरि (6), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। फल मिश्र — विदेश/अपूर्व मार्ग से निकलना भी, संकट, भ्रम, अचानक रुकावट भी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का–संकटा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2030-07-14 – 2031-11-13

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **संकटा · स्वामी राहु · भाव 7 · सम**
मैत्री —	सक्रिय भाव **जाया (7), तनु (1), अरि (6), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)**
अनुकूल **जाया, तनु, कर्म, पुत्र**	चुनौती **अरि, रन्ध्र**

उल्का–मंगला · दुर्बल

मंगला अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में शुभ आरम्भ, मन, मातृ-सुख जगाती है। स्वामी चन्द्र — मन, माता, यात्रा, लोक। चन्द्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। चन्द्र व्यय (12) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), धन (2), पुत्र (5)। महा–अन्तर शत्रुता (अति शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में चञ्चल मन, मातृ-चिन्ता। भार: व्यय, अरि, रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का–मंगला · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2031-11-13 – 2032-01-12

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **मंगला · स्वामी चन्द्र · भाव 4 · नीच**
मैत्री **अति शत्रु**	सक्रिय भाव **व्यय (12), बन्धु (4), कर्म (10), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), धन (2), पुत्र (5)**
अनुकूल —	चुनौती **व्यय, अरि, रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी, महा–अन्तर शत्रुता**

उल्का-पिंगला · बलवान

पिंगला अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में तेज, पिता, राजकार्य जगाती है। स्वामी सूर्य — आत्म, पिता, राजसम्मान। सूर्य मूलत्रिकोण है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। सूर्य तनु (1) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव तनु (1), जाया (7), अरि (6), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)। महा-अन्तर शत्रुता (अति शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में सम्मान, पितृ-सुख, राजकार्य। सहयोग: तनु, जाया, कर्म, पुत्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का-पिंगला · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2032-01-12 – 2032-05-13

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **पिंगला · स्वामी सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण**
मैत्री **अति शत्रु**	सक्रिय भाव **तनु (1), जाया (7), अरि (6), रन्ध्र (8), कर्म (10), धन (2), पुत्र (5)**
अनुकूल **तनु, जाया, कर्म, पुत्र**	चुनौती **अरि, रन्ध्र, महा-अन्तर शत्रुता**

उल्का-धन्या · अनुकूल

धन्या अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में धन, धर्म, गुरु जगाती है। स्वामी बृहस्पति — धर्म, सन्तान, गुरु, धन। बृहस्पति उच्च है — फलदीपिका के अनुसार अन्तर्दशा बलवान। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। बृहस्पति पुत्र (5), रन्ध्र (8) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), जाया (7), कर्म (10), धन (2)। महा-अन्तर शत्रुता (शत्रु) फल में संघर्ष लाती है। इस अवधि में धर्माय धन, गुरु-कृपा, सन्तान। सहयोग: पुत्र, बन्धु, जाया, कर्म।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का-धन्या · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2032-05-13 – 2032-11-12

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **धन्या · स्वामी बृहस्पति · भाव 12 · उच्च**
मैत्री **शत्रु**	सक्रिय भाव **पुत्र (5), रन्ध्र (8), व्यय (12), बन्धु (4), अरि (6), जाया (7), कर्म (10), धन (2)**
अनुकूल **पुत्र, बन्धु, जाया, कर्म**	चुनौती **रन्ध्र, व्यय, अरि, महा-अन्तर शत्रुता**

उल्का-भ्रामरी · मिश्र

भ्रामरी अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में भ्रमण, भूमि, सहोदर जगाती है। स्वामी मंगल — साहस, भूमि, सहोदर। मंगल अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। मंगल बन्धु (4), धर्म (9) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10)। महा-अन्तर सम्बन्ध सम। फल मिश्र — भूमि, पराक्रम, सहोदर-सुख भी, भ्रमण-कष्ट, कलह, सहोदर-विवाद भी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का-भ्रामरी · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2032-11-12 – 2033-07-13

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **भ्रामरी · स्वामी मंगल · भाव 11 · अरि**
मैत्री **सम**	सक्रिय भाव **बन्धु (4), धर्म (9), लाभ (11), धन (2), पुत्र (5), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10)**
अनुकूल **बन्धु, धर्म, लाभ, पुत्र, जाया, कर्म, भाग्य**	चुनौती **अरि, रन्ध्र**

उल्का-भद्रिका · दुर्बल

भद्रिका अन्तर्दशा उल्का महादशा (अकस्मात् विघ्न, श्रम, विलम्ब) में मंगल वाणी, विद्या, व्यापार जगाती है। स्वामी बुध — वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), पुत्र (5)। महा-अन्तर सम्बन्ध सम। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि। भार: धन, व्यय, अरि, जाया, रन्ध्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · उल्का-भद्रिका · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2033-07-13 – 2034-05-14

महायोगिनी **उल्का · स्वामी शनि · भाव 8 · सम**	अन्तयोगिनी **भद्रिका · स्वामी बुध · भाव 12 · अरि**
मैत्री **सम**	सक्रिय भाव **धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6), जाया (7), रन्ध्र (8), कर्म (10), पुत्र (5)**
अनुकूल **—**	चुनौती **धन, व्यय, अरि, जाया, रन्ध्र**

सिद्धा–सिद्धा · दुर्बल

सिद्धा अन्तर्दशा सिद्धा महादशा (सिद्धि, कलत्र, सुख-भोग) में सिद्धि, कलत्र, सुख-भोग जगाती है। स्वामी शुक्र — कलत्र, सुख, वाहन, कला। शुक्र नीच है — अन्तर्दशा-फल विपरीत या कष्ट से आता है। शुक्र सहज (3), कर्म (10) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में कलत्र-कलह, भोग-व्यय। भार: रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · सिद्धा–सिद्धा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2034-05-14 – 2035-09-23

महायोगिनी **सिद्धा · स्वामी शुक्र · भाव 2 · नीच**	अन्तर्योगिनी **सिद्धा · स्वामी शुक्र · भाव 2 · नीच**
मैत्री **स्व अन्तर्दशा**	सक्रिय भाव **सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8)**
अनुकूल —	चुनौती **रन्ध्र, नीच दशा-स्वामी**

सिद्धा–संकटा · तनाव

संकटा अन्तर्दशा सिद्धा महादशा (सिद्धि, कलत्र, सुख-भोग) में संकट, विघ्न, छाया-मार्ग जगाती है। स्वामी राहु — विदेश, अकस्मात्, अपूर्व मार्ग। राहु भाव 7 में, सम। केन्द्र/त्रिकोण स्थिति फल को प्रकट करती है। सक्रिय भाव जाया (7), तनु (1), सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8)। राहु/केतु की राशि-स्वामित्व नहीं — स्थित भाव और राशि-स्वामी से फल देखें। इस अवधि में संकट, भ्रम, अचानक रुकावट। भार: रन्ध्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा · सिद्धा–संकटा · जातकपारिजात · फलदीपिका (बल/राशि)

अवधि
2035-09-23 – 2037-04-13

महायोगिनी **सिद्धा · स्वामी शुक्र · भाव 2 · नीच**	अन्तर्योगिनी **संकटा · स्वामी राहु · भाव 7 · सम**
मैत्री —	सक्रिय भाव **जाया (7), तनु (1), सहज (3), कर्म (10), धन (2), रन्ध्र (8)**
अनुकूल —	चुनौती **रन्ध्र**

तंत्रकुलज्योतिषम्

शास्त्र — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Yogini daśā: eight Yoginis Mangala through Sankata, lords Moon, Sun, Jupiter, Mars, Mercury, Saturn, Venus, Rāhu, lengths 1–8 years (36-year cycle). The antar is the same wheel inside the mahā. Phala is of the Yogini's lord — uccha, own sign, kendra/trikoṇa versus nīca, enemy sign, or dusthāna — not one stock sentence for the pair.
>
> BPHS Yogini daśā adhyāya (English paraphrase of the method; chapter numbers vary by edition)

> Jātaka-pārijāta treats the same 36-year Yogini wheel and reads results from the period-lord's strength and the houses he rules and occupies.
>
> Jataka Parijata Yogini daśā (English paraphrase of the method)

> Phaladeepika: a graha in exaltation, own sign, or a friend's sign gives a supportive daśā; in debilitation or an enemy's sign the daśā is strained. Applied here to the Yogini's lord.
>
> Phaladeepika daśā-phala (English paraphrase of the dignity rule)

मैत्री

NORTH INDIAN

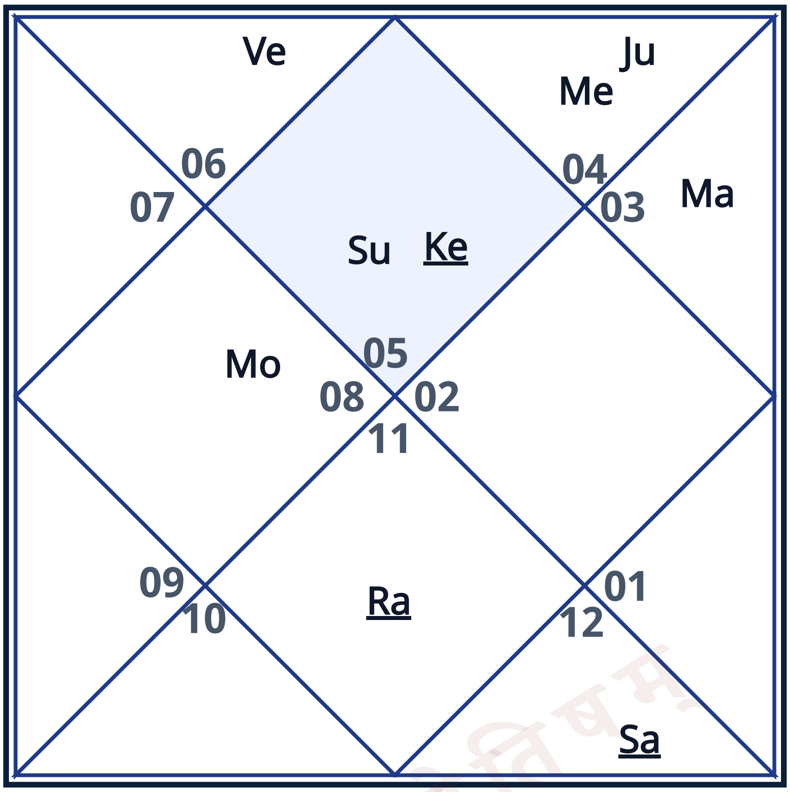

तंत्रकुलज्योतिषम्

METHOD

Pañcadhā

Naisargika + tātkālika

GRAHAS

7

Sun to Saturn

PAIRS

42

Directed

Signs used for tātkālika maitri.

Graha	Rāśi
सूर्य	सिंह
चन्द्र	वृश्चिक
मंगल	मिथुन
बुध	कर्क
बृहस्पति	कर्क

Graha	Rāśi
शुक्र	कन्या
शनि	मीन

Pañcadhā matrix. Row → column.

↓→	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूर्य	—	अति मित्र (+2)	अति मित्र (+2)	मित्र (+1)	अति मित्र (+2)	सम (+0)	अति शत्रु (-2)
चन्द्र	अति मित्र (+2)	—	शत्रु (-1)	सम (+0)	शत्रु (-1)	मित्र (+1)	शत्रु (-1)
मंगल	अति मित्र (+2)	सम (+0)	—	सम (+0)	अति मित्र (+2)	मित्र (+1)	मित्र (+1)
बुध	अति मित्र (+2)	अति शत्रु (-2)	मित्र (+1)	—	शत्रु (-1)	अति मित्र (+2)	शत्रु (-1)
बृहस्पति	अति मित्र (+2)	सम (+0)	अति मित्र (+2)	अति शत्रु (-2)	—	सम (+0)	शत्रु (-1)
शुक्र	सम (+0)	सम (+0)	मित्र (+1)	अति मित्र (+2)	मित्र (+1)	—	सम (+0)
शनि	अति शत्रु (-2)	अति शत्रु (-2)	सम (+0)	सम (+0)	शत्रु (-1)	सम (+0)	—

तंत्रकुलज्योतिषम्

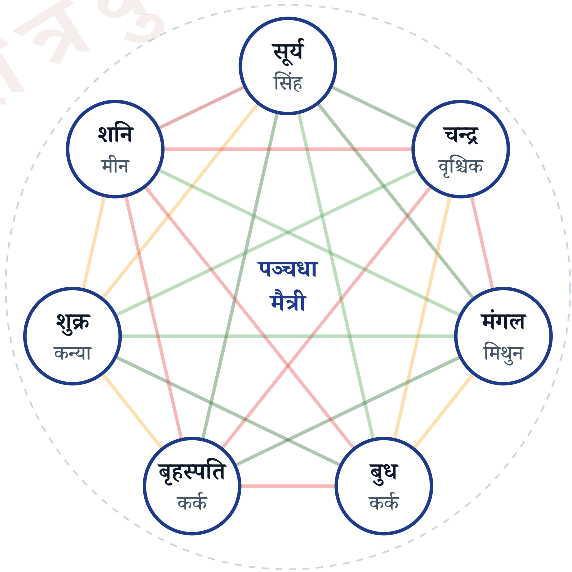

अति मित्र (+2) मित्र (+1) सम (+0) शत्रु (-1) अति शत्रु (-2)

Pañcadhā maitri combines naisargika friendship with tātkālika friendship from sign distance (2–4 and 10–12 friendly; 1 and 5–9 inimical).

ग्रह दृष्टि

NORTH INDIAN

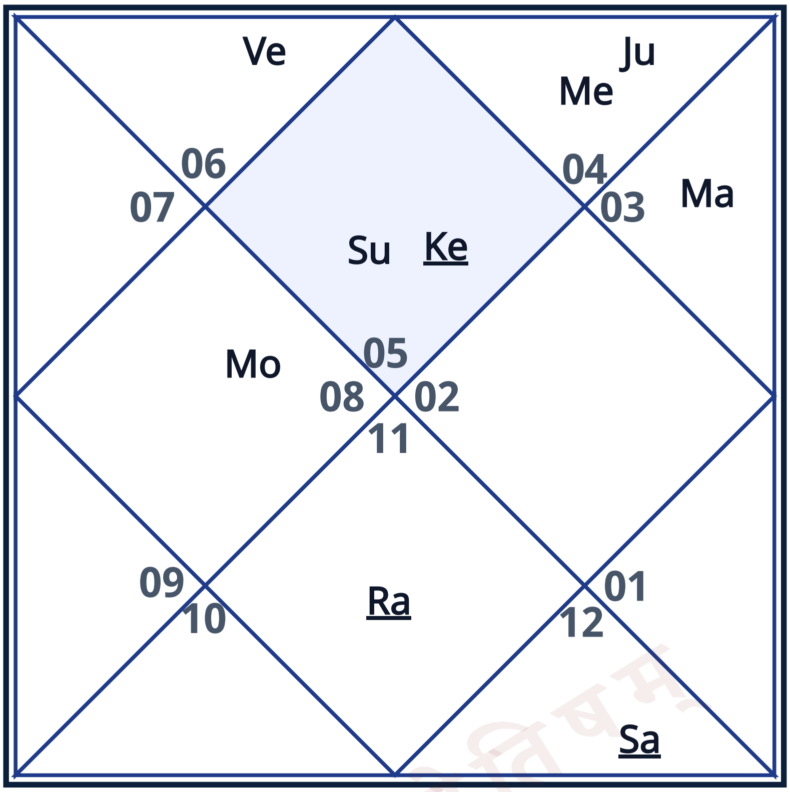

तंत्रकुलज्योतिषम्

LAGNA
सिंह
Whole-sign

ASPECTS
19
BPHS offsets

METHOD
Parāśari
Graha dṛṣṭi

Graha	Dṛṣṭi	Target rāśi	Bhāva	Occupants
सूर्य	सप्तम	कुम्भ	7	राहु
चन्द्र	सप्तम	वृषभ	10	—
मंगल	चतुर्थ	कन्या	2	शुक्र
मंगल	सप्तम	धनु	5	—
मंगल	अष्टम	मकर	6	—
बुध	सप्तम	मकर	6	—

Graha	Dṛṣṭi	Target rāśi	Bhāva	Occupants
बृहस्पति	पंचम	वृश्चिक	4	चन्द्र
बृहस्पति	सप्तम	मकर	6	—
बृहस्पति	नवम	मीन	8	शनि
शुक्र	सप्तम	मीन	8	शनि
शनि	तृतीय	वृषभ	10	—
शनि	सप्तम	कन्या	2	शुक्र
शनि	दशम	धनु	5	—
राहु	पंचम	मिथुन	11	मंगल
राहु	सप्तम	सिंह	1	सूर्य, केतु
राहु	नवम	तुला	3	—
केतु	पंचम	धनु	5	—
केतु	सप्तम	कुम्भ	7	राहु
केतु	नवम	मेष	9	—

Parāśari graha dṛṣṭi on whole-sign bhāvas from Lagna. Every graha aspects the 7th. Mars also 4th and 8th; Jupiter and the nodes also 5th and 9th; Saturn also 3rd and 10th.

तंत्रकुलज्योतिषम्

जैमिनी

NORTH INDIAN

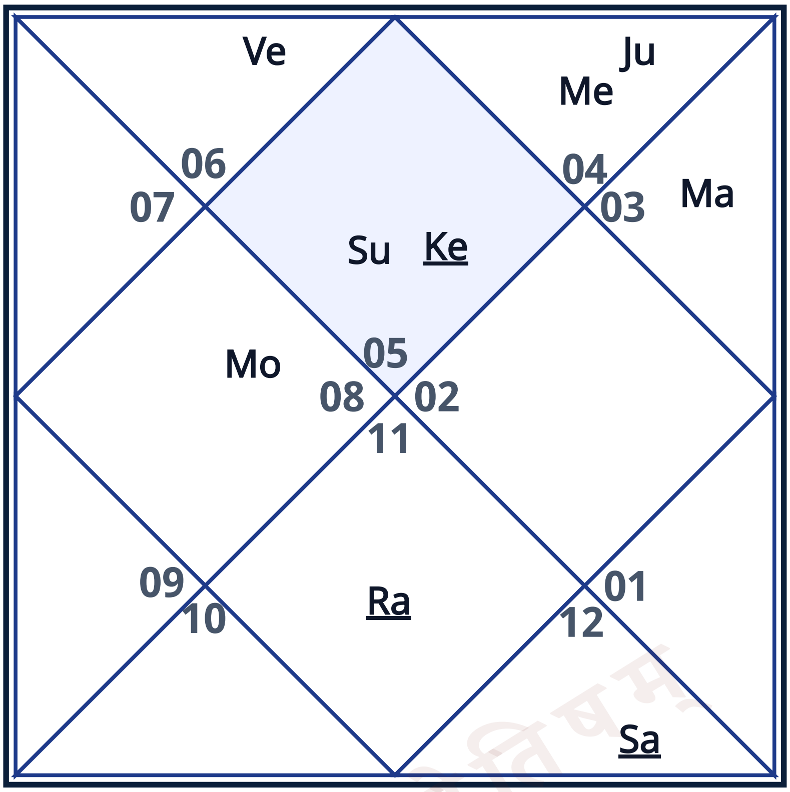

तंत्रकुलज्योतिषम्

ĀTMAKĀRAKA

बुध

सिंह

KARAKAMSHA

मीन

D9

ARUDHA LAGNA

कर्क

A1

UPAPADA

मीन

A12

Chara karaka.

Kāraka	Graha	Rāśi	Aṃśa
आत्मकारक	बुध	कर्क	29° 57' 52"
अमात्यकारक	चन्द्र	वृश्चिक	25° 23' 49"
भ्रातृकारक	बृहस्पति	कर्क	21° 02' 14"
मातृकारक	शुक्र	कन्या	18° 13' 27"
पुत्रकारक	शनि	मीन	11° 50' 22"

Kāraka	Graha	Rāśi	Aṃśa
ज्ञातिकारक	मंगल	मिथुन	11° 18' 07"
दाराकारक	सूर्य	सिंह	4° 07' 41"

Special lagnas.

Lagna	Rāśi	Note
Karakamsha	मीन	D9 of ātmakāraka
Ātmakāraka	बुध	—
Arudha lagna	कर्क	A1
Upapada	मीन	A12

Arudha pada.

तंत्रकुलज्योतिषम्

Pada	Bhāva	House rāśi	Lord	Lord rāśi	Arudha
अरुधा लग्न	1	सिंह	सूर्य	सिंह	कर्क
धन पद	2	कन्या	बुध	कर्क	वृषभ
भ्रातृ पद	3	तुला	शुक्र	कन्या	सिंह
मातृ पद	4	वृश्चिक	मंगल	मिथुन	मकर
पुत्र पद	5	धनु	बृहस्पति	कर्क	कुम्भ
रोग पद	6	मकर	शनि	मीन	वृषभ
दार पद	7	कुम्भ	शनि	मीन	मेष
मृत्यु पद	8	मीन	बृहस्पति	कर्क	वृश्चिक
पितृ पद	9	मेष	मंगल	मिथुन	सिंह
राज्य / कर्म पद	10	वृषभ	शुक्र	कन्या	मकर
लाभ पद	11	मिथुन	बुध	कर्क	सिंह
उपपद लग्न	12	कर्क	चन्द्र	वृश्चिक	मीन

Jaimini rāśi dṛṣṭi.

Rāśi	Aspects
मिथुन	कन्या, धनु, मीन
कर्क	वृषभ, वृश्चिक, कुम्भ
सिंह	मेष, तुला, मकर
कन्या	मिथुन, धनु, मीन
वृश्चिक	मेष, कर्क, मकर
कुम्भ	मेष, कर्क, तुला
मीन	मिथुन, कन्या, धनु

Jaimini chara karakas by degree-in-sign (7-karaka default). Karakamsha is the D9 sign of the ātmakāraka. Arudha uses inclusive sign count; pada in the same sign as the bhava moves 10 signs. Rāśi dṛṣṭi is Jaimini sign aspect, not Parāśari graha dṛṣṭi.

तंत्रकुलज्योतिषम्

अष्टकवर्ग

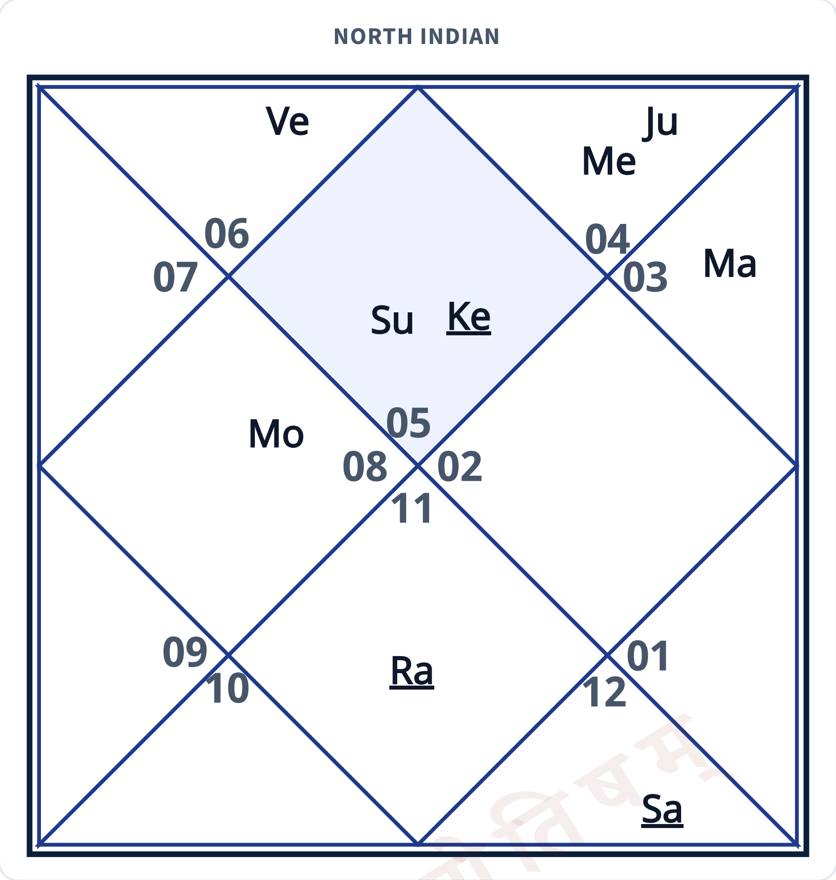

अष्टकवर्गफल

सापेक्ष औसत **28.08** इस कुण्डली का SAV mean	सबसे बलवान भाव **10** rank 1 — 30+ कटऑफ नहीं
सबसे दुर्बल भाव **7** सापेक्ष तुलना	दशा **Mercury–Mercury** natal → daśā → AV → gochara

फल भावों की **सापेक्ष तुलना** से है — केवल "30 से ऊपर अच्छा" नियम नहीं। यह घटना नहीं, फल-शक्ति है। भिन्नाष्टक में ग्रह के अपने बिंदु उस राशि के गोचर को तौलते हैं। तालिका के रंग केवल heatmap हैं।

तंत्रकुलज्योतिषम्

तनु / शरीर · दुर्बल

क्षेत्र
Body and vitality

SAV
1 भाव 23 · क्रम 10

भावेश
सूर्य · भाव 1 · BAV 3

कारक
सूर्य · BAV 3

दशा
बुध–बुध · चल रही

गोचर
सूर्य 1 भाव · BAV 3 · बुध 1 भाव · BAV 2

धन / लाभ · अनुकूल

क्षेत्र
Wealth and gains

SAV
2 भाव 29 · क्रम 5 · 11 भाव 33 · क्रम 2

भावेश
बुध · भाव 12 · BAV 4

कारक
बृहस्पति · BAV 5

दशा
बुध–बुध · चल रही

गोचर
मंगल 11 भाव · BAV 5 · शुक्र 2 भाव · BAV 5

सुख / बन्धु · मिश्र

क्षेत्र
Home and happiness

SAV
4 भाव 29 · क्रम 5

भावेश
मंगल · भाव 11 · BAV 5

कारक
चन्द्र · BAV 4

पुत्र / धी · मिश्र

क्षेत्र
Children and intellect

SAV
5 भाव 28 · क्रम 7

भावेश
बृहस्पति · भाव 12 · BAV 6

कारक
बृहस्पति · BAV 4

जाया / विवाह · दुर्बल

क्षेत्र
Marriage and partnership

SAV
7 भाव 21 · क्रम 12

भावेश
शनि · भाव 8 · BAV 3

कारक
शुक्र · BAV 3

धर्म / भाग्य · बलवान

क्षेत्र
Fortune and dharma

SAV
9 भाव 31 · क्रम 3

भावेश
मंगल · भाव 11 · BAV 5

कारक
बृहस्पति · BAV 5

तंत्रकुल ज्योतिषम्

कर्म / कीर्ति · बलवान

क्षेत्र
Career and status

SAV
10 भाव 37 · क्रम 1

भावेश
शुक्र · भाव 2 · BAV 5

कारक
सूर्य · BAV 4

सर्वाष्टक — बारह भाव

भाव	राशि	SAV	Rank	vs mean	Band	अर्थ
1	सिंह	23	10	-5.08	दुर्बल	शरीर
2	कन्या	29	5	+0.92	मिश्र	धन
3	तुला	22	11	-6.08	दुर्बल	पराक्रम
4	वृश्चिक	29	5	+0.92	मिश्र	सुख
5	धनु	28	7	-0.08	मिश्र	संतान
6	मकर	31	3	+2.92	बलवान	शत्रु
7	कुम्भ	21	12	-7.08	दुर्बल	विवाह
8	मीन	27	8	-1.08	तनाव	आयु
9	मेष	31	3	+2.92	बलवान	भाग्य
10	वृषभ	37	1	+8.92	बलवान	कर्म
11	मिथुन	33	2	+4.92	बलवान	लाभ
12	कर्क	26	9	-2.08	तनाव	व्यय

तंत्रकुलज्योतिषम्

गोचर · भिन्नाष्टक

ग्रह	राशि	भाव	BAV	BAV band	SAV	Support
सूर्य	सिंह	1	3	तनाव	23	weak

ग्रह	राशि	भाव	BAV	BAV band	SAV	Support
चन्द्र	मकर	6	7	बलवान	31	strong
मंगल	मिथुन	11	5	बलवान	33	strong
बुध	सिंह	1	2	दुर्बल	23	weak
गुरु	कर्क	12	6	अनुकूल	26	mixed
शुक्र	कन्या	2	5	अनुकूल	29	supportive
शनि	मीन	8	3	मिश्र	27	strained

> Maitreya asks Parāśara for a method to know happiness, suffering, and longevity from transits. Parāśara answers with Ashtakavarga — a phala system, not a score-sheet.
>
> BPHS Ashtakavarga adhyāya opening (English paraphrase; chapter number varies by edition)

> In Samudaya / Sarvāṣṭakavarga a rāśi or bhāva with more bindus is fruitful; one with fewer is difficult. Houses are judged against one another. A graha transiting a high-bindu sign gives better results. The seven Bhinna charts total 337 bindus (mean ≈ 28.08). Later commentators sometimes treat ~28–30 as a midpoint; this engine uses the chart's own mean and ranks.
>
> BPHS Samudaya Ashtakavarga (English paraphrase)

> Ashtakavarga Phala judges each graha from the bindus in its own Bhinna chart in the occupied sign, together with that graha's kāraka and the bhāva. More bindus than that graha's own mean support the result; fewer strain it.
>
> BPHS Ashtakavarga Phala (often printed as ch. 70; English paraphrase of the method, not a reconstructed sloka)

> A planet transiting a rāśi with more benefic bindus gives good results; even a 6th, 8th, or 12th transit can be benefic when the bindus are high.
>
> Phaladeepika 26.41 (English paraphrase)

> BPHS also has Ashtakavarga āyurdaya from śodhya piṇḍa after trikoṇa and ekādhipatya śodhana. This payload exposes the piṇḍa as longevity-strength metadata and does not replace /v1/vedic/ayurdaya.
>
> BPHS Ashtakavarga Āyurdaya (English paraphrase of the chapter topic)

Ashtakavarga is the transit-quality and house-strength layer. Parāśara teaches it so sukha-duḥkha and āyu can be judged from gochara — not as bindu arithmetic alone. Houses are compared with each other (Samudaya / Sarvāṣṭakavarga). A graha is judged from bindus in its own Bhinna chart in the occupied sign (Ashtakavarga Phala). This engine does not use a single '30+ is good' cutoff.

अष्टकवर्ग तालिका · `/v1/vedic/ashtakavarga`

SARVA TOTAL	AVERAGE

337

Seven graha BAVs

28.08

Leo

STRONGEST

10 (37) कर्म

SAV house

WEAKEST

7 (21) विवाह

SAV house

सर्वाष्टकवर्ग

Bhāva	Rāśi	Bindus	Level	Meaning
1	सिंह	23	कम	शरीर
2	कन्या	29	सामान्य	धन
3	तुला	22	कम	पराक्रम
4	वृश्चिक	29	सामान्य	सुख
5	धनु	28	सामान्य	संतान
6	मकर	31	अच्छा	शत्रु
7	कुम्भ	21	कम	विवाह
8	मीन	27	सामान्य	आयु
9	मेष	31	अच्छा	भाग्य
10	वृषभ	37	अत्यधिक	कर्म
11	मिथुन	33	अच्छा	लाभ
12	कर्क	26	सामान्य	व्यय

भिन्नाष्टकवर्ग

ग्रह	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	3	5	2	5	4	4	3	6	5	4	5	2	48
चन्द्र	4	2	5	4	1	7	3	3	4	7	3	6	49
मंगल	2	4	3	2	5	5	1	2	4	4	5	2	39

तंत्रकुलज्योतिषम्

ग्रह	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
बुध	2	6	2	4	7	5	3	4	6	4	7	4	54
गुरु	5	5	4	3	4	4	5	4	5	7	4	6	56
शुक्र	2	5	4	7	5	3	3	5	4	5	5	4	52
शनि	5	2	2	4	2	3	3	3	3	6	4	2	39
लग्न	5	2	6	4	4	6	1	3	5	6	4	3	49
सर्वाष्टक	23	29	22	29	28	31	21	27	31	37	33	26	337

प्रस्तार अष्टकवर्ग

सूर्य

तंत्रकुलज्योतिषम्

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
चन्द्र	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	4
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
BAV	3	5	2	5	4	4	3	6	5	4	5	2	48

चन्द्र

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
चन्द्र	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मंगल	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**6**
बुध	**0**	**1**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**8**
गुरु	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**7**
शुक्र	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**1**	**7**
शनि	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**4**
लग्न	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**4**
BAV	**4**	**2**	**5**	**4**	**1**	**7**	**3**	**3**	**4**	**7**	**3**	**6**	**49**

मंगल

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**5**
चन्द्र	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**
मंगल	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**7**
बुध	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**4**
गुरु	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**0**	**4**
शुक्र	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**4**
शनि	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**7**
लग्न	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**5**
BAV	**2**	**4**	**3**	**2**	**5**	**5**	**1**	**2**	**4**	**4**	**5**	**2**	**39**

बुध

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**5**
चन्द्र	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**6**

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
लग्न	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	7
BAV	2	6	2	4	7	5	3	4	6	4	7	4	54

गुरु

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	9
चन्द्र	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	5
मंगल	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
बुध	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	8
गुरु	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	8
शुक्र	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	6
शनि	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	4
लग्न	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	9
BAV	5	5	4	3	4	4	5	4	5	7	4	6	56

तंत्रकुलज्योतिषम्

शुक्र

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
चन्द्र	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	9

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मंगल	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**6**
बुध	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**5**
गुरु	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**5**
शुक्र	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**9**
शनि	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**7**
लग्न	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**8**
BAV	**2**	**5**	**4**	**7**	**5**	**3**	**3**	**5**	**4**	**5**	**5**	**4**	**52**

शनि

से	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
सूर्य	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**7**
चन्द्र	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**3**
मंगल	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**0**	**0**	**6**
बुध	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**0**	**6**
गुरु	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**4**
शुक्र	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**3**
शनि	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**0**	**1**	**4**
लग्न	**1**	**0**	**1**	**1**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**6**
BAV	**5**	**2**	**2**	**4**	**2**	**3**	**3**	**3**	**3**	**6**	**4**	**2**	**39**

तंत्रकुलज्योतिषम्

शोधन

सूर्य

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	**3**	**5**	**2**	**5**	**4**	**4**	**3**	**6**	**5**	**4**	**5**	**2**	**48**

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
त्रिकोण शोधन	0	1	0	3	1	0	1	4	2	0	3	0	15
एकाधिपत्य शोधन	0	1	0	3	1	0	1	4	2	0	3	0	15

चन्द्र

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	4	2	5	4	1	7	3	3	4	7	3	6	49
त्रिकोण शोधन	3	0	2	1	0	5	0	0	3	5	0	3	22
एकाधिपत्य शोधन	3	0	2	1	0	5	0	0	3	5	0	3	22

मंगल

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	2	4	3	2	5	5	1	2	4	4	5	2	39
त्रिकोण शोधन	0	0	2	0	3	1	0	0	2	0	4	0	12
एकाधिपत्य शोधन	0	0	2	0	3	1	0	0	2	0	4	0	12

तंत्रकुल ज्योतिषम

बुध

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	2	6	2	4	7	5	3	4	6	4	7	4	54
त्रिकोण शोधन	0	2	0	0	5	1	1	0	4	0	5	0	18
एकाधिपत्य शोधन	0	2	0	0	5	1	1	0	4	0	5	0	18

गुरु

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	5	5	4	3	4	4	5	4	5	7	4	6	56
त्रिकोण शोधन	1	1	0	0	0	0	1	1	1	3	0	3	11

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
एकाधिपत्य शोधन	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**1**	**3**	**0**	**3**	**11**

शुक्र

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	**2**	**5**	**4**	**7**	**5**	**3**	**3**	**5**	**4**	**5**	**5**	**4**	**52**
त्रिकोण शोधन	**0**	**2**	**1**	**3**	**3**	**0**	**0**	**1**	**2**	**2**	**2**	**0**	**16**
एकाधिपत्य शोधन	**0**	**2**	**1**	**3**	**3**	**0**	**0**	**1**	**2**	**1**	**2**	**0**	**15**

शनि

शोधन	1 सिंह	2 कन्या	3 तुला	4 वृश्चिक	5 धनु	6 मकर	7 कुम्भ	8 मीन	9 मेष	10 वृषभ	11 मिथुन	12 कर्क	कुल
मूल BAV	**5**	**2**	**2**	**4**	**2**	**3**	**3**	**3**	**3**	**6**	**4**	**2**	**39**
त्रिकोण शोधन	**3**	**0**	**0**	**2**	**0**	**1**	**1**	**1**	**1**	**4**	**2**	**0**	**15**
एकाधिपत्य शोधन	**3**	**0**	**0**	**2**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**4**	**2**	**0**	**13**

शोध्य पिंड

Graha	Rāśi piṇḍa	Graha piṇḍa	Śodhya piṇḍa
सूर्य	136	66	202
चन्द्र	160	65	225
मंगल	92	32	124
बुध	141	54	195
गुरु	88	62	150
शुक्र	122	50	172
शनि	121	46	167

वर्ग अष्टकवर्ग

तंत्रकुल ज्योतिषम्

वर्ग	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कुल	औसत
नवांश (D9)	32	31	19	30	34	34	25	27	25	30	29	21	**337**	28.08
दशांश (D10)	25	27	23	26	24	34	28	25	31	33	34	27	**337**	28.08
सप्तांश (D7)	23	29	30	22	25	40	23	33	31	23	31	27	**337**	28.08
द्वादशांश (D12)	25	27	33	28	28	29	21	32	27	25	33	29	**337**	28.08
चतुर्थांश (D4)	29	26	32	30	23	30	20	37	22	31	31	26	**337**	28.08

Parāśari aṣṭakavarga on whole-sign bhāvas from Lagna. Bhinna bindus use the eight-reference tables (Sun–Saturn + Lagna). Sarva is the sum of the seven graha charts. Śodhana is trikoṇa then ekādhipatya; śodhya piṇḍa is rāśi + graha piṇḍa.

तंत्रकुलज्योतिषम्

ग्रह गरिमा

NORTH INDIAN

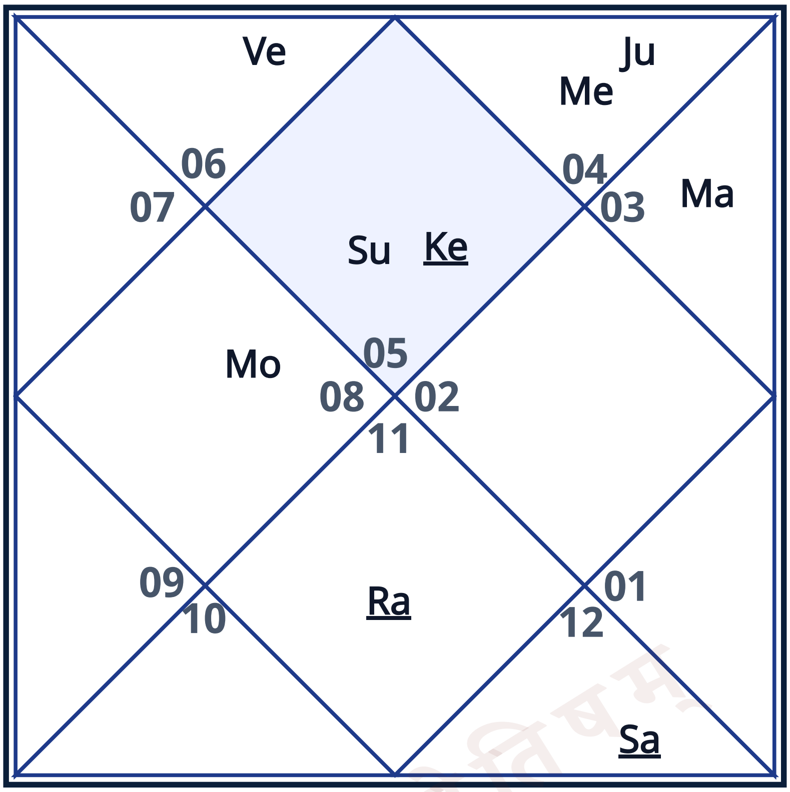

तंत्रकुलज्योतिषम्

GRAHAS

9

D1 dignity

विधि

पाराशर

D1 राशि गरिमा

VARGOTTAMA

D1 = D9

Same rāśi

ग्रह	उच्च	नीच	स्वक्षेत्र	मित्र	शत्रु	मूलत्रिकोण	Combust	Sandhi	Vargottama
सूर्य	—	—	—	—	—	✓	—	—	—
चन्द्र	—	✓	—	—	—	—	—	—	—
मंगल	—	—	—	—	✓	—	—	—	—
बुध	—	—	—	—	✓	—	✓	✓	—
बृहस्पति	✓	—	—	—	—	—	—	—	—
शुक्र	—	✓	—	—	—	—	—	—	—

ग्रह	उच्च	नीच	स्वक्षेत्र	मित्र	शत्रु	मूलत्रिकोण	Combust	Sandhi	Vargottama
शनि	—	—	—	—	—	—	—	—	—
राहु	—	—	—	—	—	—	—	—	—
केतु	—	—	—	—	—	—	—	—	—

Parāśari dignity on the D1 rāśi. Combust uses the Parāśari orb from the Sun. Sandhi is a rāśi boundary of ±1°. Vargottama is D1 = D9.

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्ग तुलना

NORTH INDIAN

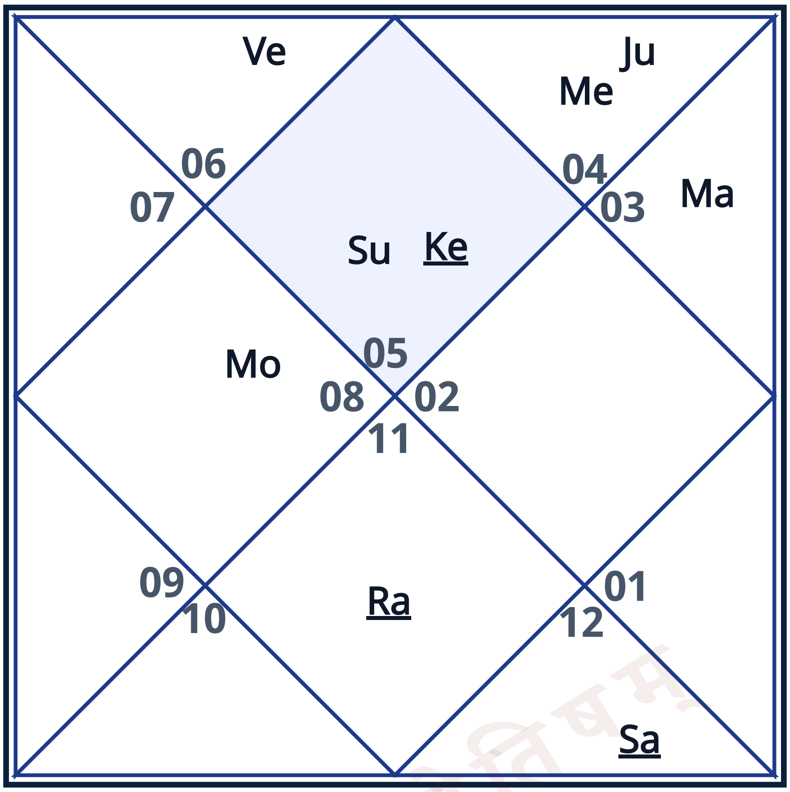

तंत्रकुलज्योतिषम्

VARGAS
16
D1–D60

ROWS
10
Lagna + grahas

VARGOTTAMA
green D1/D9
Same rāśi

ग्रह	D1	D2	D3	D4	D7	D9	D10	D12	D16	D20	D24	D27	D30	D40	D45
लग्न	सिंह	सिंह	धनु	वृश्चिक	तुला	कर्क	वृश्चिक	धनु	कुम्भ	कर्क	वृषभ	कुम्भ	धनु	कर्क	कन्या
सूर्य	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	वृषभ	कन्या	कन्या	तुला	कुम्भ	वृश्चिक	कर्क	मेष	कन्या	तुला
चन्द्र	वृश्चिक	सिंह	कर्क	सिंह	तुला	कुम्भ	मीन	कन्या	कन्या	मेष	मीन	वृश्चिक	वृश्चिक	कर्क	कुम्भ
मंगल	मिथुन	सिंह	तुला	कन्या	सिंह	मकर	कन्या	तुला	मिथुन	मीन	वृषभ	सिंह	धनु	कर्क	सिंह
बुध	कर्क	सिंह	मीन	मेष	कर्क	मीन	धनु	मिथुन	कर्क	वृश्चिक	मिथुन	मीन	वृश्चिक	मकर	सिंह
बृहस्पति	कर्क	सिंह	मीन	मकर	वृषभ	मकर	तुला	मीन	मीन	मिथुन	वृश्चिक	कर्क	मकर	कुम्भ	कर्क

ग्रह	D1	D2	D3	D4	D7	D9	D10	D12	D16	D20	D24	D27	D30	D40	D45
शुक्र	कन्या	सिंह	मकर	मीन	कर्क	मिथुन	वृश्चिक	मेष	कन्या	सिंह	कन्या	वृश्चिक	मकर	तुला	मीन
शनि	मीन	कर्क	कर्क	मिथुन	वृश्चिक	तुला	कुम्भ	कर्क	मिथुन	मीन	मेष	वृश्चिक	मीन	मकर	वृषभ
राहु	कुम्भ	सिंह	कुम्भ	वृषभ	मेष	धनु	वृषभ	वृषभ	मकर	मिथुन	मीन	मिथुन	कुम्भ	मेष	मिथुन
केतु	सिंह	सिंह	सिंह	वृश्चिक	तुला	मिथुन	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	मिथुन	मीन	धनु	कुम्भ	मेष	मिथुन

Whole-sign varga rāśi for Lagna and nine grahas across D1–D60. Sign mapping is the same BPHS table as /v1/vedic/divisional.

तंत्रकुलज्योतिषम्

ग्रह सारांश

NORTH INDIAN

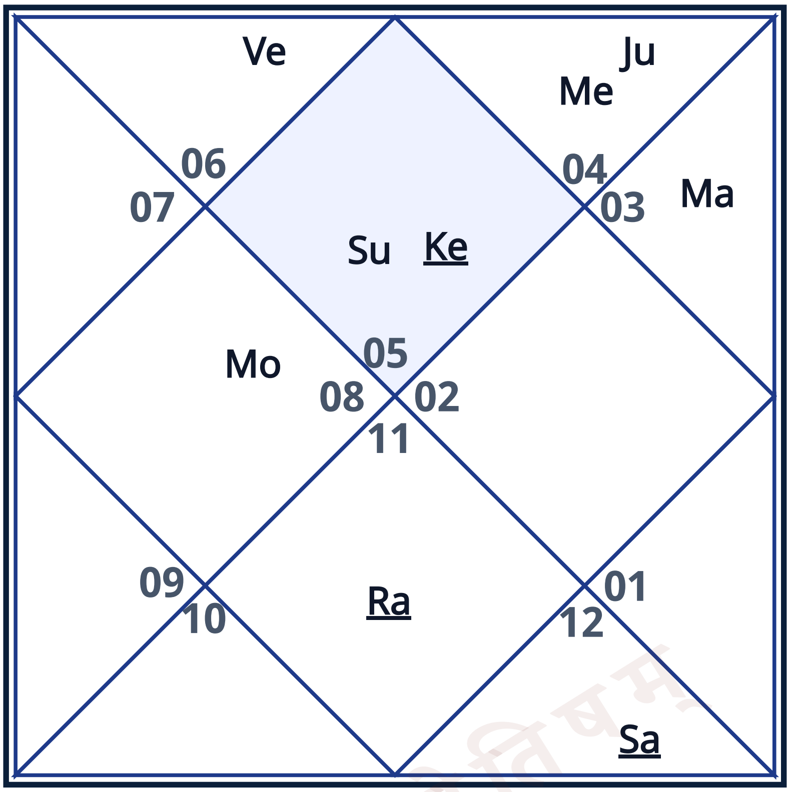

तंत्रकुलज्योतिषम्

LAGNA

सिंह

Whole-sign

CARDS

9

Nine grahas

सारांश

नव ग्रह

राशि · भाव · षड्बल

सूर्य

RĀŚI सिंह	BHĀVA 1	NAKṢATRA मघा · 2
NAVĀṂŚA वृषभ	ṢAḌBALA 416 (पर्याप्त)	BAV 48
AVASTHĀ बाल	GATI मार्गी	ग्रहाधिपत्य 1
DṚṢṬI 7	GARIMA मूलत्रिकोण	

चन्द्र

RĀŚI वृश्चिक	BHĀVA 4	NAKṢATRA ज्येष्ठा · 3
NAVĀṂŚA कुम्भ	ṢAḌBALA 308 (दुर्बल)	BAV 49
AVASTHĀ बाल	GATI मार्गी	ग्रहाधिपत्य 12
DṚṢṬI 10	GARIMA नीच	

मंगल

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
मिथुन	11	आर्द्रा · 2
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
मकर	286 (सीमांत)	39
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
कुमार	मार्गी	4, 9
DṚṢṬI	GARIMA	
2, 5, 6	शत्रु राशि	

बुध

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
कर्क	12	आश्लेषा · 4
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
मीन	411 (सीमांत)	54
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
बाल	मार्गी	2, 11
DṚṢṬI	GARIMA	
6	शत्रु राशि	

बृहस्पति

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
कर्क	12	आश्लेषा · 2
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
मकर	415 (पर्याप्त)	56
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
कुमार	मार्गी	5, 8
DṚṢṬI	GARIMA	
4, 6, 8	उच्च	

शुक्र

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
कन्या	2	हस्त · 3
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
मिथुन	367 (पर्याप्त)	52
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
कुमार	मार्गी	3, 10
DṚṢṬI	GARIMA	
8	नीच	

शनि

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
मीन	8	उत्तर भाद्रपद · 3
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
तुला	374 (प्रबल)	39
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
वृद्ध	वक्री	6, 7
DṚṢṬI	GARIMA	
10, 2, 5	सम राशि	

राहु

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
कुम्भ	7	शतभिषा · 1
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
धनु	—	—
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
कुमार	वक्री	—
DṚṢṬI	GARIMA	
11, 1, 3	—	

केतु

RĀŚI	BHĀVA	NAKṢATRA
सिंह	1	मघा · 3
NAVĀṂŚA	ṢAḌBALA	BAV
मिथुन	—	—
AVASTHĀ	GATI	ग्रहाधिपत्य
बाल	वक्री	—
DṚṢṬI	GARIMA	
5, 7, 9	—	

तंत्रकुल ज्योतिषम्

One card per graha: rāśi, bhāva, nakṣatra, navāṃśa, ṣaḍbala, BAV total, avasthā, gati, houses ruled, graha dṛṣṭi, and garima.

तंत्रकुलज्योतिषम्

भाव सारांश

NORTH INDIAN

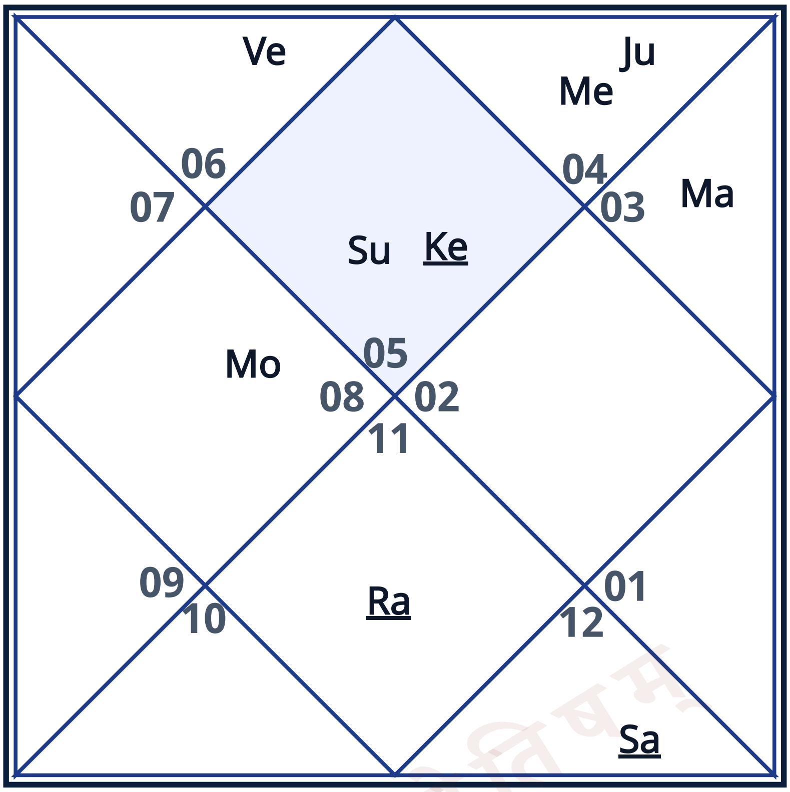

तंत्रकुलज्योतिषम्

LAGNA

सिंह

Whole-sign

BHĀVAS

12

Twelve cards

सारांश

बारह भाव

स्वामी · SAV · दृष्टि

प्रथम भाव (शरीर)

RĀŚI
सिंह

भावेश
सूर्य

भावेश कहाँ
भाव 1, सिंह

ग्रह
सूर्य, केतु

ग्रह दृष्टि
राहु (सप्तम)

SAV
23

बल
कम (SAV 23) · भावेश षड्बल 416 (पर्याप्त)

द्वितीय भाव (धन)

RĀŚI
कन्या

भावेश
बुध

भावेश कहाँ
भाव 12, कर्क

ग्रह
शुक्र

ग्रह दृष्टि
मंगल (चतुर्थ), शनि (सप्तम)

SAV
29

बल
सामान्य (SAV 29) · भावेश षड्बल 411 (सीमांत)

तृतीय भाव (पराक्रम)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
तुला	शुक्र	भाव 2, कन्या
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
—	राहु (नवम)	22

बल
कम (SAV 22) · भावेश षड्बल 367 (पर्याप्त)

चतुर्थ भाव (सुख)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
वृश्चिक	मंगल	भाव 11, मिथुन
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
चन्द्र	बृहस्पति (पंचम)	29

बल
सामान्य (SAV 29) · भावेश षड्बल 286 (सीमांत)

पंचम भाव (संतान)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
धनु	बृहस्पति	भाव 12, कर्क
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
—	मंगल (सप्तम), शनि (दशम), केतु (पंचम)	28

बल
सामान्य (SAV 28) · भावेश षड्बल 415 (पर्याप्त)

षष्ठ भाव (शत्रु)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
मकर	शनि	भाव 8, मीन
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
—	मंगल (अष्टम), बुध (सप्तम), बृहस्पति (सप्तम)	31

बल
अच्छा (SAV 31) · भावेश षड्बल 374 (प्रबल)

सप्तम भाव (विवाह)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
कुम्भ	शनि	भाव 8, मीन
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
राहु	सूर्य (सप्तम), केतु (सप्तम)	21

बल
कम (SAV 21) · भावेश षड्बल 374 (प्रबल)

अष्टम भाव (आयु)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
मीन	बृहस्पति	भाव 12, कर्क
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
शनि	बृहस्पति (नवम), शुक्र (सप्तम)	27

बल
सामान्य (SAV 27) · भावेश षड्बल 415 (पर्याप्त)

नवम भाव (भाग्य)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
मेष	मंगल	भाव 11, मिथुन
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
—	केतु (नवम)	31

बल
अच्छा (SAV 31) · भावेश षड्बल 286 (सीमांत)

दशम भाव (कर्म)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
वृषभ	शुक्र	भाव 2, कन्या
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
—	चन्द्र (सप्तम), शनि (तृतीय)	37

बल
अत्यधिक (SAV 37) · भावेश षड्बल 367 (पर्याप्त)

एकादश भाव (लाभ)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
मिथुन	बुध	भाव 12, कर्क
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
मंगल	राहु (पंचम)	33

बल
अच्छा (SAV 33) · भावेश षड्बल 411 (सीमांत)

द्वादश भाव (व्यय)

RĀŚI	भावेश	भावेश कहाँ
कर्क	चन्द्र	भाव 4, वृश्चिक
ग्रह	**ग्रह दृष्टि**	**SAV**
बुध, बृहस्पति	—	26

बल
सामान्य (SAV 26) · भावेश षड्बल 308 (दुर्बल)

One card per bhāva: rāśi, lord, lord placement, occupants, graha dṛṣṭi, SAV bindus, and lord ṣaḍbala. Whole-sign from Lagna.

तंत्रकुलज्योतिषम्

बल

NORTH INDIAN

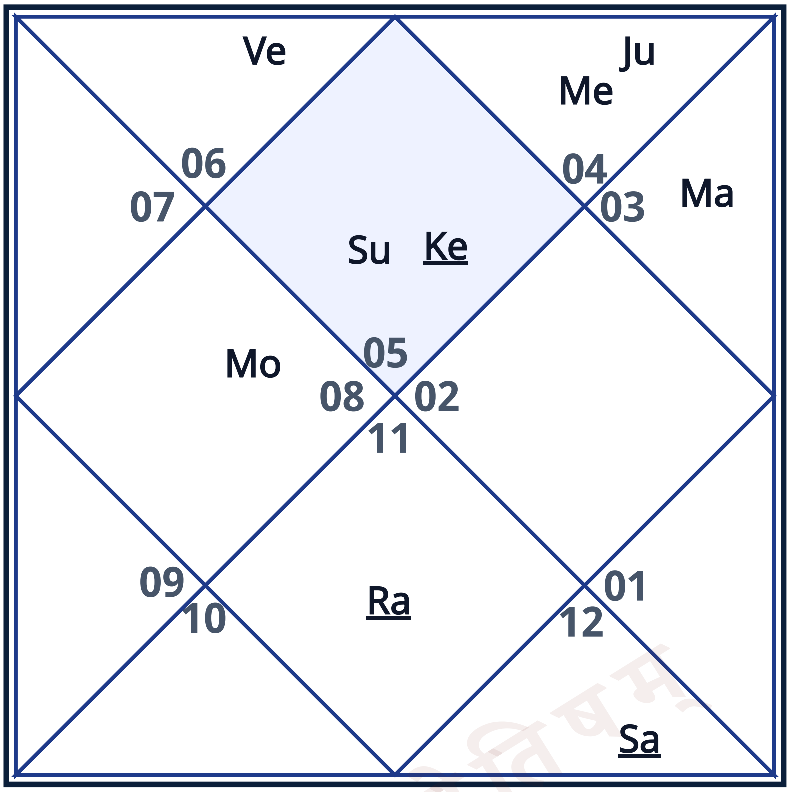

तंत्रकुलज्योतिषम्

सबसे बलवान ग्रह

सूर्य

416 विरुप · पर्याप्त

सबसे कमजोर ग्रह

मंगल

286 विरुप · सीमांत

HIGHEST SHADBALA

सूर्य — 416

106.7% · पर्याप्त

HIGHEST DIG BALA

चन्द्र — 56.5

दिग्बल (विरुप)

सबसे अच्छा भाव

दशम भाव

37 बिंदु · कर्म · अत्यधिक

सबसे कमजोर भाव

सप्तम भाव

21 बिंदु · विवाह · कम

HIGHEST SAV

भाव 10 — 37

कर्म (वृषभ)

HIGHEST BAV

बृहस्पति — 56

भिन्नाष्टकवर्ग योग

षड्बल (विरुप)

षड्बल उप-बल (औसत)

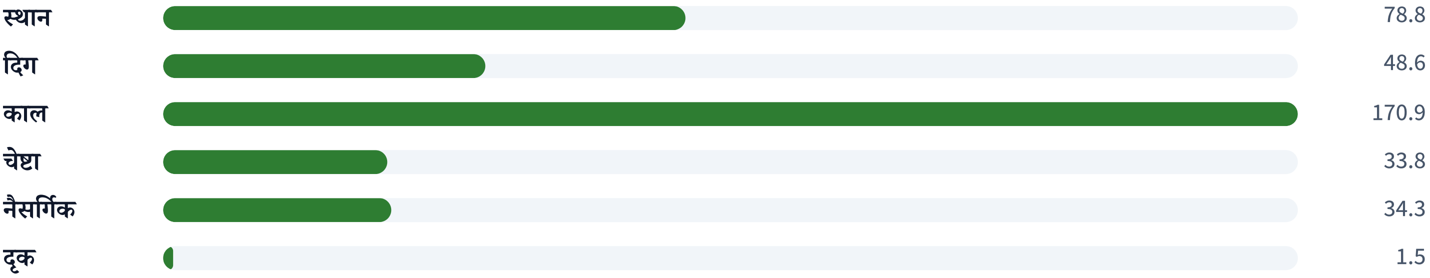

षड्बल % और BAV

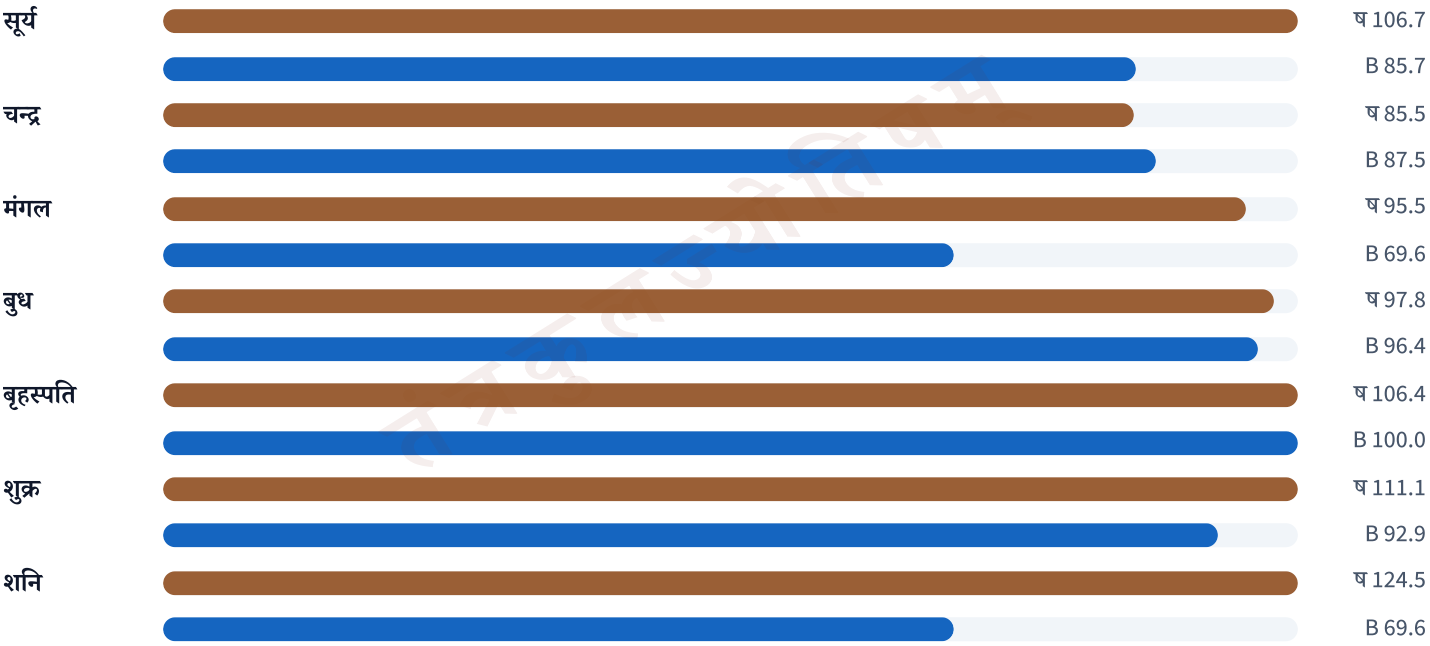

SAV हीटमैप

23 1	29 2	22 3	29 4
28 5	31 6	21 7	27 8
31 9	37 10	33 11	26 12

विम्शोत्तरी दशा

बुध 6y · केतु 7y · शुक्र 20y · सूर्य 6y · चन्द्र 10y · मंगल 7y · राहु 18y · बृहस्पति 16y · शनि 19y

Strength dashboard from ṣaḍbala, BAV, and SAV. Charts are CSS bars and heatmaps (no Chart.js). Dasha strip uses the Vimśottarī mahadaśā list.

तंत्रकुलज्योतिषम्

साढ़े साती

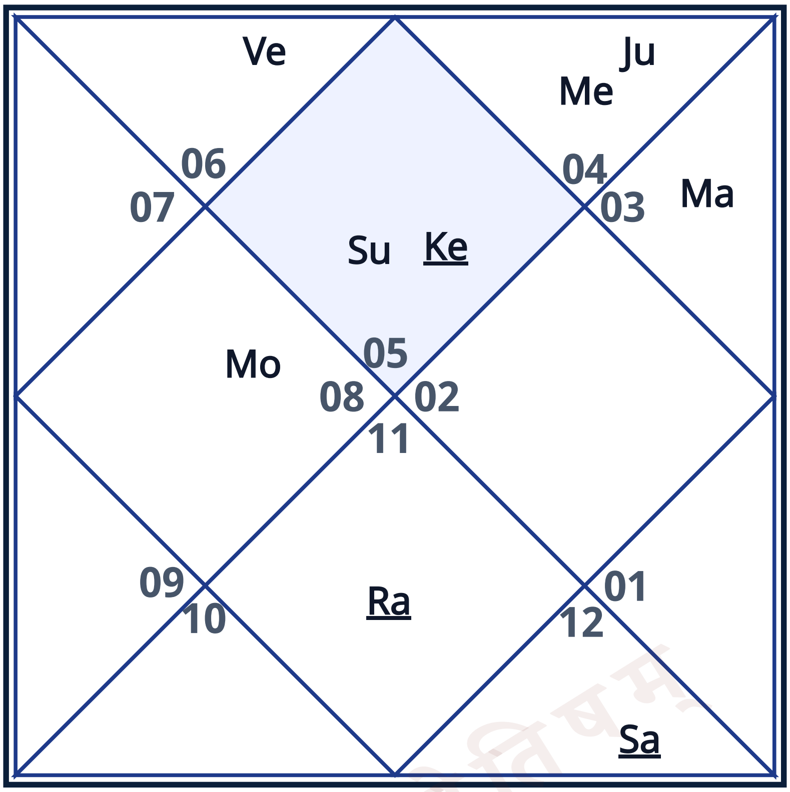

तन्त्रकुलज्योतिषम्

साढ़े साती

नहीं

Decline of wealth, distress to children, a confused mind (Phaladeepika 26.22).

ढैया

नहीं

2025-03-29 – 2027-06-03

गोचर शनि

मीन

वक्री

आने वाली साढ़े साती

2041-01-28

2041-01-28 – 2049-12-04

Mantreśvara judges Saturn from the natal Moon (Phaladeepika 26.1–2, 26.22–23, 26.33). He does not use the later names sāḍhe-sātī or ḍhaiyā. Those names are North-Indian paddhati for Saturn's stay in the 12th, 1st, and 2nd from the Moon (~7.5 years: three ḍhaiyās of ~2.5 years each) and for the 4th/8th kantaka ḍhaiyā (small panoti).

Saturn transiting the 12th, then the natal Moon-sign, then the 2nd from the Moon. Each sign is one ḍhaiyā (~2.5 years); the three together are ~7.5 years.

One Saturn sign (~2.5 years). The three sāḍhe-sātī signs are three ḍhaiyās. Saturn in the 4th or 8th from the Moon is the kantaka / small-panoti ḍhaiyā (Phaladeepika 26.22 for the 4th and 8th; 26.33 groups the 8th with the 12th and janma).

वर्तमान गोचर

चन्द्र राशि	शनि राशि	भाव	गति	आरंभ	समाप्ति
वृश्चिक	मीन	5	वक्री	2025-03-29	2027-06-03

आने वाली शनि-गति

प्रवेश, राशि-प्रवास, वक्री / मार्गी। वर्तमान चिह्नित।

मकर
2022-07-12 – 2023-01-17
3 भाव · शुभ गोचर · वक्री
बीता

कुम्भ
2023-01-17 – 2025-03-29
4 भाव · कण्टक ढैया · मार्गी
बीता

मीन
2025-03-29 – 2027-06-03
5 भाव · अन्य गोचर · मार्गी
वर्तमान

मेष
2027-06-03 – 2027-10-20
6 भाव · शुभ गोचर · मार्गी
आगामी

मीन
2027-10-20 – 2028-02-23
5 भाव · अन्य गोचर · वक्री
आगामी

मेष
2028-02-23 – 2029-08-08
6 भाव · शुभ गोचर · मार्गी
आगामी

वृषभ
2029-08-08 – 2029-10-05
7 भाव · अन्य गोचर · मार्गी
आगामी

मेष
2029-10-05 – 2030-04-17
6 भाव · शुभ गोचर · वक्री
आगामी

वृषभ
2030-04-17 – 2032-05-31
7 भाव · अन्य गोचर · मार्गी
आगामी

मिथुन
2032-05-31 – 2034-07-13
8 भाव · कण्टक ढैया · मार्गी
आगामी

कर्क
2034-07-13 – 2036-08-27
9 भाव · अन्य गोचर · मार्गी
आगामी

सिंह
2036-08-27 – 2038-10-22
10 भाव · अन्य गोचर · मार्गी
आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

कन्या

2038-10-22 – 2039-04-05

11 भाव · शुभ गोचर · मार्गी

आगामी

सिंह

2039-04-05 – 2039-07-13

10 भाव · अन्य गोचर · वक्री

आगामी

कन्या

2039-07-13 – 2041-01-28

11 भाव · शुभ गोचर · मार्गी

आगामी

तुला

2041-01-28 – 2041-02-06

12 भाव · साढ़े साती ढैया · मार्गी

आगामी

कन्या

2041-02-06 – 2041-09-26

11 भाव · शुभ गोचर · वक्री

आगामी

तुला

2041-09-26 – 2043-12-11

12 भाव · साढ़े साती ढैया · मार्गी

आगामी

वृश्चिक

2043-12-11 – 2044-06-23

1 भाव · साढ़े साती ढैया · मार्गी

आगामी

तुला

2044-06-23 – 2044-08-30

12 भाव · साढ़े साती ढैया · वक्री

आगामी

वृश्चिक

2044-08-30 – 2046-12-08

1 भाव · साढ़े साती ढैया · मार्गी

आगामी

धनु

2046-12-08 – 2049-03-06

2 भाव · साढ़े साती ढैया · मार्गी

आगामी

मकर

2049-03-06 – 2049-07-10

3 भाव · शुभ गोचर · मार्गी

आगामी

धनु

2049-07-10 – 2049-12-04

2 भाव · साढ़े साती ढैया · वक्री

आगामी

मकर

2049-12-04 – 2052-02-25

3 भाव · शुभ गोचर · मार्गी

आगामी

कुम्भ

2052-02-25 – 2054-05-14

4 भाव · कण्टक ढैया · मार्गी

आगामी

मीन

2054-05-14 – 2054-09-02

5 भाव · अन्य गोचर · मार्गी

आगामी

कुम्भ

2054-09-02 – 2055-02-05

4 भाव · कण्टक ढैया · वक्री

आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम

मीन

2055-02-05 – 2057-04-07

5 भाव · अन्य गोचर · मार्गी

आगामी

मेष

2057-04-07 – 2059-05-27

6 भाव · शुभ गोचर · मार्गी

आगामी

वृषभ

2059-05-27 – 2061-07-11

7 भाव · अन्य गोचर · मार्गी

आगामी

मिथुन

2061-07-11 – 2062-02-13

8 भाव · कण्टक ढैया · मार्गी

आगामी

वृषभ

2062-02-13 – 2062-03-07

7 भाव · अन्य गोचर · वक्री

आगामी

मिथुन

2062-03-07 – 2063-08-24

8 भाव · कण्टक ढैया · मार्गी

आगामी

राशि	भाव	प्रकार	आरंभ	समाप्ति	प्रवेश-गति	स्थिति
मकर	3	शुभ गोचर	2022-07-12	2023-01-17	वक्री	बीता
कुम्भ	4	कण्टक ढैया	2023-01-17	2025-03-29	मार्गी	बीता
मीन	**5**	**अन्य गोचर**	**2025-03-29**	**2027-06-03**	**मार्गी**	**वर्तमान**
मेष	6	शुभ गोचर	2027-06-03	2027-10-20	मार्गी	आगामी
मीन	5	अन्य गोचर	2027-10-20	2028-02-23	वक्री	आगामी
मेष	6	शुभ गोचर	2028-02-23	2029-08-08	मार्गी	आगामी
वृषभ	7	अन्य गोचर	2029-08-08	2029-10-05	मार्गी	आगामी
मेष	6	शुभ गोचर	2029-10-05	2030-04-17	वक्री	आगामी
वृषभ	7	अन्य गोचर	2030-04-17	2032-05-31	मार्गी	आगामी
मिथुन	8	कण्टक ढैया	2032-05-31	2034-07-13	मार्गी	आगामी
कर्क	9	अन्य गोचर	2034-07-13	2036-08-27	मार्गी	आगामी
सिंह	10	अन्य गोचर	2036-08-27	2038-10-22	मार्गी	आगामी
कन्या	11	शुभ गोचर	2038-10-22	2039-04-05	मार्गी	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

राशि	भाव	प्रकार	आरंभ	समाप्ति	प्रवेश-गति	स्थिति
सिंह	10	अन्य गोचर	2039-04-05	2039-07-13	वक्री	आगामी
कन्या	11	शुभ गोचर	2039-07-13	2041-01-28	मार्गी	आगामी
तुला	12	साढ़े साती ढैया	2041-01-28	2041-02-06	मार्गी	आगामी
कन्या	11	शुभ गोचर	2041-02-06	2041-09-26	वक्री	आगामी
तुला	12	साढ़े साती ढैया	2041-09-26	2043-12-11	मार्गी	आगामी
वृश्चिक	1	साढ़े साती ढैया	2043-12-11	2044-06-23	मार्गी	आगामी
तुला	12	साढ़े साती ढैया	2044-06-23	2044-08-30	वक्री	आगामी
वृश्चिक	1	साढ़े साती ढैया	2044-08-30	2046-12-08	मार्गी	आगामी
धनु	2	साढ़े साती ढैया	2046-12-08	2049-03-06	मार्गी	आगामी
मकर	3	शुभ गोचर	2049-03-06	2049-07-10	मार्गी	आगामी
धनु	2	साढ़े साती ढैया	2049-07-10	2049-12-04	वक्री	आगामी
मकर	3	शुभ गोचर	2049-12-04	2052-02-25	मार्गी	आगामी
कुम्भ	4	कण्टक ढैया	2052-02-25	2054-05-14	मार्गी	आगामी
मीन	5	अन्य गोचर	2054-05-14	2054-09-02	मार्गी	आगामी
कुम्भ	4	कण्टक ढैया	2054-09-02	2055-02-05	वक्री	आगामी
मीन	5	अन्य गोचर	2055-02-05	2057-04-07	मार्गी	आगामी
मेष	6	शुभ गोचर	2057-04-07	2059-05-27	मार्गी	आगामी
वृषभ	7	अन्य गोचर	2059-05-27	2061-07-11	मार्गी	आगामी
मिथुन	8	कण्टक ढैया	2061-07-11	2062-02-13	मार्गी	आगामी
वृषभ	7	अन्य गोचर	2062-02-13	2062-03-07	वक्री	आगामी
मिथुन	8	कण्टक ढैया	2062-03-07	2063-08-24	मार्गी	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

वक्री / मार्गी

गति	तिथि	राशि	भाव
मार्गी	2026-12-11	मीन	5
वक्री	2027-08-09	मेष	6
मार्गी	2027-12-24	मीन	5
वक्री	2028-08-23	मेष	6
मार्गी	2029-01-05	मेष	6
वक्री	2029-09-06	वृषभ	7
मार्गी	2030-01-19	मेष	6
वक्री	2030-09-21	वृषभ	7

ढैया खिड़कियाँ

ढैया	राशि	भाव	आरंभ	समाप्ति	चरण	स्थिति
कण्टक ढैया	कुम्भ	4	2023-01-17	2025-03-29	चतुर्थ ढैया	बीता
कण्टक ढैया	मिथुन	8	2032-05-31	2034-07-13	अष्टम ढैया	आगामी
साढ़े साती ढैया	तुला	12	2041-01-28	2041-02-06	उदय	आगामी
साढ़े साती ढैया	तुला	12	2041-09-26	2043-12-11	उदय	आगामी
साढ़े साती ढैया	वृश्चिक	1	2043-12-11	2044-06-23	शिखर	आगामी
साढ़े साती ढैया	तुला	12	2044-06-23	2044-08-30	उदय	आगामी
साढ़े साती ढैया	वृश्चिक	1	2044-08-30	2046-12-08	शिखर	आगामी
साढ़े साती ढैया	धनु	2	2046-12-08	2049-03-06	अस्त	आगामी
साढ़े साती ढैया	धनु	2	2049-07-10	2049-12-04	अस्त	आगामी
कण्टक ढैया	कुम्भ	4	2052-02-25	2054-05-14	चतुर्थ ढैया	आगामी
कण्टक ढैया	कुम्भ	4	2054-09-02	2055-02-05	चतुर्थ ढैया	आगामी
कण्टक ढैया	मिथुन	8	2061-07-11	2062-02-13	अष्टम ढैया	आगामी
कण्टक ढैया	मिथुन	8	2062-03-07	2063-08-24	अष्टम ढैया	आगामी

तंत्रकुलज्योतिषम्

साढ़े साती चक्र

आरंभ	समाप्ति	भाव	चरण	स्थिति
2041-01-28	2049-12-04	12,12,1,12,1,2,2	उदय · उदय · शिखर · उदय · शिखर · अस्त · अस्त	आगामी

शास्त्र — फलदीपिका २६

> सर्वेषु लग्नेष्वपि सत्सु चन्द्रलग्नं प्रधानं खलु गोचरेषु । तस्मात्तदृक्षादपि वर्तमानैर्ग्रहेन्द्रचारैः कथयेत्फलानि ॥
>
> Among all lagnas, the Moon-lagna is foremost for gochara. Therefore declare transit results from the Moon’s sign.
>
> Phaladeepika 26.1

> सूर्यः षट्त्रिदशस्थितस्त्रिदशषट्सप्ताद्यगश्चन्द्रमाः जीवस्त्वस्ततपोद्विपंचमगतो वक्रार्कजौ षट्त्रिगौ । सौम्यः षट्स्वचतुर्दशाष्टमगतः सर्वेऽप्युपान्तस्थिताः शुक्रः खास्तरिपून्विहाय शुभदस्तिग्मांशुवद्भोगिनौ ॥
>
> In transit, Mars and Saturn are auspicious in the 6th and 3rd from the Moon; every planet is auspicious in the 11th.
>
> Phaladeepika 26.2

> रोगाशौचक्रियाप्तिं धनसुतविहतिं स्थानभृत्यार्थलाभं स्त्रीबन्ध्वर्थप्रणाशं द्रविणसुतमतिप्रच्युतिं सर्वसौख्यम् । स्त्रीरोगाध्वावभीतिं स्वसुतपशुसुहृद्वित्तनाशामयार्तिं जन्मादेरष्टमान्तं दिशति पदवशेनार्कसूनुः क्रमेण ॥
>
> Saturn from the natal Moon-sign through the 8th: disease and funeral rites in the 1st; harm to wealth and children in the 2nd; gain in the 3rd; loss of spouse, kin, and wealth in the 4th; decline and confusion in the 5th; all-round comfort in the 6th; spouse, travel, and fear in the 7th; loss and disease in the 8th.
>
> Phaladeepika 26.22

> दारिद्र्यं धर्मविघ्नं पितृसमविलयं नित्यदुःखं शुभस्थे दुर्व्यापारप्रवृत्तिं कलयति दशमे मानभङ्गं रुजं वा । सौख्यान्येकादशस्थो बहुविधविभवप्राप्तिमुत्कृष्टकीर्तिं विश्रान्ति व्यर्थकार्याद्रिसुहृतिमरिभिः स्त्रीसुतव्याधिमन्त्ये ॥
>
> Ninth: poverty, obstacles to dharma, sorrow. Tenth: wrong dealings, loss of honour or illness. Eleventh: comfort, wealth, honour. Twelfth: exhaustion from fruitless work, loss to enemies, illness of spouse and children.
>
> Phaladeepika 26.23

> द्वादशाष्टमजन्मस्थाः शन्यर्काङ्गारका गुरुः । कुर्वन्ति प्राणसन्देहं स्थानभ्रंशं धनक्षयम् ॥
>
> Saturn, the Sun, Mars, and Jupiter in the 12th, 8th, or natal Moon-sign bring danger to life, a fall from position, and loss of wealth.
>
> Phaladeepika 26.33

उपाय — श्लोक और पद्धति

> शनि ध्यान
>
> नीलाञ्जनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥
>
> I bow to Śanaiścara, dark as collyrium, son of the Sun, elder brother of Yama, born of Chāyā and the Sun.
>
> Standard Śani dhyāna used in stotra paddhati (widely printed Śani-stotra collections) · Saturday, or daily in a running ḍhaiyā

अष्टकवर्ग बिंदु

A planet transiting a rāśi with more benefic bindus gives good results; even a 12th, 6th, or 8th transit can be benefic when the bindus are high.

Phaladeepika 26.41 (English paraphrase; verse not retyped from a damaged line) · Read Saturn’s BAV / SAV on the occupied sign before declaring the ḍhaiyā harsh

शनिवार उपाय (पद्धति)

Later paddhati — not a BPHS or Phaladeepika verse: Saturday oil to the root of a pipal or to labourers, dark sesame or iron charity, and recitation of the Śani dhyāna. Judge first from dasha, dignity, and ashtakavarga.

North-Indian paddhati; not a classical sūtra · During a running sāḍhe-sātī or kantaka ḍhaiyā

Current phase uses this request’s Saturn longitude (same engine as the natal chart). Ingress and vakri dates are Lahiri (XALEN).

तंत्रकुलज्योतिषम्

आयुर्दाय

NORTH INDIAN

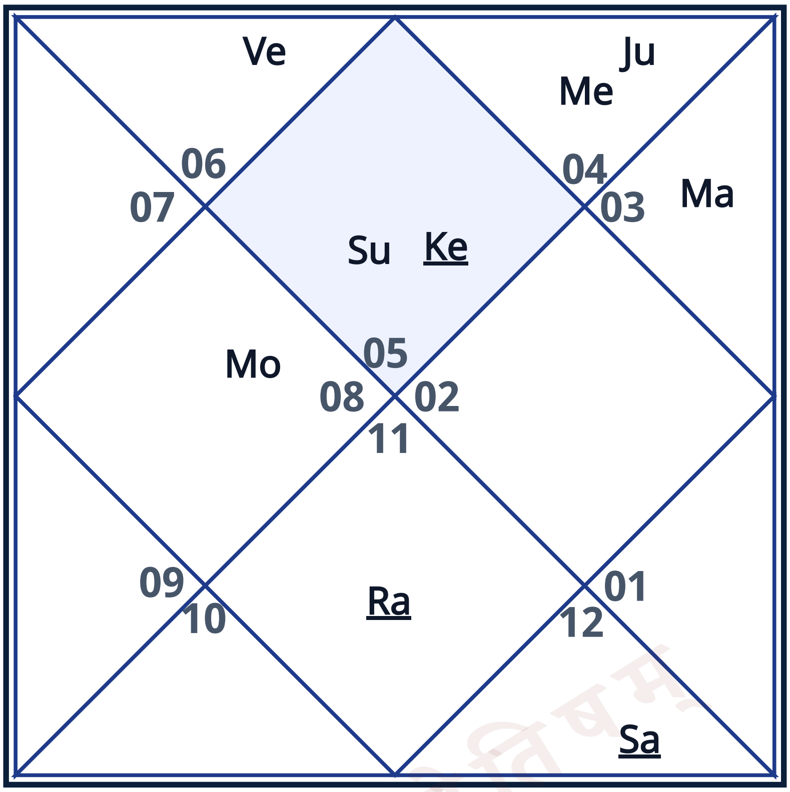

तंत्रकुलज्योतिषम्

वास्तविक निर्णय

योग खण्ड **अल्पायु** 0.0–32.0 वर्ष · युग्म बहुमत	वास्तविक आयु **18.920549** 18y 11m 1d
गणित आयु **66.989514** average_two	नहीं चुना **9.460275** ४३.४१–४६ कटी सारणी — खण्ड से बाहर होने पर ही

Gaṇita 66.99 is outside the pair-majority khaṇḍa अल्पायु (0–32). BPHS 44.5: the yoga-span is used. Pair-majority अल्पायु × 1 = 40y, rectified 18.92y (factor 0.4730). Saturn/Jupiter backup would be योगारिष्ट 20 → 9.46y; that backup is not used while gaṇita sits in the pair window.

Working upper-bound inside the yoga-khaṇḍa. Not a date of death.

Longevity is not to be judged before 20; use japa, homa, and medicine for bālarakṣā (44.12–14).

तीन युग्म — चर / स्थिर / द्विस्वभाव

युग्म	पहला	दूसरा	खण्ड
लग्नेश–अष्टमेश	सूर्य · सिंह (sthira)	बृहस्पति · कर्क (chara)	मध्यायु

युग्म	पहला	दूसरा	खण्ड
शनि–चन्द्र	शनि · मीन (dvisvabhava)	चन्द्र · वृश्चिक (sthira)	दीर्घायु
लग्न–होरा लग्न	लग्न · सिंह (sthira)	होरा लग्न · सिंह (sthira)	अल्पायु

निर्णय: lagna_hora_lagna · सहमत युग्म 1 · चन्द्र 1/7: नहीं · होरा लग्न: सिंह

कक्ष ह्रास / वृद्धि — केवल वैकल्पिक सारणी

alpa → yoga_rishta (-1)

Saturn is a contributor and not exempt: kakṣyā falls one step (43.47–49).

Kakṣyā change rewrites only the 43.41–46 backup. Pair-majority is the yoga-khaṇḍa for 44.5 / 44.11.

खण्ड वर्ष — युग्म-सारणी ४३.४१–४६

चरण	मान
योग खण्ड (युग्म बहुमत)	अल्पायु × 1 = 40.0
शोधित युग्म-वर्ष	18.920549 (गुणक 0.473014)
शनि/गुरु वैकल्पिक सारणी	योगारिष्ट = 20.0 → 9.460275
वैकल्पिक प्रयोग	हाँ — गणित खण्ड से बाहर

कारक	राशि में अंश	शेष अंश
लग्नेश सूर्य	4.1281°	25.8719°
अष्टमेश बृहस्पति	21.0372°	8.9628°
शनि	11.8394°	18.1606°
चन्द्र	25.397°	4.603°
लग्न	11.351°	18.649°
होरा लग्न	21.104828°	8.895172°

span × (average remaining degrees in the rāśi / 30). Full at 0°, nil at 30° (BPHS 43.45–46).

dirgha 120/108/96 · madhya 80/72/64 · alpa 32/36/40 (3/2/1 pairs)

आयु योग — सहायक जाँच

तंत्रकुलज्योतिषम्

bphs-43-65
दीर्घायु · लागू नहीं
Malefics in 3, 6, 11 and benefics in kendras: long life.

bphs-43-71
दीर्घायु · लागू
Stronger of lagneśa / 8th-lord in kendra → dīrgha; panaphara → madhya; apoklima → alpa.

bphs-43-75
अल्पायु · लागू नहीं
Lagneśa in 6, 8, or 12 without a benefic link: short life.

bphs-43-76
अल्पायु · लागू नहीं
Malefics in kendras and no benefic in a kendra: short-life warning.

bphs-43-60
दीर्घायु · लागू नहीं
Benefic in a kendra and lagneśa joined / aspected by a benefic: full span.

मारक

ग्रह	कारण
शनि	Saturn related to a māraka kills first (44.9).
बुध	2nd lord (stronger māraka house, 44.3)
शनि	7th lord (44.3)
राहु	malefic in 7th (44.3)
बृहस्पति	8th lord (secondary, 44.6–8)
चन्द्र	12th lord related (44.6)
राहु	Rāhu/Ketu in 1/7/8/12 or Scorpio/Capricorn Lagna (44.22–23)
केतु	Rāhu/Ketu in 1/7/8/12 or Scorpio/Capricorn Lagna (44.22–23)
बृहस्पति	22nd drekkāṇa lord (44.17)
शुक्र	Purva Ashadha tārā-māraka for this khaṇḍa (44.15–16)

तंत्रकुल ज्योतिषम्

तारा: विपत् Venus · प्रत्यरि Moon · वध Rahu · इस खण्ड में Purva Ashadha / Venus · 22वाँ द्रेष्काण बृहस्पति

दशा विश्लेषण — खण्ड-खिड़की में मारक

स्वामी	स्तर	आयु	तिथि
बुध	महादशा	0.0–5.867	2026-08-22 – 2032-07-04
केतु	महादशा	5.867–12.867	2032-07-04 – 2039-07-05
शुक्र	महादशा	12.867–32.868	2039-07-05 – 2059-07-05
बुध	अन्तर · Mercury	0.0–0.829	2026-08-22 – 2027-06-21
केतु	अन्तर · Mercury	0.829–1.171	2027-06-21 – 2027-10-24
शुक्र	अन्तर · Mercury	1.171–2.151	2027-10-24 – 2028-10-16
चन्द्र	अन्तर · Mercury	2.444–2.934	2029-01-31 – 2029-07-29
राहु	अन्तर · Mercury	3.277–4.155	2029-12-01 – 2030-10-18
बृहस्पति	अन्तर · Mercury	4.155–4.938	2030-10-18 – 2031-07-31
शनि	अन्तर · Mercury	4.938–5.867	2031-07-31 – 2032-07-04
केतु	अन्तर · Ketu	5.867–6.275	2032-07-04 – 2032-11-30
शुक्र	अन्तर · Ketu	6.275–7.444	2032-11-30 – 2034-01-31
चन्द्र	अन्तर · Ketu	7.791–8.375	2034-06-07 – 2035-01-06
राहु	अन्तर · Ketu	8.785–9.834	2035-06-05 – 2036-06-22
बृहस्पति	अन्तर · Ketu	9.834–10.767	2036-06-22 – 2037-05-29

A māraka daśā inside the yoga-khaṇḍa is a candidate, not a death date (44.20–21).

Āyurdāya is the hardest classical topic. BPHS 43.2 says it is difficult even for the gods. First the three gaṇita methods (Piṇḍāyu, Naisargikāyu, Aṃśāyu) are computed and one is chosen from the strength of the Sun, the Moon, and the lagneśa. That number is not the nirṇaya. BPHS 44.5: know alpa / madhya / pūrṇa from the yogas first, then think of māraka. vastavik uses the three-pair yoga (43.33–40) as the khaṇḍa. Saturn/Jupiter kakṣyā (43.47–50) only rewrites the 43.41–46 backup span; it does not override a pair-majority when gaṇita already sits in that 44.11 window. Otherwise the yoga-span prevails. Māraka daśās are listed only inside the decided window — never as a death date. Chapter numbers follow the common Santhanam-style BPHS (ch. 43–44); some prints number Āyurdāya as 45. Phaladeepika editions number the same adhyāya 16 or 22.

विधि चयन — सूर्य / चन्द्र / लग्नेश

संदर्भ	बल	लग्न
BPHS ṣaḍbala	सूर्य 416.1125 · चन्द्र 307.689 · Sun 416.1125	सिंह · सूर्य

तंत्रकुलज्योतिषम्

गणित आयु

66.989514

66y 11m 26d

पद्धति

average_two

Two of {Lagna, Sun, Moon} are equal: pindayu, amshayu averaged.

संख्या-बन्ध

मध्यायु

केवल गणित संख्या; योग खण्ड ऊपर है

परमायु

120.013889

120y 5d savana

तीन आयुर्दाय

पिण्डायु

62.771925 years

62y 9m 8d

Graha 63.128241 · Lagna 4.378367

निसर्गायु

60.197355 years

60y 2m 11d

Graha 60.802865 · Lagna 4.378367

अंशायु

71.207103 years

71y 2m 15d

Graha 67.801803 · Lagna 3.4053

तंत्रकुलज्योतिषम्

पिण्डायु

ग्रह	राशि	भाव	आधार	भरण	हरण	शुद्ध
सूर्य	सिंह	1	12.976572	×1.0	—	12.976572
चन्द्र	वृश्चिक	4	14.055347	×1.0	—	14.055347
मंगल	मिथुन	11	9.445754	×1.0	4.723	4.722877
बुध	कर्क	12	10.498813	×1.0	6.999	3.499604
बृहस्पति	कर्क	12	14.331783	×1.0	7.166	7.165892
शुक्र	कन्या	2	11.011922	×1.0	—	11.011922
शनि	मीन	8	12.120033	×1.0	2.424	9.696027

क्रूरोदय हरण: 4.734683 · लग्न विधि rasi

निसर्गायु

ग्रह	राशि	भाव	आधार	भरण	हरण	शुद्ध
सूर्य	सिंह	1	13.65955	×1.0	—	13.65955
चन्द्र	वृश्चिक	4	0.562214	×1.0	—	0.562214
मंगल	मिथुन	11	1.259434	×1.0	0.630	0.629717
बुध	कर्क	12	7.87411	×1.0	5.249	2.624703
बृहस्पति	कर्क	12	17.19814	×1.0	8.599	8.59907
शुक्र	कन्या	2	10.487544	×1.0	—	10.487544
शनि	मीन	8	30.300083	×1.0	6.060	24.240067

अंशायु

ग्रह	राशि	भाव	आधार	भरण	हरण	शुद्ध
सूर्य	सिंह	1	1.23843	×3.0	—	3.71529
चन्द्र	वृश्चिक	4	10.6191	×2.0	—	21.2382
मंगल	मिथुन	11	9.39057	×1.0	4.695	4.695285
बुध	कर्क	12	11.98932	×1.0	5.995	5.99466
बृहस्पति	कर्क	12	9.31116	×3.0	13.967	13.96674
शुक्र	कन्या	2	2.46726	×1.0	—	2.46726
शनि	मीन	8	6.55182	×3.0	3.931	15.724368

तंत्रकुलज्योतिषम्

शास्त्र — बृहत्पाराशरहोरा / फलदीपिका

> साधु पृष्टं त्वया विप्र जनानां च हितेच्छया । कथयाम्यायुषो ज्ञानं दुर्ज्ञेयं यत् सुरैरपि ॥
>
> I narrate the knowledge of longevity, which is difficult even for the gods.
>
> BPHS Āyurdāya 43.2 (common edition; some prints ch. 45)

> आयुर्ज्ञानविभेदास्तु बहुभिर्बहुधोदिताः । तेषां सारांशमादाय प्रवदामि तवाऽग्रतः ॥
>
> Many teachers taught many methods. What follows is a summary of those schools.
>
> BPHS Āyurdāya 43.3

> पिण्डायुः प्रथमं तत्र ग्रहस्थितिवशादहम् । कथयामि द्विजश्रेष्ठ श्रृणुष्वेकाग्रमानसः ॥

First, Piṇḍāyu from the positions of the grahas.

BPHS Āyurdāya 43.5

क्रमात् सूर्यादिखेटेषु स्वस्वोच्चस्थानगेष्विह । नन्देन्दवस्तत्त्वमितास्तिथयोऽर्काः शरेन्दवः ॥

In deep exaltation the year-piṇḍas from the Sun are 19, 25, 15, 12, 15, 21, and 20. In deep debilitation these are halved; in between, use the rule of three.

BPHS Āyurdāya 43.6 (kaṭapayādi; 43.7–8 give the interpolation)

अस्तगस्तु हरेत्स्वार्धं विना शुक्रशनैश्चरौ । वक्रचारं विना त्र्यंशं शत्रुराशौ हरेद् ग्रहः ॥

Except Venus and Saturn, halve a combust graha. Reduce one third in an enemy sign, except in retrogression (vakra-cāra). Mars is also read as vakra in later paddhati.

BPHS Āyurdāya 43.9 (śatru-rāśi; siva.sh dump has a broken conjunct)

In the visible half (houses 12 to 7) malefics lose all, half, one third, one fourth, one fifth, and one sixth. Benefics lose half of that. If several grahas share a house, only the strongest is reduced. Waning Moon is a benefic for this haraṇa.

BPHS Āyurdāya 43.10–11 (Cakrapāta; English paraphrase)

Malefic in Lagna: multiply that occupant's years by Lagna sphuṭa in minutes and divide by 21,600. Benefic aspect on Lagna halves the loss.

BPHS Āyurdāya 43.12–13 (Krūrodaya; English paraphrase)

Lagna donates years equal to the rāśis gained from Meṣa, plus the fraction of the rising sign (30° = 1 year). If the navāṃśa-lagneśa is stronger than the rāśi-lagneśa, count navāṃśas instead.

BPHS Āyurdāya 43.14–15 (English paraphrase)

अथ विप्र निसर्गायुः खेटानां कथयाम्यहम् । चन्द्रारज्ञसितेज्यार्कशनीनां क्रमशोब्दका ॥

Nisargāyu years from birth, in order Moon, Mars, Mercury, Venus, Jupiter, Sun, Saturn: 1, 2, 9, 20, 18, 20, 50. This API scales those piṇḍas by the same ucca–nīca rule as Piṇḍāyu.

BPHS Āyurdāya 43.16–17

Aṃśāyu: multiply the longitude by 108; expunge twelves. The remainder in rāśi-degree is years-months. Same haraṇas as Piṇḍāyu except Krūrodaya. Bharana: ×3 in exaltation or own sign; ×2 in own navāṃśa, own drekkāṇa, or vargottama. If both ×3 and ×2 apply, use only ×3. If both ½ and ⅓ apply, use only ½.

BPHS Āyurdāya 43.18–22 (English paraphrase)

Among Lagna, Sun, and Moon, the strongest chooses Aṃśāyu, Piṇḍāyu, or Nisargāyu. If two are equal, average those two. If all three are equal, average the three.

BPHS Āyurdāya 43.30–32 (English paraphrase)

Aṃśāyurdāya when Lagna is strongest; Piṇḍāyurdāya when the Sun is; Naisargikāyurdāya when the Moon is.

Phaladeepika, Āyurdāya adhyāya (editions ch. 16 or 22), sloka 28

If all three are equal, add the three āyurdāyas and divide by three. If two are strong, take their mean. If all three are weak, the method of Jīvaśarman is to be used (not computed in this release).

Phaladeepika, Āyurdāya adhyāya, sloka 29

Three pairs: (1) lagneśa and 8th-lord, (2) Saturn and Moon, (3) natal Lagna and Horā-lagna. Both movable, or fixed+dual → dīrgha. Both dual, or movable+fixed → madhya. Both fixed, or movable+dual → alpa. Two or three agreeing pairs decide. If all three differ, Lagna–Horā-lagna wins; but if the Moon is in Lagna or the 7th, Saturn–Moon wins.

BPHS Āyurdāya 43.33–40 (English paraphrase of the Santhanam text)

Dīrgha by 3 / 2 / 1 pairs: 120 / 108 / 96 years. Madhya: 80 / 72 / 64. Alpa: 32 / 36 / 40 (Santhanam / B.V. Raman paddhati of 43.41–44). Then rectify by the contributors' degrees in the rāśi: full donation at the start of the sign, nil at the end.

BPHS Āyurdāya 43.41–46 (English paraphrase; year-table is the common printed paddhati)

Saturn as a contributor may lower the 43.41–44 pair-table backup one kakṣyā (except own / exaltation, or malefics only). Jupiter in Lagna or the 7th with benefics only may raise it. This does not override a pair-majority yoga when the gaṇita already sits in that yoga's 44.11 window.

BPHS Āyurdāya 43.47–50 (English paraphrase; applied only to the backup span)

तृतीयमष्टमस्थानमायुःस्थानां द्वयं द्विज । मारकं तद्व्ययस्थानं द्वितीयं सप्तमं तथा ॥

The 3rd and the 8th are the two houses of life. The 12th from each — the 2nd and the 7th — are māraka.

BPHS Māraka 44.2 (siva.sh)

तत्रापि सप्तमस्थानाद् द्वितीयं बलवत्तरम् । तयोरीशौ तत्र गताः पापिनस्तेन संयुताः ॥

Of the two, the 2nd is the stronger killer. Mārakas are the 2nd/7th lords, malefics in those houses, and malefics joined to those lords.

BPHS Māraka 44.3 (siva.sh)

अल्पमध्यमपूर्णायुः प्रमाणमिह योगजम् । विज्ञाय प्रथमं पुंसां मारकं परिचिन्तयेत् ॥

First know whether the yoga-span is alpa, madhya, or pūrṇa. Only then consider the māraka.

BPHS Māraka 44.5 (siva.sh)

द्वाविंशात् पूर्वमल्पायुर्मध्यमायुस्ततः परम् । चतुष्षष्ट्याः पुरस्तात् तु ततो दीर्घमुदाहृतम् ॥

Alpa before 32, madhya up to 64, dīrgha after 64. After 100, uttama. Printed dvāviṃśāt is 22; Santhanam, Rath, and the siva.sh English all read 32. This API uses 32 / 64. Longevity is not judged before age 20 (44.12–14).

BPHS Māraka 44.11–14 (siva.sh Devanagari; English is the Santhanam / Rath reading)

अथाऽन्यदपि वक्ष्यामि नृणां मारकलक्षणम् ।

तंत्रकुल ज्योतिषम्

Alpa: death-like daśā of the Vipat nakṣatra (3rd from janma). The rest of printed 44.15 is broken on siva.sh; Santhanam / Rath read Vipat here.

BPHS Māraka 44.15 (first pāda as printed; English from Santhanam / Rath)

मध्यायुर्योगजस्यैवं प्रत्यरौ च मृतिर्भवेत् । दीर्घायुर्योगजातस्य वधभे तु मृतिर्भवेत् ॥

Madhya: Pratyari (5th from janma). Dīrgha: Vadha (7th). Also the lord of the 22nd drekkāṇa (44.17).

BPHS Māraka 44.16 (siva.sh); 44.17 English paraphrase

तंत्रकुलज्योतिषम्

भाव फल

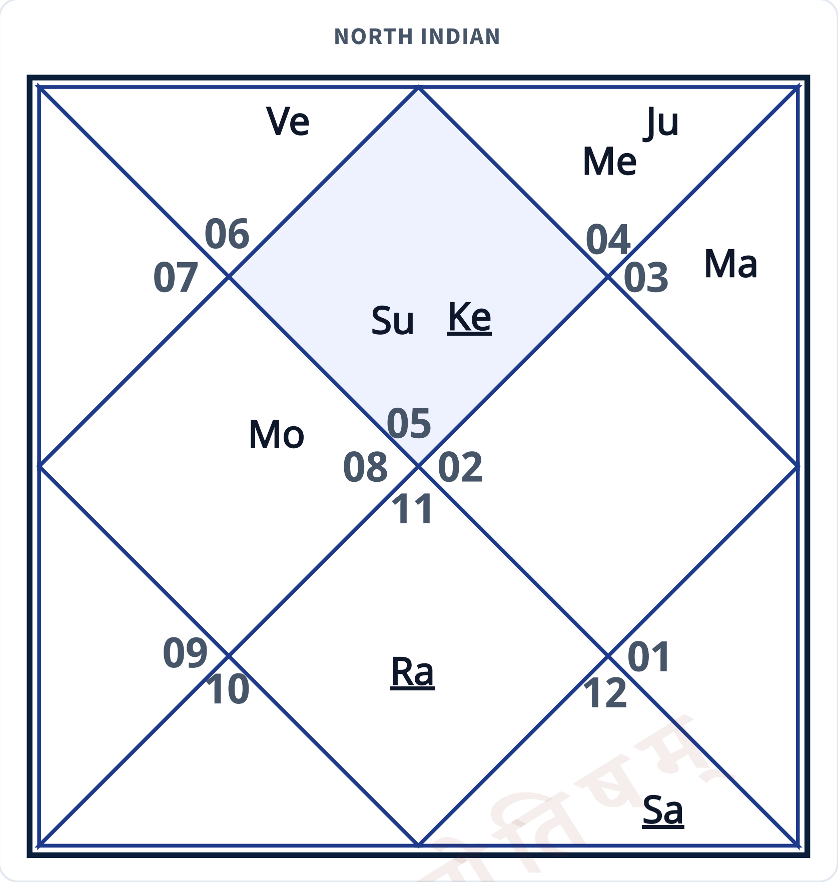

तंत्रकुलज्योतिषम्

भाव फल

लग्न **सिंह** लग्नेश सूर्य	योगकारक **मंगल (4,9)** केन्द्र 4/7/10 + त्रिकोण 5/9
वर्तमान दशा **Mercury / Mercury** महा / अन्तर	श्रृंखला **लग्न → भाव → भावेश** बल · दृष्टि · कारक · दशा

Bhāva-phala is built Lagna → bhāva → bhāveśa → graha sthiti → rāśi-bala → dṛṣṭi/yuti → kāraka → daśā. Primary text is BPHS 12–24 and 32. Phaladeepika and Sārāvalī confirm the same structural rules. Bṛhat Jātaka is a short canonical cross-check, not a verse-database. Web 'Bhrigu Saṃhitā' compilations are not used. No generic rāśi-phala line such as "Saturn in the 10th for Mesha" is emitted without the bhāveśa–dignity–aspect chain. Unattested slokas are not invented.

कार्यात्मक स्वामित्व

ग्रह	भाव	भूमिका	गुण
सूर्य	1	trikona_lord, kendra_lord	shubha
चन्द्र	12	dusthana_lord	papa

ग्रह	भाव	भूमिका	गुण
मंगल	4, 9	yogakaraka, trikona_lord, kendra_lord	yoga
बुध	2, 11	trishadaya_lord, maraka_lord	papa
बृहस्पति	5, 8	trikona_lord, dusthana_lord	shubha
शुक्र	3, 10	kendra_lord, trishadaya_lord, kendradhipati	papa
शनि	6, 7	kendra_lord, dusthana_lord, trishadaya_lord, maraka_lord	papa

बारह भाव

1 • तनु

बलवान • 82

सिंह • भावेश सूर्य भाव 1 • mulatrikona

ग्रह सूर्य, केतु

bhavesha Lagneśa in Lagna: bodily comfort and prowess (24.1).

bhavesha Bhāveśa sits in his own bhāva: the house is occupied by its lord and tends to hold.

rashi_bala Bhāveśa in ucca / mūlatrikoṇa / own sign: rāśi-bala supports the house.

occupants Natural malefic occupies the house: the significations are pressured.

+3 और नियम

2 • धन

निर्बल • 20

कन्या • भावेश बुध भाव 12 • ari

ग्रह शुक्र

bhavesha Bhāveśa in 6, 8, or 12: the house is under strain unless a yoga cancels it.

rashi_bala Bhāveśa combust (asta): the house-lord cannot fully give results.

occupants Natural benefic occupies the house: Phaladeepika / BPHS treat this as support.

drishti_yuti Pāpa dṛṣṭi on the bhāva: मंगल, शनि.

+3 और नियम

3 • सहज

निर्बल • 31

तुला • भावेश शुक्र भाव 2 • neecha

ग्रह रिक्त

bhavesha Bhāveśa is in bhāva 2. Read that house as the field where this bhāva's results ripen (BPHS 24 method).

rashi_bala Bhāveśa debilitated: the house's promise is reduced until nīcabhaṅga is shown.

4 • बन्धु

बलवान • 70

वृश्चिक • भावेश मंगल भाव 11 • ari

ग्रह चन्द्र

bhavesha Bhāveśa in the 11th: gains connected with this house.

bhavesha This bhāveśa is yogakāraka for the Lagna (owns a kendra 4/7/10 and a kona 5/9).

drishti_yuti Śubha dṛṣṭi on the bhāva: बृहस्पति.

drishti_yuti Yuti with the bhāveśa in this house: चन्द्र. The joined graha colours the house.

+1 और नियम

5 · पुत्र

मिश्र · 51

धनु · भावेश बृहस्पति भाव 12 · uccha

ग्रह रिक्त

bhavesha Bhāveśa in 6, 8, or 12: the house is under strain unless a yoga cancels it.

rashi_bala Bhāveśa in ucca / mūlatrikoṇa / own sign: rāśi-bala supports the house.

drishti_yuti Pāpa dṛṣṭi on the bhāva: मंगल, शनि.

karaka The house-kāraka is in 6, 8, or 12: the kāraka-bhāva link is weak.

6 · अरि

मिश्र · 63

मकर · भावेश शनि भाव 8 · sama

ग्रह रिक्त

bhavesha Dusthāna lord in a dusthāna: viparīta pattern — the 6/8/12 theme can invert.

drishti_yuti Pāpa dṛṣṭi on the bhāva: मंगल.

drishti_yuti Śubha dṛṣṭi on the bhāva: बुध, बृहस्पति.

karaka Sthira kāraka मंगल aspects this house.

7 · जाया

निर्बल · 27

कुम्भ · भावेश शनि भाव 8 · sama

ग्रह राहु

bhavesha Bhāveśa in 6, 8, or 12: the house is under strain unless a yoga cancels it.

occupants Natural malefic occupies the house: the significations are pressured.

drishti_yuti Pāpa dṛṣṭi on the bhāva: सूर्य, केतु.

drishti_yuti Yuti with the bhāveśa in this house: राहु. The joined graha colours the house.

8 · रन्ध्र

बलवान · 80

मीन · भावेश बृहस्पति भाव 12 · uccha

ग्रह शनि

bhavesha Dusthāna lord in a dusthāna: viparīta pattern — the 6/8/12 theme can invert.

rashi_bala Bhāveśa in ucca / mūlatrikoṇa / own sign: rāśi-bala supports the house.

occupants Natural malefic occupies the house: the significations are pressured.

drishti_yuti Śubha dṛṣṭi on the bhāva: शुक्र, बृहस्पति.

+2 और नियम

तंत्रकुल ज्योतिषम्

9 · धर्म

मिश्र · 56

मेष · भावेश मंगल भाव 11 · ari

ग्रह रिक्त

bhavesha Bhāveśa in the 11th: gains connected with this house.

bhavesha This bhāveśa is yogakāraka for the Lagna (owns a kendra 4/7/10 and a kona 5/9).

karaka The house-kāraka is in 6, 8, or 12: the kāraka-bhāva link is weak.

10 · कर्म

निर्बल · 26

वृषभ · भावेश शुक्र भाव 2 · neecha

ग्रह रिक्त

bhavesha Bhāveśa is in bhāva 2. Read that house as the field where this bhāva's results ripen (BPHS 24 method).

rashi_bala Bhāveśa debilitated: the house's promise is reduced until nīcabhaṅga is shown.

drishti_yuti Pāpa dṛṣṭi on the bhāva: शनि.

11 · लाभ

निर्बल · 23

मिथुन · भावेश बुध भाव 12 · ari

ग्रह मंगल

bhavesha Bhāveśa in 6, 8, or 12: the house is under strain unless a yoga cancels it.

rashi_bala Bhāveśa combust (asta): the house-lord cannot fully give results.

occupants Natural malefic in an upachaya (3/6/10/11): Sārāvalī / BPHS allow growth here.

drishti_yuti Yuti with the bhāveśa in this house: मंगल. The joined graha colours the house.

+2 और नियम

12 · व्यय

निर्बल · 39

कर्क · भावेश चन्द्र भाव 4 · neecha

ग्रह बुध, बृहस्पति

bhavesha Bhāveśa in a kendra (1/4/7/10): the house has angular strength.

rashi_bala Bhāveśa debilitated: the house's promise is reduced until nīcabhaṅga is shown.

occupants Natural benefic occupies the house: Phaladeepika / BPHS treat this as support.

drishti_yuti Yuti with the bhāveśa in this house: बुध, बृहस्पति. The joined graha colours the house.

+2 और नियम

प्राथमिक: BPHS 12–24, 32, 34 · द्वितीय: Sārāvalī (upachaya / occupant cross-check) · जाँच: Phaladeepika (bhāva-phala cross-check) · नहीं: Bhrigu-saṃhitā web compilations

शास्त्र — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> लग्नेशे लग्नगे देहसुखभाग् भुजविक्रमी । मनस्वी चञ्चलश्चैव द्विभार्यो परगोऽपि व ॥
>
> If the lagneśa is in Lagna, the native has bodily comfort and prowess, is intelligent and fickle. (Opening of the 12 lagneśa-in-bhāva results.)
>
> BPHS Bhāveśaphala 24.1 (siva.sh)

> BPHS 24 then places each house-lord in each of the 12 houses (12×12). This engine applies that method: identify the bhāveśa, the house he occupies, his dignity, and only then speak of the house. It does not invent the remaining 143 slokas.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase of the chapter plan)

> A graha that owns a kendra (4, 7, or 10) and a trikoṇa (5 or 9) is yogakāraka for that Lagna. Lords of 3, 6, and 11 tend to harm. Lords of 2 and 7 are māraka. A natural benefic owning 4, 7, or 10 has kendrādhipati-doṣa.
>
> BPHS yogakāraka / functional lordship (Santhanam ch. 34 class; English paraphrase)

> Sthira kārakas: Sun—self/father; Moon—mind/mother; Mars—siblings; Mercury—speech; Jupiter—children/dharma; Venus—spouse; Saturn—longevity/servants. Each bhāva also has a natural kāraka (below).
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

तन्त्रकुलज्योतिषम्

कर्म

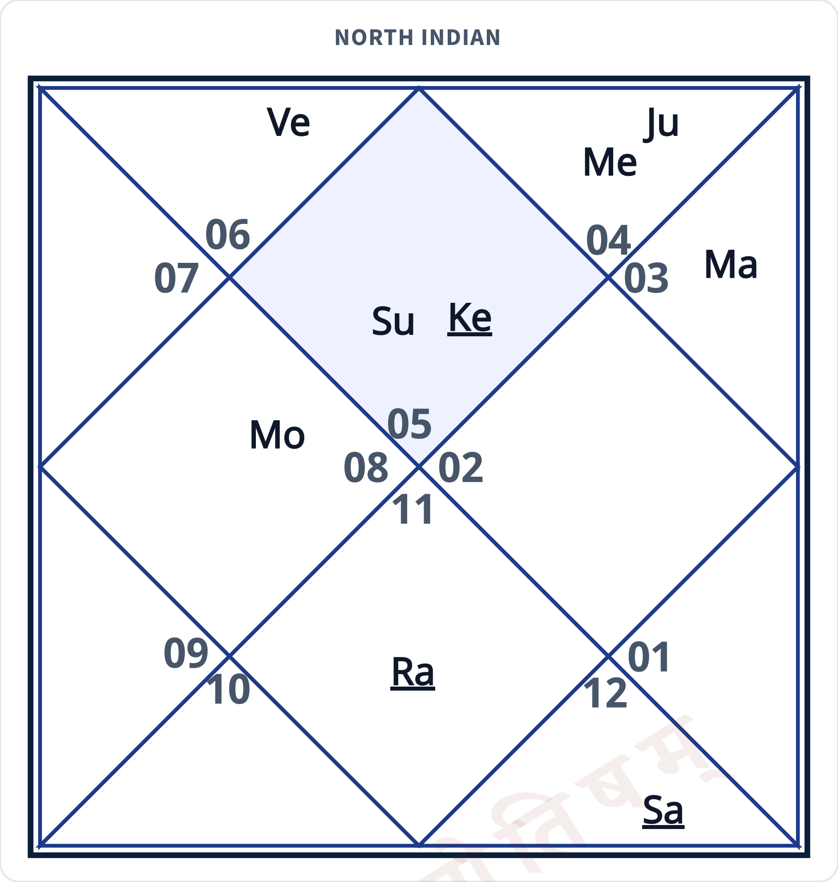

तंत्रकुलज्योतिषम्

कर्म / पेशा रिपोर्ट

लग्न
सिंह
मिश्र

दशमेश
शुक्र
भाव 2 · नीच

प्रवृत्ति
नौकरी / सेवा
नौकरी या व्यवसाय

दशा
बुध–बुध
महा / अन्तर

नौकरी या व्यवसाय

दशम भाव निर्बल है (अंक 26)। दशमेश शुक्र भाव 2 में, नीच। इस कुण्डली में कर्म की प्रवृत्ति नौकरी / सेवा है। षष्ठ भाव (सेवा-रोग-प्रतिद्वन्द्व) दशम के साथ अधिक पुष्ट है। षष्ठ सेवा-क्षेत्र है, सप्तम साझेदारी/व्यवसाय।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कर्मभाव · भावेशफल · कारकत्व

फल
दशम भाव निर्बल है (अंक 26)। दशमेश शुक्र भाव 2 में, नीच। इस कुण्डली में कर्म की प्रवृत्ति नौकरी / सेवा है। षष्ठ भाव (सेवा-रोग-प्रतिद्वन्द्व) दशम के साथ अधिक पुष्ट है। षष्ठ सेवा-क्षेत्र है, सप्तम साझेदारी/व्यवसाय।

प्रवृत्ति
नौकरी / सेवा

स्रोत
बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कर्मभाव · भावेशफल · कारकत्व

उपयुक्त क्षेत्र

दशमेश शुक्र के स्वाभाविक कर्म-क्षेत्र: कला, सौन्दर्य, वाहन, सुख-उद्योग · राजकार्य, प्रशासन, चिकित्सा, नेतृत्व · श्रम, सेवा, खनिज, दीर्घ संस्थान। दशम में ग्रह: रिक्त। सूर्य मान-कीर्ति, शनि श्रम-सेवा, बुध आजीविका-वाणी के कारक हैं। यह प्रवृत्ति है, नियत पद नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कर्मभाव · भावेशफल · कारकत्व · कारक

फल
दशमेश शुक्र के स्वाभाविक कर्म-क्षेत्र: कला, सौन्दर्य, वाहन, सुख-उद्योग · राजकार्य, प्रशासन, चिकित्सा, नेतृत्व · श्रम, सेवा, खनिज, दीर्घ संस्थान। दशम में ग्रह: रिक्त। सूर्य मान-कीर्ति, शनि श्रम-सेवा, बुध आजीविका-वाणी के कारक हैं। यह प्रवृत्ति है, नियत पद नहीं।

क्षेत्र
कला, सौन्दर्य, वाहन, सुख-उद्योग · राजकार्य, प्रशासन, चिकित्सा, नेतृत्व · श्रम, सेवा, खनिज, दीर्घ संस्थान

स्रोत
बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कर्मभाव · भावेशफल · कारकत्व · कारक

दशम भाव और दशमेश

दशम राशि वृषभ, भावेश शुक्र (नीच), SAV 37 (क्रम 1)। कारक सूर्य भाव 1 में। अष्टकवर्ग दशम की सापेक्ष शक्ति बताता है — 30+ कटऑफ नहीं।

BPHS कर्मभाव २१ · भावेशफल २४ · अष्टकवर्ग

फल
दशम राशि वृषभ, भावेश शुक्र (नीच), SAV 37 (क्रम 1)। कारक सूर्य भाव 1 में। अष्टकवर्ग दशम की सापेक्ष शक्ति बताता है — 30+ कटऑफ नहीं।

दशमेश
शुक्र · भाव 2 · नीच · SAV 37

स्रोत
BPHS कर्मभाव २१ · भावेशफल २४ · अष्टकवर्ग

आय और वृद्धि

आय धन (2) और लाभ (11) से पढ़ी जाती है। द्वितीय निर्बल (SAV क्रम 5), एकादश निर्बल (SAV क्रम 2)। षष्ठ मिश्र सेवा/प्रतिद्वन्द्व और ऋण-पक्ष है। वृद्धि उपचय (३/६/१०/११) के बल से धीरे पकती है।

BPHS धन १३ · लाभ २२ · अरि १७

फल
आय धन (2) और लाभ (11) से पढ़ी जाती है। द्वितीय निर्बल (SAV क्रम 5), एकादश निर्बल (SAV क्रम 2)। षष्ठ मिश्र सेवा/प्रतिद्वन्द्व और ऋण-पक्ष है। वृद्धि उपचय (३/६/१०/११) के बल से धीरे पकती है।

स्रोत
BPHS धन १३ · लाभ २२ · अरि १७

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध कर्म-भावों 2, 11, 6 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–बुध · फलदीपिका (बल/राशि)

फल

वर्तमान बुध–बुध कर्म-भावों 2, 11, 6 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

स्रोत

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अन्तर्दशा-फल · बुध–बुध · फलदीपिका (बल/राशि)

कर्म-समय

आने वाले अनुकूल कर्म-खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29)। इन अवधियों में दशम/लाभ/सेवा के स्वामी चलते हैं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

BPHS दशा of bhāva-lords · विम्शोत्तरी

फल

आने वाले अनुकूल कर्म-खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29)। इन अवधियों में दशम/लाभ/सेवा के स्वामी चलते हैं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

स्रोत

BPHS दशा of bhāva-lords · विम्शोत्तरी

तन्त्रकुलज्योतिषम्

कर्म योग

उभयाचारीयोगः · शुभकर्तरीयोगः · हर्षयोगः · सरलयोगः · नीचभङ्गराजयोगः

दशमेश शुक्र षड्बल पर्याप्त। सूर्य पर्याप्त · शनि प्रबल · बुध सीमांत

कर्म-समय (दशम / षष्ठ / धन / लाभ)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–बुध	2026-08-22 – 2027-06-21	दुर्बल	2, 11, 6
बुध–केतु	2027-06-21 – 2027-10-24	तनाव	2, 11, 6
बुध–शुक्र	2027-10-24 – 2028-10-16	दुर्बल	10, 2, 11, 6
बुध–सूर्य	2028-10-16 – 2029-01-31	बलवान	2, 11, 6

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	10, 2, 11, 6
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	11, 2, 6
बुध–राहु	2029-12-01 – 2030-10-18	तनाव	2, 11, 6
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	6, 2, 11
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	6, 10, 2, 11
केतु–शुक्र	2032-11-30 – 2034-01-31	दुर्बल	10, 2
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	10
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	11, 2, 6
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	6

शास्त्र — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Karma-bhāva (10th) is the seat of livelihood, rank, and public work. Results are read from the bhāva, its lord, occupants, and the Sun as kāraka — not from a stock profession list alone.
>
> BPHS Karma-bhāva (often printed as ch. 21; English paraphrase)

> Bhāveśaphala: the 10th lord's dignity and the house he occupies show where karma ripens. A strong lord in kendra/trikoṇa supports status; dusthāna or nīca strains it.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase)

> Sthira kārakas colour the same houses: Sun—self and honour; Saturn—labour and service; Mercury—livelihood and speech.
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

> The daśā of a bhāva-lord activates that bhāva. Career windows are the mahā–antar periods whose lords own, occupy, or aspect the 10th, 6th, 2nd, or 11th.
>
> BPHS daśā of bhāva-lords (English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

धन

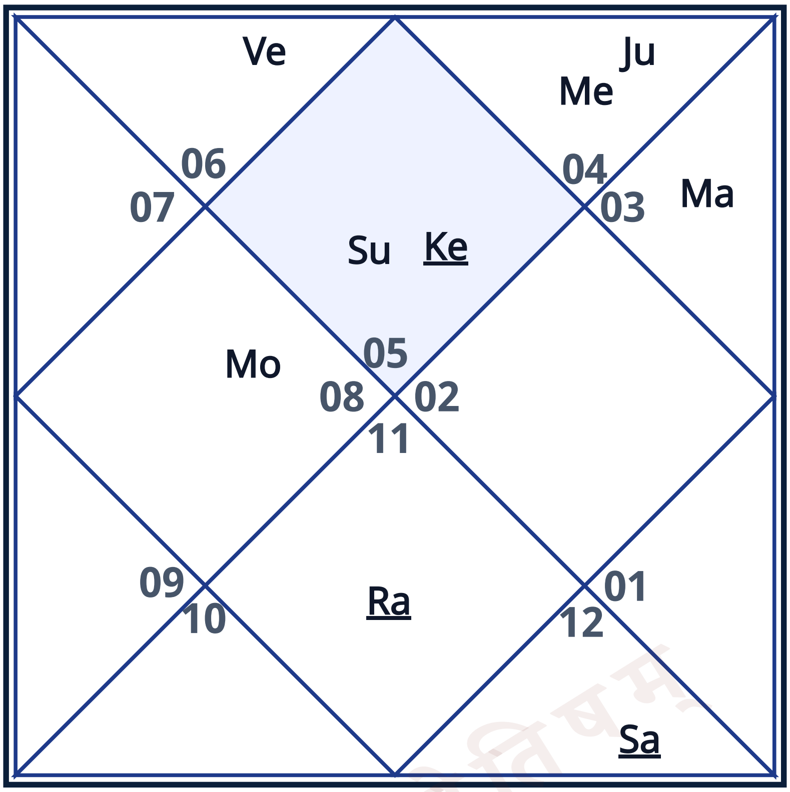

धन / वित्त रिपोर्ट

लग्न
सिंह
तनाव

धनेश
बुध
भाव 12 · अरि

लाभेश
बुध
एकादश

दशा
बुध–बुध
महा / अन्तर

तंत्रकुलज्योतिषम्

धनार्जन क्षमता

धनभाव निर्बल (अंक 20), SAV क्रम 5। धनेश बुध भाव 12 में, अरि। लाभभाव निर्बल (SAV क्रम 2), लाभेश बुध। कारक गुरु भाव 12 में, षड्बल पर्याप्त। यह धनार्जन-क्षमता है, निश्चित राशि नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · धनभाव (प्रचलित recension में ~अ. १३) · भाव + भावेश + बृहस्पति कारक — क्षमता, घटना नहीं

फल

धनभाव निर्बल (अंक 20), SAV क्रम 5। धनेश बुध भाव 12 में, अरि। लाभभाव निर्बल (SAV क्रम 2), लाभेश बुध। कारक गुरु भाव 12 में, षड्बल पर्याप्त। यह धनार्जन-क्षमता है, निश्चित राशि नहीं।

धनेश

बुध · भाव 12 · अरि · SAV 29

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

धनभाव (प्रचलित recension में ~अ. १३)

विधि

भाव + भावेश + बृहस्पति कारक — क्षमता, घटना नहीं

आय के स्रोत

शास्त्र में आय का मार्ग धनेश, लाभेश और उन भावों के ग्रहों से देखा जाता है। इस कुण्डली के संकेत: व्यापार, लेखन, गणना · भूमि, धातु, साहस-कर्म · गुरु-कार्य, परामर्श, धर्माय लाभ · कला, वाहन, सुख-वस्तु। द्वितीय में शुक्र, एकादश में मंगल। भाग्येश मंगल नवम को जोड़ता है।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · लाभभाव (~अ. २२) + भावेशफल २४ · एकादश आगमन, द्वितीय संग्रह; भावेश की राशि/भाव से स्रोत

फल

शास्त्र में आय का मार्ग धनेश, लाभेश और उन भावों के ग्रहों से देखा जाता है। इस कुण्डली के संकेत: व्यापार, लेखन, गणना · भूमि, धातु, साहस-कर्म · गुरु-कार्य, परामर्श, धर्माय लाभ · कला, वाहन, सुख-वस्तु। द्वितीय में शुक्र, एकादश में मंगल। भाग्येश मंगल नवम को जोड़ता है।

मार्ग

व्यापार, लेखन, गणना · भूमि, धातु, साहस-कर्म · गुरु-कार्य, परामर्श, धर्माय लाभ · कला, वाहन, सुख-वस्तु

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

लाभभाव (~अ. २२) + भावेशफल २४

विधि

एकादश आगमन, द्वितीय संग्रह; भावेश की राशि/भाव से स्रोत

तंत्रकुलज्योतिषम्

बचत एवं संपत्ति

संग्रह द्वितीय, संपत्ति/गृह चतुर्थ (बलवान, SAV क्रम 5), भाग्य नवम (मिश्र, SAV क्रम 3)। योग: शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। धन-योग बलवान ग्रह पर ही फल देते हैं — द्वितीय जाँच बचत तब पुष्ट जब धनेश बलवान और द्वादश कम व्यय करे।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · धन १३ · बन्धु/सुख १५ · धर्म २० · बचत द्वितीय, संपत्ति चतुर्थ, भाग्य नवम

फल
संग्रह द्वितीय, संपत्ति/गृह चतुर्थ (बलवान, SAV क्रम 5), भाग्य नवम (मिश्र, SAV क्रम 3)। योग: शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। धन-योग बलवान ग्रह पर ही फल देते हैं — द्वितीय जाँच बचत तब पुष्ट जब धनेश बलवान और द्वादश कम व्यय करे।

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
धन १३ · बन्धु/सुख १५ · धर्म २०

विधि
बचत द्वितीय, संपत्ति चतुर्थ, भाग्य नवम

वित्तीय चुनौती

रन्ध्र बलवान (SAV क्रम 8) छिपे/अकस्मात् धन-प्रवाह को दिखाता है। व्यय निर्बल (SAV क्रम 9) निर्गम है। धनेश यदि नीच या दुःस्थान में हो तो क्षमता घटती है, शून्य नहीं होती।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · रन्ध्र (~अ. १९) · व्यय (~अ. २३) · अष्टम छिपा/अकस्मात्, द्वादश व्यय — सावधानी, दिवाला नहीं

फल
रन्ध्र बलवान (SAV क्रम 8) छिपे/अकस्मात् धन-प्रवाह को दिखाता है। व्यय निर्बल (SAV क्रम 9) निर्गम है। धनेश यदि नीच या दुःस्थान में हो तो क्षमता घटती है, शून्य नहीं होती।

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
रन्ध्र (~अ. १९) · व्यय (~अ. २३)

विधि
अष्टम छिपा/अकस्मात्, द्वादश व्यय — सावधानी, दिवाला नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध धन-भावों 2, 11, 12 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा + विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल · २/११/९ के स्वामी-अवधि धन जगाती है; ८/१२ व्यय/विघ्न

फल

वर्तमान बुध–बुध धन-भावों 2, 11, 12 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा + विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल

विधि

२/११/९ के स्वामी-अवधि धन जगाती है; ८/१२ व्यय/विघ्न

अनुकूल / सावधानी समय

अनुकूल धन-खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29)। सावधानी (व्यय/विघ्न): बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा + विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल · २/११/९ के स्वामी-अवधि धन जगाती है; ८/१२ व्यय/विघ्न

फल

अनुकूल धन-खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29)। सावधानी (व्यय/विघ्न): बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा + विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल

विधि

२/११/९ के स्वामी-अवधि धन जगाती है; ८/१२ व्यय/विघ्न

तंत्रकुल ज्योतिषम्

धन योग

शुभकर्तरीयोगः · सरलयोगः · नीचभङ्गराजयोगः

धनेश बुध षड्बल सीमांत। बृहस्पति पर्याप्त · शुक्र पर्याप्त · बुध सीमांत

धन-समय (२ / ११ / ९ / ८ / १२)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–बुध	2026-08-22 – 2027-06-21	दुर्बल	2, 11, 12
बुध–केतु	2027-06-21 – 2027-10-24	तनाव	2, 11, 12

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–शुक्र	2027-10-24 – 2028-10-16	दुर्बल	2, 8, 11, 12
बुध–सूर्य	2028-10-16 – 2029-01-31	बलवान	2, 11, 12
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	12, 4, 2, 11
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	4, 9, 11, 2, 12
बुध–राहु	2029-12-01 – 2030-10-18	तनाव	2, 11, 12
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	8, 12, 4, 2, 11
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	8, 2, 11, 12
केतु–शुक्र	2032-11-30 – 2034-01-31	दुर्बल	2, 8
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	12, 4
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	4, 9, 11, 2
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	8, 12, 4

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Dhana-bhāva (2nd) is wealth, speech, and family store. Read the bhāva, its lord, occupants, and Jupiter as dhana-kāraka. A strong 2nd supports earning capacity; dusthāna or nīca strains it.
>
> BPHS Dhana-bhāva (often printed as ch. 13; English paraphrase)

> Labha-bhāva (11th) is gains and fulfilment of desires. The 11th lord and occupants show how gains arrive. Compared with the 2nd, the 11th is inflow; the 2nd is the store.
>
> BPHS Labha-bhāva (often printed as ch. 22; English paraphrase)

> Dharma / Bhāgya (9th) colours fortune behind wealth. A supported 9th lord helps the 2nd and 11th ripen; a weak 9th makes earning irregular even if the 2nd looks full.
>
> BPHS Dharma-bhāva (often printed as ch. 20; English paraphrase)

> Randhra (8th) hides or suddenly moves wealth (legacy, blockage). Vyaya (12th) is outgo and loss. Both are strain layers on dhana, not a prediction of bankruptcy.
>
> BPHS Randhra / Vyaya (often ch. 19 and 23; English paraphrase)

> Bhāveśaphala 24: the 2nd and 11th lords’ dignity and house show where money ripens. Kārakatwa 32: Jupiter is the sthira dhana-kāraka; Venus comforts; Mercury trade.

BPHS 24 Bhāveśaphala + 32 Kārakatwa (English paraphrase)

Phaladeepika yoga chapters treat Chandra-Maṅgala, Hamsa, and related combinations as wealth-support when the yoga grahas are strong — a cross-check, not a second verse-database.

Phaladeepika yoga / dhana (English paraphrase of the method)

तंत्रकुलज्योतिषम्

विवाह

NORTH INDIAN

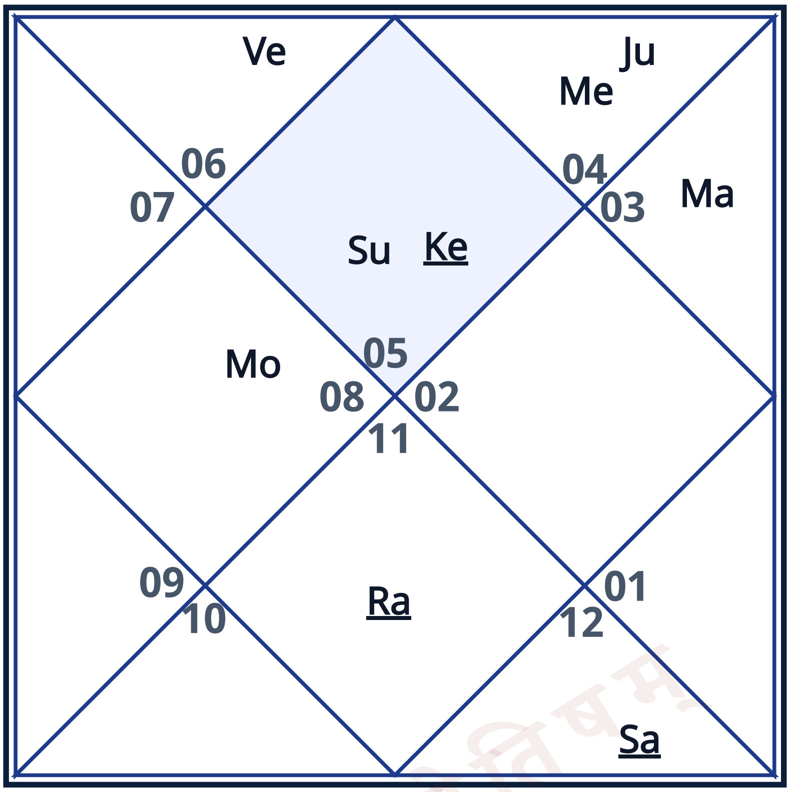

तंत्रकुलज्योतिषम्

विवाह / संबंध रिपोर्ट

लग्न
सिंह
तनाव

सप्तमेश
शनि
भाव 8 · सम

नवांश
कर्क
D9 सप्तम मकर

दशा
बुध–बुध
महा / अन्तर

विवाह की सम्भावना

सप्तम भाव निर्बल (अंक 27), SAV क्रम 12। सप्तमेश शनि भाव 8 में, सम। शुक्र भाव 2 (षड्बल पर्याप्त), गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त)। पुत्र/प्रेम पञ्चम मिश्र। यह विवाह-समर्थन है, निश्चित वर्ष नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · युवति/कलत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १८) · सप्तम + सप्तमेश + कारक — सम्भावना, विवाह-तिथि नहीं

फल

सप्तम भाव निर्बल (अंक 27), SAV क्रम 12। सप्तमेश शनि भाव 8 में, सम। शुक्र भाव 2 (षड्बल पर्याप्त), गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त)। पुत्र/प्रेम पञ्चम मिश्र। यह विवाह-समर्थन है, निश्चित वर्ष नहीं।

सप्तमेश

शनि · भाव 8 · सम · SAV 21

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

युवति/कलत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १८)

विधि

सप्तम + सप्तमेश + कारक — सम्भावना, विवाह-तिथि नहीं

जीवनसाथी की प्रकृति

सप्तमेश शनि से स्वभाव-संकेत: गम्भीर, विलम्ब, स्थिर। सप्तम में ग्रह: राहु। शुक्र कलत्र-कारक, गुरु पति-कारक (स्त्री-कुण्डली में विशेष)। यह प्रवृत्ति है, व्यक्ति का चित्र नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेशफल २४ · कारकत्व ३२ · जीवनसाथी का स्वभाव सप्तमेश और शुक्र/गुरु से — प्रवृत्ति, पहचान नहीं

फल

सप्तमेश शनि से स्वभाव-संकेत: गम्भीर, विलम्ब, स्थिर। सप्तम में ग्रह: राहु। शुक्र कलत्र-कारक, गुरु पति-कारक (स्त्री-कुण्डली में विशेष)। यह प्रवृत्ति है, व्यक्ति का चित्र नहीं।

स्वभाव

गम्भीर, विलम्ब, स्थिर

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेशफल २४ · कारकत्व ३२

विधि

जीवनसाथी का स्वभाव सप्तमेश और शुक्र/गुरु से — प्रवृत्ति, पहचान नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

वैवाहिक सामंजस्य

सामंजस्य सप्तम-बल, शुक्र/गुरु और लग्नेश–सप्तमेश मैत्री से। नवांश लग्न कर्क, D9 सप्तम मकर (स्वामी शनि)। लग्नेश–सप्तमेश मैत्री अति शत्रु। योग: केमद्रुमयोगः, शुभकर्तरीयोगः, हर्षयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। शुभकर्तरी सहारा, पापकर्तरी दबाव — दोनों को D1 से पढ़ा गया।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेशफल २४ · पञ्चधा मैत्री · नवांश · लग्नेश–सप्तमेश मैत्री और D9 सप्तम सामंजस्य की दूसरी परत

फल

सामंजस्य सप्तम-बल, शुक्र/गुरु और लग्नेश–सप्तमेश मैत्री से। नवांश लग्न कर्क, D9 सप्तम मकर (स्वामी शनि)। लग्नेश–सप्तमेश मैत्री अति शत्रु। योग: केमद्रुमयोगः, शुभकर्तरीयोगः, हर्षयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। शुभकर्तरी सहारा, पापकर्तरी दबाव — दोनों को D1 से पढ़ा गया।

नवांश

D9 लग्न कर्क · सप्तम मकर

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेशफल २४ · पञ्चधा मैत्री · नवांश

विधि

लग्नेश–सप्तमेश मैत्री और D9 सप्तम सामंजस्य की दूसरी परत

संबंध चुनौती

मंगल १/४/७/८/१२ में नहीं — इस परत पर कुज-ध्वज नहीं। सप्तम के क्रूर: राहु। रन्ध्र बलवान (SAV 8) छिपे तनाव, व्यय निर्बल विच्छेद/व्यय पक्ष। पाप ग्रह दबाव बढ़ाते हैं, विवाह का निषेध नहीं लिखते।

फलदीपिका · फलदीपिका १० मांगलिक · BPHS रन्ध्र/व्यय · कुज १/४/७/८/१२ ध्वज; पूर्ण भंग /v1/vedic/dosha/manglik

फल

मंगल १/४/७/८/१२ में नहीं — इस परत पर कुज-ध्वज नहीं। सप्तम के क्रूर: राहु। रन्ध्र बलवान (SAV 8) छिपे तनाव, व्यय निर्बल विच्छेद/व्यय पक्ष। पाप ग्रह दबाव बढ़ाते हैं, विवाह का निषेध नहीं लिखते।

ग्रन्थ

फलदीपिका

अध्याय

फलदीपिका १० मांगलिक · BPHS रन्ध्र/व्यय

विधि

कुज १/४/७/८/१२ ध्वज; पूर्ण भंग /v1/vedic/dosha/manglik

तंत्र कुल ज्योतिषम्

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध कलत्र-भावों 2, 12 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · शुक्र/गुरु दशा · सप्तमेश, शुक्र या गुरु की अवधि कलत्र जगाती है — तिथि नहीं

फल

वर्तमान बुध–बुध कलत्र-भावों 2, 12 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · शुक्र/गुरु दशा

विधि

सप्तमेश, शुक्र या गुरु की अवधि कलत्र जगाती है — तिथि नहीं

विवाह-समय

कलत्र-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–केतु (2032-07-04–2032-11-30) · केतु–सूर्य (2034-01-31–2034-06-07) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) — तिथि नहीं, दशा-सहारा। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · शुक्र/गुरु दशा · सप्तमेश, शुक्र या गुरु की अवधि कलत्र जगाती है — तिथि नहीं

फल

कलत्र-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–केतु (2032-07-04–2032-11-30) · केतु–सूर्य (2034-01-31–2034-06-07) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) — तिथि नहीं, दशा-सहारा। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · शुक्र/गुरु दशा

विधि

सप्तमेश, शुक्र या गुरु की अवधि कलत्र जगाती है — तिथि नहीं

तंत्रकुल ज्योतिषम्

कलत्र योग

केमद्रुमयोगः · शुभकर्तरीयोगः · हर्षयोगः · सरलयोगः · नीचभङ्गराजयोगः

सप्तमेश शनि षड्बल प्रबल। शुक्र पर्याप्त · गुरु पर्याप्त

कलत्र-समय (७ / ५ / २ / ८ / १२)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–बुध	2026-08-22 – 2027-06-21	दुर्बल	2, 12
बुध–केतु	2027-06-21 – 2027-10-24	तनाव	7, 2, 12

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–शुक्र	2027-10-24 – 2028-10-16	दुर्बल	2, 8, 12
बुध–सूर्य	2028-10-16 – 2029-01-31	बलवान	7, 2, 12
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	12, 2
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	2, 5, 12
बुध–राहु	2029-12-01 – 2030-10-18	तनाव	7, 2, 12
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	5, 8, 12, 2
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	7, 8, 2, 5, 12
केतु–केतु	2032-07-04 – 2032-11-30	बलवान	7
केतु–शुक्र	2032-11-30 – 2034-01-31	दुर्बल	2, 8, 7
केतु–सूर्य	2034-01-31 – 2034-06-07	बलवान	7
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	12, 7
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	2, 5, 7
केतु–राहु	2035-06-05 – 2036-06-22	बलवान	7
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	5, 8, 12, 7

तनकुलज्योतिषम्

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Yuvati / Kalatra-bhāva (7th) is spouse and partnership. Read the bhāva, its lord, occupants, and the kāraka — not a stock sentence about 'early marriage'.
>
> BPHS Yuvati-bhāva (often printed as ch. 18; English paraphrase)

> Sthira kārakas: Venus is the usual kalatra-kāraka; Jupiter is read as the husband-kāraka in a female chart. Both are judged with the 7th lord, not instead of him.
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

> Bhāveśaphala: the 7th lord's dignity and the house he occupies show where partnership ripens. Ucca / own / kendra supports harmony; nīca or dusthāna strains it.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase)

> Navāṃśa (D9) confirms the 7th: the D9 Lagna and its 7th sign are a second reading of spouse, not a cancellation of D1.

BPHS varga / navāṃśa method (English paraphrase)

Phaladeepika 10 treats Kuja in 1/4/7/8/12 as a marriage-strain yoga, with printed bhaṅga. This report only flags the house; the full Kuja module is /v1/vedic/dosha/manglik.

Phaladeepika 10 Māṅgalika (cross-check; do not invent extra slokas)

The daśā of the 7th lord, Venus, or Jupiter can activate marriage-themes. Timing is a window of support, not a wedding date.

BPHS daśā of bhāva-lords (English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

स्वास्थ्य

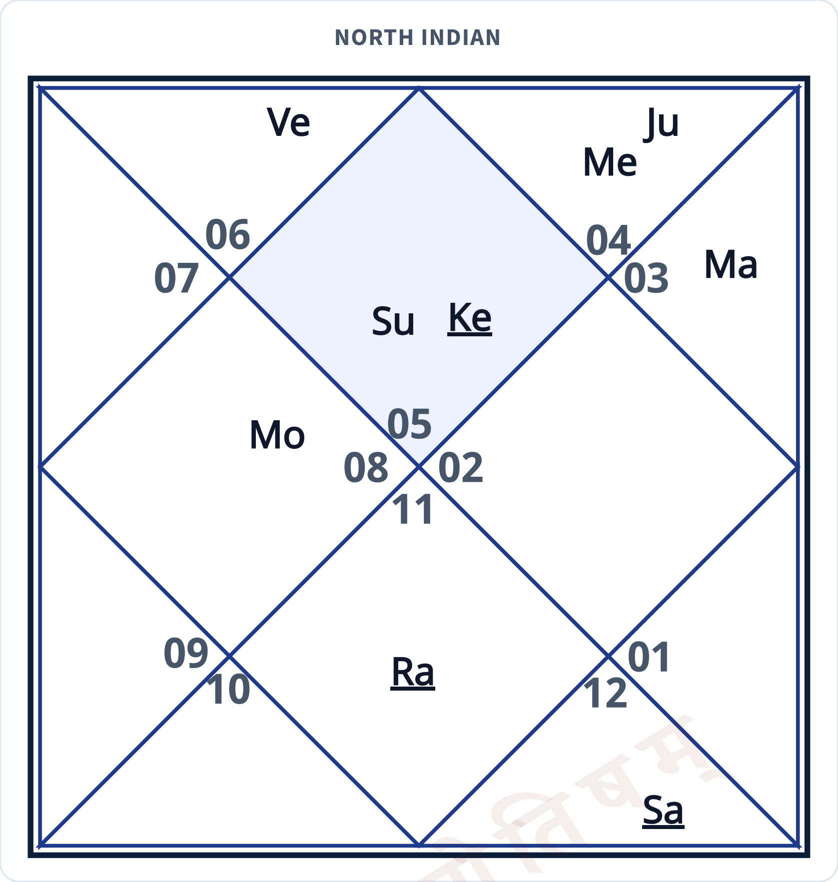

स्वास्थ्य / देह रिपोर्ट

लग्न **सिंह** मिश्र	लग्नेश **सूर्य** भाव 1 · मूलत्रिकोण
षष्ठेश **शनि** अरि / रोग	दशा **बुध–बुध** महा / अन्तर

तंत्रकुलज्योतिषम्

देह-प्रकृति

लग्न सिंह (स्थिर — दृढ़ / दीर्घ प्रवृत्ति)। तत्त्व अग्नि — ऊष्ण / तेज। लग्नेश सूर्य भाव 1 में, मूलत्रिकोण (षड्बल पर्याप्त)। स्वभाव-संकेत: तेजस्वी, ऊष्ण, नेतृत्व-देह। तनु SAV क्रम 10। यह देह-प्रकृति है, चिकित्सकीय निदान नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · तनुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १२) · लग्न + लग्नेश + सूर्य — प्रकृति, निदान नहीं

फल

लग्न सिंह (स्थिर — दृढ़ / दीर्घ प्रवृत्ति)। तत्त्व अग्नि — ऊष्ण / तेज। लग्नेश सूर्य भाव 1 में, मूलत्रिकोण (षड्बल पर्याप्त)। स्वभाव-संकेत: तेजस्वी, ऊष्ण, नेतृत्व-देह। तनु SAV क्रम 10। यह देह-प्रकृति है, चिकित्सकीय निदान नहीं।

लग्नेश

सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण · SAV 23

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

तनुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १२)

विधि

लग्न + लग्नेश + सूर्य — प्रकृति, निदान नहीं

तेज और कारक

सूर्य भाव 1 (षड्बल पर्याप्त) तेज; चन्द्र भाव 4 (षड्बल दुर्बल) द्रव/मन; मंगल भाव 11 (षड्बल सीमांत) रक्त/ऊष्मा; शनि भाव 8 (षड्बल प्रबल) दीर्घ भार। लग्न में ग्रह: सूर्य, केतु। कारक सहारा है, रोग-नाम नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कारकत्व ३२ · भावेशफल २४ · सूर्य तेज, चन्द्र द्रव/मन, मंगल रक्त, शनि दीर्घ भार

फल

सूर्य भाव 1 (षड्बल पर्याप्त) तेज; चन्द्र भाव 4 (षड्बल दुर्बल) द्रव/मन; मंगल भाव 11 (षड्बल सीमांत) रक्त/ऊष्मा; शनि भाव 8 (षड्बल प्रबल) दीर्घ भार। लग्न में ग्रह: सूर्य, केतु। कारक सहारा है, रोग-नाम नहीं।

तत्त्व

अग्नि — ऊष्ण / तेज

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

कारकत्व ३२ · भावेशफल २४

विधि

सूर्य तेज, चन्द्र द्रव/मन, मंगल रक्त, शनि दीर्घ भार

तंत्रकुलज्योतिषम्

संवेदनशील क्षेत्र

षष्ठ भाव मिश्र (अंक 63), SAV क्रम 3। षष्ठेश शनि भाव 8 में। षष्ठ में ग्रह: रिक्त। संवेदनशील संकेत: शिर और समग्र देह, नाभि, आन्त्र-पक्ष, गुह्य / दीर्घ-छिपा पक्ष। यह क्षेत्र-ध्वज है, बीमारी का नाम नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · अरि/रोगभाव (प्रचलित recension में ~अ. १७) · षष्ठ + षष्ठेश संवेदनशील क्षेत्र — रोग-नाम नहीं

फल

षष्ठ भाव मिश्र (अंक 63), SAV क्रम 3। षष्ठेश शनि भाव 8 में। षष्ठ में ग्रह: रिक्त। संवेदनशील संकेत: शिर और समग्र देह, नाभि, आन्त्र-पक्ष, गुह्य / दीर्घ-छिपा पक्ष। यह क्षेत्र-ध्वज है, बीमारी का नाम नहीं।

षष्ठेश

शनि · भाव 8

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

अरि/रोगभाव (प्रचलित recension में ~अ. १७)

विधि

षष्ठ + षष्ठेश संवेदनशील क्षेत्र — रोग-नाम नहीं

दीर्घ / छिपा तनाव

रन्ध्र बलवान (SAV 8); रन्ध्रेश बृहस्पति भाव 12 में। लग्न के क्रूर: सूर्य, केतु; षष्ठ के क्रूर: नहीं; रन्ध्र के क्रूर: शनि। योग: केमद्रुमयोगः, उभयाचारीयोगः, हर्षयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः (हर्ष/सरल/विमल दुःस्थान-भंग जाँच)। आयु-काल आयुर्दाय में — यहाँ काल-तिथि नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · रन्ध्रभाव ~अ. १९ · फलदीपिका रोग/दुःस्थान · आठवाँ दीर्घ/छिपा तनाव; आयु-काल आयुर्दाय में

फल

रन्ध्र बलवान (SAV 8); रन्ध्रेश बृहस्पति भाव 12 में। लग्न के क्रूर: सूर्य, केतु; षष्ठ के क्रूर: नहीं; रन्ध्र के क्रूर: शनि। योग: केमद्रुमयोगः, उभयाचारीयोगः, हर्षयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः (हर्ष/सरल/विमल दुःस्थान-भंग जाँच)। आयु-काल आयुर्दाय में — यहाँ काल-तिथि नहीं।

आयुर्दाय

आयुर्दाय

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

रन्ध्रभाव ~अ. १९ · फलदीपिका रोग/दुःस्थान

विधि

आठवाँ दीर्घ/छिपा तनाव; आयु-काल आयुर्दाय में

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध तनु/अरि/रन्ध्र 6 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · तनु/अरि/रन्ध्र · लग्नेश, षष्ठेश या रन्ध्रेश की अवधि देह जगाती है — रोग-तिथि नहीं

फल

वर्तमान बुध–बुध तनु/अरि/रन्ध्र 6 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · तनु/अरि/रन्ध्र

विधि

लग्नेश, षष्ठेश या रन्ध्रेश की अवधि देह जगाती है — रोग-तिथि नहीं

देह-समय

देह-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–केतु (2032-07-04–2032-11-30) · केतु–सूर्य (2034-01-31–2034-06-07) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) — सहारा, रोग-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · तनु/अरि/रन्ध्र · लग्नेश, षष्ठेश या रन्ध्रेश की अवधि देह जगाती है — रोग-तिथि नहीं

फल

देह-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–केतु (2032-07-04–2032-11-30) · केतु–सूर्य (2034-01-31–2034-06-07) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) — सहारा, रोग-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · तनु/अरि/रन्ध्र

विधि

लग्नेश, षष्ठेश या रन्ध्रेश की अवधि देह जगाती है — रोग-तिथि नहीं

तंत्रकुल ज्योतिषम्

देह योग

केमद्रुमयोगः · उभयाचारीयोगः · हर्षयोगः · सरलयोगः · नीचभङ्गराजयोगः

लग्नेश सूर्य षड्बल पर्याप्त। सूर्य पर्याप्त · चन्द्र दुर्बल · मंगल सीमांत · शनि प्रबल

देह-समय (१ / ६ / ८)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–बुध	2026-08-22 – 2027-06-21	दुर्बल	6

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–केतु	2027-06-21 – 2027-10-24	तनाव	1, 6
बुध–शुक्र	2027-10-24 – 2028-10-16	दुर्बल	8, 6
बुध–सूर्य	2028-10-16 – 2029-01-31	बलवान	1, 6
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	6
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	6
बुध–राहु	2029-12-01 – 2030-10-18	तनाव	1, 6
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	8, 6
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	6, 8
केतु–केतु	2032-07-04 – 2032-11-30	बलवान	1
केतु–शुक्र	2032-11-30 – 2034-01-31	दुर्बल	8, 1
केतु–सूर्य	2034-01-31 – 2034-06-07	बलवान	1
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	1
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	6, 1
केतु–राहु	2035-06-05 – 2036-06-22	बलवान	1
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	8, 6, 1

तत्कालज्योतिषम्

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Tanu-bhāva (1st) is the body, vitality, and appearance. Read the bhāva, its lord, occupants, and the Sun as deha-kāraka. This is constitution and support — not a medical diagnosis.
>
> BPHS Tanu-bhāva (often printed as ch. 12; English paraphrase)

> Ari / Roga-bhāva (6th) is disease, debt, and opponents. The 6th lord and occupants mark sensitive zones. A strong 6th as upachaya can also show fighting capacity — not a named illness.
>
> BPHS Ari-bhāva (often printed as ch. 17; English paraphrase)

> Randhra (8th) is the hidden, chronic, and longevity-strain layer. It is not a death date. Span selection stays in Āyurdāya.
>
> BPHS Randhra-bhāva (often printed as ch. 19; English paraphrase)

> Bhāveśaphala: the Lagna lord’s dignity and house show where the body ripens. Ucca / own / kendra supports vitality; nīca or dusthāna strains it.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase)

> Sthira kārakas: Sun — vitality; Moon — fluids and mind; Mars — blood and heat; Saturn — joints, delay, and chronic load.
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

> Phaladeepika roga chapters treat dusthāna lords and malefic occupation as strain yogas. Harsha / Sarala / Vimala are cancellation checks, not extra invented slokas.
>
> Phaladeepika roga / dusthāna yoga (English paraphrase of the method)

तंत्रकुलज्योतिषम्

शिक्षा

NORTH INDIAN

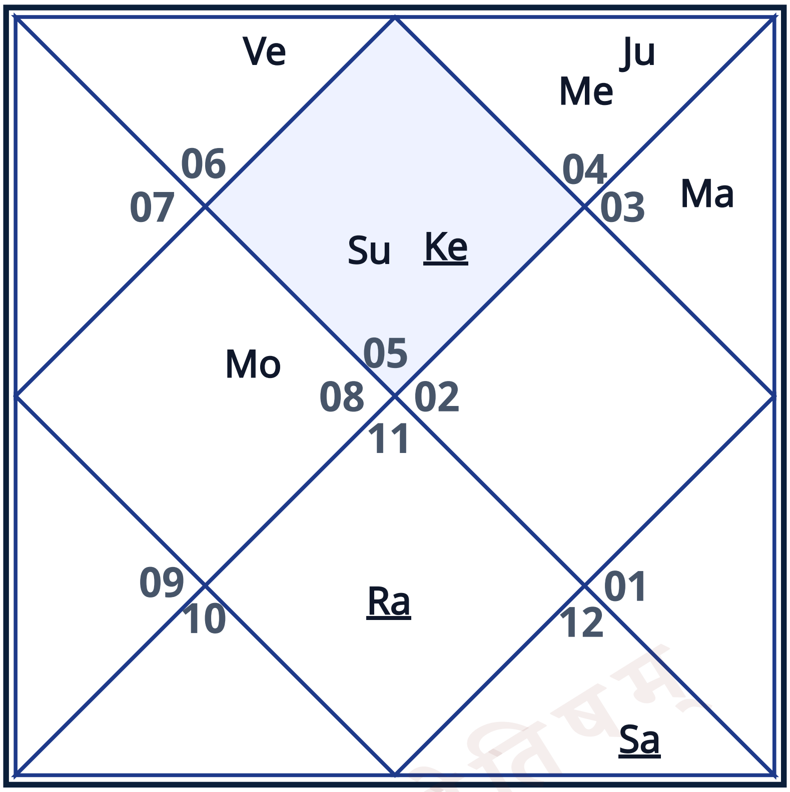

शिक्षा / विद्या रिपोर्ट

लग्न
सिंह
मिश्र

पञ्चमेश
बृहस्पति
भाव 12 · उच्च

धर्मेश
मंगल
नवम / गुरु

दशा
बुध–बुध
महा / अन्तर

तंत्रकुलज्योतिषम्

बुद्धि / पञ्चम

पञ्चम भाव मिश्र (अंक 51), SAV क्रम 7। पञ्चमेश बृहस्पति भाव 12 में, उच्च (षड्बल पर्याप्त)। पञ्चम में ग्रह: रिक्त। यह बुद्धि-समर्थन है, परीक्षा का फल नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · पुत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १६) · पञ्चम + पञ्चमेश + गुरु — बुद्धि, परीक्षा-फल नहीं

फल
पञ्चम भाव मिश्र (अंक 51), SAV क्रम 7। पञ्चमेश बृहस्पति भाव 12 में, उच्च (षड्बल पर्याप्त)। पञ्चम में ग्रह: रिक्त। यह बुद्धि-समर्थन है, परीक्षा का फल नहीं।

पञ्चमेश
बृहस्पति · भाव 12 · उच्च · SAV 28

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
पुत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १६)

विधि
पञ्चम + पञ्चमेश + गुरु — बुद्धि, परीक्षा-फल नहीं

अधिगम-शैली

अधिगम-शैली पञ्चमेश बृहस्पति से: गुरु-परम्परा, अर्थ-ग्रहण, विस्तार। बुध भाव 12 (षड्बल सीमांत) तर्क/वाक्; गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त) अर्थ/शास्त्र। योग: शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः। यह प्रवृत्ति है, बुद्धि-अंक नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · कारकत्व ३२ · भावेशफल २४ · बुध तर्क/वाक्, गुरु अर्थ; पञ्चमेश से अधिगम-शैली — प्रवृत्ति

फल
अधिगम-शैली पञ्चमेश बृहस्पति से: गुरु-परम्परा, अर्थ-ग्रहण, विस्तार। बुध भाव 12 (षड्बल सीमांत) तर्क/वाक्; गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त) अर्थ/शास्त्र। योग: शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः। यह प्रवृत्ति है, बुद्धि-अंक नहीं।

अधिगम
गुरु-परम्परा, अर्थ-ग्रहण, विस्तार

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
कारकत्व ३२ · भावेशफल २४

विधि
बुध तर्क/वाक्, गुरु अर्थ; पञ्चमेश से अधिगम-शैली — प्रवृत्ति

तंत्रकुलज्योतिषम्

बुनियादी शिक्षा

चतुर्थ भाव बलवान (SAV 5) बुनियादी पाठ और मनःसुख। बन्धुेश मंगल भाव 11 में, अरि। यह नींव है, कक्षा-फल नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · बन्धुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १५) · चतुर्थ बुनियादी पाठ और मनःसुख — डिग्री नहीं

फल

चतुर्थ भाव बलवान (SAV 5) बुनियादी पाठ और मनःसुख। बन्धुेश मंगल भाव 11 में, अरि। यह नींव है, कक्षा-फल नहीं।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

बन्धुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १५)

विधि

चतुर्थ बुनियादी पाठ और मनःसुख — डिग्री नहीं

उच्च विद्या

नवम भाव मिश्र (SAV 3) उच्च विद्या और गुरु। धर्मेश मंगल भाव 11 में, अरि। विषय-संकेत: शास्त्र, विधि, अध्यापन, दर्शन, गणित, अभियन्त्रण, सैन्य-विद्या, भाषा, गणना, वाणिज्य, तर्क। क्षमता है, नामित उपाधि नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · धर्म/भाग्यभाव (प्रचलित recension में ~अ. २०) · नवम उच्च विद्या और गुरु — क्षमता, नामित उपाधि नहीं

फल

नवम भाव मिश्र (SAV 3) उच्च विद्या और गुरु। धर्मेश मंगल भाव 11 में, अरि। विषय-संकेत: शास्त्र, विधि, अध्यापन, दर्शन, गणित, अभियन्त्रण, सैन्य-विद्या, भाषा, गणना, वाणिज्य, तर्क। क्षमता है, नामित उपाधि नहीं।

धर्मेश

मंगल · भाव 11

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

धर्म/भाग्यभाव (प्रचलित recension में ~अ. २०)

विधि

नवम उच्च विद्या और गुरु — क्षमता, नामित उपाधि नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध इस क्षितिज में पञ्चम/नवम को सीधे नहीं जगाती। मूल वचन जन्म-पञ्चम में रहता है।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · बुध/गुरु दशा · पञ्चमेश, धर्मेश, बुध या गुरु की अवधि विद्या जगाती है — फल-तिथि नहीं

फल
वर्तमान बुध–बुध इस क्षितिज में पञ्चम/नवम को सीधे नहीं जगाती। मूल वचन जन्म-पञ्चम में रहता है।

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
भावेश-दशा · बुध/गुरु दशा

विधि
पञ्चमेश, धर्मेश, बुध या गुरु की अवधि विद्या जगाती है — फल-तिथि नहीं

विद्या-समय

विद्या-समर्थ खिड़कियाँ: केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29) — सहारा, परीक्षा-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–चन्द्र · बुध–मंगल · बुध–बृहस्पति।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · बुध/गुरु दशा · पञ्चमेश, धर्मेश, बुध या गुरु की अवधि विद्या जगाती है — फल-तिथि नहीं

फल
विद्या-समर्थ खिड़कियाँ: केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29) — सहारा, परीक्षा-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–चन्द्र · बुध–मंगल · बुध–बृहस्पति।

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
भावेश-दशा · बुध/गुरु दशा

विधि
पञ्चमेश, धर्मेश, बुध या गुरु की अवधि विद्या जगाती है — फल-तिथि नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

विद्या योग

शुभकर्तरीयोगः सरलयोगः

पञ्चमेश बृहस्पति षड्बल पर्याप्त। बुध सीमांत · गुरु पर्याप्त

विद्या-समय (४ / ५ / ९)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	4
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	4, 9, 5
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	5, 4
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	5
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	4
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	4, 9, 5

दशा	अवधि	बल	भाव
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	5, 4

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Putra-bhāva (5th) is intellect, mantra, and the fruit of learning. Read the bhāva, its lord, occupants, and Jupiter as vidyā-kāraka — not a stock exam result.
>
> BPHS Putra-bhāva (often printed as ch. 16; English paraphrase)

> Bandhu (4th) is basic schooling, comfort of mind, and the home that holds study. A supported 4th eases early learning; dusthāna or nīca strains the foundation.
>
> BPHS Bandhu-bhāva (often printed as ch. 15; English paraphrase)

> Dharma / Bhāgya (9th) is higher study, guru, and long vidyā. The 9th lord and Jupiter show where higher learning ripens — a capacity, not a named degree.
>
> BPHS Dharma-bhāva (often printed as ch. 20; English paraphrase)

> Bhāveśaphala: the 4th, 5th, and 9th lords’ dignity and house show where learning ripens. Ucca / own / kendra or trikoṇa supports study; nīca or dusthāna strains it.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase)

> Sthira kārakas: Mercury is speech, logic, and livelihood-learning; Jupiter is śāstra, guru, and wisdom. Both are judged with the 5th and 9th lords, not instead of them.
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

> Phaladeepika yoga chapters treat Bhadra, Hamsa, Budha-Āditya, and Gaja-kesari as vidyā-support when those grahas are strong — a cross-check, not a second verse-database.
>
> Phaladeepika yoga / vidyā (English paraphrase of the method)

तंत्रकुलज्योतिषम्

रत्न निर्णय

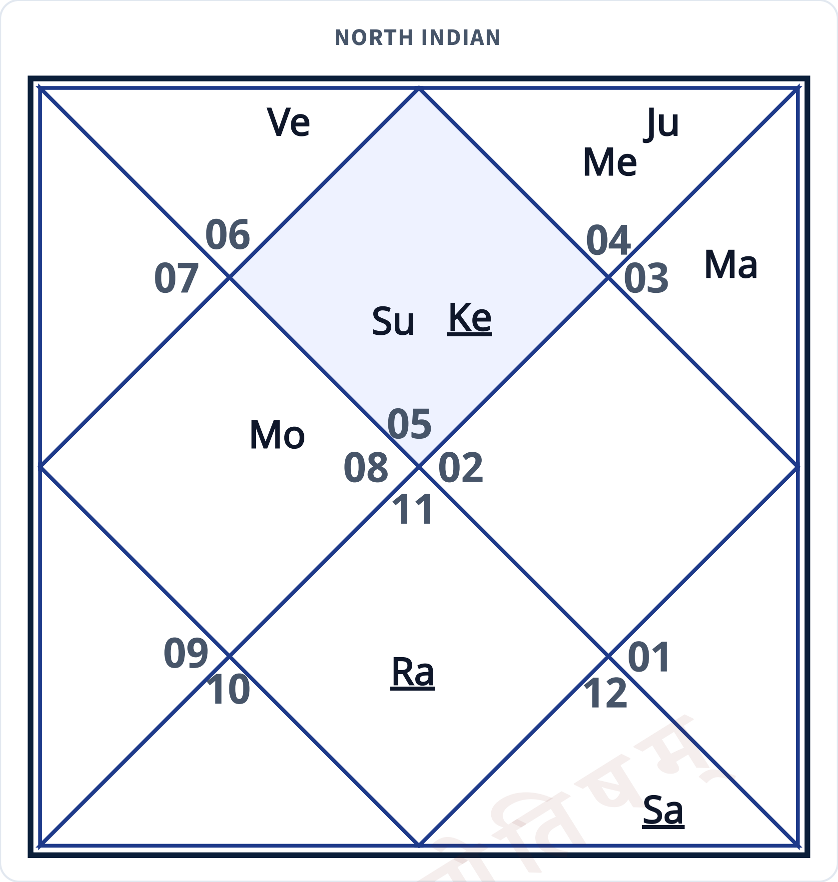

तंत्रकुलज्योतिषम्

रत्न निर्णय

लग्न **सिंह** धारण योग्य	लग्नेश **सूर्य** तनु / जीवन-रत्न
प्रथम रत्न **मूंगा** मंगल · धारण	योगकारक **मंगल (4,9)** BPHS ३४.१३

फलदीपिका २.२९ ग्रह-रत्न जोड़ती है। बृहत्पाराशर ३४ कहता है कौन योगकारक या कार्यात्मक शुभ है। बृहत्पाराशर ग्रहशान्ति (अ. ८४) मन्त्र-होम-दान है, धारण-क्रम नहीं। यह इंजन दुर्बल कार्यात्मक शुभ को पुष्ट करता है; केवल ६/८/१२ स्वामी को नहीं। रत्न-गुण, मुहूर्त और मन्त्र यहाँ नहीं। यह चिकित्सा या वित्त-उपदेश नहीं।

ग्रह → रत्न (फलदीपिका २.२९ + BPHS ३४)

माणिक्य / माणिक
वैकल्पिक
सूर्य · भाव 1 · मूलत्रिकोण · कार्यात्मक शुभ
लग्नेश पहले से बलवान — रत्न अनिवार्य नहीं, वैकल्पिक सहारा।

मोती
वर्ज्य
चन्द्र · भाव 4 · नीच · कार्यात्मक पाप
केवल ६/८/१२ स्वामी — BPHS ३४.६ के अनुसार पुष्ट नहीं करते।

मूंगा
धारण

मंगल · भाव 11 · अरि · योगकारक

योगकारक दुर्बल/नीच/अस्त/दुःस्थान — फलदीपिका रत्न से पुष्टि।

पन्ना
वर्ज्य

बुध · भाव 12 · अरि · कार्यात्मक पाप

कार्यात्मक पाप (त्रिषडाय / रन्ध्र-प्रधान) — रत्न वर्ज्य।

पुखराज
धारण

बृहस्पति · भाव 12 · उच्च · कार्यात्मक शुभ

कार्यात्मक शुभ दुर्बल/नीच/अस्त/दुःस्थान — फलदीपिका रत्न से पुष्टि।

हीरा
वर्ज्य

शुक्र · भाव 2 · नीच · कार्यात्मक पाप

कार्यात्मक पाप (त्रिषडाय / रन्ध्र-प्रधान) — रत्न वर्ज्य।

नीलम
वर्ज्य

शनि · भाव 8 · सम · कार्यात्मक पाप

कार्यात्मक पाप (त्रिषडाय / रन्ध्र-प्रधान) — रत्न वर्ज्य।

गोमेद
सावधानी

राहु · भाव 7 · सम · छाया-ग्रह

छाया-ग्रह का रत्न केवल विशेष योग में। सामान्यतः न पहनें।

लहसुनिया
सावधानी

केतु · भाव 1 · सम · छाया-ग्रह

छाया-ग्रह का रत्न केवल विशेष योग में। सामान्यतः न पहनें।

तन्त्रकुलज्योतिषम्

शास्त्र — फलदीपिका · बृहत्पाराशर

> माणिक्यं तरणेः सुधार्यममलं मुक्ताफलं शीतगोर्माहेयस्य च विद्रुमं मरकतं सौम्यस्य गारुत्मतम् । देवेज्यस्य च पुष्परागमसुरामात्यस्य वज्रं शनेर्नीलं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेधवैदूर्यके ॥
>
> Ruby is the Sun’s gem; a spotless pearl the Moon’s; coral Mars’s; emerald (gārutmata) Mercury’s; yellow sapphire Jupiter’s; diamond Venus’s; stainless sapphire Saturn’s; gomedha and vaidūrya the remaining two (Rāhu and Ketu).
>
> Phaladeepika 2.29 (graha-bheda; siva.sh / Mantreśvara)

> केन्द्राधिपतयः सौम्या ना दिशन्ति शुभं फलम् । क्रूरा नैवाऽशुभं कुर्युः शुभदाश्च त्रिकोणपाः ॥
>
> Benefics who own kendras do not give purely benefic fruit. Malefics who own kendras do not remain inauspicious. Lords of trikoṇa (1/5/9) give good results.
>
> BPHS Yogakāraka 34.2 (siva.sh numbering; editions vary)

> कोणेशत्वे यदैकस्य केन्द्रेशत्वं च जायते । केन्द्रे कोणे स्थितो वाऽसौ विशेषाद्योगकारकः ॥
>
> When the same graha owns a koṇa and a kendra, he is especially yogakāraka. Occupying kendra or koṇa supports that role.
>
> BPHS Yogakāraka 34.13

> तत्र भाग्यव्ययेशत्वाद्रन्ध्रेशो न शुभप्रदः । त्रिमदायाधिपत्वेऽथो कोणपत्वे तु सत्फलः ॥
>
> The 8th lord is not benefic when he also owns 9 or 12. With 3/7/11 he is harsher; with a koṇa he can give good fruit. This is why an exclusive dusthāna lord is not strengthened.

BPHS Yogakāraka 34.6

BPHS Tanu-bhāva reads the Lagna and the lagneśa first. A weak lagneśa strains the body-field; supporting him is the usual first ratna when he is not an exclusive dusthāna lord.

BPHS Tanu-bhāva (often printed as ch. 12; English paraphrase)

BPHS Graha-śānti pacifies a malevolent graha by mantra, homa, and dāna. It is not a shop-list of which gem to wear. Wearing follows Phaladeepika 2.29 plus BPHS 34 lordship.

BPHS Graha-śānti (often printed as ch. 84; English paraphrase)

Jātaka-pārijāta Grahasvarūpa (often 2.21) repeats the same graha–ratna list. Printed recensions differ slightly from Phaladeepika 2.29; this engine uses Mantreśvara's wording.

Jātaka-pārijāta 2.21 (cross-check; English note)

तंत्रकुलज्योतिषम्

अरिष्ट खण्ड

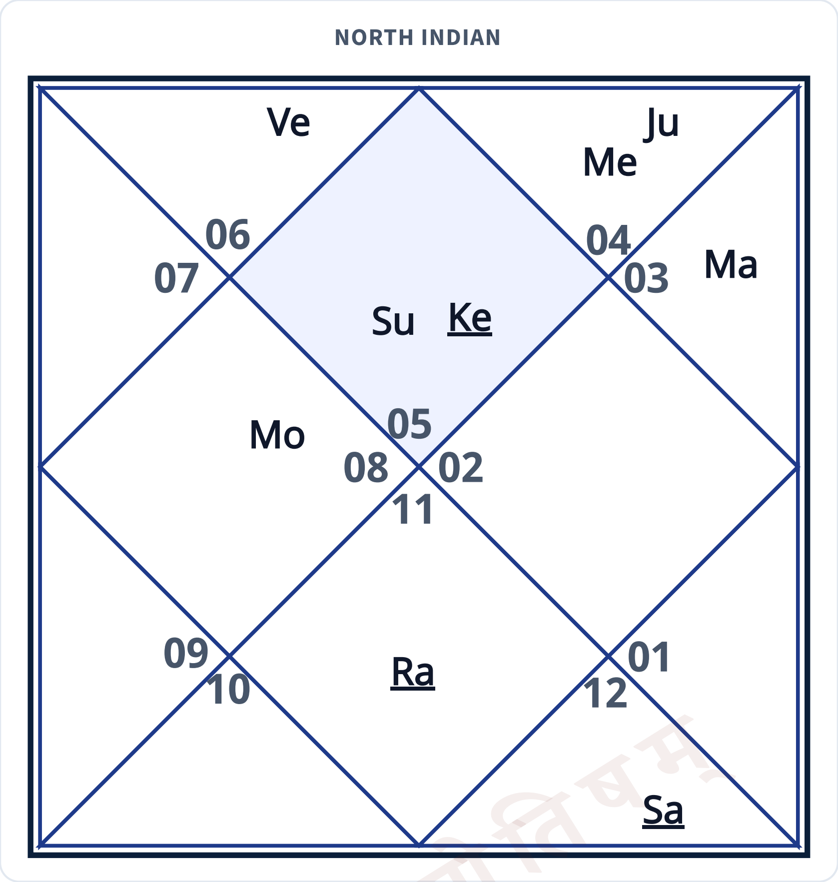

तंत्रकुलज्योतिषम्

अरिष्ट खण्ड

लग्न
सिंह
चन्द्र-संकेत

भंग
हाँ
BPHS १०.१–४

दशा
बुध–बुध
संवेदन

कुण्डली
राशि + चन्द्र
नवांश कुण्डली, त्रिंशांश कुण्डली, षष्ट्यांश कुण्डली

बृहत्पाराशर अरिष्ट (अ. ९) योग दिखाता है; अरिष्टभंग (अ. १०) पहले देखें। २४ वर्ष तक आयुर्दाय न गिनें (९.२)। मारक दशा ४४.२/४४.५ से संवेदनशील काल है, मृत्यु-तिथि नहीं। उपाय ग्रहशान्ति (अ. ८४) — मन्त्र-होम-दान। त्रिंशांश दोष के लिए, षष्ट्यांश सब फल के लिए, नवांश पुष्टि के लिए।

जन्मारिष्ट योग

चन्द्र-कुण्डली · मंगल दुःस्थान
मृदु · bphs-9-3
चन्द्र-लग्न से मंगल भाव 8 में — चन्द्र-अरिष्ट वातावरण, मृत्यु नहीं।

अरिष्ट भंग (BPHS १०)

बुध/गुरु/शुक्र केन्द्र
लागू नहीं

केन्द्र में ज्ञ/जीव/शुक्र नहीं।

बलवान् गुरु लग्न
लागू नहीं

गुरु लग्न+बल की शर्त पूरी नहीं (भाव 12, उच्च)।

बलवान् लग्नेश केन्द्र
लागू

सूर्य लग्नेश केन्द्र भाव 1 में बलवान — अरिष्टं निखिलं हन्ति।

संवेदनशील काल

जन्मारिष्ट २४ वर्ष तक — उसके पहले आयुर्दाय न गिनें (९.२)। Daśā marks a sensitive field. BPHS 44.5: fix the yoga-span in Āyurdāya first. Not a date of death.

स्वामी	भूमिका	अवधि	—
बुध	मारक/आयु-संवेदन	2026-08-22 – 2032-07-04	वर्तमान
बृहस्पति	मारक/आयु-संवेदन	2100-07-05 – 2116-07-05	—
शनि	मारक/आयु-संवेदन	2116-07-05 – 2135-07-05	—

तंत्रकुलज्योतिषम्

उपाय — ग्रहशान्ति

भंग पहले
सभी जन्मारिष्ट योग

BPHS १०.१–४ लागू है — रिष्ट-अरिष्ट कहने से पहले भंग देखा। अतिरिक्त शान्ति अनिवार्य नहीं; गुरु-सम्मति से ग्रहशान्ति वैकल्पिक।

BPHS Arishta-bhaṅga 10.1–4

मंगल शान्ति
चन्द्र-कुण्डली · मंगल दुःस्थान

मंगल इस योग का क्रूर पक्ष है। बृहत्पाराशर ग्रहशान्ति — उस ग्रह का मन्त्र, होम और दान। रत्न-खण्ड अलग है; यह चिकित्सा नहीं।

BPHS Graha-śānti (often ch. 84)

शास्त्र — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> चतुर्विंशतिवर्षाणि यावद् गच्छन्ति जन्मतः। जन्मारिष्टं तु तावत् स्यादायुर्दायं न चिन्तयेत्॥
>
> Janma-ariṣṭa lasts until the 24th year. Do not settle āyurdāya before that. This engine flags the window; it does not date a death.
>
> BPHS Arishta 9.2 (siva.sh; some prints आयुर्दायं)

> षष्ठाष्टरिष्फगश्चन्द्रः क्रूरैः खेटैश्च वीक्षितः। जातस्य मृत्युदः सद्यस्त्वष्टभिः शुभक्षितः॥
>
> Moon in the 6th, 8th, or 12th and aspected by a malefic: a severe janma-ariṣṭa. A benefic aspect softens it (printed ‘up to eight’). The sloka’s mṛtyu-word is not a calendar date.
>
> BPHS Arishta 9.3 (siva.sh)

> इत्यरिष्टं मया प्रोक्तं तद्भङ्गश्चापि कथ्यते। यत् समालोक्य जातानां रिष्टारिष्टं वदेद्बुधः॥

Having stated the ariṣṭas, their bhaṅga is now told. The wise speak of riṣṭa or a-riṣṭa only after seeing both.

BPHS Arishta-bhaṅga 10.1 (siva.sh)

एकोऽपि ज्ञार्यशुक्राणां लग्नात् केन्द्रगतो यदि। अरिष्टं निखिलं हन्ति तिमिरं भास्करो यथा॥

Even one among Mercury, Jupiter, and Venus in a kendra from Lagna destroys all ariṣṭa, as the Sun destroys darkness.

BPHS Arishta-bhaṅga 10.2

एक एव बली जीवो लग्नस्थो रिष्टसंचयम्। हन्ति पापक्षयं भक्त्या प्रणाम इव शूलिनः॥

A single strong Jupiter in Lagna destroys the heap of riṣṭa.

BPHS Arishta-bhaṅga 10.3

एक एव विलग्नेशः केन्द्रसंस्थो बलान्वितः। अरिष्टं निखिलं हन्ति पिनाकी त्रिपुरं यथा॥

A single strong lagneśa in a kendra destroys all ariṣṭa.

BPHS Arishta-bhaṅga 10.4

तृतीयमष्टमस्थानमायुःस्थानां द्वयं द्विज । मारकं तद्व्ययस्थानं द्वितीयं सप्तमं तथा ॥

The 3rd and 8th are the two houses of life. The 12th from each — the 2nd and 7th — are māraka. Sensitive daśā, not a death-date.

BPHS Māraka 44.2 (siva.sh)

अल्पमध्यमपूर्णायुः प्रमाणमिह योगजम् । विज्ञाय प्रथमं पुंसां मारकं परिचिन्तयेत् ॥

Know the yoga-span first (Āyurdāya). Only then consider the māraka.

BPHS Māraka 44.5 (siva.sh)

BPHS Ṣoḍaśavarga: Triṃśāṃśa is read for evils; Ṣaṣṭyāṃśa for all results; Navamsa confirms the rāśi yoga. This khaṇḍa scans D9, D30, and D60 after D1 and the Moon-lagna chart.

BPHS Ṣoḍaśavarga (varga-use; English paraphrase of the printed list)

BPHS Graha-śānti pacifies the afflicting graha by mantra, homa, and dāna. It is not a diagnosis and not a shop list of gems.

BPHS Graha-śānti (often printed as ch. 84; English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

ग्रहशान्ति

NORTH INDIAN

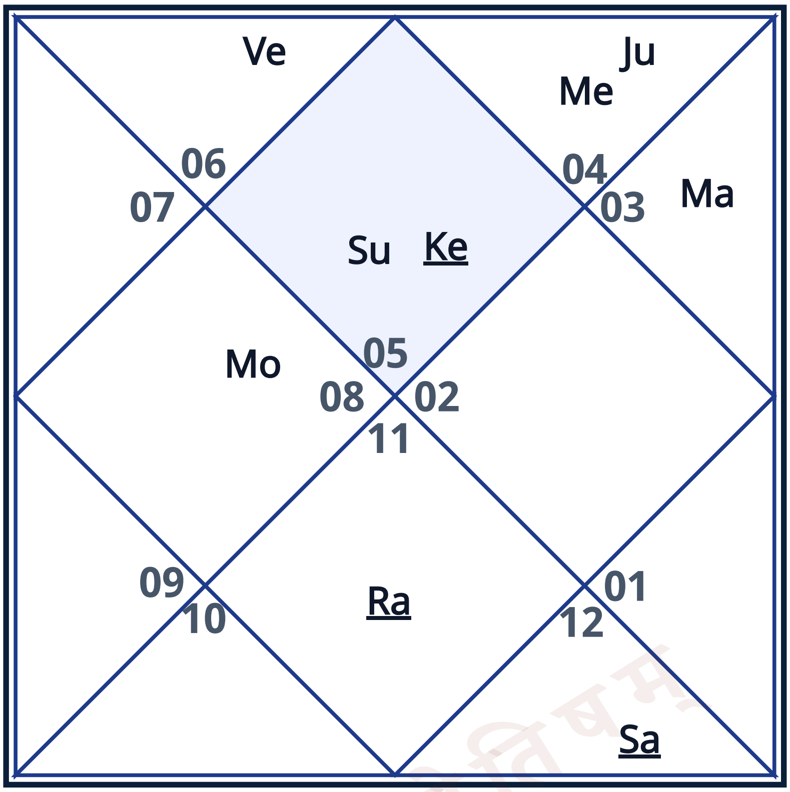

ग्रहशान्ति एवं उपाय

लग्न

सिंह

शान्ति योग्य

दशा

बुध–बुध

चल रही महा–अन्तर

शान्ति आवश्यक

चन्द्र, बुध, शुक्र, शनि

कार्यात्मक पाप / पीड़ित क्रूर

लग्नेश

सूर्य

पुष्टि, शान्ति नहीं

बृहत्पाराशर ३४ तय करता है कौन कार्यात्मक पाप है। ग्रहशान्ति (अ. ८४) उसका मन्त्र-होम-दान है — योगकारक को शान्त नहीं करते। फलदीपिका २.२७–३० देवता, धान्य, धातु, वस्त्र देती है। सारावली ग्रहगुण वही स्वभाव दोहराती है। मानसागरी सरल दान-सेवा पद्धति है। यह चिकित्सा नहीं।

किसकी शान्ति

तंत्रकुलज्योतिषम्

चन्द्र

शान्ति आवश्यक · अम्बा / पार्वती

कार्यात्मक पाप · भाव 4 · नीच · वृश्चिक

चन्द्र भाव 4, नीच · स्वामी 12 · कार्यात्मक पाप (BPHS ३४) · शान्ति: मन्त्र-होम-दान

धान्य तण्डुल (चावल) · वस्त्र श्वेत वस्त्र · सोमवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: अम्बा / पार्वती (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: तण्डुल (चावल) (फलदीपिका २.२८)
- वार: सोमवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: कांस्य · श्वेत वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~11000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ सोमाय नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- सोमवार क्षीर, श्वेत चावल, शक्कर दान
- माता / स्त्री-वृद्ध की सेवा
- श्वेत वस्त्र या कांस्य-पात्र दान
- नाम-जप १०८: ॐ सोमाय नमः (पद्धति)

बुध

शान्ति आवश्यक · विष्णु

कार्यात्मक पाप · भाव 12 · अरि · कर्क

बुध भाव 12, अरि · स्वामी 2/11 · कार्यात्मक पाप (BPHS ३४) · चल रही दशा · शान्ति: मन्त्र-होम-दान

धान्य मुद्ग (मूंग) · वस्त्र हरित वस्त्र · बुधवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: विष्णु (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: मुद्ग (मूंग) (फलदीपिका २.२८)
- वार: बुधवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: त्रपु (सीसा) · हरित वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~9000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ बुधाय नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- बुधवार मूंग / हरित वस्त्र दान
- विद्यार्थी सहायता, सत्य-वचन
- तुलसी / विष्णु-सेवा
- नाम-जप १०८: ॐ बुधाय नमः (पद्धति)

शुक्र

शान्ति आवश्यक · कमला / लक्ष्मी

कार्यात्मक पाप · भाव 2 · नीच · कन्या

शुक्र भाव 2, नीच · स्वामी 3/10 · कार्यात्मक पाप (BPHS ३४) · शान्ति: मन्त्र-होम-दान

धान्य निष्पाव (सेम/लोबिया) · वस्त्र श्वेत वस्त्र · शुक्रवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: कमला / लक्ष्मी (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: निष्पाव (सेम/लोबिया) (फलदीपिका २.२८)
- वार: शुक्रवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: रौप्य · श्वेत वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~16000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ शुक्राय नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- शुक्रवार श्वेत वस्त्र, इक्षु, दही दान
- कला / स्त्री-सम्मान — भोग नहीं, शिष्टता
- गौरी / लक्ष्मी स्मरण
- नाम-जप १०८: ॐ शुक्राय नमः (पद्धति)

शनि

शान्ति आवश्यक · काल / यम

कार्यात्मक पाप · भाव 8 · सम · मीन

शनि भाव 8, सम · स्वामी 6/7 · कार्यात्मक पाप (BPHS ३४) · शान्ति: मन्त्र-होम-दान

धान्य तिल · वस्त्र जीर्ण / कृष्ण वस्त्र · शनिवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: काल / यम (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: तिल (फलदीपिका २.२८)
- वार: शनिवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: अयस (लोह) · जीर्ण / कृष्ण वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~23000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ शनैश्चराय नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- शनिवार तिल, तेल, लोह या जीर्ण वस्त्र दान
- श्रमिक / वृद्ध / विकलांग की सेवा
- कुत्ते को ग्रास — दिखावा नहीं
- नाम-जप १०८: ॐ शनैश्चराय नमः (पद्धति)

तंत्रकुल ज्योतिषम्

वैकल्पिक शान्ति

वैकल्पिक शान्ति नहीं।

पुष्टि / सेवा (शान्ति नहीं)

मंगल

पुष्टि / सेवा · गुह / कार्त्तिकेय

योगकारक · भाव 11 · अरि · मिथुन

मंगल भाव 11, अरि · स्वामी 4/9 · योगकारक — शान्ति नहीं, पुष्टि · दुर्बल शुभ — सेवा/रत्न-खण्ड, शान्ति नहीं

धान्य अढक (अरहर) · वस्त्र अग्निदग्ध / रक्त वस्त्र · मंगलवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: गुह / कार्त्तिकेय (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: अढक (अरहर) (फलदीपिका २.२८)
- वार: मंगलवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: ताम्र-धातु · अग्निदग्ध / रक्त वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~10000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ अङ्गारकाय नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)
- रत्न-निर्णय खण्ड देखें — योगकारक/लग्नेश को शान्त नहीं करते।

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- मंगलवार अरहर / मसूर / गुड़ दान
- भूमि-सेवा, रक्त-वस्त्र दान (अग्निदग्ध वस्त्र — फलदीपिका २.३०)
- हनुमान / कार्त्तिकेय स्मरण — क्रोध नहीं, साहस
- नाम-जप १०८: ॐ अङ्गारकाय नमः (पद्धति)

बृहस्पति

पुष्टि / सेवा · धाता / ब्रह्म

कार्यात्मक शुभ · भाव 12 · उच्च · कर्क

बृहस्पति भाव 12, उच्च · स्वामी 5/8 · दुर्बल शुभ — सेवा/रत्न-खण्ड, शान्ति नहीं

धान्य चणक (चना) · वस्त्र पीत वस्त्र · गुरुवार

शास्त्रीय

- देवता-पूजन: धाता / ब्रह्म (फलदीपिका २.२७)
- धान्य-दान: चणक (चना) (फलदीपिका २.२८)
- वार: गुरुवार (मानसागरी दान-पद्धति; सूत्र नहीं)
- धातु/वस्त्र: स्वर्ण · पीत वस्त्र (फलदीपिका २.३०)
- वैदिक जप ~19000 (BPHS ८४ मुद्रित संख्या; ॐ बृहस्पतये नमः नाम १०८ पद्धति है)
- होम + ब्राह्मण-भोजन (BPHS ग्रहशान्ति)
- रत्न-निर्णय खण्ड देखें — योगकारक/लग्नेश को शान्त नहीं करते।

सरल उपाय (मानसागरी / उत्तर-भारतीय दान-सेवा पद्धति (BPHS सूत्र नहीं))

- गुरुवार चना, पीत वस्त्र, हल्दी दान
- गुरु-सेवा; गो-ग्रास
- विद्या / ब्राह्मण-भोजन यथाशक्ति
- नाम-जप १०८: ॐ बृहस्पतये नमः (पद्धति)

नवग्रह सार

ग्रह	आवश्यकता	भूमिका	देवता	धान्य
सूर्य	आवश्यक नहीं	कार्यात्मक शुभ / भाव 1	रुद्र / शिव	गोधूम (गेहूँ)
चन्द्र	शान्ति आवश्यक	कार्यात्मक पाप / भाव 4	अम्बा / पार्वती	तण्डुल (चावल)
मंगल	पुष्टि / सेवा	योगकारक / भाव 11	गुह / कार्त्तिकेय	अढक (अरहर)
बुध	शान्ति आवश्यक	कार्यात्मक पाप / भाव 12	विष्णु	मुद्ग (मूंग)
बृहस्पति	पुष्टि / सेवा	कार्यात्मक शुभ / भाव 12	धाता / ब्रह्म	चणक (चना)
शुक्र	शान्ति आवश्यक	कार्यात्मक पाप / भाव 2	कमला / लक्ष्मी	निष्पाव (सेम/लोबिया)
शनि	शान्ति आवश्यक	कार्यात्मक पाप / भाव 8	काल / यम	तिल
राहु	आवश्यक नहीं	छाया-ग्रह / भाव 7	अहि / शेष	माष (उड़द)
केतु	आवश्यक नहीं	छाया-ग्रह / भाव 1	अज / ब्रह्म	कुलुत्थ (कुल्थी)

शास्त्र — बृहत्पाराशर · फलदीपिका · सारावली · मानसागरी

> केन्द्राधिपतयः सौम्या ना दिशन्ति शुभं फलम् । क्रूरा नैवाऽशुभं कुर्युः शुभदाश्च त्रिकोणपाः ॥
>
> Benefics owning kendras are not purely benefic. Malefics owning kendras are not purely malefic. Trikoṇa lords give good fruit. Śānti is for a functional pāpa, not for a yogakāraka.

तं त्र कुल ज्योतिषम्

BPHS Yogakāraka 34.2 (siva.sh numbering)

क्षीणेन्द्वर्ककुजाहिकेतुरविजाः पापाः सपापश्च वित् क्लीवाः केतुबुधार्कजाः शशितमःशुक्राः स्त्रियोऽन्ये नराः ।
रुद्राम्बागुहविष्णुधातृकमलाकालाह्यजा देवताः सूर्यादग्निजलाग्निभूमिखपयोवाय्वात्मकाः स्युर्ग्रहाः ॥

Waning Moon, Sun, Mars, Rāhu, Ketu, Saturn are pāpa; Mercury with them is too. Presiding deities from the Sun: Rudra, Ambā, Guha, Viṣṇu, Dhātṛ, Kamalā, Kāla, Ahi, Aja. Worship that deity — not a generic charm.

Phaladeepika 2.27 (graha-bheda; siva.sh)

गोधूमं तण्डुलं वै तिलचणककुलुत्थाढकश्याममुद्गा निष्पावा माष अर्केन्दुसितगुरुशिखिक्रूरविद्भृग्वहीनाम् ।

Grains: Sun wheat, Moon rice, Saturn sesame, Jupiter Bengal gram, Ketu horse-gram, Mars toor/arhar, Mercury green gram, Venus cow-gram, Rāhu black gram. Dāna uses this map.

Phaladeepika 2.28 (first half; siva.sh)

ताम्रं कांस्यं धातुताम्रं त्रपु स्यात् स्वर्णं रौप्यं चायसं भास्करादेः । वस्त्रं तत्तद्वर्णयुक्तं विशेषाज्जीर्णं मन्दस्याग्निदग्धं कुजस्य ॥

Metals from the Sun: copper, bell-metal, copper-ore, lead, gold, silver, iron. Cloth of the graha’s colour; Saturn a rag; Mars a fire-singed cloth.

Phaladeepika 2.30

BPHS Graha-śānti (often ch. 84) pacifies a malevolent graha by image-worship, Vedic japa (printed counts: Sun 7000, Moon 11000, Mars ~10000, Mercury 9000, Jupiter 19000, Venus 16000, Saturn 23000, Rāhu 18000, Ketu 17000), homa, food, and dāna. Nama-mantra 108 is later shortening, not the chapter’s Vedic sūkta.

BPHS Graha-śānti (often ch. 84; English paraphrase of the printed rite)

Sārāvalī Graha-guṇa / Graha-yoni (often ch. 4) repeats colour, element, and occupation of each graha. This engine uses it as a cross-check of Phaladeepika 2: dāna and seva follow the graha’s own nature, not an invented list.

Sārāvalī Graha-guṇādhyāya (English paraphrase; edition numbers vary)

Mānasāgarī, already cited for Kuja houses, prints weekday dāna and seva for a troubled graha. Those acts are paddhati, not a BPHS sūtra. This khaṇḍa marks them ‘सरल उपाय’.

Mānasāgarī printed shānti/dāna paddhati (not a BPHS sūtra)

तंत्रकुलज्योतिषम्

सन्तान

NORTH INDIAN

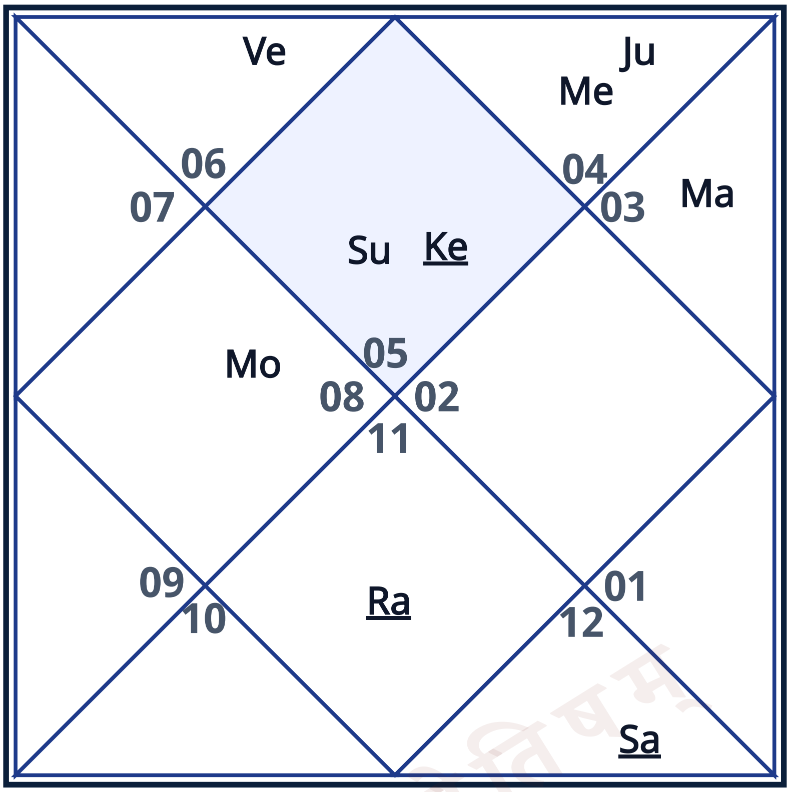

तंत्रकुलज्योतिषम्

सन्तान / परिवार रिपोर्ट

लग्न **सिंह** मिश्र	पञ्चमेश **बृहस्पति** भाव 12 · उच्च
धनेश **बुध** कुटुम्ब	दशा **बुध–बुध** महा / अन्तर

सन्तान की सम्भावना

पञ्चम भाव मिश्र (अंक 51), SAV क्रम 7। पञ्चमेश बृहस्पति भाव 12 में, उच्च (षड्बल पर्याप्त)। गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त)। पञ्चम में ग्रह: रिक्त। यह सन्तान-समर्थन है, गिनती या लिंग नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · पुत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १६) · पञ्चम + पञ्चमेश + गुरु — सन्तान-क्षमता, गिनती/लिंग नहीं

फल

पञ्चम भाव मिश्र (अंक 51), SAV क्रम 7। पञ्चमेश बृहस्पति भाव 12 में, उच्च (षड्बल पर्याप्त)। गुरु भाव 12 (षड्बल पर्याप्त)। पञ्चम में ग्रह: रिक्त। यह सन्तान-समर्थन है, गिनती या लिंग नहीं।

पञ्चमेश

बृहस्पति · भाव 12 · उच्च · SAV 28

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

पुत्रभाव (प्रचलित recension में ~अ. १६)

विधि

पञ्चम + पञ्चमेश + गुरु — सन्तान-क्षमता, गिनती/लिंग नहीं

सन्तान-स्वभाव

पञ्चमेश बृहस्पति से स्वभाव-संकेत: धार्मिक, गुरु-स्वभाव, उदार। पञ्चम के क्रूर: नहीं। योग: केमद्रुमयोगः, शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। यह प्रवृत्ति है, बच्चे का चित्र या लिंग नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेशफल २४ · कारकत्व ३२ · सन्तान-स्वभाव पञ्चमेश और गुरु से — प्रवृत्ति, पहचान नहीं

फल

पञ्चमेश बृहस्पति से स्वभाव-संकेत: धार्मिक, गुरु-स्वभाव, उदार। पञ्चम के क्रूर: नहीं। योग: केमद्रुमयोगः, शुभकर्तरीयोगः, सरलयोगः, नीचभङ्गराजयोगः। यह प्रवृत्ति है, बच्चे का चित्र या लिंग नहीं।

स्वभाव

धार्मिक, गुरु-स्वभाव, उदार

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेशफल २४ · कारकत्व ३२

विधि

सन्तान-स्वभाव पञ्चमेश और गुरु से — प्रवृत्ति, पहचान नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

कुटुम्ब

द्वितीय भाव निर्बल (SAV 5) कुटुम्ब और वाणी। धनेश बुध भाव 12 में, अरि। कुटुम्ब में ग्रह: शुक्र। यह घर का बन्ध है, वंश-घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · धन/कुटुम्बभाव (प्रचलित recension में ~अ. १३) · द्वितीय कुटुम्ब और वाणी — घर का बन्ध, घटना नहीं

फल

द्वितीय भाव निर्बल (SAV 5) कुटुम्ब और वाणी। धनेश बुध भाव 12 में, अरि। कुटुम्ब में ग्रह: शुक्र। यह घर का बन्ध है, वंश-घटना नहीं।

धनेश

बुध · भाव 12

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

धन/कुटुम्बभाव (प्रचलित recension में ~अ. १३)

विधि

द्वितीय कुटुम्ब और वाणी — घर का बन्ध, घटना नहीं

गृह / माता

चतुर्थ भाव बलवान (SAV 5) गृह और माता। बन्धुेश मंगल भाव 11 में, अरि। चन्द्र भाव 4 (षड्बल दुर्बल) मनःसुख। यह घर का वातावरण है, सम्पत्ति-सौदा नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · बन्धुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १५) · चतुर्थ गृह और माता — सुख, सम्पत्ति- सौदा नहीं

फल

चतुर्थ भाव बलवान (SAV 5) गृह और माता। बन्धुेश मंगल भाव 11 में, अरि। चन्द्र भाव 4 (षड्बल दुर्बल) मनःसुख। यह घर का वातावरण है, सम्पत्ति-सौदा नहीं।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

बन्धुभाव (प्रचलित recension में ~अ. १५)

विधि

चतुर्थ गृह और माता — सुख, सम्पत्ति- सौदा नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्तमान दशा

वर्तमान बुध–बुध सन्तान/कुटुम्ब-भावों 2 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · गुरु/चन्द्र दशा · पञ्चमेश, गुरु या चन्द्र की अवधि सन्तान/घर जगाती है — जन्म-तिथि नहीं

फल

वर्तमान बुध–बुध सन्तान/कुटुम्ब-भावों 2 को छूती है — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · गुरु/चन्द्र दशा

विधि

पञ्चमेश, गुरु या चन्द्र की अवधि सन्तान/घर जगाती है — जन्म-तिथि नहीं

सन्तान-समय

सन्तान-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29) — सहारा, जन्म-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · भावेश-दशा · गुरु/चन्द्र दशा · पञ्चमेश, गुरु या चन्द्र की अवधि सन्तान/घर जगाती है — जन्म-तिथि नहीं

फल

सन्तान-समर्थ खिड़कियाँ: बुध–सूर्य (2028-10-16–2029-01-31) · केतु–मंगल (2035-01-06–2035-06-05) · केतु–बृहस्पति (2036-06-22–2037-05-29) — सहारा, जन्म-तिथि नहीं। सावधानी: बुध–बुध · बुध–केतु · बुध–शुक्र।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

भावेश-दशा · गुरु/चन्द्र दशा

विधि

पञ्चमेश, गुरु या चन्द्र की अवधि सन्तान/घर जगाती है — जन्म-तिथि नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

सन्तान योग

केमद्रुमयोगः · शुभकर्तरीयोगः · सरलयोगः · नीचभङ्गराजयोगः

पञ्चमेश बृहस्पति षड्बल पर्याप्त। गुरु पर्याप्त · चन्द्र दुर्बल

सन्तान-समय (५ / २ / ४)

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–बुध	2026-08-22 – 2027-06-21	दुर्बल	2

दशा	अवधि	बल	भाव
बुध–केतु	2027-06-21 – 2027-10-24	तनाव	2
बुध–शुक्र	2027-10-24 – 2028-10-16	दुर्बल	2
बुध–सूर्य	2028-10-16 – 2029-01-31	बलवान	2
बुध–चन्द्र	2029-01-31 – 2029-07-29	दुर्बल	4, 2
बुध–मंगल	2029-07-29 – 2029-12-01	तनाव	4, 2, 5
बुध–राहु	2029-12-01 – 2030-10-18	तनाव	2
बुध–बृहस्पति	2030-10-18 – 2031-07-31	तनाव	5, 4, 2
बुध–शनि	2031-07-31 – 2032-07-04	दुर्बल	2, 5
केतु–शुक्र	2032-11-30 – 2034-01-31	दुर्बल	2
केतु–चन्द्र	2034-06-07 – 2035-01-06	दुर्बल	4
केतु–मंगल	2035-01-06 – 2035-06-05	बलवान	4, 2, 5
केतु–बृहस्पति	2036-06-22 – 2037-05-29	बलवान	5, 4

तन्त्रकुलज्योतिषम्

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

> BPHS Putra-bhāva (5th) is children, intellect, and mantra-fruit. Read the bhāva, its lord, occupants, and Jupiter as santāna-kāraka. This is capacity — not a child-count or a gender.
>
> BPHS Putra-bhāva (often printed as ch. 16; English paraphrase)

> Dhana / Kutumba (2nd) is the family store, speech, and household bond. A supported 2nd eases family life; dusthāna or nīca strains it.
>
> BPHS Dhana-bhāva (often printed as ch. 13; English paraphrase)

> Bandhu (4th) is home, mother, and sukha. The 4th lord and the Moon show the house in which children grow — comfort, not a property deal.
>
> BPHS Bandhu-bhāva (often printed as ch. 15; English paraphrase)

> Bhāveśaphala: the 5th lord’s dignity and house show where santāna ripens. Ucca / own / kendra or trikoṇa supports; nīca or dusthāna strains it. Delay is not a prohibition.
>
> BPHS Bhāveśaphala 24 (method; English paraphrase)

> Sthira kārakas: Jupiter is children and dharma; the Moon is mother and mind. Both are judged with the 5th and 4th lords, not instead of them.
>
> BPHS Kārakatwa 32 (English paraphrase of the usual sthira list)

> Phaladeepika putra / yoga chapters treat Hamsa and Gaja-kesari as santāna-support when Jupiter is strong — a cross-check, not a second verse-database and not a birth-count.
>
> Phaladeepika putra / yoga (English paraphrase of the method)

तंत्रकुलज्योतिषम्

दशा टाइमलाइन

NORTH INDIAN

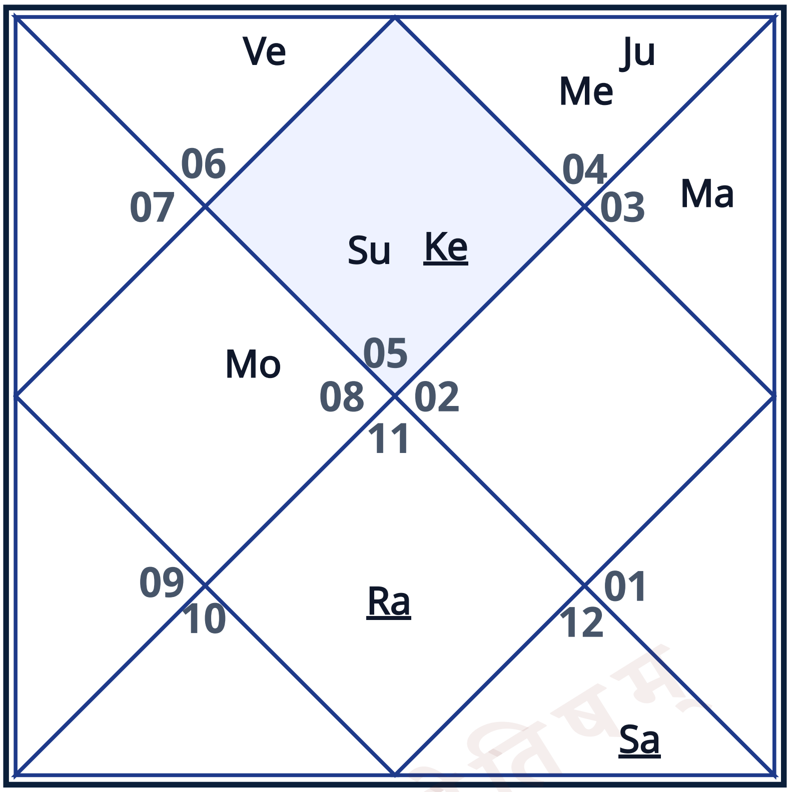

दशा टाइमलाइन

तंत्रकुलज्योतिषम्

महादशा **बुध** दुर्बल	अन्तर्दशा **बुध** 2026-08-22 – 2027-06-21
१ / ३ / ५ **2 / 6 / 9** अन्तर्दशा	योगिनी **भद्रिका** भद्रिका

वर्तमान महा–अन्तर

वर्तमान बुध–बुध (2026-08-22–2027-06-21) — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि। यह फल-शक्ति है, निश्चित घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल · वर्तमान महा–अन्तर — फल-शक्ति, घटना नहीं

फल

वर्तमान बुध–बुध (2026-08-22–2027-06-21) — दुर्बल। बुध अन्तर्दशा बुध महादशा (बुद्धि/वाणी-क्षेत्र) में वाणी, विद्या, व्यापार, बुद्धि क्षेत्र जगाती है। बुध अरि राशि में है — फल रुकते या संघर्ष से आते हैं। दुःस्थान (६/८/१२) स्थिति रोग, विघ्न या व्यय बढ़ाती है। अस्त होने से दशा-स्वामी और दुर्बल। बुध धन (2), लाभ (11) का स्वामी है — उन्हीं भावों का फल पकता है। सक्रिय भाव धन (2), लाभ (11), व्यय (12), अरि (6)। स्व अन्तर्दशा — महादशा-स्वामी का अपना फल तीव्र होता है। इस अवधि में वाणी-भ्रम, व्यापारी हानि, चिन्ता। भार: धन, व्यय, अरि। यह फल-शक्ति है, निश्चित घटना नहीं।

महा–अन्तर

बुध–बुध

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

विम्शोत्तरी अन्तर्दशा-फल

विधि

वर्तमान महा–अन्तर — फल-शक्ति, घटना नहीं

अगला १ वर्ष

अगले 1 वर्ष में 2 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) — खिड़की, घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · विम्शोत्तरी · भावेश-दशा · १ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

फल

अगले 1 वर्ष में 2 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) — खिड़की, घटना नहीं।

अवधि

2 अन्तर्दशा

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

विम्शोत्तरी · भावेश-दशा

विधि

१ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

तंत्र कुल ज्योतिष

अगले ३ वर्ष

अगले 3 वर्ष में 6 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) · बुध–शुक्र (दुर्बल) · बुध–सूर्य (बलवान) · +2 — खिड़की, घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · विम्शोत्तरी · भावेश-दशा · १ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

फल

अगले 3 वर्ष में 6 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) · बुध–शुक्र (दुर्बल) · बुध–सूर्य (बलवान) · +2 — खिड़की, घटना नहीं।

अवधि

6 अन्तर्दशा

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

विम्शोत्तरी · भावेश-दशा

विधि

१ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

अगले ५ वर्ष

अगले 5 वर्ष में 9 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) · बुध–शुक्र (दुर्बल) · बुध–सूर्य (बलवान) · +5 — खिड़की, घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · विम्शोत्तरी · भावेश-दशा · १ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

फल

अगले 5 वर्ष में 9 विम्शोत्तरी अन्तर्दशाएँ: बुध–बुध (दुर्बल) · बुध–केतु (तनाव) · बुध–शुक्र (दुर्बल) · बुध–सूर्य (बलवान) · +5 — खिड़की, घटना नहीं।

अवधि

9 अन्तर्दशा

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

विम्शोत्तरी · भावेश-दशा

विधि

१ / ३ / ५ वर्ष की खिड़कियाँ — गणना नहीं, वर्गीकरण

तंत्रकुलज्योतिषम्

दशा-सन्धि

इस क्षितिज में महादशा नहीं बदलती। अन्तर्दशा-सन्धि 8: बुध–बुध → बुध–केतु (2027-06-21) · बुध–केतु → बुध–शुक्र (2027-10-24) · बुध–शुक्र → बुध–सूर्य (2028-10-16) · बुध–सूर्य → बुध–चन्द्र (2029-01-31) — सक्रिय भाव बदलते हैं, घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · महादशा / अन्तर्दशा सन्धि · दशा-परिवर्तन सक्रिय भाव बदलता है — तिथि-घटना नहीं

फल

इस क्षितिज में महादशा नहीं बदलती। अन्तर्दशा-सन्धि 8: बुध–बुध → बुध–केतु (2027-06-21) · बुध–केतु → बुध–शुक्र (2027-10-24) · बुध–शुक्र → बुध–सूर्य (2028-10-16) · बुध–सूर्य → बुध–चन्द्र (2029-01-31) — सक्रिय भाव बदलते हैं, घटना नहीं।

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

महादशा / अन्तर्दशा सन्धि

विधि

दशा-परिवर्तन सक्रिय भाव बदलता है — तिथि-घटना नहीं

योगिनी परत

योगिनी भद्रिका–भद्रिका (दुर्बल)। अगले पाँच वर्षों में 11 अन्तयोगिनी। भद्रिका–भद्रिका (दुर्बल) · भद्रिका–उल्का (दुर्बल) · भद्रिका–सिद्धा (दुर्बल) · भद्रिका–संकटा (तनाव) · +7 यह दूसरी परत है, दूसरी घटना नहीं।

बृहत्पाराशर होराशास्त्र · योगिनी दशा (८ योगिनी, ३६ वर्ष) · योगिनी परत विम्शोत्तरी के साथ — दूसरा चक्र, दूसरी घटना नहीं

फल

योगिनी भद्रिका–भद्रिका (दुर्बल)। अगले पाँच वर्षों में 11 अन्तयोगिनी। भद्रिका–भद्रिका (दुर्बल) · भद्रिका–उल्का (दुर्बल) · भद्रिका–सिद्धा (दुर्बल) · भद्रिका–संकटा (तनाव) · +7 यह दूसरी परत है, दूसरी घटना नहीं।

योगिनी

भद्रिका–भद्रिका

ग्रन्थ

बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय

योगिनी दशा (८ योगिनी, ३६ वर्ष)

विधि

योगिनी परत विम्शोत्तरी के साथ — दूसरा चक्र, दूसरी घटना नहीं

दशा-सन्धि

प्रकार	से	को	दिन
अन्तर्दशा	बुध–बुध	बुध–केतु	2027-06-21
अन्तर्दशा	बुध–केतु	बुध–शुक्र	2027-10-24
अन्तर्दशा	बुध–शुक्र	बुध–सूर्य	2028-10-16
अन्तर्दशा	बुध–सूर्य	बुध–चन्द्र	2029-01-31
अन्तर्दशा	बुध–चन्द्र	बुध–मंगल	2029-07-29
अन्तर्दशा	बुध–मंगल	बुध–राहु	2029-12-01
अन्तर्दशा	बुध–राहु	बुध–बृहस्पति	2030-10-18
अन्तर्दशा	बुध–बृहस्पति	बुध–शनि	2031-07-31

शास्त्रीय संदर्भ — बृहत्पाराशर होराशास्त्र

तंत्रकुलज्योतिषम्

> BPHS teaches Vimśottarī, then general daśā-phala, then antar results inside each mahādaśā. This timeline only groups those already-judged periods — it does not invent a new daśā math.
>
> BPHS Vimśottarī / antardaśā-phala (English paraphrase of the method)

> The daśā of a bhāva-lord activates that bhāva. A change of mahā or antar is a change of activation — a window, not an event date.
>
> BPHS daśā of bhāva-lords (English paraphrase)

> Yogini is a second wheel (eight Yoginis, 36 years). This report adds its current and near antar as a layer beside Vimśottarī, using the existing Yogini-phala engine.
>
> BPHS Yogini daśā (English paraphrase of the method)

> Phaladeepika dignity: exaltation / own / friend supports the period; nīca or enemy strains it. The wrap does not re-judge dignity — it inherits the band from dasha-phala / yogini-phala.
>
> Phaladeepika daśā-phala dignity (English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्षफल

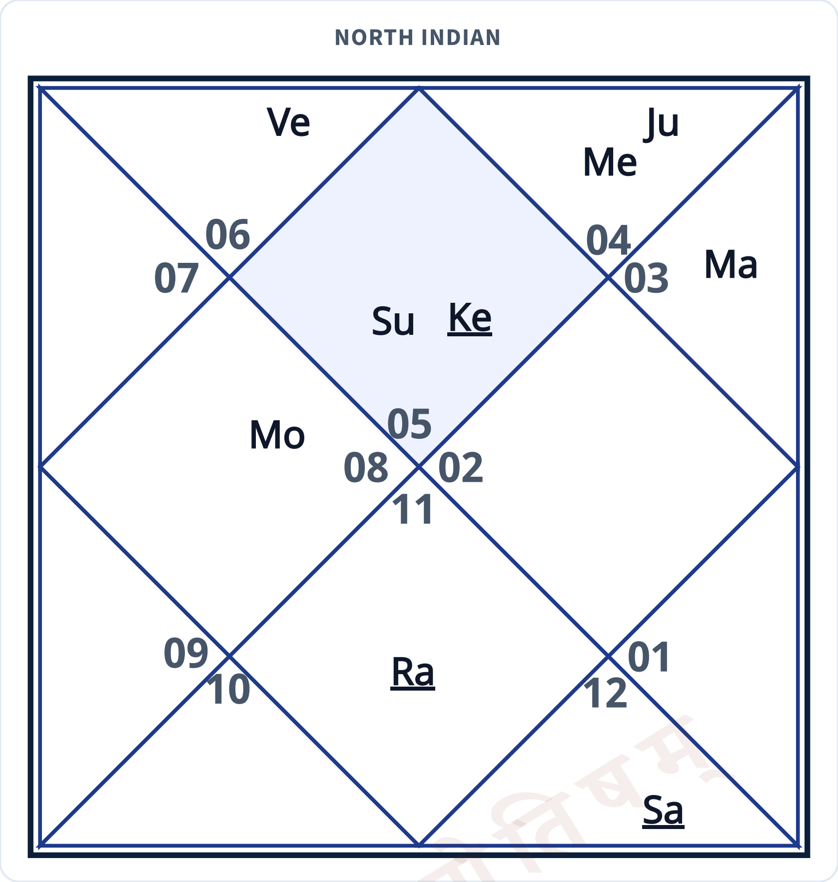

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्षफल

प्रवेश
2026-08-22
06:15:07 AM

वर्षेश
सूर्य
वर्ष-लग्नेश

मुन्था
सिंह
सूर्य

मुद्दा
बुध
2026-08-22 – 2026-09-09

वर्ष-प्रवेश

2026-08-22 06:15:07 AM · देहरादून। वर्ष-लग्न सिंह। अयनांश 26.2393°।

गणित
सूर्यसिद्धान्त स्फुट सूर्य

वर्ष-लग्न
सिंह

स्थान
देहरादून

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
वर्ष-प्रवेश

विधि
सूर्यसिद्धान्त स्फुट सूर्य = जन्म-सूर्य

मुन्था

सिंह · मुन्थेश सूर्य · वर्ष-लग्न से 1 भाव · पूर्ण वर्ष 0 (जन्म-लग्न सिंह)।

जन्म-लग्न
सिंह

भाव
1

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
मुन्था

विधि
जन्म-लग्न + पूर्ण वर्ष (१२ से शेष)

वर्षेश / पञ्चाधिकारी

सूर्य · वर्ष-लग्नेश · अंक 4। वर्ष-लग्नेश सूर्य · मुन्थेश सूर्य · जन्म-लग्नेश सूर्य · त्रिराशि-नाथ सूर्य · दिन/रात्रि-नाथ शनि।

अंक
4

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
पञ्चाधिकारी

विधि
पाँच अधिकारियों में सबसे बलवान = वर्षेश

विम्शोत्तरी मुद्दा

चल रहा बुध (2026-08-22–2026-09-09, 17.859 दिन)। नक्षत्र Jyeshtha।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
मुद्दा

विधि
वर्ष-चन्द्र नक्षत्र; १२० → १

तंत्रकुलज्योतिषम्

पत्यायिनी

चल रहा सूर्य (2026-08-22–2026-11-18)। वर्ष-लग्न सिंह से क्रम।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
पत्यायिनी

विधि
कृष्ट अंश; लग्न + सात ग्रह

योगिनी मुद्दा

चल रही भद्रिका · स्वामी बुध (2026-08-22–2026-09-08)।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
मुद्दा

विधि
जन्म-चन्द्र योगिनी; ३६ → १

ताजिक योग / सहम्

इत्थसाल चन्द्र→सूर्य · सूर्य→मंगल · बुध→सूर्य · मंगल→शनि · शुक्र→बृहस्पति। सहम्: पुण्य धनु · विद्या सिंह · राज्य मकर · विवाह कुम्भ · मृत्यु-बिन्दु वृश्चिक।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
इत्थसाल · सहम्

विधि
दीप्तांश में आवेदन = इत्थसाल; पाँच सहम् बिन्दु

वर्ष के मुख्य अवसर और चुनौतियाँ

अवसर: वर्षेश सहारा · मुन्था केन्द्र/त्रिकोण · इत्थसाल। चुनौती: ईसराफ।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
वर्षेश · मुन्था · इत्थसाल

विधि
सहारा और तनाव — घटना नहीं

तंत्रकुलज्योतिषम्

मासिक timeline

प्रवेश से १२ मास। पहला मुद्दा बुध / सूर्य / भद्रिका।

ग्रन्थ
ताजिक नीलकण्ठी

अध्याय
मुद्दा

विधि
प्रवेश से बारह मास — तीन मुद्दा

पञ्चाधिकारी

अधिकारी	ग्रह	अंक	गरिमा
वर्ष-लग्नेश	सूर्य	4	mulatrikona

अधिकारी	ग्रह	अंक	गरिमा
मुन्थेश	सूर्य	4	mulatrikona
जन्म-लग्नेश	सूर्य	4	mulatrikona
त्रिराशि-नाथ	सूर्य	4	mulatrikona
दिन/रात्रि-नाथ	शनि	-1	sama

सहम्

सहम्	राशि	अंश
पुण्य	धनु	242.6461
विद्या	सिंह	122.449
राज्य	मकर	273.6649
विवाह	कुम्भ	317.7611
मृत्यु-बिन्दु	वृश्चिक	237.8176

वर्ष के मुख्य अवसर और चुनौतियाँ

प्रकार	शीर्षक	फल
अवसर	वर्षेश सहारा	सूर्य अंक 4 — वर्ष का आधार अनुकूल।
अवसर	मुन्था केन्द्र/त्रिकोण	मुन्था वर्ष-लग्न से 1 भाव — सहारा।
अवसर	इत्थसाल	आवेदन: चन्द्र→सूर्य · सूर्य→मंगल · बुध→सूर्य · मंगल→शनि।
चुनौती	ईसराफ	वियोग: चन्द्र→बुध · चन्द्र→बृहस्पति · शुक्र→मंगल।

मासिक timeline

मास	से	विम्शोत्तरी	पत्यायिनी	योगिनी
1	2026-08-22	बुध	सूर्य	भद्रिका
2	2026-09-22	केतु	सूर्य	उल्का
3	2026-10-22	शुक्र	सूर्य	उल्का
4	2026-11-22	शुक्र	लग्न	सिद्धा

तंत्रकुलज्योतिषम्

मास	से	विम्शोत्तरी	पत्यायिनी	योगिनी
5	2026-12-22	चन्द्र	लग्न	सिद्धा
6	2027-01-22	मंगल	शुक्र	संकटा
7	2027-02-22	राहु	शुक्र	संकटा
8	2027-03-22	राहु	शनि	संकटा
9	2027-04-22	बृहस्पति	शनि	पिंगला
10	2027-05-22	शनि	मंगल	धन्या
11	2027-06-22	शनि	मंगल	भ्रामरी
12	2027-07-22	बुध	बृहस्पति	भद्रिका

विम्शोत्तरी मुद्दा

स्वामी	से	को	दिन
बुध	2026-08-22	2026-09-09	17.859
केतु	2026-09-09	2026-09-30	21.3058
शुक्र	2026-09-30	2026-11-30	60.8738
सूर्य	2026-11-30	2026-12-18	18.2621
चन्द्र	2026-12-18	2027-01-17	30.4369
मंगल	2027-01-17	2027-02-08	21.3058
राहु	2027-02-08	2027-04-04	54.7864
बृहस्पति	2027-04-04	2027-05-22	48.699
शनि	2027-05-22	2027-07-19	57.8301
बुध	2027-07-19	2027-08-22	33.8837

तंत्रकुलज्योतिषम्

शास्त्रीय संदर्भ — ताजिक नीलकण्ठी

> Varṣa-praveśa is the sidereal instant when the Sun returns to the natal Sun longitude. The year-chart is cast at that clock, at the birth place unless another place is given. This is a solar return, not a tropical birthday and not an event date.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Varṣa-praveśa (English paraphrase of the method)

> Muntha advances one rāśi for each completed solar year from the natal lagna (mod 12). Its house is counted from the varṣa-lagna. Muntheśa is that rāśi lord — a year-tone, not a named event.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Muntha (English paraphrase of the method)

> Pañca-adhikārī: muntheśa, janma-lagneśa, varṣa-lagneśa, tri-rāśi lord of the varṣa-lagna element (dina/rātri table), and the dina- or rātri-nātha. Varṣeśa is the strongest of the five by dignity and kendra from the year-lagna. Support for the year — not a job or a wedding.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Pañca-adhikārī / Varṣeśa (English paraphrase)

> Three mudda daśās fill one sidereal year from praveśa: Vimśottarī Mudda from the varṣa-Moon (120y → 1y), Patyāyinī from krishta degrees of Lagna and seven grahas, and Yogini Mudda (natal Moon wheel, 36y → 1y). Windows of capacity, not event dates.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Mudda / Patyāyinī (English paraphrase)

> Ithasāla is the faster graha applying to the slower within printed dīptāṃśa; Eesarapha is the same pair separating. Five attested sahams are points (Punya, Vidya, Rajya, Vivaha, Mrityu). Nakta, Yamaya, and Kamboola are not computed in this release.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Ithasāla / saham (English paraphrase)

> Year windows come from varṣeśa dignity, muntha's house from the year-lagna, and applying Ithasāla. They are support or strain — not a job, a wedding, or a named event.
>
> Tajika Nīlakaṇṭhī Varṣeśa / Muntha / Ithasāla (English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

गोचर

NORTH INDIAN

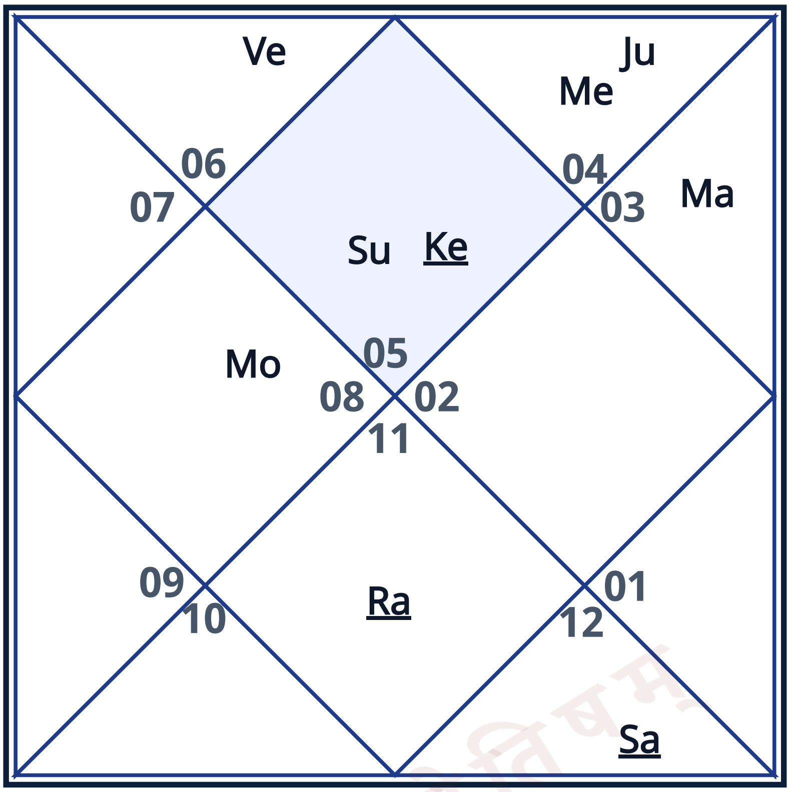

गोचर रिपोर्ट

चन्द्र-लग्न
वृश्चिक
फलदीपिका २६.१

SAV बल
10
सबसे बलवान भाव

प्रमुख
5
मिश्र

आगामी
9
राशि-सन्धि

तंत्रकुलज्योतिषम्

वर्तमान प्रमुख गोचर

आज 2026-08-24। मंगल मिथुन · लग्न से 11 · चन्द्र से 8 · BAV 5 · SAV 33 · बृहस्पति कर्क · लग्न से 12 · चन्द्र से 9 · BAV 6 · SAV 26 · शनि मीन · लग्न से 8 · चन्द्र से 5 · BAV 3 · SAV 27 · राहु कुम्भ · लग्न से 7 · चन्द्र से 4 · BAV — · SAV — · केतु सिंह · लग्न से 1 · चन्द्र से 10 · BAV — · SAV —। अनुकूल 1 · तनाव 1।

ग्रन्थ
फलदीपिका

अध्याय
गोचर २६

विधि
गुरु-शनि-राहु-मंगल — वर्तमान राशि और भाव

जन्मकुण्डली पर प्रभाव

जन्म-लग्न सिंह · जन्म-चन्द्र वृश्चिक। शुक्र: चन्द्र से ११ — फलदीपिका २६.२ सभी ग्रह अनुकूल · मंगल: चन्द्र से 8 — फलदीपिका २६.३३ संवेदनशील। SAV सबसे बलवान भाव 10 · दुर्बल 7 (सापेक्ष, ३०+ नहीं)।

ग्रन्थ
फलदीपिका

अध्याय
गोचर २६.१

विधि
चन्द्र-लग्न गोचर में प्रधान

आगामी महत्वपूर्ण गोचर

आगामी राशि-प्रवेश: मंगल मिथुन→कर्क (2026-09-21) · बृहस्पति कर्क→सिंह (2026-10-04) · मंगल कर्क→सिंह (2026-11-16) · राहु कुम्भ→मकर (2027-02-18) · मंगल सिंह→कर्क (2027-03-05) · बृहस्पति सिंह→कर्क (2027-03-08)। खिड़की, घटना-तिथि नहीं।

ग्रन्थ
फलदीपिका

अध्याय
गोचर २६

विधि
राशि-सन्धि — खिड़की, घटना नहीं

अष्टकवर्ग + गोचर

भिन्नाष्टक अपने बिंदु से गोचर तौलता है। सर्वाष्टक औसत 28.08। ६/८/१२ में भी अपने BAV ऊँचे हों तो फलदीपिका २६.४१ सहारा देता है।

ग्रन्थ
बृहत्पाराशर होराशास्त्र

अध्याय
समुदाय / अष्टकवर्गफल

विधि
अपना BAV + सापेक्ष SAV

तंत्रकुल ज्योतिषम

वर्तमान प्रमुख ग्रह गोचर

ग्रह	राशि	लग्न से	चन्द्र से	BAV	SAV
मंगल	मिथुन	11	8	5	33
बृहस्पति	कर्क	12	9	6	26
शनि	मीन	8	5	3	27
राहु	कुम्भ	7	4	—	—
केतु	सिंह	1	10	—	—

आगामी महत्वपूर्ण गोचर

ग्रह	से	को	दिन
मंगल	मिथुन	कर्क	2026-09-21
बृहस्पति	कर्क	सिंह	2026-10-04
मंगल	कर्क	सिंह	2026-11-16
राहु	कुम्भ	मकर	2027-02-18
मंगल	सिंह	कर्क	2027-03-05
बृहस्पति	सिंह	कर्क	2027-03-08
मंगल	कर्क	सिंह	2027-05-02
बृहस्पति	कर्क	सिंह	2027-06-03
मंगल	सिंह	कन्या	2027-07-06

शास्त्र — फलदीपिका · बृहत्पाराशर

> Among all lagnas the Moon-lagna is foremost for gochara. Declare transit results from the natal Moon’s sign.
>
> Phaladeepika 26.1

> Mars and Saturn support from the 3rd and 6th of the Moon; every graha supports from the 11th. This report only uses that printed list — it does not invent vedha pairs.
>
> Phaladeepika 26.2 (English paraphrase of the method)

> Ashtakavarga is the transit-quality layer: a graha is judged from bindus in its own Bhinna chart in the occupied sign, and the house from relative SAV rank. Not a 30+ cutoff, and not an event.
>
> BPHS Samudaya / Ashtakavarga Phala (English paraphrase)

तंत्रकुलज्योतिषम्

मांगलिक

NORTH INDIAN

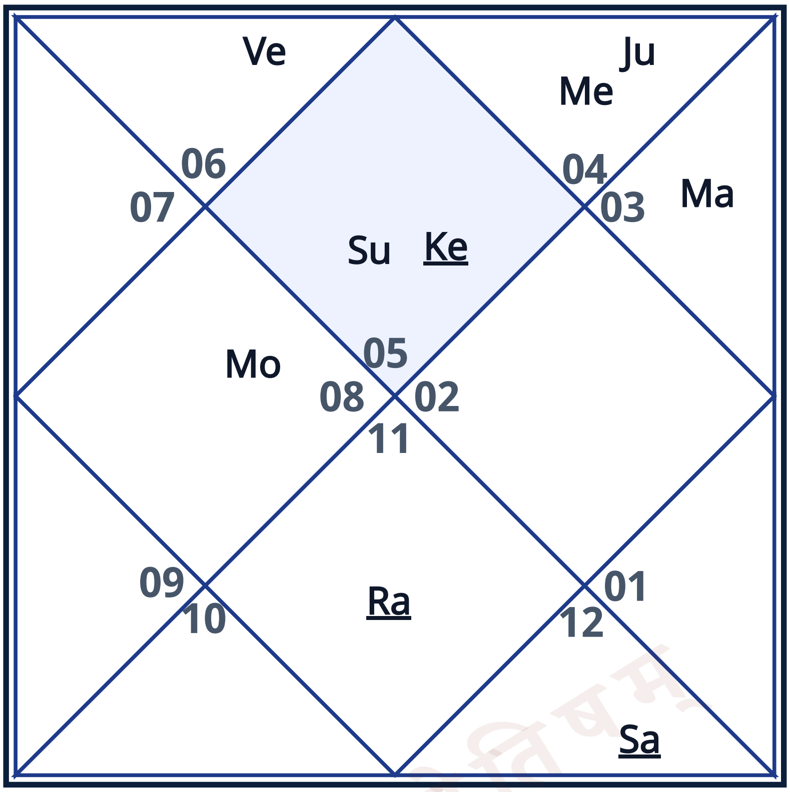

तत्कलज्योतिषम्

मांगलिक	लग्न से मंगल
दोष नहीं गुरु दृष्टि कलत्रेश: Jupiter aspects a 2nd/7th/12th lord who sits in kendra or trikoṇa.	**11 भाव** मिथुन

चन्द्र / शुक्र	तीव्रता
8 / 10 1 संदर्भ	**0** स्वक्षेत्र-उच्च भंग तीव्रता घटाता है

Mantreśvara (Phaladeepika 10) judges kalatra from the 7th, its lord, and Venus. He does not name māṅgalika or kuja-doṣa. Those names, the 1/2/4/7/8/12 list, and counting from the Moon and Venus, are later North-Indian matching paddhati. This API reports the paddhati doṣa, the two printed house-schools, and the Phaladeepika kalatra yogas that actually sit in the śāstra.

पद्धति — तीन पाठ

पाठ	भाव	लग्न से	स्रोत
संग्रहदर्पण	1, 4, 7, 8, 12	नहीं	Muhūrta-saṅgraha-darpaṇa
मानसागरी	2, 4, 7, 8, 12	नहीं	Mānasāgarī / Agastya-saṃhitā paddhati
उत्तर-भारतीय	1, 2, 4, 7, 8, 12	नहीं	चन्द्र हाँ · शुक्र नहीं

कलत्र (फलदीपिका १०)

विषय	मान
सप्तम राशि / स्वामी	कुम्भ · शनि
२+७ पाप	हाँ
७+८ पाप (स्त्री-पाठ)	हाँ
शुक्र १२/४/८ पाप	12
शुक्र पापकर्तरी	नहीं

भंग योग

लागू योग नीले कार्ड में। भंग `present` पलटता है; शमन केवल तीव्रता घटाता है।

मंगल स्वक्षेत्र / उच्च

भंग · लागू नहीं

Mars in Aries or Scorpio (own) or Capricorn (exaltation).

Later matching paddhati; not a BPHS sūtra

सप्तमेश मंगल सप्तमे

भंग · लागू नहीं

Mars occupies the 7th and owns it (Libra or Taurus Lagna).

पापोऽपि स्वगृहं गतः शुभकरः पत्न्याः

Phaladeepika 10.6

कर्क सप्तमे कुज-शनि

भंग · लागू नहीं

Mars and Saturn together in Cancer identical with the 7th.

चन्द्रक्षेत्रगयोर्मदेऽर्किकुजयोः पत्नी सती शोभना

Phaladeepika 10.3

सौम्य २ / ७

भंग · लागू नहीं

Benefics occupy or aspect both the 2nd and the 7th.

सौम्यैर्दृष्टे सति शुभयुते दंपती भाग्यवन्तौ

Phaladeepika 10.7

गुरु दृष्टि / युति

शमन · लागू नहीं

Jupiter joins or aspects Mars (5th, 7th, or 9th).

Later paddhati; Phaladeepika 10.10 is the nearest śāstra (Jupiter on kalatra lords)

गुरु दृष्टि कलत्रेश

शमन · लागू

Jupiter aspects a 2nd/7th/12th lord who sits in kendra or trikoṇa.

Phaladeepika 10.10

समान पाप (शनि)

शमन · लागू नहीं

Saturn occupies the same Kuja house as Mars.

Printed matching paddhati (शनिभौमौऽथवा...)

शनि दृष्टि

शमन · लागू नहीं

Saturn aspects Mars.

Later matching paddhati

मंगल नक्षत्र

शमन · लागू नहीं

Mars in Mrigaśiras, Citrā, or Dhaniṣṭhā (his own nakṣatras).

Later matching paddhati

सूत्र और संदर्भ

> लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे । कन्या भर्तुर्विनाशाय भर्ता कन्याविनाशकः ॥
>
> Mars in the 1st, 12th, 4th, 7th, or 8th: the girl harms the husband, the boy harms the wife.
>
> Muhūrta-saṅgraha-darpaṇa (printed matching paddhati; not a BPHS sūtra)

> धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे । कन्या भर्तुर्विनाशाय भर्ता भार्याविनाशनम् ॥
>
> Mars in the 2nd, 12th, 4th, 7th, or 8th: the same marital harm. This school counts the 2nd, not the 1st.
>
> Mānasāgarī / Agastya-saṃhitā as printed in matching paddhati (not BPHS)

> शुभाधिपयुतेक्षिते सुतकलत्रभे लग्नतो विधोरपि तयोः शुभं त्वितरथान सिद्धिस्तयोः । सिताव्ययसुखाष्टगैः खरखगैरसन्नध्यगे सितेऽप्यथ शुभेतरेक्षितयुते च जायावधः ॥
>
> Malefics in the 12th, 4th, and 8th from Venus, Venus between malefics, or Venus joined / aspected by malefics: loss of wife.
>
> Phaladeepika 10.1

> शुक्रे वृश्चिकगे मदे मृतवधूः कामे वृषस्थे बुधे स्त्रीनाशस्त्वथ नीचगे सुरगुरौ द्यूनाधिरूढे तथा । जामित्रे झषगे शनौ सति तथा भौमेऽथवा स्त्रीमृतिश्चन्द्रक्षेत्रगयोर्मदेऽर्किकुजयोः पत्नी सती शोभना ॥
>
> Saturn or Mars in Pisces identical with the 7th: death of the wife. Saturn and Mars in Cancer identical with the 7th: a chaste, fortunate, beautiful wife.
>
> Phaladeepika 10.3

> अस्ते वास्तपतावसद्ग्रहयुते दृष्टेऽप्यसन्मध्यगे नीचारातिगृहेऽर्ककान्त्यभिहते ब्रूयात्कलत्रच्युतिम् । कमे वा सुतभाग्ययोर्विकलदारोऽसौ सपापे भृगौ शुक्रे वा कुजमन्दवर्गसहिते दृष्टे परस्त्रीरतः ॥
>
> The 7th or its lord joined, aspected, or hemmed by malefics, in fall or an enemy sign, or combust: loss of spouse.
>
> Phaladeepika 10.4

> स्त्रीसंख्यां मदगैर्ग्रहैर्मृतिमसत्खेटैश्च सद्भिः स्थितिः द्यूनेशे सबले शुभे सति वधूः साध्वी सुपुत्रान्विता । पापोऽपि स्वगृहं गतः शुभकरः पत्न्याश्च कामस्थितः हित्वा षड्व्ययरन्ध्रपान्मदनगाः सौम्यास्तु सौख्यावहाः ॥
>
> Even a malefic in the 7th does good for the wife when he owns that house. Benefics in the 7th are good unless they own 6, 8, or 12.
>
> Phaladeepika 10.6

> भार्यानाशस्त्वशुभसहितौ वीक्षितौ वार्थकामौ तत्र प्राहुस्त्वशुभफलदां क्रूरदृष्टि विशेषात् । एवं पत्न्या अपि सति मदे चाष्टमे वास्ति दोषः सौम्यैर्दृष्टे सति शुभयुते दंपती भाग्यवन्तौ ॥

Malefics occupying or aspecting the 2nd and 7th: loss of wife (in a woman's chart, the 7th and 8th). Benefics occupying or aspecting those houses: the couple is fortunate.

Phaladeepika 10.7

कुटुम्बदारव्ययराशिनाथा जीवेक्षिताः कोणचतुष्टयस्थाः। दारेश्वराद्वित्तकलत्रलाभे सौम्याः कलत्रं ससुतं सुखाढ्यम्॥

If the lords of the 2nd, 7th, and 12th are aspected by Jupiter and sit in kendra or trikoṇa, kalatra is happy and with children.

Phaladeepika 10.10

कलत्रनाथे रिपुनीचसंस्थे मूढेऽथवा पापनिरीक्षिते वा कलत्रभे पापयुतेऽथ दृष्टे कलत्रहानी प्रवदन्ति सन्तः॥

7th lord in an enemy or fall sign, combust, or aspected by malefics, and the 7th occupied or aspected by malefics: the wise declare loss of spouse.

Phaladeepika 10.15

कुजदोषवती देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्योः सुखवर्धनम्॥

A girl with Kuja-doṣa given to a boy who also has it: there is no doṣa, no harm; the couple's happiness grows.

Printed matching paddhati; commonly attributed to Muhūrta-cintāmaṇi pariśiṣṭa (not BPHS)

शनिभौमौऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्। तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥

Saturn, or another malefic of like strength, in those same houses destroys Bhauma-doṣa.

Printed matching paddhati (not a BPHS or Phaladeepika sūtra)

तंत्रकुलज्योतिषम्

योग

NORTH INDIAN

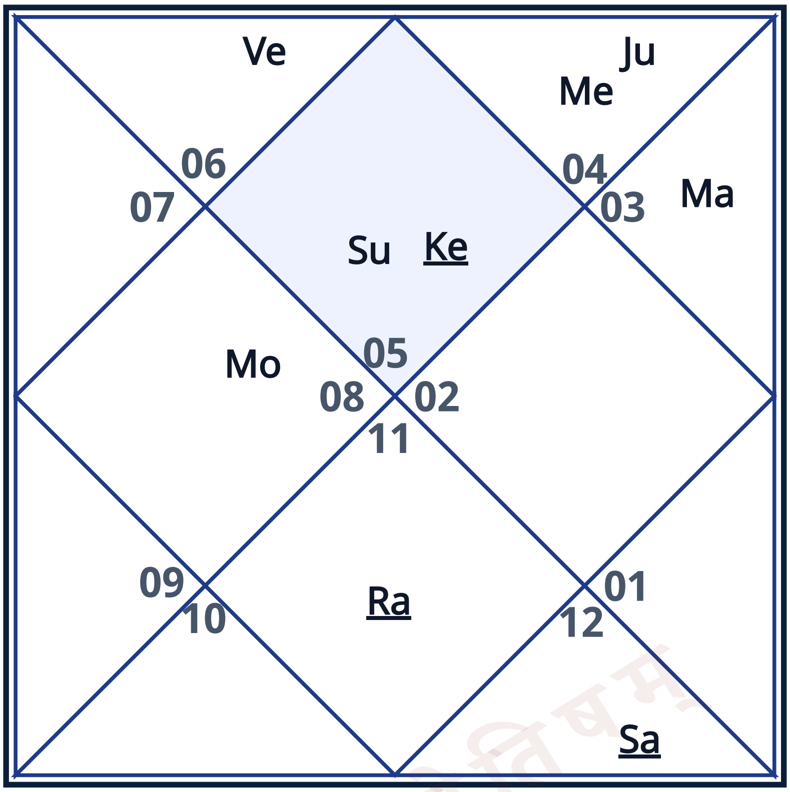

तंत्रकुलज्योतिषम्

YOGAS FOUND

6

26 checked

MANGLIK

No

House 11

KAAL SARPA

None

MARS RASHI

Gemini

Kemadruma Yoga Malefic

केमद्रुमयोगः

Why. no other graha in bhavas [2, 12] from Moon

चन्द्रादाद्यधनाऽन्त्यस्थो विना भानुं न चेद्ग्रहः । कश्चित् स्याद्वा विना चन्द्रं लग्नात् केन्द्रगतोऽथ वा ॥

If no planet except the Sun is with the Moon or in the second or twelfth from the Moon, and no planet except the Moon occupies a kendra from Lagna, Kemadruma is declared. Phaladeepika 6.5 adds: there is no Kemadruma when the Moon in a kendra is joined by a planet, or when planets occupy kendras from the Moon.

Brihat Parashara Hora Shastra ch. 37.11-13 · Phaladeepika ch. 6.5-7

योगः केमद्रुमो नाम तत्र जातोऽतिगर्हितः । बुद्धिविद्याविहीनश्च दरिद्रापत्तिसंयुतः ॥

Phala. One born in Kemadruma is much reproached, bereft of intelligence and learning, and joined to poverty and calamity — unless a stated bhaṅga is present.

Strength. weak · 12/100

नवांश. चन्द्र D9 कुम्भ · D9 नहीं दोहराता

षड्बल. चन्द्र 307.689 (दुर्बल)

Drishti. Jupiter śubha on Moon (Sama)

Obstacles.

- Moon is nīca
- Navāṃśa does not repeat this yoga from the D9 Lagna
- A yoga graha is below required ṣaḍbala

Dasha. Not running now. Next Mercury–Moon antardaśā 2029-01-31 – 2029-07-29. Full power in Moon mahādaśā 2065-07-04 – 2075-07-05

When it ripens.

तन्त्रकुलज्योतिषम्

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Mercury–Moon	2029-01-31 – 2029-07-29	partial
Antardasha	Ketu–Moon	2034-06-07 – 2035-01-06	partial
Antardasha	Venus–Moon	2043-11-04 – 2045-07-04	partial
Antardasha	Sun–Moon	2059-10-22 – 2060-04-22	partial
Mahadasha	Moon	2065-07-04 – 2075-07-05	full
Antardasha	Moon–Moon	2065-07-04 – 2066-05-05	peak
Antardasha	Mars–Moon	2081-12-03 – 2082-07-04	partial
Antardasha	Rahu–Moon	2097-12-15 – 2099-06-16	partial

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

Ubhayachari Yoga Benefic

उभयाचारीयोगः

Why. Venus in bhava 2 from Sun; Mercury, Jupiter in bhava 12 from Sun

हित्वेन्दुं शुभखेटैर्वेष्याद्याख्याः सवितुरुभयस्थानस्थैः सवितुः शुभैः स्युः।

Benefics other than the Moon in both the second and the twelfth from the Sun cause (Śubha) Ubhayachari Yoga.

Phaladeepika ch. 6.8-9

चार्वङ्गः प्रियवाक्प्रपञ्चरसिको वाग्मी यशस्वी धनी विद्यादत्र सुवेसिवास्युभयचर्यख्येषु पादक्रमात्।

Phala. Beautiful of limb, affable, eloquent, renowned, and wealthy — the third quarter of Phaladeepika 6.9 is Ubhayachari phala.

- संतुलन
- प्रतिष्ठा

Strength. strong · 78/100

नवांश. सूर्य D9 वृषभ · D9 नहीं दोहराता

षड्बल. सूर्य 416.1125 (पर्याप्त)

Drishti. Rahu pāpa on Sun

तंत्रकुलज्योतिषम्

Obstacles.

- Sun receives pāpa-dṛṣṭi from Rahu
- Navāṃśa does not repeat this yoga from the D9 Lagna
- Uncancelled Kemadruma withholds other yoga phala (BPHS 37.13)

Dasha. Not running now. Next Mercury–Sun antardaśā 2028-10-16 – 2029-01-31. Full power in Sun mahādaśā 2059-07-05 – 2065-07-04

When it ripens.

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Mercury–Sun	2028-10-16 – 2029-01-31	partial
Antardasha	Ketu–Sun	2034-01-31 – 2034-06-07	partial
Antardasha	Venus–Sun	2042-11-03 – 2043-11-04	partial

Period	Lord	Dates	Power
Mahadasha	Sun	2059-07-05 – 2065-07-04	full
Antardasha	Sun–Sun	2059-07-05 – 2059-10-22	peak
Antardasha	Moon–Sun	2075-01-03 – 2075-07-05	partial
Antardasha	Mars–Sun	2081-07-29 – 2081-12-03	partial
Antardasha	Rahu–Sun	2097-01-21 – 2097-12-15	partial

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

Shubha Kartari Yoga Benefic

शुभकर्तरीयोगः

Why. Venus in bhava 2 from Lagna; Mercury, Jupiter in bhava 12 from Lagna

सत्पार्श्वे शुभकर्तरीत्युदयभे पापेस्तु पापाह्वयः।

When the twelfth and the second from Lagna (udaya) are occupied by benefics, the yoga is Śubha-kartari. Malefics in those two houses make it Pāpa-kartari.

Phaladeepika ch. 6.8 · Phaladeepika ch. 6.11

चिरायुष्को विभयरोगरिपुः सुखी स्यादाढ्यः श्रिया च शुभकर्तरियोगजातः।

Phala. Long-lived, fearless, free from disease and enemies, happy, and rich.

- रक्षा
- लाभ
- आयु

Strength. weak · 5/100

नवांश. बृहस्पति D9 मकर · शुक्र D9 मिथुन · बुध D9 मीन · D9 नहीं दोहराता

षड्बल. बृहस्पति 414.9513 (पर्याप्त) · शुक्र 366.7441 (पर्याप्त) · बुध 410.7542 (सीमांत)

Maitri. Jupiter → Venus: Sama; Venus → Jupiter: Mitra; Jupiter → Mercury: Adhi Shatru; Mercury → Jupiter: Shatru; Venus → Mercury: Adhi Mitra; Mercury → Venus: Adhi Mitra

तंत्रकुलज्योतिषम्

Drishti. Mercury śubha on Jupiter (Shatru); Mars pāpa on Venus (Mitra); Saturn pāpa on Venus (Sama); Jupiter śubha on Mercury (Adhi Shatru)

Obstacles.

- Venus receives pāpa-dṛṣṭi from Mars, Saturn
- Venus is nīca
- Mercury is asta
- Jupiter and Venus are mitra — yoga is supported
- Jupiter and Mercury are adhi-śatru in pañcadhā maitri — yoga is weakened
- Mercury and Venus are adhi-mitra — yoga is supported
- Navāṃśa does not repeat this yoga from the D9 Lagna
- Uncancelled Kemadruma withholds other yoga phala (BPHS 37.13)

Dasha. Mercury dasha is running (2026-08-22 – 2032-07-04). Next peak Mercury–Venus antardaśā 2027-10-24 – 2028-10-16

When it ripens.

Period	Lord	Dates	Power
Mahadasha	Mercury	2026-08-22 – 2032-07-04	now
Antardasha	Mercury–Mercury	2026-08-22 – 2027-06-21	now
Antardasha	Mercury–Venus	2027-10-24 – 2028-10-16	peak
Antardasha	Mercury–Jupiter	2030-10-18 – 2031-07-31	peak
Antardasha	Ketu–Venus	2032-11-30 – 2034-01-31	partial
Antardasha	Ketu–Jupiter	2036-06-22 – 2037-05-29	partial
Antardasha	Ketu–Mercury	2038-07-08 – 2039-07-05	partial
Mahadasha	Venus	2039-07-05 – 2059-07-05	full

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

Harsha Yoga Benefic

हर्षयोगः

तत्कुलज्योतिषम्

Why. Saturn (lord of 6) in bhava 8 from Lagna

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्धावैः स्युस्त्ववयोगनिःस्वमृतयः प्रोक्ताः कुहूः पामरः । हर्षो दुष्कृतिरित्यथापि सरलो निर्भाग्यदुर्योगकौ योगा द्वादश ते दरिद्र विमले प्रोक्ताविपश्चिज्जनैः ॥

When a bhāva-lord occupies the 6th, 8th, or 12th, twelve named yogas arise in house-order. The sixth of them is Harsha: the 6th-lord in 6, 8, or 12.

Phaladeepika ch. 6.57 · Phaladeepika ch. 6.63

सुखभोगभाग्यदृढगात्रसंयुतो निहताहितो भवति पापभीरुकः प्रथितप्रधानजनवल्लभो धनद्युतिमित्रकीर्तिसुतवांश्च हर्षजः ॥

Phala. Happiness, enjoyment, fortune, a strong body, victory over enemies, fear of sin, wealth, splendour, friends, fame, and children.

- शत्रुजय
- सुख
- कीर्ति

Strength. weak · 48/100

नवांश. शनि D9 तुला · D9 नहीं दोहराता

षड्बल. शनि 373.6243 (प्रबल)

Drishti. Jupiter śubha on Saturn (Shatru); Venus śubha on Saturn (Sama)

Obstacles.

- Navāṃśa does not repeat this yoga from the D9 Lagna
- Uncancelled Kemadruma withholds other yoga phala (BPHS 37.13)

Dasha. Not running now. Next Mercury–Saturn antardaśā 2031-07-31 – 2032-07-04. Full power in Saturn mahādaśā 2116-07-05 – 2135-07-05

When it ripens.

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Mercury–Saturn	2031-07-31 – 2032-07-04	partial
Antardasha	Ketu–Saturn	2037-05-29 – 2038-07-08	partial
Antardasha	Venus–Saturn	2052-05-04 – 2055-07-05	partial
Antardasha	Sun–Saturn	2062-05-11 – 2063-04-23	partial

तंत्रकुलज्योतिषम्

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Moon–Saturn	2069-10-04 – 2071-05-05	partial
Antardasha	Mars–Saturn	2077-11-24 – 2079-01-03	partial
Mahadasha	Saturn	2116-07-05 – 2135-07-05	full
Antardasha	Saturn–Saturn	2116-07-05 – 2119-07-08	peak

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

Sarala Yoga Benefic

सरलयोगः

Why. Jupiter (lord of 8) in bhava 12 from Lagna

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः स्युस्त्ववयोगनिःस्वमृतयः प्रोक्ताः कुहूः पामरः । हर्षो दुष्कृतिरित्यथापि सरलो निर्भाग्यदुर्योगकौ योगा द्वादश ते दरिद्र विमले प्रोक्ताविपश्चिज्जनैः ॥

The eighth of the twelve dusthāna-lord yogas is Sarala: the 8th-lord in 6, 8, or 12.

Phaladeepika ch. 6.57 · Phaladeepika ch. 6.65

दीर्घयुष्मान् दृढमतिरभयः श्रीमान्विद्यासुतधनसहितः । सिद्धारम्भो जितरिपुरमलो विख्याताख्यः प्रभवति सरले ॥

Phala. Long-lived, resolute, fearless, prosperous, endowed with learning, children, and riches; successful, victorious over foes, pure, and widely celebrated.

- आयु
- निर्भयता
- सिद्धि

Strength. strong · 90/100

नवांश. बृहस्पति D9 मकर · D9 नहीं दोहराता

षड्बल. बृहस्पति 414.9513 (पर्याप्त)

Drishti. Mercury śubha on Jupiter (Shatru)

Obstacles.

- Navāṃśa does not repeat this yoga from the D9 Lagna

- Uncancelled Kemadruma withholds other yoga phala (BPHS 37.13)

Dasha. Not running now. Next Mercury–Jupiter antardaśā 2030-10-18 – 2031-07-31. Full power in Jupiter mahādaśā 2100-07-05 – 2116-07-05

When it ripens.

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Mercury–Jupiter	2030-10-18 – 2031-07-31	partial
Antardasha	Ketu–Jupiter	2036-06-22 – 2037-05-29	partial
Antardasha	Venus–Jupiter	2049-09-03 – 2052-05-04	partial
Antardasha	Sun–Jupiter	2061-07-23 – 2062-05-11	partial
Antardasha	Moon–Jupiter	2068-06-04 – 2069-10-04	partial
Antardasha	Mars–Jupiter	2076-12-18 – 2077-11-24	partial
Mahadasha	Jupiter	2100-07-05 – 2116-07-05	full
Antardasha	Jupiter–Jupiter	2100-07-05 – 2102-08-23	peak

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

Neecha Bhanga Raja Yoga Benefic

नीचभङ्गराजयोगः

Why. Moon nīca; Mars and Venus are mutually in kendra (bhava 4); Venus nīca; Mercury and Jupiter are mutually in kendra (bhava 1)

नीचस्थितो जन्मनि यो ग्रहः स्यात्तद्राशिनाथोऽपि तदुच्चनाथः । स चन्द्रलग्नाद्यदि केन्द्रवर्ती राजा भवेद्धार्मिकचक्रवर्ती ॥

If a planet is debilitated and the lord of that sign, or the lord of its exaltation sign, occupies a kendra from Lagna or from the Moon, Nīcabhaṅga Rāja Yoga is caused. Phaladeepika 7.27–28 add: those two lords mutually in kendra, or the nīca graha aspected by its rāśi-lord.

Phaladeepika ch. 7.26 · Phaladeepika ch. 7.27-30

नीचे तिष्ठति यस्तदाश्रयगृहाधीशो विलग्नाद्यदा चन्द्राद्वा यदि नीचगस्य विहगस्योच्चर्क्षनाथोऽथवा । केन्द्रे तिष्ठति चेत्प्रपूर्णविभवः स्याच्चक्रवर्ती नृपो धर्मिष्ठोऽन्यमहीशवन्दितपदस्तेजोयशोभाग्यवान् ॥

Phala. Full prosperity, a just and famous rise, and honour — the nīca is cancelled, it is not read as ordinary debility.

- नीचभंग
- उदय
- सम्मान

Strength. moderate · 52/100

नवांश. चन्द्र D9 कुम्भ · शुक्र D9 मिथुन · D9 दोहराता है

षड्बल. चन्द्र 307.689 (दुर्बल) · शुक्र 366.7441 (पर्याप्त)

Maitri. Moon → Venus: Mitra; Venus → Moon: Sama

Drishti. Jupiter śubha on Moon (Sama); Mars pāpa on Venus (Mitra); Saturn pāpa on Venus (Sama)

Obstacles.

- Moon is nīca
- Venus receives pāpa-dṛṣṭi from Mars, Saturn
- Venus is nīca
- Moon and Venus are mitra — yoga is supported
- A yoga graha is below required ṣaḍbala
- Uncancelled Kemadruma withholds other yoga phala (BPHS 37.13)

तंत्रकुल ज्योतिषम्

Dasha. Not running now. Next Mercury–Venus antardaśā 2027-10-24 – 2028-10-16. Full power in Venus mahādaśā 2039-07-05 – 2059-07-05

When it ripens.

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Mercury–Venus	2027-10-24 – 2028-10-16	partial
Antardasha	Mercury–Moon	2029-01-31 – 2029-07-29	partial
Antardasha	Ketu–Venus	2032-11-30 – 2034-01-31	partial
Antardasha	Ketu–Moon	2034-06-07 – 2035-01-06	partial
Mahadasha	Venus	2039-07-05 – 2059-07-05	full
Antardasha	Venus–Venus	2039-07-05 – 2042-11-03	peak
Antardasha	Venus–Moon	2043-11-04 – 2045-07-04	peak

Period	Lord	Dates	Power
Antardasha	Sun–Moon	2059-10-22 – 2060-04-22	partial

Yoga present is not full phala. Dignity, pañcadhā maitri, graha dṛṣṭi, navāṃśa confirmation, ṣaḍbala, and the current dasha modify the result.

तंत्रकुलज्योतिषम्

गुण मिलान

DEVADUTT

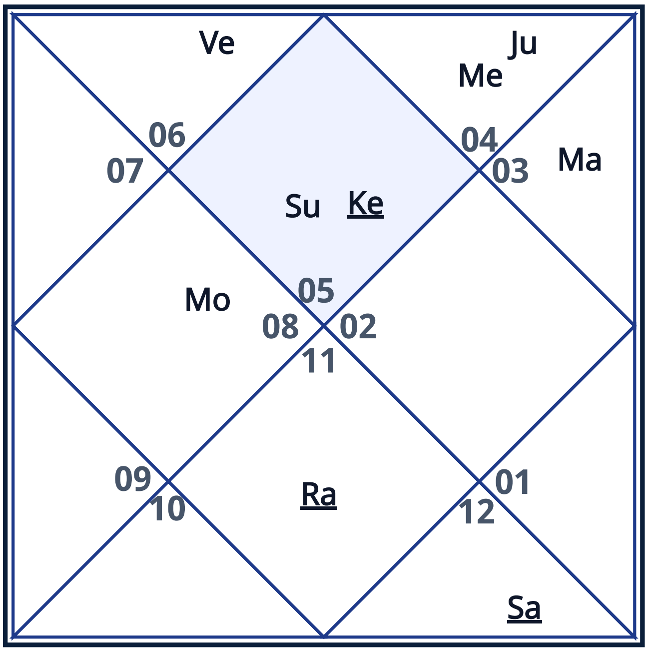

SAMPLE PARTNER

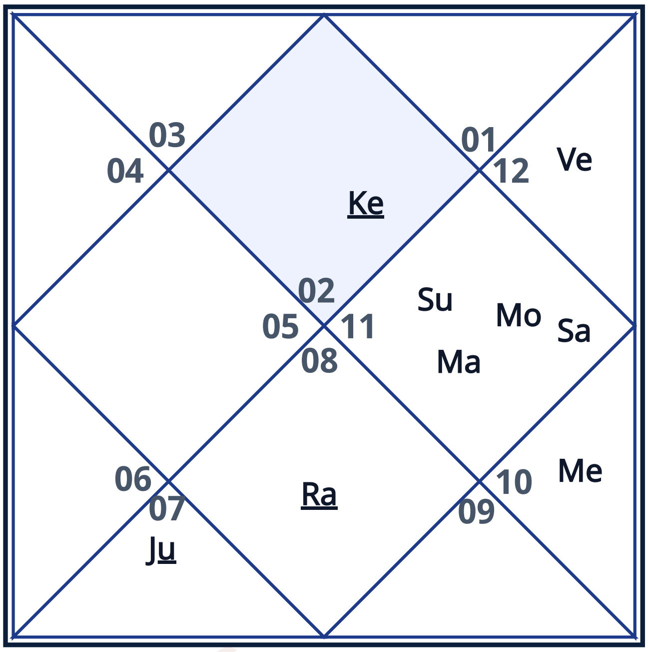

18.0/36.0

Not compatible · Nadi dosha

50.0% · मध्यम · Devadutt वृश्चिक / Sample Partner कुम्भ

तंत्रकुलज्योतिषम्

अष्टकूट
18.0 / 36.0
50.0%

बन्ध
मध्यम
Jyotirnibandha

नाड़ी
दोष
कच्चा दोष

मेल
नहीं
18 गुण + प्रभावी नाड़ी

Ashtakoot is nakṣatra-melāpaka from the natal Moon (Muhūrta-cintāmaṇi Vivāha). It is not a BPHS yoga and does not replace the 7th house, Navamsa, or Kuja-doṣa. Eighteen gunas is later matching paddhati, not a Parāśara sūtra. This API scores the eight kūṭas, names the doṣa (2/12, 5/9, 6/8, eka-nāḍī), and applies only printed bhaṅga.

चन्द्र — अवकहड़ा

पक्ष	राशि	नक्षत्र	गण	नाड़ी	योनि	वर्ण
Devadutt	वृश्चिक	ज्येष्ठा	राक्षस	अन्त्य	मृग	ब्राह्मण
Sample Partner	कुम्भ	शतभिषा	राक्षस	अन्त्य	अश्व	शूद्र

अष्टकूट गुण

वर्ण
1.0 / 1.0

पूर्ण

ब्राह्मण / शूद्र

Girl's rāśi-varṇa should be equal or lower than the boy's.

वश्य
0.0 / 2.0

शून्य · दोष

वृश्चिक / कुम्भ

Attraction / who follows whom, from the printed vaśya table of the twelve rāśis.

तारा
1.5 / 3.0

आंशिक · दोष

वध / क्षेम

Both ways from janma nakṣatra. Vipat, Pratyari, Vadha are inauspicious.

योनि
2.0 / 4.0

आंशिक

मृग / अश्व

Fourteen animal yonis; friends 3, same 4, enemies 0.

ग्रह मैत्री
0.5 / 5.0

आंशिक · दोष

मंगल / शनि

Natural friendship of the two Moon-sign lords.

गण
6.0 / 6.0

पूर्ण

राक्षस / राक्षस

Deva–Manuṣya is accepted; Deva–Rākṣasa is the harsh pair.

भकूट
7.0 / 7.0

पूर्ण

वृश्चिक / कुम्भ

3/11 or 4/10 — other relations are happy.

नाड़ी
0.0 / 8.0

शून्य · दोष

अन्त्य / अन्त्य

Different nāḍī: 8. Same nāḍī: 0. Madhya–Madhya is the harshest (MC 34).

Koot	गुण	अंक	पूर्ण	वर / वधू
Varna	वर्ण	1.0	1.0	ब्राह्मण / शूद्र
Vashya	वश्य	0.0	2.0	वृश्चिक / कुम्भ
Tara	तारा	1.5	3.0	वध / क्षेम
Yoni	योनि	2.0	4.0	मृग / अश्व
Graha Maitri	ग्रह मैत्री	0.5	5.0	मंगल / शनि
Gana	गण	6.0	6.0	राक्षस / राक्षस
Bhakoot	भकूट	7.0	7.0	वृश्चिक / कुम्भ
Nadi	नाड़ी	0.0	8.0	अन्त्य / अन्त्य

शास्त्र — मुहूर्तचिन्तामणि विवाह

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रहमैत्रकम् । गणमैत्रं भकूटं च नाडी चैते गुणाधिकाः ॥

Varna, Vaśya, Tārā, Yoni, Graha-maitrī, Gaṇa-maitrī, Bhakūṭa, and Nāḍī: these are the gunas, each one point more than the last (1 through 8 = 36).

Muhūrta-cintāmaṇi, Vivāha prakaraṇa 21

जन्म सम्पत् विपत् क्षेम प्रत्यरि साधक वध मित्र अतिमित्र

The nine tārās counted from the janma nakṣatra. Remainder 0 is Atimitra (9th). Vipat, Pratyari, and Vadha are inauspicious. Matching scores both directions: 3 / 1.5 / 0.

Muhūrta-cintāmaṇi, Gochara prakaraṇa 4.12 (names); matching paddhati counts both ways

मृत्युः षष्ठाष्टके ज्ञेयोऽपत्यहानिर्नवात्मजे । द्विर्द्वादशे निर्धनत्वं द्वयोरन्यत्र सौख्यकृत् ॥

6/8: death-like trouble. 9/5: loss of children. 2/12: poverty. Other rāśi relations are happy.

Muhūrta-cintāmaṇi, Vivāha prakaraṇa 31

मेषाली वृषतुले कर्किधनुषी सिंहमीनके । मिथुनाङ्गने मकरकुम्भौ षष्ठाष्टकेऽपि शुभप्रदौ ॥

Aries–Scorpio, Taurus–Libra, Cancer–Sagittarius, Leo–Pisces, Gemini–Virgo, Capricorn–Aquarius: even 6/8 is auspicious.

Muhūrta-pradīpa (printed ṣaḍāṣṭaka exception)

वश्यत्वे राशिनाथानामैत्र्यां वा न भकूटकम् । लाभद्वितीये राशीशसख्ये दोषो न विद्यते ॥

If the rāśi-lords are friends, or one sign is vaśya to the other, 2/12 Bhakūṭa does not apply.

Kālaprakāśikā

ज्येष्ठार्यम्णे शनीहराधिपभयुगयुगं दास्रभं चैकनाडी पुष्येन्दुत्वाष्ट्रमित्रान्तकवसुजलभं योनिबुध्ने च मध्या । वाय्वग्निव्यालविश्वोडुयुगयुगमथो पौष्णभं चापरास्याद् दम्पत्योरेकनाड्यां परिणयनमसन्मध्यनाड्यां हि मृत्युः ॥

Marriage in the same nāḍī is inauspicious (asat). The same Madhya nāḍī is spoken of as death-like.

Muhūrta-cintāmaṇi, Vivāha prakaraṇa 34

ऋक्षैक्ये राशिभेदे च राश्यैक्ये ऋक्षभिन्नके । नाडीदोषो न विद्यते तथा गणकृतो रणः ॥

Same nakṣatra and different Moon-signs, or the same Moon-sign and different nakṣatras: Nāḍī-doṣa and Gaṇa-doṣa do not apply.

Jyotirnibandha

रोहिण्यार्द्रा मघा पुष्यो विशाखा श्रवणो भरणी । उत्तराभाद्रपच्चैव एकनाडी न दोषकृत् ॥

Rohiṇī, Ārdrā, Maghā, Puṣya, Viśākhā, Śravaṇa, Bharaṇī, and Uttara-bhādrapadā: eka-nāḍī is not a doṣa.

Nārada-saṃhitā (printed exception)

विप्राणां नाडीदोषस्तु क्षत्रियाणां भकूटकम् । वैश्यानां गणदोषस्तु शूद्राणां वर्णदोषकः ॥

तंत्र कुलज्योतिषम्

> Nāḍī matters most for Brāhmaṇa, Bhakūṭa for Kṣatriya, Gaṇa for Vaiśya, Varṇa for Śūdra.
>
> Vasiṣṭha-saṃhitā (printed matching paddhati)

युग्म मांगलिक

वर **नहीं** मिथुन	वधू **नहीं** कुम्भ
दोनों मंगली **नहीं**	युग्म भंग **नहीं**

> कुजदोषवती देया कुजदोषवते किल । नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्योः सुखवर्धनम् ॥
>
> A girl with Kuja-doṣa given to a boy who also has it: there is no doṣa, no harm; the couple's happiness grows.
>
> Printed matching paddhati; commonly attributed to Muhūrta-cintāmaṇi pariśiṣṭa (not BPHS)

तंत्रकुलज्योतिषम्